THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

कांग्रेस ने मतदान आंकड़े देरी से जारी करने को लेकर ईसी पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस ने बुधवार को वास्तविक मतदाता मतदान आंकड़ों और चुनाव आयोग द्वारा जारी अंतिम आंकड़ों के बीच बड़े अंतर पर सवाल उठाए। पार्टी ने कहा कि मतदाता चुनाव आयोग में अजीब गतिविधियों से परेशान हैं। कांग्रेस नेता और पार्टी के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि यह अंतर करीब 1.7 करोड़ वोटों का है। उन्होंने इस अंतर को चौंकाने वाला बताया। खेड़ा ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा, 'चुनाव आयोग में चार चरणों के मतदान के दौरान अजीबोगरीब गतिविधियों को लेकर मतदाता परेशान हैं।

वर्ष-29 अंक : 60 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **वैशाख पूर्णिमा 2081 गुरुवार, 23 मई-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16** **मूल्य : 8 रुपये**

'इंडी गठबंधन वाले रामलला को फिर से टेंट में भेजना चाहते हैं'

पीएम मोदी ने कांग्रेस-सपा पर साधा निशाना

बस्ती, 22 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बस्ती में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बड़ी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उनके निशाने पर कांग्रेस और सपा गठबंधन रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इंडी गठबंधन वाले रामलला को फिर से टेंट में भेजना चाहते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि 25 मई को बस्ती की जनता तुष्टिकरण को कब्रिस्तान में दफन करने के लिए वोट करेगी।

सपा पर पीएम मोदी ने साधा निशाना

पीएम मोदी ने कहा, सपा ने यूपी को केवल बदनामी दी थी। हमारी बहन-बेटियों का घर से निकलना मुश्किल था। लोग जमीन खरीदने से डरते थे, जमीन खरीदी तो कोई न कोई कब्जा कर लेता था। गुंडे-माफिया सपा के मेहमान होते थे, दंगाइयों को स्पेशल प्रोटोकॉल मिलता था, आतंकवादियों को जेल से छोड़ने का फरमान जारी होता था। इस चुनाव में ऐसी कोई गलती नहीं करनी है, जिससे इन लोगों का हौसला बढ़े। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, कांग्रेस के शहजादे तो राम मंदिर पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला पलटना चाहते हैं। ये राम मंदिर पर बाबरी ताला लगाने का सपना देख रहे हैं। ये रामलला को फिर से टेंट में भेजना चाहते हैं। पीएम मोदी ने सपा के 79 सीटें जीतने वाले दावे पर कहा, कांग्रेस और सपा के दोनों शहजादे अफवाह फैला रहे हैं कि वे यूपी की 79 सीटें जीतेंगे। पहले मैं सुनता था कि लोग दिन में सपने देखते थे, लेकिन अब समझ आया कि दिन में सपने देखने का मतलब क्या होता है। 4 जून को यूपी की जनता उन्हें जगाएगी और फिर वे ईवीएम को दोष देंगे।

8 दिन से लापता बांग्लादेशी सांसद कोलकाता में मृत मिले

पुलिस ने कहा-ये प्री-प्लान मर्डर, 3 गिरफ्तार-इलाज के लिए भारत आए थे

कोलकाता, 22 मई (एजेंसियां)। भारत में 8 दिन से लापता बांग्लादेश के सांसद अनवारुल अजीम अनार बुधवार (22 मई) को कोलकाता के एक फ्लैट में मृत मिले। बांग्लादेश के गृहमंत्री असदुज्जमां खान ने कोलकाता पुलिस के हवाले से इसकी पुष्टि की है। कोलकाता पुलिस ने बताया ने सांसद अनवारुल का शव न्यू टाउन इलाके में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। पुलिस ने मामले में 3 बांग्लादेशियों को हिरासत में लिया है। साथ ही इसे प्री-प्लान मर्डर बताया। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, सांसद अनवारुल, 12 मई को इलाज के लिए कोलकाता आए थे। इसके अगले दिन ही वे लापता हो गए। अजीम का 13 मई से फोन भी बंद आ रहा था। इसके बाद 17 मई को उनका फोन बिहार के किसी इलाके में कुछ देर के लिए ऑन हुआ था। वहीं पुलिस का कहना है कि उनके फोन से परिवार के सदस्यों को संदेश भेजे गए थे कि वह नई दिल्ली के लिए रवाना हुए हैं।

कौन थे बांग्लादेशी सांसद अनवारुल अजीम अनार?

अनवारुल अजीम अनार प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी से सांसद हैं। वे जेनैदाह-4 सीट से 2014, 2018 और 2024 में चुनाव जीते। अजीम की मौत से पहले उनके परिवार वालों ने शेख हसीना मिलकर मदद मांगी थी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, अनवारुल 12 मई को शाम लगभग सात बजे अपने एक फैमिली फ्रेंड गोपाल बिस्वास से मिलने कोलकाता में उनके घर गए थे। अगले दिन दोपहर 1.41 बजे वह डॉक्टर से मिलने का कहकर वहां से रवाना हो गए। उन्होंने कहा था कि वह शाम में लौटेंगे। अनवारुल ने बिधान पार्क में कलकत्ता पब्लिक स्कूल के सामने से टैक्सी ली। शाम में उन्होंने गोपाल को वॉट्सऐप मैसेज कर बताया कि वह दिल्ली जा रहे हैं।

यूपी में मोदी बोले-मैं गरीब मां का बेटा हूं

मुझे किसी के लिए कुछ कमाना नहीं है; सपा वालों को टोंटी खोलने में महारत

बस्ती/श्रावस्ती, 22 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को बस्ती और श्रावस्ती में चुनावी रैली को संबोधित किया। श्रावस्ती में पीएम ने कहा- मैं गरीब मां का बेटा हूं। किसी शाही खानदान से नहीं हूं। मुझे किसी के लिए कुछ कमाना नहीं है। सपा और कांग्रेस वाले आपके घर से पानी की टोंटी खोलकर ले जाएंगे। इसमें इनकी महारत है। मोदी ने कहा-कल मैं एक वीडियो देख रहा था, जिसमें लोग भाग-भाग कर मंच पर चढ़ रहे थे। मैंने पूछा- ये हुड़दंग क्यों चल रहा है? तो बताया गया-सपा कांग्रेस वाले रैली में लोगों को लाने के लिए कॉन्ट्रैक्ट देते हैं, प्रति व्यक्ति पैसे देते हैं, लेकिन इन्होंने पैसा दिया नहीं, तो लोग भागकर मंच पर चढ़ गए।

बस्ती में पीएम ने कहा-अब पाकिस्तान पस्त पड़ चुका है, लेकिन उसके हमदर्द सपा-कांग्रेस वाले भारत को डराने में जुटे हैं। ये हमें डराते हैं। इनको मालूम नहीं है कि 56 इंच क्या होता है। उन्होंने कहा-मैडम सोनिया ने अपने अध्यक्ष सीताराम केसरी को बाथरूम में बंद करवा दिया। फिर उठवाकर फुटपाथ पर फेंकवा दिया और रातोंरात खुद अध्यक्ष बन गईं। पीएम ने कहा-सपा-कांग्रेस के शहजादे दिन में सपने देखते हैं। पहले मैं ये बात सुना करता था। 4 जून को यूपी की जनता इनको नींद से जगाने वाली है।

गिरफ्तार आईएस आतंकियों से श्रीलंका पुलिस के अधिकारी करेंगे पूछताछ

अहमदाबाद, 22 मई (एजेंसियां)। अहमदाबाद हवाई अड्डे पर इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) के चार आतंकियों को गिरफ्तार किया गया। ये चारों ही गुजरात के नागरिक हैं। श्रीलंका पुलिस ने इस मामले की जांच के लिए एक टीम का गठन किया, जिसका नेतृत्व एक वरिष्ठ उप महानिरीक्षक करेंगे। एक गुप्त सूचना के आधार पर गुजरात आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) ने कार्रवाई करते हुए रविवार को उन चारों आतंकियों को गिरफ्तार किया था। >14

भाजपा-कांग्रेस पर ईसीआई सख्त

नड्डा-खरगे को भेजा नोटिस; चुनाव प्रचार में मर्यादा बनाए रखने को कहा

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के बीच राजनीतिक दलों के नेताओं की बयानबाजी का सिलसिला भी जारी है। चुनाव आयोग द्वारा लगातार ऐसे मामलों पर कार्रवाई भी की जा रही है।

इस बीच चुनाव आयोग ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को निर्देश दिए हैं। दोनों नेताओं से कहा गया है कि अपने स्टार प्रचारकों को कोई भी बयान देते समय सावधानी बरतने और मर्यादा बनाए रखने के निर्देश दें। चुनाव आयोग द्वारा चुनाव प्रचार के गिरते स्तर को देखते हुए ये आदेश दिए गए हैं। आयोग ने जाति, समुदाय, भाषा और धर्म के आधार पर प्रचार करने के लिए भाजपा और कांग्रेस दोनों को आड़े हाथों लिया। आयोग ने भाजपा को निर्देश दिए हैं कि पार्टी के नेता अपने भाषणों के दौरान धार्मिक और सांप्रदायिक बयानबाजी न करें। यह भी कहा गया है कि समाज को बांटने वाले बयानों से बचें। चुनाव आयोग ने इस बात पर भी जोर दिया कि चुनाव के समय सत्तारूढ़ दल पर अतिरिक्त जिम्मेदारी होती है। चुनाव आयोग ने कांग्रेस नेताओं से कहा है कि आधारहीन बयानबाजी न करें।

मुख्य रूप से संविधान को खत्म करने और अग्निवीर योजना खत्म करने वाले बयान न देने के आदेश दिए गए हैं। कांग्रेस प्रचारकों और उम्मीदवारों को साफ निर्देश दिए गए हैं कि वे रक्षा बलों पर राजनीति न करें। साथ ही रक्षा बलों की सामाजिक और आर्थिक संरचना को लेकर विभाजनकारी भाषण न देने का आदेश दिया है।

'अग्निवीर योजना को फाड़ कर कूड़ेदान में डालने जा रहे हैं'

> राहुल गांधी ने जवानों और किसानों के लिए किया बड़ा ऐलान

सोनीपत, 22 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने हरियाणा के सोनीपत में अपनी पार्टी के प्रत्याशी के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होने अग्निवीर योजना को लेकर मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला। राहुल गांधी ने कहा कि यह पीएम मोदी की योजना है और इस पीएमओ ने बनाया गया है।

मंच से बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा, नरेंद्र मोदी जी ने पहली बार हिंदुस्तान के जवानों को मजदूर में बदल दिया है वो कहते हैं कि दो तरीके के शहीद होंगे एक नॉर्मल जवान या अफसर, उसके परिवार को पेंशन मिलेगी, शहीद का दर्जा मिलेगा और सारी की सारी सुविधाएं मिलेंगी और दूसरा गरीब घर का बेटा, जिसको अग्निवीर नाम दिया है।

खत्म करेंगे अग्निवीर योजना

उन्होंने आगे कहा, इस अग्निवीर को ना शहीद का दर्जा मिलेगा, ना पेंशन मिलेगी, ना कोई सुविधा मिलेगी, ना कैंटीन मिलेगी। यह योजना नरेंद्र मोदी की योजना है। यह सेना की योजना नहीं है। सेना इसे नहीं चाहती है। यह पीएमओ से योजना बनाई गई है तो मैं पहली बात आपको कहना चाहता हूं कि इंडिया की सरकार आएगी तो हम अग्निवीर योजना को उठाकर कूड़ेदान में फेंक देंगे।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष यहीं नहीं रुके, उन्होंने आगे कहा, अगर हरियाणा का युवा शहीद होगा, चाहे वह कोई भी हो एक ही तरीके के शहीद होंगे सारी की सारी फैसेलिटीज सबको मिलेंगी। हिंदुस्तान की सरकार सबकी रक्षा करेगी, पेंशन सबके परिवारों को मिलेगी, शहीद का दर्जा सबको मिलेगा। तो पहली बार आपसे कहना चाहता हूं अग्नि वीर योजना को हम फाड़-फूड़ कर कूड़ेदान में डालने जा रहे हैं।

किसानों के लिए कांग्रेस ने किया बड़ा ऐलान

राहुल गांधी ने अपनी रैली में किसानों के मुद्दे पर भी बीजेपी को घेरने की कोशिश की। उन्होंने मोदी सरकार पर 22 अरबपतियों का 16 लाख करोड़ रुपये का कर्ज माफ करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि चार जून को जब हम सत्ता में आएंगे तो किसानों का कर्ज माफ करेंगे। राहुल गांधी ने कहा, जहां तक कृषि ऋण को माफ करने का सवाल है तो हम कर्ज माफी आयोग लाएंगे।

अमीर के लिए अलग कानून? राहुल गांधी बोले ट्रक-बस चालक से निबंध क्यों नहीं लिखवाते

भोपाल, 22 मई (एजेंसियां)। पुणे हिट एंड रन केस में मध्यप्रदेश के रहने वाले दो इंजीनियर्स की मौत हो गई। हादसा 18 मई की रात दो बजे के करीब हुआ। इस हादसे के आरोपी नाबालिग को किशोर न्याय बोर्ड कोर्ट ने घटना के 15 घंटे के अंदर ही कुछ मामूली शर्तों पर जमानत दे दी। इसके बाद से मामले ने तूल पकड़ लिया है।

कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेट फार्म एक्स पर एक वीडिया शेयर कर फैसले पर सवाल उठाए हैं। साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार पर भी हमला बोला। वीडियो शेयर कर राहुल गांधी ने कहा कि बस ड्राइवर, ट्रक ड्राइवर, ओला-उबर और ऑटो अगर गलती से किसी को मार देते हैं तो 10 साल की सजा हो जाती है। चाबी उठाकर फेंक देते हैं। लेकिन, अगर अमीर घर का 16-17 साल का बेटा पोर्शे गाड़ी को शराब पीकर चलाता है और दो लोगों की हत्या कर देता है तो उससे कहा जाता है कि निबंध लिख दो। यह निबंध बस, ऑटो और उबर ड्राइवर से क्यों नहीं लिखवाते? पीएम नरेंद्र मोदी से पूछा गया कि दो हिंदुस्तान बन रहे हैं, एक अरबपतियों का और एक गरीबों का। >14

बिभव को लेकर दिल्ली लौटी पुलिस

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। स्वाति मालीवाल केस में गिरफ्तार केजरीवाल के पीए बिभव कुमार को दिल्ली पुलिस बुधवार को मुंबई से वापस ले आई। उन्हें मंगलवार को उनके आईफोन का डाटा रिकवर करने के लिए मुंबई ले जाया गया था।

बिभव कुमार पांच दिन की पुलिस कस्टडी में हैं। उन्होंने गिरफ्तारी से पहले अपने आईफोन को फॉर्मेट करके डाटा किसी और को ट्रांसफर किया था। उन पर राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से दिल्ली के मुख्यमंत्री के आवास में मारपीट करने का आरोप है। बिभव का फोन, लैपटॉप और केजरीवाल के घर की सीसीटीवी रिकॉर्डिंग को पुलिस ने अपने कब्जे में लेकर फोरेंसिक जांच के लिए भेजा है। बिभव की कस्टडी गुरुवार तक है। मामले की जांच अब स्पेशल इंवेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) करेगी। एसआईटी को नॉर्थ दिल्ली की डीसीपी अंजिता चेप्याला लीड कर रही हैं। टीम में इंस्पेक्टर रैंक के 3 अधिकारी भी हैं। इनमें सिविल लाइंस पुलिस स्टेशन का अधिकारी भी शामिल है, जहां मामला दर्ज किया गया था।

ममता सरकार को झटका : 2010 के बाद जारी किए गए ओबीसी सर्टिफिकेट रद्द

कोलकाता, 22 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस को कलकत्ता हाईकोर्ट से बुधवार को एक और झटका लगा है। हाईकोर्ट ने तृणमूल सरकार द्वारा जारी राज्य के सभी ओबीसी प्रमाणपत्र रद्द कर दिए हैं। कलकत्ता हाई कोर्ट ने बुधवार को कहा कि फैसला सुनाए जाने के बाद रद्द किए गए प्रमाणपत्र का इस्तेमाल किसी भी रोजगार प्रक्रिया में नहीं किया जा सकता है। हाईकोर्ट के इस आदेश के परिणामस्वरूप करीब पांच लाख ओबीसी प्रमाणपत्र रद्द कर दिए गए। हालांकि, साथ ही हाईकोर्ट ने कहा, इस प्रमाणपत्र के जिन उपयोगकर्ताओं को पहले ही मौका मिल चुका है, उन पर इस फैसले का असर नहीं होगा।

हालांकि, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बुधवार को विशेष रूप से तृणमूल सरकार का उल्लेख नहीं किया। कोर्ट ने कहा कि 2010 के बाद जारी किए गए सभी ओबीसी प्रमाणपत्र रद्द कर दिए जाएंगे। संयोग से तृणमूल कांग्रेस 2011 से राज्य में सत्ता में आई है। नतीजतन, अदालत का आदेश केवल तृणमूल के समय में जारी ओबीसी प्रमाण पत्र पर प्रभावी होगा। कलकत्ता हाई कोर्ट का कहना है कि 2010 के बाद जितने भी ओबीसी सर्टिफिकेट बनाए गए हैं, वे कानून के मुताबिक ठीक से नहीं बनाए गए हैं। इसलिए उस प्रमाणपत्र को रद्द किया जाना चाहिए, लेकिन साथ ही हाईकोर्ट ने कहा है कि इस निर्देश का उन लोगों पर कोई असर नहीं होगा जो पहले ही इस सर्टिफिकेट के जरिए नौकरी पा चुके हैं या नौकरी पाने की प्रक्रिया में हैं। अन्य लोग अब उस प्रमाणपत्र का उपयोग रोजगार प्रक्रिया में नहीं कर सकेंगे।

प्रज्वल का राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने की मांग पर केंद्र ने नहीं दिया कोई जवाब, गृह मंत्री का आरोप

बंगलूरू, 22 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बुधवार को कहा कि अश्लील वीडियो मामले में केंद्र सरकार से प्रज्वल रेवन्ना का राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने की मांग की थी, लेकिन अभी तक केंद्र ने उस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। उन्होंने कहा कि यह केंद्र की जिम्मेदारी है कि तय कानून के तहत मदद करे और राजनयिक पासपोर्ट को रद्द करे। राज्य सरकार ने प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ शारीरिक शोषण के मामलों की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है।

इसी एसआईटी टीम ने केंद्र सरकार को प्रज्वल का राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने की अपील की थी। जी परमेश्वर ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भी पीएम मोदी को इस संबंध में पत्र लिखा है। कोर्ट ने प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया है। ऐसे में राजनयिक पासपोर्ट को रद्द करना केंद्र की जिम्मेदारी है। 33 वर्षीय प्रज्वल रेवन्ना पूर्व पीएम एचडी देवेगौड़ा के पोते हैं और हासन लोकसभा सीट से सांसद हैं। >14

'राज्य में भाजपा की 30 सीटें आते ही ममता सरकार की विदाई'

अमित शाह ने कांग्रेस-टीएमसी को घेरा

कोलकाता, 22 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज पश्चिम बंगाल में हुंकार भरी। उन्होंने कांथी में एक रैली को भी संबोधित किया। इस रैली में उन्होंने बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी समेत सभी विपक्षी पार्टियों को घेरा। अमित शाह ने कहा कि बंगाल में भाजपा की 30 सीटें आते ही ममता सरकार की विदाई हो जाएगी। उन्होंने ममता बनर्जी पर राज्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजनाओं को रोकने का आरोप भी लगाया। इसके साथ ही उन्होंने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर निशाना साधते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा ने लोकतंत्र को खत्म कर दिया।

रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने राज्य में हिंसा के मामलों पर ममता सरकार को घेरा। उन्होंने कहा, बंगाल में राजनीतिक हिंसा ने लोकतंत्र को लगभग समाप्त कर दिया है। यहां पंचायत के चुनाव हुए, जिनमें 200 से ज्यादा लोग मारे गए। मगर मैं आपसे कहना चाहता हूं कि इस बार आप मत डरना, क्योंकि पांच चरण के चुनाव में ममता के गुंडे किसी का बाल भी बांका नहीं कर पाए। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा, पांच चरण का मतदान समाप्त हो चुका है। इन पांच चरणों के चुनाव में मोदी जी 310 सीट पार कर गए हैं। ममता दीदी के इंडी गठबंधन का सूपड़ा साफ हो गया है। इस बार बंगाल में भी 30 सीटें नरेन्द्र मोदी जी की झोली में जाने वाली हैं। बंगाल में भाजपा की 30 सीटें आते ही, ये टीएमसी खंड-खंड हो जाएगी और ममता दीदी की सरकार की विदाई हो जाएगी। कांथी में रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कांग्रेस और टीएमसी पर आरोप लगाया कि 70 साल से ये दोनों पार्टियां राम मंदिर निर्माण को रोककर बैठी थी। उन्होंने आगे कहा, आपने मोदी जी को दूसरी बार प्रधानमंत्री बनाया, उन्होंने पांच साल में ही केस भी जीता, भूमिपूजन भी किया और 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा भी कर दी। प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण ममता बनर्जी को भी दिया गया था। लेकिन वो प्राण प्रतिष्ठा में अयोध्या नहीं गई। वो इसलिए नहीं गई, क्योंकि वो अपने वोटबैंक से डरती हैं। भाजपा नेता ने बताया कि ममता बनर्जी बुरी तरह से डरी हुई है। उन्होंने कहा, कल मुझे यहां पहुंचते ही पता चला कि शुभेंदु अधिकारी के घर पर पुलिस ने रेड की है।

स्वाति मालीवाल मामले में शशि थरूर ने किया 'आप' का बचाव

केंद्रीय मंत्री पुरी बोले-शर्म आनी चाहिए

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से मारपीट के मामले को लेकर दिल्ली में जबरदस्त सियासत चल रही है। जहां एक तरफ आम आदमी पार्टी इसे भाजपा की साजिश बता रही है। वहीं दूसरी तरफ भाजपा के नेता भी इस मामले को लेकर आप को घेरने में लगे हैं। अब कांग्रेस सांसद शशि थरूर और केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी के बीच इस मामले पर बहस छिड़ गई है। पुरी ने कांग्रेस नेता को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि उन लोगों को शर्म आनी चाहिए जो कहते हैं कि यह महत्वपूर्ण मुद्दा नहीं है। दरअसल, शशि थरूर ने कहा कि देश में चल रहे कई अहम मुद्दों जैसे बेरोजगारी और महंगाई से ध्यान भटकाने के लिए इस मामले को हवा दी जा रही है। उन्होंने कहा, 'इस मामले में आप ने एक बयान जारी किया है। मैं इस पर भरोसा करता हूं। इसमें बदलाव या कुछ और बोलने की जरूरत नहीं है। मुझे वास्तव में लगता है कि देश में चल रहे कई अहम मुद्दों जैसे बेरोजगारी और महंगाई से ध्यान भटकाने के लिए इस मामले को हवा दी जा रही है। हमें इस बात पर ध्यान देना होगा कि आम इंसानों के लिए क्या जरूरी है, न कि इन फालतू मुद्दों को तूल देना हैं। भाजपा अक्सर मीडिया से अनुरोध करती है कि वह लोगों का ध्यान भटकाने के हथियार के रूप में काम करे। मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि ऐसा न करें। सही मुद्दों से ध्यान भटकाना किसी के हितों की पूर्ति नहीं करता है।'

थरूर ने आगे कहा, 'आप ने आधिकारिक बयान दिया है। मुझे इसमें कुछ भी जोड़ने की जरूरत नहीं दिखती। हमने उन्हें (स्वाति) को नियुक्त नहीं किया है। इसलिए, यदि वे जानते हैं, तो उन्हें केवल बोलने दीजिए। दूसरे, इस मुद्दे को बार-बार उठाकर भाजपा क्या चाहती है? यह देखने के लिए कि लोगों द्वारा महसूस किए गए देश की वास्तविकता बेरोजगारी, महंगाई पर चर्चा नहीं की जाती है। यह चुनाव देश के भविष्य का चुनाव है। >14

महाराष्ट्र में बड़ा हादसा, डैम में पलटी नाव, 2 बच्चों समेत 6 की मौत

पुणे, 22 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे जिले में उजनी बांध के पास नाव पलटने से दो बच्चों समेत छह लोग डूब गए। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना शाम को तेज हवाओं और बारिश के बाद हुई। इंदापुर के तहसीलदार श्रीकांत पाटिल ने कहा कि डूबने वालों में तीन पुरुष, एक महिला और दो बच्चे शामिल हैं। उन्होंने कहा कि नाव सेवा कलाशी और भुगाव गांवों के बीच संचालित होती है। उन्होंने बताया कि मंगलवार शाम को तेज हवाओं और बारिश के बाद सात लोगों को ले जा रही यह नाव पलट गई। एक अधिकारी ने बताया कि नाव में सवार सहायक पुलिस निरीक्षक स्तर का एक अधिकारी तैरकर सुरक्षित बाहर निकल आया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और स्थानीय प्रशासन की मदद से तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

14 साल की लड़की का न्यूड वीडियो बनाने वाले को बेल से सुप्रीम इनकार

जरा पुणे के 'शहजादे' वाला फैसला भी देख लें

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। पुणे में तेज रफ्तार पोर्शे कार से दो लोगों की कुचलकर जान लेने वाले नाबालिग को जमानत देने पर देशभर में नाराजगी देखने को मिल रही है। इस बीच उत्तराखंड के एक मामले पर सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को नजीर के तौर देखा जा रहा है। कोर्ट ने गंभीर अपराध के आरोपी बच्चों को कोर्ट ने जमानत देने से इनकार कर दिया है। दरअसल उत्तराखंड के एक स्कूल में पढ़ने वाले इस नाबालिग छात्र पर 14 साल की क्लासमेट का अश्लील वीडियो सर्कुलेट करने का आरोप है। इस वीडियो से हुई बदनामी की वजह से बच्ची ने कथित रूप से आत्महत्या कर ली थी। उत्तराखंड के स्कूल में हुए इस अश्लील वीडियो कांड में इस साल 10 जनवरी को जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड हरिद्वार ने 'कानून का उल्लंघन करने वाले लड़के' की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। इस लड़के पर आईपीसी की धारा 305 और 509 और पॉक्सो अधिनियम की धारा 13 और 14 के तहत मामला दर्ज किया गया था।

जुवेनाइल बोर्ड से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक सबका एक फैसला

जुवेनाइल बोर्ड के फैसले को हाईकोर्ट की तरफ से बरकरार रखे जाने के बाद आरोपी लड़के ने अपनी मां के जरिये सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। यहां सीनियर वकील लोक पाल सिंह ने अदालत में दलील दी कि बच्चे के माता-पिता उनकी देखभाल करने के लिए तैयार हैं। उसे बाल सुधार गृह में नहीं रखा जाना चाहिए और उसकी हिरासत उसकी मां को दी जानी चाहिए। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के फैसले की जांच करते हुए लड़के को जमानत देने से इनकार करने के फैसले को सही पाया। बता दें कि हाई कोर्ट ने भी इस लड़के को जमानत देने से इनकार करते हुए लड़के को 'गैर अनुशासित बच्चा' कहा था। यह मामला वैसे तो उत्तराखंड का है, लेकिन पुणे के रईस बिल्डर के बेटे को जमानत दिए जाने की खबर के बाद सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला सुर्खियों में है। इस अदालत के इस फैसले से एक नजीर पेश हुई है कि कानून तोड़ने वाले बच्चों को अपराध की गंभीर देखते हुए जमनात नहीं दी जानी चाहिए।

पुणे वाले 'शहजादे' के बेल पर सवाल

पुणे में अपनी महंगी पोर्शे कार से 2 लोगों को कुचलने के आरोपी इस नाबालिग लड़के को जुवेनाइल कोर्ट ने इस शर्त पर जमानत दे दी थी कि उसे 15 दिनों के लिए ट्रैफिक वालों के साथ काम करना होगा।

इसके अलावा उसे 'हादसे पर एक निबंध लिखने' के लिए कहा है और ऐसे डॉक्टर से इलाज कराने का निर्देश दिया है, जो उसे शराब छोड़ने में मदद कर सके। इसके अलावा उसे 'साइकेट्रिस्ट से सलाह' लेकर उसकी रिपोर्ट अदालत में जमा करने का निर्देश दिया गया है। बोर्ड के इस आदेश पर पूरे देश में खासी नाराजगी देखी गई। इस मामले में फिर पुलिस ने ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए आरोपी लड़के के बिल्डर पिता और उसे शराब परोसने वाले पब पर भी ताला जड़ दिया। हालांकि यहां गौर करने वाली बात यह है कि इस पोर्शे कांड में नाबालिग आरोपी के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट और आईपीसी की जिन धाराओं के तहत केस दर्ज है, वह इतनी संगीन नहीं होती और इस कारण आरोपी को जल्दी जमानत मिल जाती है।

अक्षय बम की तलाश में लगे पोस्टर, कांग्रेस ने घोषित किया 5100 रुपए का इनाम

इंदौर, 22 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए अक्षय कांति बम की परेशानियां कम होने का नाम नहीं ले रही है। अब शहर कांग्रेस ने अक्षय के पोस्टर लगवा दिए हैं। अक्षय का धारा 307 के मामले में वारंट निकल चुका है। शहर कांग्रेस का कहना है कि अक्षय को गिरफ्तार करने के बजाय पुलिस उसे ही सुरक्षा दे रही है। शहर कांग्रेस के कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव ने बताया कि अक्षय बम की गिरफ्तारी को लेकर कांग्रेस ने इनाम घोषित किया है। अक्षय की सूचना देने वालों को कांग्रेस 5100 रुपए का नगद इनाम देगी। अक्षय को तलाशने के लिए हमने शहर के अलग अलग स्थानों पर पोस्टर लगाए हैं। अक्षय कांति बम धारा 307 लगने के बाद ही कांग्रेस से भाजपा में आए थे। वे कांग्रेस से लोकसभा प्रत्याशी थे और चुनाव प्रचार शुरू कर चुके थे। मतदान से पहले उन्होंने अपना नामांकन वापस ले लिया और इंदौर से कांग्रेस चुनाव नहीं लड़ पाई।

राहुल गांधी ने प्रज्वल रेवन्ना को बताया मास रेपिस्ट

जेडीएस बोली- 400 पीड़िताओं की जानकारी दें कांग्रेस नेता

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के पांच चरण का चुनाव हो चुका है। 25 मई को छठे और 1 जून को सातवें चरण की वोटिंग होगी। इसी बीच, सत्ता पक्ष और विपक्षी दलों के नेताओं के बीच जुबानी जंग जारी है। वहीं, बयानबाजी को लेकर जेडीएस ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमला बोला है। जेडीएस ने राहुल के एक बयान को लेकर उनके खिलाफ शिकायत दी है। जेडीएस ने राहुल द्वारा शिवमोगा और रायचुर में दिए बयान को लेकर आपत्ति जताई है।

राहुल गांधी ने क्या कहा था?

जेडीएस की शिकायत के मुताबिक, राहुल ने रायचुर और शिवमोगा की रैली में बयान दिया था। राहुल ने कहा था कि प्रज्वल रेवन्ना 400 महिलाओं का दुष्कर्म करता है और वीडियो बनाता है। इसे सामूहिक दुष्कर्म कहा जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर्नाटक की जनता के सामने मास रेपिस्ट का समर्थन कर रहे हैं, उसके लिए वोट मांग रहे हैं। प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि अगर आप मास रेपिस्ट को वोट करते हैं, तो उन्हें इससे मदद मिलेगी।'

क्या है जेडीएस की मांग?

जेडीएस ने राहुल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। जेडीएस ने कहा कि राहुल गांधी के पास ऐसी जानकारी है कि प्रज्वल रेवन्ना ने 400 महिलाओं के साथ दुष्कर्म किया है। राहुल गांधी को एसआईटी को पीड़िताओं के बारे में जानकारी देनी चाहिए। अगर वो ऐसा नहीं करते हैं तो उनके खिलाफ केस दर्ज किया जाना चाहिए।

पुलिस एक्शन के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंचे अब्बास अंसारी

एचसी ने यूपी सरकार से मांगा जवाब

प्रयागराज, 22 मई (एजेंसियां)। जेल में बंद सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के विधायक अब्बास अंसारी ने गाजीपुर पुलिस द्वारा हिस्ट्रीशीट खोले जाने को चुनौती दी है। सुभासपा विधायक ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर चुनौती दी है। अब्बास अंसारी की याचिका पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने यूपी सरकार से जवाब तलब किया है। हाईकोर्ट ने इस मामले में यूपी सरकार से तीन हफ्ते में जवाब दाखिल करने के लिए कहा है। अब्बास अंसारी के वकीलों को यूपी सरकार के जवाब पर अपना री-ज्वाइंडर दाखिल करने के लिए दो हफ्तों की मोहलत दी गई है। हाईकोर्ट अब इस मामले में 20 जुलाई को अगली सुनवाई करेगा। अब्बास अंसारी की तरफ से कोर्ट में उनके अधिवक्ता उपेंद्र उपाध्याय ने अपनी दलीलें पेश की हैं। उनकी ओर कहा गया कि अब्बास अंसारी की हिस्ट्रीशीट खोले जाने का फैसला उचित नहीं है।

वकील ने रखी ये दलीलें

विधायक के वकील ने कहा कि अब्बास अंसारी जनता द्वारा चुने गए विधायक हैं। हिस्ट्रीशीट खोले जाने से उनकी छवि धूमिल हुई है। गाजीपुर के जिस मोहम्मदाबाद थाने में हिस्ट्री शीट खोली गई है, वहां उनके खिलाफ एक भी मुकदमा दर्ज नहीं है। अब्बास अंसारी की हिस्ट्री शीट दिसंबर 2022 में खोली गई थी। हालांकि इस बात की जानकारी उन्हें कुछ दिन पहले ही हुई है। जानकारी होने पर हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। यूपी सरकार की तरफ से अपर महाधिवक्ता पीसी श्रीवास्तव कोर्ट में पेश हुए। वहीं इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट में जस्टिस सिद्धार्थ और जस्टिस अजहर हुसैन इदरीसी की डिवीजन बेंच में हुई। बता दें कि अब्बास अंसारी अभी कासगंज जेल में बंद हैं। बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर वह मृत पिता मुख्तार अंसारी के फातिहा में शामिल होने गए थे।

भगवान जगन्नाथ पर संबित पात्रा की टिप्पणी के लिए पीएम मोदी मांगें माफी : कांग्रेस

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस ने ओडिशा की पुरी लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार संबित पात्रा द्वारा भगवान जगन्नाथ को लेकर की गई टिप्पणी के लिए मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से माफी की मांग की। पात्रा ने सोमवार को टेलीविजन चैनलों से बातचीत में कहा था कि राज्य के परम पूजनीय देवता "भगवान जगन्नाथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भक्त हैं।" पात्रा ने बाद में स्पष्ट किया था कि यह सिर्फ जुबान फिसलने के कारण हुआ और वह यह कहना चाहते थे कि प्रधानमंत्री भगवान जगन्नाथ के परम 'भक्त' हैं।

पुरी के जगन्नाथ मंदिर के बाहर मंगलवार को संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा, "अगर संबित पात्रा कांग्रेस में होते तो उन्हें भगवान जगन्नाथ के करोड़ों भक्तों की आस्था से खेलने के लिए तुरंत पार्टी से निष्कासित कर दिया जाता। प्रधानमंत्री को संबित पात्रा को पार्टी से निष्कासित करना चाहिए।"उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा की टिप्पणी पर 24 घंटे के भीतर भगवान जगन्नाथ के करोड़ों भक्तों से माफी मांगनी चाहिए।

पंजाब की मंत्री अनमोल गगन मान ने बनाया गीत

अरविंद केजरीवाल ने वीडियो शेयर कर कही ये बात

चंडीगढ़, 22 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के सातवें चरण में पंजाब की सभी 13 सीटों पर 1 जून को मतदान होना है। उससे पहले सभी राजनीतिक पार्टियां अपने-अपने तरीके से चुनाव प्रचार में जुटी हुई है। इसी बीच पंजाब की टूरिज्म और कल्चर अफेयर्स मंत्री अनमोल गगन मान ने अपनी पार्टी के प्रचार के लिए एक गीत लिखा है। इसकी जानकारी आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दी है। अरविंद केजरीवाल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर गाने को शेयर करते हुए लिखा, पंजाब की हमारी मंत्री अनमोल गगन मान ने चुनाव के लिए ये गीत बनाया है। इसे जरूर सुनिएगा। इस गीत के बोल हैं। 'देश को बचाने आया, बच्चों को पढ़ाने आया, गरीबों का वो है मसीहा, हाथ बहनों का बटाने आया, वो है केजरीवाल।' 3 मिनट 50 सेकंड के इस वीडियों में अरविंद केजरीवाल सरकार के कामों को भी दिखाया गया है। इसके साथ ही वीडियो में अरविंद केजरीवाल कहते हुए दिखाई दे रहे हैं, आम आदमी पार्टी का हर कार्यकर्ता केजरीवाल है। हर कार्यकर्ता खड़ा होकर कमान संभालेगा। हर हालत में पंजाब को भी नहीं झुकने देगा, देश को भी नहीं झुकने देगा। मैं जिंदा रहूं या ना रहूं इससे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला।

कौन हैं अनमोल गगन मान?

अनमोल गगन मान का जन्म पंजाब के मानसा में 1990 में हुआ था। चंडीगढ़ से उन्होंने पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने मॉडलिंग से अपने करियर की शुरूआत की। इसके बाद गायकी में भी उन्होंने अपना हाथ आजमाया। 2014 में उनका पहला गाना रॉयल जट्टी रिलीज हुआ था। साल 2020 में अनमोल गगन मान ने आम आदमी पार्टी ज्वाइन की। 2022 के चुनावों में आम आदमी पार्टी ने उन्हें खरड़ से अपना प्रत्याशी बनाया तो उन्होंने जीत भी दर्ज की। पार्टी की तरफ से उन्हें मंत्रिमंडल में जगह दी गई। इससे पहले भी मान ने पार्टी के चुनावी कैंपेन के गीत तैयार किया था जो काफी लोकप्रिय भी हुआ था।

इंडिया गठबंधन की ओर से कौन होगा पीएम का चेहरा? जयराम रमेश ने बता दिया

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के आखिरी दो चरण बचे हैं। 4 जून को चुनाव के परिणाम सभी के सामने होंगे। अगर विपक्षी गठबंधन को बहुमत मिलता है तो उसकी तरफ से प्रधानमंत्री का चेहरा कौन होगा इसको लेकर कयास लगातार लगाए जा रहे हैं। मामले पर जब कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश से सवाल पूछा गया कि विपक्ष की ओर से राहुल गांधी पीएम का चेहरा होंगे तो उन्होंने कहा कि एक प्रक्रिया के तहत प्रधानमंत्री का नाम घोषित किया जाएगा। न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, यह व्यक्तियों के बीच ब्यूटी कॉन्टेस्ट नहीं है। हम एक पार्टी-आधारित लोकतंत्र हैं। सवाल यह है कि जनादेश किस पार्टी या गठबंधन को मिलेगा। पार्टियों को बहुमत मिलता है। पार्टी अपना नेता चुनती है और वह नेता प्रधानमंत्री बनता है।

'जैसे 2004 में चुना था, वैसे ही इस बार भी चुनेंगे प्रधानमंत्री'

उन्होंने आगे कहा, 2004 में 4 दिन के अंदर मनमोहन सिंह का नाम घोषित हो गया था। इस बार 4 दिन भी नहीं लगेंगे। 2 दिन के अंदर होगा पीएम के नाम का ऐलान। सांसद मिलकर चुनेंगे। यह एक प्रक्रिया है। हम शॉर्टकट में विश्वास नहीं करते। यह मोदी की कार्यशैली हो सकती है। हम अहंकारी नहीं हैं। 2 दिन भी नहीं, कुछ ही घंटों में पीएम के नाम का ऐलान हो जाएगा। सबसे बड़ी पार्टी का उम्मीदवार ही पीएम होगा। यह वैसे ही होगा जैसे 2004 में हुआ था।

साधुओं ने खोला ममता के खिलाफ मोर्चा

कोलकाता में निकालेंगे स्वाभिमान यात्रा

कोलकाता, 22 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के साधुओं ने रामकृष्ण मिशन और भारत सेवाश्रम संघ के कुछ साधुओं के खिलाफ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की टिप्पणी के विरोध में 24 मई को कोलकाता में रैली निकालने का फैसला किया है। विश्व हिन्दू परिषद (बीएचपी) और पश्चिम बंगाल में साधुओं की शीर्ष संस्था बंगीय संन्यासी समाज के सदस्य उत्तरी कोलकाता में संत स्वाभिमान यात्रा का आयोजन करेंगे। साधु-संत टिप्पणियों के खिलाफ रैली निकालेंगे : विहिप नेता सौरीश मुखर्जी ने कहा कि मुख्यमंत्री वोट बैंक की राजनीति

के कारण ऐसी टिप्पणी कर रही हैं। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। पश्चिम बंगाल के साधु-संत इन टिप्पणियों के खिलाफ रैली निकालेंगे। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा था कि पश्चिम बंगाल में प्रभावशाली मठों के कुछ साधु चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के निर्देश पर काम कर रहे हैं।

कमलनाथ पर कैलाश विजयवर्गीय का बड़ा खुलासा, 'वो बीजेपी में आना चाहते थे

भोपाल, 22 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मंत्री और बीजेपी नेता कैलाश विजयवर्गीय ने दावा किया कि कमलनाथ बीजेपी में आना चाहते थे। लेकिन यह संभव नहीं हो सका। विजयवर्गीय ने साथ ही दावा किया कि बीजेपी मध्य प्रदेश की सभी 29 सीटों पर चुनाव जीतेगी। लोकसभा चुनाव में विजयवर्गीय को बीजेपी ने छिंदवाड़ा संभाग का प्रभारी बनाया था जहां चुनाव पहले चरण के तहत संपन्न हुए थे। भारत 24 से बातचीत में कैलाश विजयवर्गीय ने कहा, "सिर्फ छिंडवाड़ा और मंडला नहीं बल्कि मध्य प्रदेश की 29 की 29 सीटें जीतेंगे। छिंदवाड़ा निश्चित रूप से जीतेंगे।" वहीं, पूर्व सीएम कमलनाथ पर विजयवर्गीय ने कहा, "कुछ बातें सार्वजनिक नहीं की जाती हैं। कमलनाथ आना चाहते थे लेकिन संभव नहीं हो सका क्यों संभव नहीं हो सका ये मैं नहीं बता सकता लेकिन इस बारे में विचार जरूर हुआ था।"

चुनाव की घोषणा से पहले कमलनाथ के बीजेपी में आने की खूब अटकलें चले थीं।

छिंदवाड़ा में कमलनाथ के बेटे से बीजेपी का मुकाबला

बता दें कि छिंदवाड़ा कमलनाथ का गढ़ है। फिलहाल उनके बेटे नकुलनाथ यहां से सांसद हैं। कांग्रेस ने एकबार फिर उन्हें लोकसभा का टिकट दिया है। चुनाव के दौरान कैलाश विजयवर्गीय ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस द्वारा छिंदवाड़ा में पैसे बांटे जा रहे हैं। उन्होंने चुनाव आयोग से अपील की थी कि जिस घर में नकुलनाथ रुके हैं उसकी तलाशी ली जाए।

अक्षय कांति का हमने किया स्वागत - कैलाश विजयवर्गीय

इंदौर और अक्षय कांति बम पर कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि वो आ गए और हमने उनका स्वागत किया। विपक्ष के आरोपों पर कहा ये सब अचानक हुआ। नामांकन वापस लेने पर कहा कि मैं वहां गया भी नहीं था। हां, मैंने सेल्फी ली थी। दरअसल, अक्षय कांति बम को कांग्रेस ने इंदौर से प्रत्याशी बनाया था लेकिन चुनाव से ठीक पहले वह बीजेपी में शामिल हो गए।

दिल्ली में अचानक क्यों होने लगी पानी की किल्लत

क्या हरियाणा ने वाकई रोक दिया यमुना का पानी? आप के दावे में कितना दम

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया है कि हरियाणा की भाजपा सरकार ने दिल्ली को मिलने वाला यमुना नदी का पानी रोक दिया है। दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने इसे चुनावी साजिश बताते हुए कहा कि दिल्ली सरकार इस विषय पर हरियाणा सरकार को पत्र लिखेगी। जरूरत पड़ने पर इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट भी जाएगी। आम आदमी पार्टी का यह आरोप तब सामने आया है, जब बीते कुछ दिनों से दिल्ली के कई इलाकों से पानी की शिकायत आना शुरू हुई है। आप सरकार की मंत्री आतिशी के मुताबिक, पिछले कुछ दिनों से जगह-जगह से पानी की शिकायत आनी शुरू हुई, खास तौर पर ऐसे इलाकों से जहां पहले कभी पानी की शिकायत नहीं आती थी। जांच करने पर पता लगा कि यमुना का पानी हरियाणा सरकार द्वारा रोका जा रहा है। आम आदमी पार्टी का आरोप है कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर हरियाण की भाजपा सरकार द्वारा ऐसा जानबूझकर किया जा रहा है।

भाजपा सरकार रच रही षड्यंत्र

आम आदमी पार्टी की मंत्री ने कहा कि हरियाणा की भाजपा सरकार 25 मई को दिल्ली में होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले दिल्ली वालों को परेशान करने का षड्यंत्र रच रही है। साथ ही आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल की सरकार को बदनाम करने का भी यह षड्यंत्र है। उन्होंने कहा, मैं दिल्ली के लोगों को सतर्क करना चाहती हूं कि आने वाले कुछ दिनों में 25 मई तक लगातार ऐसी नई-नई साजिश की जाएगी। दिल्ली के वोटरों को भ्रमित करने के लिए ऐसी साजिश की जा रही है। आतिशी ने कहा कि दिल्ली सरकार ने जितने वादे किए थे, उनसे अधिक कार्य किए हैं।

कस्टोडियन भूमि अतिक्रमण मामले में

मीरवाइज उमर फारूक समेत सात के खिलाफ मामला दर्ज

जम्मू , 22 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर पुलिस के भ्रष्टाचार निरोधक निकाय ने ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में कस्टोडियन भूमि पर कथित अतिक्रमण करने के आरोप में मीरवाइज उमर फारूक, सेवारत वरिष्ठ नौकरशाह समेत सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एफआईआर की प्रति के अनुसार भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (पीई संख्या 22/2019) की प्रारंभिक जांच से पता चला है कि दिल रफीका नामक महिला को स्थापित प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए उचित सरकारी मंजूरी और खुली नीलामी के बिना कस्टोडियन विभाग द्वारा अवैध रूप से कस्टोडियन भूमि प्रदान की गई।' एफआईआर में कहा गया है कि सर्वे नंबर 640 के तहत सदरबल हजरतबल में स्थित

इमाम-उ-दीन से संबंधित भूमि को नियमों पर ताक पर रखते हुए दिल रफीका सहित कई व्यक्तियों को भूमि आवंटित की गई।

पति से झगड़े के बाद महिला ने तीन साल की बेटी को मार डाला, शव के साथ 4 किमी तक घूमती रही कातिल मां

नागपुर, 22 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नागपुर में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। एक महिला अपने पति से झगड़े के बाद इतना गुस्सा हो गई कि उसने अपनी तीन साल की मासूम बेटी की गला घोंटकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, हत्या के बाद महिला बेटी के शव के साथ करीब 4 किलोमीटर तक सड़क पर घूमती रही। पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना देर रात को एमआईडीसी पुलिस थाने की सीमा में हुई। आरोपी महिला 23 वर्षीय ट्विंकल राउत और उनके पति 24 वर्षीय राम लक्ष्मण राउत रोजगार की तलाश में चार साल पहले नागपुर चले गए थे। एक अधिकारी ने कहा, वे एक कागज बनाने वाली कंपनी में काम करते थे और एमआईडीसी क्षेत्र में हिंगना रोड पर कंपनी के परिसर में एक कमरे में रहते थे। पुलिस ने कहा कि उनके रिश्ते में आपसी अविश्वास के कारण अक्सर झगड़े होते थे। सोमवार शाम करीब चार बजे दंपति में फिर से झगड़ा हुआ। तीखी नोकझोंक के बीच उनकी बेटी रोने लगी। गुस्से में आकर महिला बेटी को घर से बाहर ले गई और उसने कथित तौर पर एक पेड़ के नीचे बच्ची की गला दबाकर हत्या कर दी। बाद में वह शव के साथ करीब चार किलोमीटर तक चलीं। उन्होंने बताया कि रात करीब आठ बजे उसने एक पुलिस गश्ती वाहन को देखा और सुरक्षाकर्मियों को घटना की जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पुलिस बच्ची को अस्पताल ले गई जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस ने बाद में महिला को गिरफ्तार कर लिया और उस पर भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) के तहत आरोप लगाया। अधिकारी ने बताया कि महिला को बाद में अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 24 मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 23 मई, 2024 3

युविचार

जितना संघर्ष कठिन होगा, जीत उतनी शानदार होगी।

मोबाइल फोन छीनने वाले गिरोह का पर्दाफाश तीन मामलों का खुलासा, नौ गिरफ्तार

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। विश्वसनीय सूचना के आधार पर, हैदराबाद शहर के उत्तर क्षेत्र टीम के आयुक्त टास्क फोर्स की टीम ने डकैती के मामलों में शामिल एक गिरोह को पकड़ा। गिरफ्तार आरोपी कटेकला रोहन राज उर्फ शिवा निवासी नेरेडमेट, वी.डी.विवियन राज निवासी तिरुमल गिरी, सिकंदराबाद, युगेन एलेक्स निवासी लालबाजार सिकंदराबाद, नरपत सिंह निवासी , लाल बाजार सिकंदराबाद, सिरीगिरी राज कुमार, निवासी मलकाजीगिरी, सिकंदराबाद के साथ चार किशोर लड़के को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के मुताबिक आरोपी व्यक्ति, कटेकला रोहन राज उर्फ शिवा, वी.डी. विवियन राज और चार किशोर किशोर लालबाजार और तिरुमलगिरी के आसपास के इलाके में रहते हैं।

गिरोह का सरगना कटेकला रोहन राज उर्फ शिवा है। वे शराब, सिगरेट पीने और अन्य बुरी आदतों के आदी हैं। अपनी आलीशान जीवनशैली को वित्तपोषित करने के लिए, उन्होंने सेल फोन लूटने या चोरी करने, चोरी की गई संपत्ति को बेचने और आसानी से पैसा कमाने की योजना बनाई। बीती 7 मई को आरोपी कटेकला रोहन राज उर्फ शिवा, वी.डी. विवियन राज और दो किशोर लड़के होंडा एक्टिवा पर सवार होकर एक राहगीर से पोको सेल फोन लूटकर रिसीवर युगेन एलेक्स को बेच दिया। फिर मई को, उसी समूह ने होंडा एक्टिवा का इस्तेमाल करके एक घर से दो सेल फोन चुराए, एक नरपत सिंह (तिरुमलगिरी में मोबाइल की दुकान के मालिक) को और दूसरा किसी अज्ञात व्यक्ति को बेच दिया। इसी क्रम में 11 मई को, कटेकला रोहन राज उर्फ शिवा और दो किशोर, बजाज डिस्कवर मोटरसाइकि पर, सिकंदराबाद के क्लॉक टॉवर के पास एक राहगीर से वीवो सेल फोन लूट लिया और उसे रिसीवर सिरिगिरी राज कुमार (नेरेडमेट में मोबाइल शॉप के मालिक) को बेच दिया।

विश्वसनीय सूचना पर कार्रवाई करते हुए, हैदराबाद सिटी की नॉर्थ जोन टास्क फोर्स टीम ने सावधानीपूर्वक आरोपियों का पता लगाया और उन्हें गिरफ्तार किया, चोरी की गई संपत्ति और अपराधों में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिलें बरामद कीं।

पुलिस ने जनता को सलाह देते हुए कहा है कि वे रात के समय या सुनसान जगहों पर सड़कों पर मोबाइल फोन पर बात करते समय अधिक सतर्क रहें। मोबाइल शॉप मालिकों को सलाह दी जाती है कि वे बिना बिल के सेल फोन न खरीदें, खासकर अज्ञात/संदिग्ध व्यक्तियों से।

अगर ऐसे किसी व्यक्ति का सामना होता है, तो उन्हें तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचित किया जाना चाहिए। गिरफ्तारी की कार्रवाई टास्क फोर्स, उत्तरी क्षेत्र के उपनिरीक्षक श्रीनिवासुलु दासू, बी. अशोक रेड्डी और पी. ज्ञानदीप ने अपनी टीम के साथ की।

भारी मात्रा में सोने के आभूषण के साथ एक गिरफ्तार

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आदर्श आचार संहिता के मद्देनजर रेलवे पुलिस सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों और प्लेटफार्मों पर सामान्य जांच कर रही थी। इसी बीच एक व्यक्ति को पकड़ा गया। गिरफ्तार आरोपी के पास से 260 ग्राम वजन के सोने के आभूषण मिले हैं, जिनकी कीमत 18,20,000 रुपये है। गिरफ्तार आरोपी कौशिक संतरा, चेलापुर, चारकमान, चारमीनार, हैदराबाद का रहने वाला है। मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को बी. साईश्वर गौड़, आईआरपी-सिकंदराबाद अपने सहयोगियों के साथ चुनावों के मद्देनजर नियमित जांच कर रहे थे। इस बीच उन्होंने सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर दो पर मध्य फुट ओवर ब्रिज पर प्रतिवादी कौसिक संतरा को पकड़ लिया। गहन तलाशी लेने पर उसके बैग में सोने के आभूषण यानी हार, कड़ा, कान की बाली थी जिसका वजन करीब 260 ग्राम था। आगे पूछताछ करने पर पता चला कि वह सोने के आभूषण सिकंदराबाद से गुंटूर ट्रेन संख्या 12796 लिंगमपल्ली से विजयवाड़ा इंटरसिटी एक्सप्रेस से ले जा रहा था लेकिन उसने कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखाए और आभूषणों के बारे में संतुष्ट जवाब भी नहीं दिया। इसके अलावा पंचनामा की आड़ में उक्त आभूषण जब्त कर लिए गए। जब्त संपत्ति को उचित कार्रवाई के लिए राज्य कर विभाग को सौंप दिया जा रहा है।

निरंजन ने खुद को महाकाव्य नायक बताने पर मोदी की आलोचना की

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जी. निरंजन ने आज भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा की उस टिप्पणी की कड़ी निंदा की जिसमें उन्होंने कहा था कि पुरी जगन्नाथ स्वामी नरेंद्र मोदी के भक्त हैं। इन मूर्खतापूर्ण टिप्पणियों ने पूरी दुनिया में भगवान जगन्नाथ के भक्तों को झकझोर दिया है। "दुनिया भर में विरोध के कारण, संबित पात्रा ने अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगी और तीन दिवसीय दीक्षा लेंगे, लेकिन भगवान उन्हें उनकी गलती के लिए दंडित करेंगे। यह भाजपा के अहंकार और खूनी अभिमान का सबूत है। हमें आश्चर्य नहीं होना चाहिए अगर भाजपा कल कहे कि मोदी श्री कृष्ण और श्री राम की तरह भगवान के अवतार हैं"। निरंजन ने कहा कि लोग देख रहे हैं कि नरेंद्र मोदी चुनाव प्रचार के दौरान खुद को अवतार के रूप में बताते हैं। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि अगर वे भविष्य में मोदी के लिए मंदिर बनाते हैं और लोगों से पुरी जगन्नाथ, अयोध्या और मथुरा के बजाय मोदी मंदिरों में जाने के लिए कहते हैं तो आश्चर्यचकित न हों। कांग्रेस नेता ने कहा कि नरेंद्र मोदी भारत के इतिहास, स्वतंत्रता के इतिहास को बदलने का प्रयास कर रहे हैं और ऐसा दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि सब कुछ उन्होंने खुद किया है। गांधीजी को मारने वाले गोडसे की पूजा की जा रही है। निरंजन ने कहा कि अहंकारी भाजपा नेता बेशर्मी से आधुनिक भारत के निर्माता पंडित जवाहर लाल नेहरू को निशाना बना रहे हैं। वे अंबेडकर और नेहरू को अलग दिखाने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अब तक पांच चरणों में चुनाव हो चुके हैं - वे अगले दो चरणों में अधिक वोट पाने के लिए नौटंकी कर रहे हैं, यह जानते हुए कि परिणाम उनकी उम्मीदों के मुताबिक नहीं आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस चुनाव के परिणाम मोदी और उनके साथियों के लिए आंख खोलने वाले होंगे।

टीएसआरटीसी का नाम बदलकर अब टीजीएसआरटीसी

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) का नाम बदलकर अब टीजीएसआरटीसी कर दिया गया है। राज्य सरकार ने निर्देश दिया है कि नामकरण में टीएस के स्थान पर टीजी का प्रयोग किया जाए। बुधवार को 'एक्स' पर टीजीएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक (एमडी) वीसी सज्जनर ने यह घोषणा की और कहा कि निगम का नाम सभी सोशल मीडिया हैंडल पर बदलकर टीजी कर दिया गया है। इस अवसर पर सज्जनर ने यात्रियों से अनुरोध किया कि वे संशोधित यूजर अकाउंट के माध्यम से अपने बहुमूल्य सुझाव और शिकायतें भेजें और निगम की सेवाओं के बारे में अधिक जानने के लिए इसके सोशल मीडिया अकाउंट को फॉलो करने का भी अनुरोध किया।पिछले साल तेलंगाना में सत्ता में आई कांग्रेस सरकार ने घोषणा की थी कि वह टीएस का नाम बदलकर टीजी करेगी और इस संबंध में आदेश भी जारी किए थे।

राज्य सरकार के प्रस्ताव को हाल ही में केंद्र सरकार ने मंजूरी दे दी है और इस संबंध में आदेश जारी कर दिए गए हैं। इसके साथ ही तेलंगाना में नए वाहन पंजीकरण का नाम टीजी रखा जाएगा। तदनुसार, टीएसआरटीसी का नाम बदलकर टीजीएसआरटीसी कर दिया गया है।

कमिश्नर ने स्वर्ण पदक जीतने वाली बॉक्सर निकहत ज़रीन को सम्मानित किया

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बॉक्सर निखत ज़रीन ने जीएचएमसी कमिश्नर रोनाल्ड रोज़ से शिष्टाचार मुलाकात की। इस मौके पर निकहत जरीन को जीएचएमसी कमिश्नर रोनाल्ड रोज ने सम्मानित किया। हाल ही में कजाकिस्तान में आयोजित एलोर्डा कप प्रतियोगिता में 52 किलोग्राम भारोत्तोलन वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने वाली मुक्केबाज निखत जरीन को बुधवार को उनके चैंबर में शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। उन्होंने स्वर्ण पदक जीतने पर उन्हें बधाई दी. आयुक्त ने भविष्य में हैदराबाद को मुक्केबाजी के खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की शुभकामना दी ताकि हैदराबाद का नाम और प्रतिष्ठा अलग-अलग दिशाओं में फैले और देश का मान सम्मान बढ़े। सरकार खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करती है और जीएचएमसी भी खेल क्षेत्र के विकास के लिए काम कर रही है। आयुक्त ने कहा कि बालक-बालिकाओं के खेल कौशल को विकसित करने के लिए गहनता से विशेष ग्रीष्मकालीन कोचिंग कार्यक्रम चलाया गया है। कार्यक्रम में जीएचएमसी स्पोर्ट्स के पूर्व निदेशक डॉ. एस.आर. प्रेम राज, पूर्व कोषाध्यक्ष के. महेश्वर, तेलंगाना बॉक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष बाबूराव सागर और अन्य ने भाग लिया।

टीएसडीसीए ने 3 स्थानों पर मारे छापे

झोलाछाप डॉक्टरों से जब्त कीं दवाएं

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य औषधि नियंत्रण प्रशासन (टीएसडीसीए) ने 3 अलग-अलग स्थानों पर छापे मारे और झोलाछाप डॉक्टरों द्वारा रखी गई दवाएं जब्त कीं। बक्कथतला नागेश सिंगमपल्ले गांव, जयशंकर भूपालपल्ली में एक क्लिनिक चला रहा था, जबकि एक अन्य अयोग्य चिकित्सक अशोक कुमार संजय गांधी नगर, जीदीमेटला, मेडचल-मलकजगिरी में एक स्वास्थ्य सुविधा चला रहा था। तीसरा व्यक्ति जालंधर, महबूबनगर जिले के येदिरा गांव में एक सुविधा का संचालन कर रहा था।

छापेमारी के दौरान टीएसडीसीए टीमों ने उनके द्वारा चलाए जा रहे क्लीनिकों से 95,000 रुपये मूल्य की कुल 70 प्रकार की दवाएं जब्त कीं। छापे के दौरान 'क्लिनिकों' में एंटीबायोटिक्स, स्टेरॉयड, एनाल्जेसिक, कफ सिरप, एंटीअल्सर दवाएं, एंटीडायबिटिक्स, एंटीहाइपरटेन्सिव, उच्च पीढ़ी के 'एंटीबायोटिक्स' सहित दवाओं के बड़े भंडार का पता लगाया गया और उन्हें जब्त कर लिया गया। एक अन्य छापे में टीएसडीसीए अधिकारियों ने ओम फार्मास्यूटिकल्स, बेंगलुरु द्वारा निर्मित और श्री धूतपेश्वर, मुंबई द्वारा विपणन की जाने वाली आयुर्वेदिक दवा 'महासुदर्शन काढ़ा' जब्त की, जिसे बाजार में इस लेबल के साथ बेचा जा रहा था कि यह बुखार का इलाज कर सकता है, जो कि औषधि और चमत्कारिक उपचार (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954 का उल्लंघन है, टीएसडीसीए की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है। अधिकारियों ने संगारेड्डी में एक मेडिकल दुकान से इट्राकोनाज़ोल कैप्सूल 200 मिलीग्राम भी जब्त कर लिया, जो कि ड्रग्स (मूल्य नियंत्रण) आदेश, 2013 के अनुसार मूल्य नियंत्रण के अंतर्गत है और 21 मई को राष्ट्रीय फार्मास्युटिकल मूल्य निर्धारण प्राधिकरण द्वारा निर्धारित अधिकतम कीमत है।

किशन ने किसानों को धोखा देने के लिए रेवंत की आलोचना की

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री और भाजपा तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने आज कहा कि कांग्रेस पार्टी एक बार फिर तेलंगाना के किसानों को धोखा दे रही है। उन्होंने कहा कि सीएम रेवंत रेड्डी ने सत्ता में आने के 100 दिनों के भीतर कृषि ऋण माफ करने का वादा किया था, लेकिन अपने वादे को पूरा करने में बुरी तरह विफल रहे। उन्होंने मजाक उड़ाया कि सीएम और कांग्रेस नेता अब 2 लाख रुपये के कृषि ऋण माफ करने के वादे की कसम खा रहे हैं। आज यहां राज्य भाजपा कार्यालय में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार सत्ता में आने के बाद किसानों को 15000 रुपये प्रति एकड़ वित्तीय सहायता देने के अपने वादे को पूरा करने में विफल रही है, साथ ही धान के लिए 500 रुपये देने का वादा भी पूरा करने में विफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार किसानों से किए गए किसी भी वादे को पूरा करने के बारे में नहीं सोच रही है और कहा कि सत्ता में आने के बाद वह किसानों को धोखा दे रही है। उन्होंने कहा कि पूर्व में किए गए वादों को भूलकर कांग्रेस नेताओं ने हाल के ससदीय चुनावों में कई नए वादे किए हैं। उन्होंने उपहास करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता देवी-देवताओं के नाम पर कसम खा रहे हैं और राज्य के लोगों को धोखा दे रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी और रेवंत रेड्डी ने किसानों को यह समझाने के लिए अभियान चलाया कि वे अपने कर्ज माफी के तुरंत बाद नया कर्ज ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार किसानों से चावल खरीदने के लिए तैयार है और आश्चर्य जताया कि राज्य सरकार के लिए क्या कठिनाई है? उन्होंने कहा कि राज्य की जरूरतों के लिए अतिरिक्त चावल खरीदा जा सकता है और कहा कि केंद्र कह रहा है कि वह एमएसपी के अनुसार खरीद करेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बोनस के साथ धान खरीद सकती है और कहा कि कांग्रेस सरकार किसानों को बोनस नहीं देकर किसानों को धोखा देने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले घोषणा की थी कि किसानों से उबला हुआ चावल खरीदा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को खरीफ सीजन के लिए केंद्र को 22 लाख मीट्रिक टन चावल की आपूर्ति करनी चाहिए और आरोप लगाया कि अभी तक कांग्रेस सरकार ने आपूर्ति नहीं की है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने राज्य सरकार के साथ 75 लाख मीट्रिक टन धान खरीदने का समझौता किया था, लेकिन राज्य सरकार ने अभी तक 2023-24 के रबी सीजन के लिए केवल 33 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों से समय पर धान की खरीद किए बिना, राज्य सरकार हाल ही में हुई बेमौसम बारिश से हुए नुकसान पर कड़ी नजर रख रही है।

बुद्ध की शिक्षाएं इस दुनिया के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत -कोंडा सुरेखा

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण और देवदाय धर्मार्थ मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि यदि सिद्धार्थ बुद्ध में परिवर्तित हो गए, तो प्रत्येक व्यक्ति सत्य की खोज के माध्यम से खुद को महान तरीके से खोज सकता है। "बुद्ध पूर्णिमा (23 मई)" के अवसर पर, मंत्री ने देश भर के बौद्धों को शुभकामनाएं दीं। मंत्री सुरेखा ने कहा कि गौतम बुद्ध विश्व के इतिहास में प्रथम सामाजिक क्रांतिकारी एवं समाज सुधारक थे। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत विकास पर केंद्रित बुद्ध की शिक्षाएं क्रांतिकारी थीं। मंत्री ने कहा कि बुद्ध की शांति, अहिंसा और करुणा की शिक्षाएं इस दुनिया के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत हैं। यह याद किया गया कि बुद्ध द्वारा सुझाए गए अहिंसा के मार्ग पर गांधीजी के संघर्ष से देश को आजादी मिली। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में प्रकट हुए बौद्ध चैत्य और स्तूप तेलंगाना में बौद्ध धर्म की महिमा को दर्शाते हैं। मंत्री ने कहा कि यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि बुद्ध के पहले शिष्यों में से एक कोडानागु तेलंगाना के निवासी हैं।

आंगनवाड़ी केंद्रों को मजबूत बनाने के लिए कदम उठाएं : सीताक्का

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। महिला एवं बाल कल्याण मंत्री सीताक्का ने संबंधित अधिकारियों को तेलंगाना के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए पर्याप्त कदम उठाने और उन्हें और मजबूत बनाने का निर्देश दिया। मंत्री ने बुधवार को यहां सचिवालय में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और उनसे कहा कि तेलंगाना राज्य भर में हर आंगनवाड़ी केंद्र में बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने और मानकों को बेहतर बनाने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा, "बुजुर्ग व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए और समय-समय पर उनकी स्थिति की जांच की जानी चाहिए।" बैठक के दौरान, मंत्री ने यह भी सुझाव दिया कि तेलंगाना के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों को एक ही मॉडल में डिजाइन किया जाना चाहिए और राज्य के हर आंगनवाड़ी केंद्र में शौचालय की सुविधा होना अनिवार्य होना चाहिए। बैठक में महिला एवं बाल कल्याण विभाग की सचिव वकती करुणा, निदेशक निर्मला कांथी वेस्ले, विकलांग कल्याण विभाग की निदेशक शैलजा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

टीबीडीबी ने अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हर साल तेलंगाना जैव विविधता बोर्ड (टीबीडीबी) जैव विविधता पर कन्वेंशन (सीबीडी) द्वारा जारी थीम के आधार पर अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस (आईबीडी) मनाता है। सीबीडी का मुख्य उद्देश्य जैव विविधता के संरक्षण और सतत उपयोग के लिए राष्ट्रीय रणनीति विकसित करना है, जिसका पालन इस वर्ष की थीम "योजना का हिस्सा बनें" के लिए किया गया है, जिसका अर्थ है जैव विविधता के नुकसान को रोकने और उलटने के लिए सभी हितधारकों से कार्रवाई का आह्वान। थीम के आधार पर, टीबीडीबी ने 7 मार्च से 18 मई तक छात्रों और आम जनता के लिए पेंटिंग, भाषण, नृत्य, निबंध लेखन, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और कार्टून डिजाइनिंग जैसी जागरूकता कार्यक्रम और ऑनलाइन प्रतियोगिताएं आयोजित की हैं, जो छात्रों और आम जनता के बीच प्रभाव पैदा करेंगी, उन्हें जैव विविधता और प्रकृति के संरक्षण के महत्व के बारे में समझाएंगी। टीबीडीबी ने आईबीडी दिवस समारोह के हिस्से के रूप में तेलंगाना में वृक्षारोपण अभियान, एकल-उपयोग प्लास्टिक को 'नहीं' कहना, जैव विविधता रैलियां, कार्यशालाएं और "बाजरा के महत्व" पर व्याख्यान जैसे जिला-स्तरीय कार्यक्रम आयोजित करने में भी सहायता की। रंगा रेड्डी, कामारेड्डी, महबूबनगर, वारंगल, करीमनगर, नलगोंडा, हैदराबाद, खम्मम और मेदक जैसे जिलों ने आईबीडी-2024 के हिस्से के रूप में अपने विशिष्ट जिलों में बीएमसी सदस्यों के साथ कॉलेज के छात्रों के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए हैं। 22 मई, 2024 को हैदराबाद के जुबली हिल्स स्थित कासु ब्रह्मानंद रेड्डी (केबीआर) राष्ट्रीय उद्यान में अंतर्राष्ट्रीय जैविक विविधता दिवस (आईबीडी) मनाया गया। इस कार्यक्रम में वाणी प्रसाद, आईएएस, सरकार की प्रधान सचिव, ईएफएस एंड टी विभाग और महानिदेशक, ईपीटीआरआई, मोहन चंद्र परगाईं, आईएफएस, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (डब्ल्यूएल) और मुख्य वन्यजीव वार्डन एंड (एफसीए) और कालीचरण एस. खारताड़े, आईएएस, सचिव, तेलंगाना जैव विविधता बोर्ड को आमंत्रित किया गया है।

भट्टी चुनाव प्रचार में भाग लेने के लिए पंजाब रवाना

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क बुधवार को राज्य में लोकसभा चुनाव प्रचार में भाग लेने के लिए पंजाब रवाना हुए। भट्टी विक्रमार्क को कांग्रेस पार्टी ने फरीदकोट लोकसभा क्षेत्र का विशेष पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। वे बुधवार से तीन दिनों तक चुनाव प्रचार में भाग लेंगे और लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार की जीत के लिए विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे। फरीदकोट संसदीय क्षेत्र में अपने तीन दिवसीय प्रवास के दौरान भट्टी विक्रमार्क स्थानीय नेताओं के साथ समन्वय करेंगे और चुनाव में कांग्रेस पार्टी की सफलता के लिए चुनाव प्रबंधन की कार्ययोजना तैयार करेंगे।

अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे 11 कलाकार

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में सृष्टि आर्ट गैलरी 25 मई को लॉन्च होने वाले 'इमर्जिंग पैलेट्स' के 14वें संस्करण की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। एक्सपो में देश भर से 11 उभरते हुए चित्रकारों के काम को प्रदर्शित किया गया है। उन्होंने अभी-अभी ललित कला में अपनी मास्टर डिग्री पूरी की है और गोएथे ज़ेंट्रम के साथ साझेदारी में सृष्टि आर्ट गैलरी द्वारा प्रस्तुत किया जा रहा है। 'इमर्जिंग पैलेट्स' नए कलाकारों के लिए अपने काम को व्यापक दर्शकों के सामने पेश करने, संवाद को बढ़ावा देने और समकालीन कला की सराहना करने का एक महत्वपूर्ण मंच रहा है। प्रदर्शनी इन कलाकारों के लिए लॉन्चिंग पैड के रूप में कार्य करती है और हैदराबाद के सांस्कृतिक परिदृश्य को समृद्ध करती है।

भाग लेने वाले कलाकारों में उनमें अंशुका महापात्रा, अर्पण साधुखान, अविजीत दत्ता, देबाश्रुति आइच, देपर्णा साहा, दिग्विजयसिंह जडेजा, महेश मोठे, पूजन गुप्ता, रीमा पॉल, शिल्पा बावने और सिद्धार्थ सोनी शामिल हैं। शाम 6 बजे से रात 8.30 बजे तक चलने वाली, वार्षिक प्रदर्शनी आमतौर पर एक महीने तक चलती है, लेकिन इस साल प्रबंधन अवधि बढ़ाने की योजना बना रहा है। यह आयोजन नि:शुल्क और जनता के लिए खुला है।

तेलंगाना छोड़ रहीं कंपनिया, कांग्रेस सरकार जिम्मेदार : केटीआर

राज्य में बिगड़ रही स्थिति, हो रही धुआंधार बिजली कटौती

वारंगल, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने तेलंगाना में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना करते हुए उस पर गंभीर कुप्रबंधन और अपने वादों को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने तेलंगाना में कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से राज्य में बिगड़ती स्थितियों की ओर इशारा किया, जिसमें बिजली कटौती और चल रही परियोजनाओं को बंद करना शामिल है, यहां तक कि कई कंपनियां राज्य छोड़ रही हैं।

बुधवार को नलगोंडा-खम्मम-वारंगल स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के उपचुनाव के लिए प्रचार अभियान के तहत वारंगल में स्नातकों से बातचीत करते हुए रामा राव ने एमजीएम अस्पताल के लिए नए 24-मंजिल भवन के निर्माण को रोकने के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की, जिसे अत्याधुनिक सुविधा के रूप में बनाया जाना था। उन्होंने सवाल किया कि क्या हमें ऐसी सरकार चाहिए जो ऐसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं को रोक दे?

उन्होंने कहा कि टेक महिंद्रा का वारंगल छोड़ना एक बड़ा झटका है, जो मौजूदा कंपनियों को बनाए रखने और नई कंपनियों को आकर्षित करने में सरकार की अक्षमता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि टेक महिंद्रा ने वारंगल छोड़ दिया और नए एमजीएम अस्पताल का निर्माण कार्य रुक गया। मौजूदा एमजीएम अस्पताल जैसे अस्पतालों में बार-बार बिजली गुल हो रही है, यदि इन बिजली कटौती के कारण नवजात शिशुओं या आईसीयू रोगियों की मृत्यु हो जाती है तो कौन जिम्मेदार होगा? क्या यही वह बदलाव है जो लोग चाहते थे?

कांग्रेस सरकार की छवि खराब करने के लिए विपक्ष रच रहा है षडयंत्र: अन्वेश

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। किसान कांग्रेस के अध्यक्ष अन्वेश रेड्डी ने आरोप लगाया है कि विपक्षी दल धान पर 500 रुपये बोनस के नाम पर कांग्रेस सरकार की छवि खराब करने की साजिश रच रहे हैं। बुधवार को गांधी भवन में एक सवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए अन्वेश रेड्डी ने कहा कि विपक्षी दल के नेता गैरजिम्मेदाराना तरीके से बात कर रहे हैं और किसानों को राज्य सरकार के खिलाफ भड़का रहे हैं।"तेलंगाना राज्य में 14 लाख एकड़ में धान की अच्छी किस्मों की खेती की जाती है जबकि 32 लाख एकड़ में अन्य किस्मों की खेती की जाती है। किसानों को समर्थन देने के इरादे से राज्य सरकार ने धान की अच्छी किस्मों के लिए 500 रुपये प्रति क्विंटल का बोनस देने की प्रक्रिया शुरू की है। लेकिन विपक्षी दल इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने की कोशिश कर रहे हैं।

पुलिस चौकी में पिटाई, खून की उल्टियां, प्रधान के लड़के के साथ रहने की दरोगा ने दी सजा; मौत

देवरिया, 22 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के देवरिया में पुलिसकर्मियों की पिटाई से एक युवक की मौत हो गई। मृतक युवक के परिजनों ने चौकी इंचार्ज समेत तीन पुलिसकर्मियों पर हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। एसपी ने आरोपी दरोगा को चौकी से हटाकर उसके खिलाफ मामला दर्ज करने का निर्देश दिया है। साथ ही पूरे मामले की जांच की जा रही है। युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मृतक युवक की पत्नी ने चौकी इंचार्ज और तीन पुलिसकर्मियों के खिलाफ तहरीर दी है। सभी पर आरोप है कि उन्होंने उसके पति की डंडों से पीटकर हत्या की है। घटना के बाद गुस्साए परिजनों ने पुलिस चौकी पर हंगामा किया। मृतक युवक की पत्नी सुमन ने बताया कि वह बरहज थाना इलाके के गांव सतराव के रहने वाले हैं।

पवन सिंह को बीजेपी ने निकाला

पीएम मोदी की काराकाट रैली से पहले उपेंद्र कुशवाहा को राहत

पटना, 22 मई (एजेंसियां)। बिहार की काराकाट लोकसभा सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे भोजपुरी स्टार पवन सिंह को बीजेपी ने निष्कासित कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की काराकाट में एनडीए प्रत्याशी राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा के समर्थन में जनसभा से पहले बीजेपी ने बड़ा ऐक्शन लिया है। बिहार के बीजेपी अध्यक्ष सम्राट चौधरी के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई है। बता दें कि बीजेपी से बागी होकर पवन सिंह ने काराकाट से निर्दलीय नामांकन किया, जिससे एनडीए कैंडिडेट उपेंद्र कुशवाहा की मुश्किलें बढ़ गईं। अब पवन सिंह के भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) से निकाले जाने पर उपेंद्र कुशवाहा को राहत मिली है। लोकसभा चुनाव 2024 में पवन सिंह को बीजेपी ने पश्चिम बंगाल की आसनसोल लोकसभा सीट से उम्मीदवार बनाया था। मगर उन्होंने वहां से चुनाव न लड़ने की बात कहकर टिकट लौटा दिया। मूलरूप से भोजपुर जिले के रहने वाले पवन सिंह ने दक्षिण बिहार की काराकाट लोकसभा सीट से निर्दलीय पर्चा भर दिया। काराकाट में सातवें चरण में 1 जून को मतदान होना है। पवन के आने से काराकाट में मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है।

पीएम मोदी की काराकाट में 25 को चुनावी रैली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार 25 मई को काराकाट में एनडीए की चुनावी रैली को संबोधित करेंगे। इस दौरान वह आरएलएम कैंडिडेट उपेंद्र कुशवाहा के समर्थन में वोट मांगते हुए नजर आएंगे। पवन सिंह का नामांकन मंजूर होने के बाद पीएम मोदी के दौरे से पहले उनको बीजेपी से निकाले जाने की अटकलें पहले से लगाई जा रही थीं।

काराकाट लोकसभा सीट पर त्रिकोणीय मुकाबला

दक्षिण बिहार की काराकाट लोकसभा सीट पर एनडीए से उपेंद्र कुशवाहा के खिलाफ महागठबंधन के खेमे से सीपीआई माले के टिकट पर राजाराम कुशवाहा चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं, पवन सिंह के निर्दलीय पर्चा भरने से यहां जंग त्रिकोणीय हो गई है। भोजपुरी स्टार की रैलियों में उमड़ रही भीड़ से एनडीए नेताओं की चिंता बढ़ी हुई है। कुशवाहा को अपने वोटबैंक खिसकने का डर ज्यादा सता रहा है। हालांकि, पवन सिंह चुनावी रैलियों की भीड़ को वोटों में कितना तब्दील कर पाते हैं, यह तो 4 जून को लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद ही पता चलेगा।

देह व्यापार रैकेट पर कसा शिकंजा

नाबालिगों को धंधे में धकेलने वाली महिलाओं समेत पांच पर मुरादाबाद पुलिस ने की ये कार्रवाई

मुरादाबाद, 22 मई (एजेंसियां)। जयंतीपुर में देह व्यापार चलाए जाने की शिकायत मिली थी। इसके बाद पुलिस क्षेत्र के घर में छापा मारा था। वहां से पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया था। गिरोह की सरगना मझोला जयंतीपुर के रामअवतार, संभल चंदौसी सराय खास के जाहिद हुसैन, जयंतीपुर के आलीम, गलशहीद मकबरा के सोनू, उनकी पत्नी मेहरुनिसा, जयंतीपुर के शरीफ और उनकी पत्नी आसमां को गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ के बाद पुलिस ने छह नाबालिग लड़कियों को भी बरामद किया था। लड़कियों से देह व्यापार कराए जाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की थी। सीओ सिविल लाइंस अर्पित कपूर ने बताया कि देह व्यापार का रैकेट चलाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। जांच में पाया गया कि आरोपित नाबालिग लड़कियों को उनकी मजबूरी का फायदा उठाकर तो कुछ अपहरण करके लाए थे। इन सभी के विरुद्ध गंभीर धाराओं में कार्रवाई की जा रही है। आपराधिक कानून की कार्रवाई के बाद अवैध तरीके से इकट्ठा की गई संपत्ति को जब्त करने की प्रक्रिया भी शुरू की जाएगी।

पिछले साल पुलिस ने बुद्धि विहार, मानसरोवर कालोनी, नया गांव, कांशीराम नगर आदि स्थानों पर एकसाथ दबिश देकर कार्रवाई की थी। जिसमें पुलिस ने नाबालिग युवतियों को इनके कब्जे से मुक्त कराया था। जिले की व्यवस्थाओं को ठीक रखने के लिए गलत काम करने वालों के खिलाफ निरंतर कार्रवाई की जा रही है। देह व्यापार का धंधा करने वाली दो महिलाओं समेत पांच लोगों पर आपराधिक कानून के तहत कार्रवाई की गई है। ताकि देह व्यापार जैसे सामाजिक अपराध पर रोक लग सके।

प्रियंका गांधी को चुनावी मैदान में न उतारने का फैसला किसका

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने दिया जवाब

रायबरेली, 22 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के बीच यह कयास लगाए जा रहे थे कि कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी रायबरेली से पहली बार चुनाव लड़ अपनी राजनीतिक सफर की शुरुआत करेंगी। हालाकि, जब राहुल गांधी ने रायबरेली से अपना नामांकन दाखिल किया तो यह दावा भी पूरी तरह से खारिज हो गया। अब सवाल है कि आखिर कांग्रेस प्रियंका गांधी को चुनावी मैदान में न उतारने का फैसला किसका था? इस पर अब कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने चुप्पी तोड़ी है।

खुद प्रियंका गांधी ने लिया फैसला

पीटीआई को दिए एक साक्षात्कार में खरगे ने बताया कि 'यह सोनिया गांधी, राहुल गांधी और खुद प्रियंका गांधी का निर्णय था। हालांकि, खरगे ने भी प्रियंका गांधी के चुनाव न लड़ने को उचित ठहराया है। खरगे ने कहा कि सोनिया गांधी 30 साल से राजनीति में हैं और उन्हें पता है कि किसे कहां से चुनाव लड़ना चाहिए।'

प्रियंका हमारी स्टार प्रचारक

कांग्रेस प्रमुख ने आगे कहा कि 'प्रियंका भी राहुल गांधी के साथ हमारी स्टार प्रचारक हैं, क्योंकि सोनिया गांधी जी का स्वास्थ्य ठीक नहीं है। उनकी मांग है और हजारों लोग उन्हें सुनने आते हैं। वे दोनों हमारी संपत्ति हैं और अगर हम अपनी सारी संपत्ति एक जगह निवेश करते हैं, तो दूसरों का क्या होगा क्योंकि उन्हें भी दूसरों की मदद करनी है। उन्होंने जो भी फैसला लिया है, हम उसका स्वागत करते हैं।'

कांग्रेस जानबूझकर कम सीटों पर लड़ रही चुनाव

खरगे ने कहा कि कांग्रेस ने इस लोकसभा चुनाव में जानबूझकर कम सीटों पर चुनाव लड़ा है, ताकि इंडी गंठबंधन को एकजुट रखा जा सके और भाजपा को हराया जा सके। कांग्रेस 328 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जो अब तक की उसकी सबसे कम संख्या है और उसने इंडी गठबंधन में अन्य विपक्षी दलों के लिए 200 से अधिक सीटें छोड़ी हैं।

दहेज मांगना अपराध लेकिन कम दहेज का ताना देना दंडनीय नहीं

हाईकोर्ट ने रद्द किया उत्पीड़न का आरोप

प्रयागराज, 22 मई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि दहेज मांगना अपराध है पर कम दहेज का ताना मारना दंडनीय नहीं है। यह फैसला न्यायमूर्ति विक्रम डी चौहान की अदालत ने पीड़िता की दो ननद और देवर पर दहेज उत्पीड़न के लगे आरोपों को रद्द करते हुए सुनाया। मामला बदायूं जिले के बिल्सी थाना क्षेत्र का है। पीड़िता का निकाह सात मई 2017 को शब्बन खान के साथ हुआ था। पीड़िता ने दिसंबर में पति शब्बान खान, सास शाहीदान खान, देवर अच्छे खान, ननद महताब और कुमारी निदा के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप लगाया था कि शादी के दौरान पति ने कार की मांग की थी, न दिए जाने पर उसके पति और सभी आरोपियों ने कम दहेज देने का ताना मरते हुए मारपीट कर

घर से निकाल दिया। पुलिस ने आरोपपत्र दाखिल किया। इसके खिलाफ पति समेत सभी आरोपियों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। वर्ष 2018 में ही पति शब्बान की अर्जी हाईकोर्ट ने खारिज कर दी और याचिका लंबित रहने के दौरान सास की मौत हो गई। बाकी याचिकाओं पर विचार करते हुए अदालत ने तीनों पर लगे दहेज उत्पीड़न के आरोप को रद्द कर दिया। कोर्ट ने कहा कि पीड़िता की ओर से दहेज मांग का लगाया गया आरोप स्पष्ट प्रकृति का नहीं है। मारपीट के आरोप लगाए गए हैं लेकिन कोई मेडिकल रिपोर्ट दस्तावेजी प्रमाण के रूप में मौजूद नहीं है। उत्पीड़न के आरोप सामान्य प्रकृति के हैं। दहेज मांगना अपराध है लेकिन कम दहेज का ताना मारना दंडनीय नहीं है।

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, सार्वजनिक रूप से की गई टिप्पणी पर ही लागू होगा एससी-एसटी ऐक्ट

प्रयागराज, 22 मई (एजेंसियां)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा कि सार्वजनिक रूप से अपमानित करने के लिए की गई टिप्पणी या धमकाने पर ही एससी-एसटी ऐक्ट के तहत कार्रवाई की जा सकती है। अपराध यदि सार्वजनिक रूप से नहीं किया गया है तो इस एक्ट की धारा 3(1)(आर) के प्रावधान लागू नहीं होंगे। कोर्ट ने याची पर एससी-एसटी एक्ट के तहत की गई कार्रवाई को रद्द कर दिया, लेकिन कहा कि अन्य अपराधों में कार्रवाई जारी रहेगी। न्यायमूर्ति विक्रम डी। चौहान की कोर्ट ने पिंटू सिंह की याचिका पर यह आदेश दिया। आरोप लगाया गया, नामजद आरोपियों ने शिकायतकर्ता के घर में घुसकर जातिसूचक टिप्पणी करते हुए मारपीट की। याची ने हाईकोर्ट में अर्जी दाखिल कर एससीएसटी ऐक्ट के तहत की गई कार्रवाई को चुनौती दी। कोर्ट ने कहा कि कथित घटना घर में हुई थी और घटना के दौरान वहां कोई बाहरी आदमी नहीं था। ऐसे में एससीएसटी एक्ट के प्रावधान इस मामले में लागू नहीं होंगे।

आंसर नहीं दे पाया छात्र तो टीचर से डंडे से पीटा, फोड़ दी आंख; हालत गंभीर

सहारनपुर, 22 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में एक टीचर ने 12वीं के छात्र को डंडे से ऐसा मारा कि छात्र की आंख में चोट लग गई। आंख में चोट लगने के बाद आंख से खून निकलने लगा। आनन-फानन में परिजनों को इस घटना की खबर दी गई। इसके बाद छात्र को तुरंत इलाज के लिए हॉस्पिटल में एडमिट किया गया। हालत बिगड़ने के बाद उसे हायर सेंटर में रेफर किया गया। छात्र की आंख का ऑपरेशन हुआ है। इस पूरे मामले में पिता ने थाने में एफआईआर दर्ज कराई है।

भूत-प्रेत उतारने के लिए चाची बनी कातिल, 2 मासूमों की दी बलि, एक चिट्ठी से खुला राज

मुजफ्फरनगर, 22 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में अंधविश्वास के चलते एक महिला ने अपने ही दो भतीजों की बलि देकर उन्हें मार डाला। ऐसा उसने तांत्रिक के कहने पर किया। तांत्रिक ने महिला से कहा था कि उस पर भूत-प्रेत का साया है। इसे उतारने के लिए उसे बलि देनी होगी। बस फिर क्या था। महिला ने एक महीने के अंदर अपने ही दो भतीजों की बलि दे डाली। पुलिस ने मामले में हत्यारोपी महिला और उसकी मां को गिरफ्तार कर लिया है। तांत्रिक फिलहाल फरार है। उसकी तलाश की जा रही है। घटना खतौली इलाके के कैलावड़ा गांव की है। 17 मई को यहां एक घर के अंदर से सात साल के बच्चे का शव बरामद हुआ था। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। शव के पास से पुलिस ने तांत्रिक क्रिया का कुछ सामान और एक चिट्ठी भी बरामद की, जिस पर लिखा था- अब शांति मिली आत्मा को शांति मिले। बस पुलिस को यहीं से शक हो गया कि मामला कुछ गड़बड़ है। इसकी जांच जारी रखी गई। इससे पहले 24 अप्रैल को घर के अंदर से ही मृतक के पांच वर्षीय भाई का शव भी संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हुआ था।

जौनपुर में सीएम योगी ने भरी हुंकार

कहा- रामभक्त और राम द्रोहियों के बीच है यह चुनाव

जौनपुर, 22 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरे देश का विकास चाहते हैं। सबका साथ सबका विकास का नारा बुलंद करते हुए उन्होंने देश की तरक्की में अपना संपूर्ण योगदान दिया है। सपा- कांग्रेस का गठबंधन देश के लिए अहितकारी और विनाशकारी है। यह चुनाव रामभक्त और राम द्रोहियों के बीच है। पाकिस्तान प्रेमी पाकिस्तान चले जाएं। इंडी गंठबंधन सत्ता में आई तो हिन्दुओं का हक छीन कर मुसलमानों को दे दिया जाएगा। मुख्यमंत्री बुधवार को मुंगराबादशाहपुर के सार्वजनिक इंटर कॉलेज में भाजपा प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह के पक्ष में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यहां के लोगों का उत्साह देखकर ही बता सकता हूं कि 4 जून को क्या परिणाम आएगा। पूरे देश में एक ही नारा गूंज रहा है फिर एक बार मोदी सरकार, अबकी बार 400 पार। 400 पार के नारे से सपा- कांग्रेस व अन्य विपक्षी दल डरे सहमे हुए हैं। देश की जनता एक बार फिर से नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने का मन बना लिया है।

जौनपुर में सीएम योगी आदित्यनाथ

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी ने देश की तस्वीर और तकदीर बदल दी है। दुनिया में देश का मान सम्मान बड़ा है। 140 करोड़ भारतीयों को आतंक से मुक्ति मिली है। सरकार की सारी योजनाएं गरीबों तक पहुंच रही हैं। अब गरीबों को इलाज के लिए दर-दर भटकना नहीं पड़ता है। उन्होंने कहा कि जो लोग पाकिस्तान के प्रेमी हैं वह पाकिस्तान चले जाएं। ऐसे लोगों को पाकिस्तान ही भेज देना चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि भारत 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दे रहा है और पाकिस्तान की 23 करोड़ जनता भुखमरी के कगार पर है। मोदी के नेतृत्व में देश अब इतना मजबूत हो चुका है कि किसी में अब हिम्मत नहीं है कि भारत की तरफ आंख उठाकर भी देख सके। देश में औरंगजेब की आत्मा फिर से जिंदा नहीं होने दिए जाएगा। भाजपा के शासन सत्ता में रहते ऐसा कभी नहीं हो सकता है। आज देश की जनता विकास चाहती है।

जो राम को लाएं हैं, जनता उनको पूर्ण बहुमत के साथ लाएगी

सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या में अगर मोदी ने रामलाल को विराजमान किया है तो आज आतंकवादियों के राम नाम सत्य की यात्रा भी निकल रही है। जो राम को लाएं हैं, जनता उनको पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में स्थापित करने जा रही है। आज उत्तर प्रदेश में माफियाओं का सफाई किया जा चुका है। सीएम योगी ने कहा कि अब प्रदेश में गुंडों का राज नहीं बल्कि कानून का राज चलता है। इस अवसर पर सांसद सीमा द्विवेदी, पर्यटन मंत्री राजवीर सिंह,खेल मंत्री गिरीश यादव, पूर्व विधायक सुषमा पटेल, ब्लाक प्रमुख सत्येन्द्र सिंह फंटू,पूर्व प्रत्याशी अजय शंकर दूबे, जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह, विधायक रमेश मिश्रा, चेयरमैन कपिल मुनि, सुशील मिश्रा, संतोष मिश्रा मौजूद रहे।

जयमाल पर दुल्हन को किया किस

मचा बवाल, चले लाठी-डंडे और टूट गई शादी

हापुड़, 22 मई (एजेंसियां)। ईसाई धर्म में शादी में एक रस्म होती है, जब दूल्हा और दुल्हन एक दूसरे को किस करते हैं। लेकिन हिंदू धर्म में ऐसा कोई रिवाज नहीं है। फिर भी आज के समय में कई शादियों में अक्सर कपल एक दूसरे को किस कर देते हैं। लेकिन यूपी में एक दूल्हे को ऐसा करना महंगा पड़ गया। यहां जब दूल्हे ने स्टेज पर सबके सामने दुल्हन को किस किया तो दुल्हन पक्ष के लोग नाराज हो गए। दूल्हे पक्ष के साथ खूब बहस हुई। मामला मारपीट तक पहुंच गया। यहां तक कि शादी भी टूट गई। हंगाना होते ही दोनों पक्षों में जमकर लाठी-डंडे बरसे। 6 लोग इस मारपीट में घायल हुए। तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी गई। बारात तो बिना दुल्हन के लौटी ही। लेकिन मारपीट करने वाले 7 लोगों को पुलिस अपने साथ ले गई। उनके खिलाफ मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी गई है। मामला हापुड़ के अशोकनगर मोहल्ले का है। मोहल्ला अशोक नगर के व्यक्ति ने बताया कि रात को उनकी दो बेटियों की शादी थी। बड़ी बेटी की बारात मोहल्ला सुभाषनगर और छोटी पुत्री की बारात मोहल्ला शिवनगर से आई थी। बड़ी बेटी की शादी तो धूमधाम से संपन्न हो गई। इसके बाद छोटी बेटी की शादी का आयोजन चल रहा था। जयमाल के दौरान दुल्हन बनी छोटी पुत्री को दूल्हे ने किस कर दिया।

आजमगढ़ में दिखा डिंपल यादव का अलग अंदाज भोजपुरी में दिया भाषण जनता में जबरदस्त उत्साह

आजमगढ़, 22 मई (एजेंसियां)। सांसद डिंपल यादव ने भोजपुरी में भाषण की शुरुआत कर आजमगढ़ की जनता से नेह का नाता जोड़ा। कहा कि आजमगढ़ के ई पवित्र पावन धरती के हम दूनों हाथ जोड़ के नमन करत हई। ई आजमगढ़ हवे न ई हम समाजवादियन के करेजा में बसल हौ। एकरे माटी के कण-कण से हमनी के प्यार बांटे और हमनी के मरते दम तक ई प्यार और लगाव ऐसे ही बनल रही। सगड़ी क्षेत्र के बाजार गोसाई भैंसाड़ के पास सपहा पाठक वाली बाग में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए सांसद डिंपल यादव ने कहा कि समाज के हर तबके के लोगों को भाजपा सरकार ने बहुत सारी उम्मीदें दिखाई थी, लेकिन सभी वर्गों की उम्मीद पर पानी फेर दिया। नौकरियों में आरक्षण के साथ खिलवाड़ किया है। संविधान के अंदर फेरबदल करने के चक्कर में हैं। आजमगढ़ लोकसभा क्षेत्र नेता जी की दिल की धड़कन रहा है। इसलिए नेता जी ने खूब विकास किया।

आईवीआरआई में पहली बार तोते का इलाज, पंजे का किया गया एक्सरे, डॉक्टर ने चढ़ाया प्लास्टर

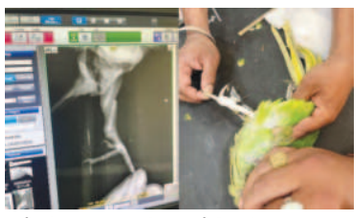

बरेली, 22 मई (एजेंसियां)। बरेली स्थित भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के रेफरल पॉली क्लीनिक में पहली बार वैज्ञानिकों ने अलेक्जेंडर प्रजाति के तोते का इलाज किया। ओपीडी इंचार्ज ने पंजे का एक्सरे कराया और प्लास्टर चढ़ाकर उसे उसके मालिक को सौंप दिया। पॉली क्लीनिक इंचार्ज सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. अमरपाल सिंह के मुताबिक सोमवार को राजेंद्र नगर निवासी युवक शिवम घर में पाले गए तोते का इलाज कराने पहुंचा था। क्लीनिक में पशुओं का इलाज होता है। पक्षियों का नहीं यह जानकारी उसे दी गई लेकिन वह नहीं माना। युवक किसी तरह तोते का इलाज कराने का जिद करता रहा। उसका अपनापन देखने के बाद पंजे का एक्सरे कराया गया। तो उसमें पंजा टूट कर दो हिस्सों में बंटा हुआ दिखा। फिर तोते को सर्जरी विभाग में ले जाकर प्लास्टर चढ़ाया गया। पशुओं में लोहे की प्लेट लगती है लेकिन यहां लकड़ियों का प्रयोग किया। पूछताछ के दौरान युवक ने बताया था कि घर के कमरे में पंखे की चपेट में आकर तोते का पंजा टूट गया था। तोते की तकलीफ उससे देखी नहीं गई। वह उसके इलाज के लिए कहां जाए समझ नहीं पाया तो लेकर पॉली क्लीनिक पहुंचा था। उपचार के बाद वह तोते को लेकर घर चला गया। डॉ. अमरपाल सिंह के मुताबिक पेड़ों की कटान से शहर में पक्षियों का आशियाना छिन गया है।

दो नाम से पासपोर्ट बनवा जा रहे विदेश, जालसाज ने किया खुलासा तो पुलिस के उड़े होश

गोरखपुर, 22 मई (एजेंसियां)। दक्षिणांचल में फर्जी कागजात और दो अलग-अलग नाम से पासपोर्ट बनवाकर विदेश जाने का खेल धड़ल्ले से चल रहा है। इस मामले में कई की जांच चल रही है तो कुछ लोगों के विरोध में लोगों ने शिकायत की है। गुलरिहा निवासी गणेश मद्धेशिया के नाम से वर्ष 2018 में एक पासपोर्ट जारी है। जिसकी वैधता वर्ष 2028 तक है। इस पासपोर्ट पर जन्मतिथि दो मई 2020 अंकित है। वही महेश कुमार मद्धेशिया के नाम एक और पासपोर्ट 2022 में जारी है। दोनों पासपोर्ट पर माता व पिता के नाम एक हैं, मगर जन्मतिथि अलग-अलग है। शिकायत पर गुलरिहा पुलिस ने जांच की तो दो अलग-अलग नाम वाला युवक गणेश मद्धेशिया निकला। जांच कर रहे दारोगा जुगेश कुमार आनंद की तहरीर पर गणेश के विरुद्ध केस दर्ज हुआ।

78 वर्षीय महिला की रिहाई का आया आदेश फिर भी अनजान बना रहा बाबू

कानपुर, 22 मई (एजेंसियां)। यूपी के कानपुर में प्रोबेशन विभाग के एक बाबू की लापरवाही के कारण 78 साल की महिला को दो साल और जेल में रहना पड़ा। उत्तर प्रदेश सरकार ने दहेज हत्या के मामले में उनकी आजीवन कारावास की सजा में छूट के बाद रिहा करने का आदेश दिया था। शासन का आदेश जिला प्रोबेशन विभाग आ गया, लेकिन बाबू ने ध्यान ही नहीं दिया। गत महिला की रिहाई से जुड़ी फाइल डीएम के पास पहुंची तो पूरा मामला खुल गया। डीएम ने क्लर्क को जमकर फटकार लगाई है। डीएम राकेश कुमार सिंह ने बताया कि क्लर्क के निलंबन की सिफारिश की गई है। उस पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। महिला को रिहा करने के लिए कहा गया है। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने नौबस्ता निवासी सुमित्रा की माफी याचिका को स्वीकार करते हुए 2022 में रिहाई आदेश जारी किया था। इसमें दो-दो लाख रुपये की दो जमानतें लगाने का आदेश दिया गया। सुमित्रा ने गरीबी का हवाला देते हुए जमानत राशि जमा करने में असमर्थता जताई। तहसीलदार ने जांच की और पाया कि महिला की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। गरीबी को देखते हुए शासन ने जुलाई, 2023 में बगैर जमानत राशि के रिहाई करने के आदेश दिए।

जिला प्रोबेशन दफ्तर में तैनात जिला परिवीक्षा काउंटर सहायक आशीष कुमार ने मंजूरी के लिए फाइल डीएम को भेजने के बजाय 10 महीने तक अपने पास रखा। गौरतलब है कि दहेज हत्या के एक मामले में सुमित्रा और उसके परिवार के सदस्यों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। उनके पति की जेल में मृत्यु हो गई, जबकि बेटा संतोष जेल में है।

अवैध बार के खिलाफ कार्रवाई शुरू

फडणवीस का कांग्रेस पर वार, कहा- हर चीज में राजनीतिक रंग देने की बहुत ओछी कोशिश है

पुणे, 22 मई (एजेंसियां)। पोर्शे कांड ने पूरे देश में खलबली मचा दी है। नाबालिग रईसजादे ने शराब के नशे में दो इंजीनियरों की जिंदगी को लग्जरी पोर्शे कार से रौंद डाला। इस मामले पर जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के जमानत देने के आदेश और नाबालिग को शराब देने पर सवाल खड़े हो गए हैं। हालांकि, इन सबके बीच पुणे नगर निगम (पीएमसी) ने अवैध पब और बार के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है।

अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई शुरू

पीएमसी ने कोरेगांव क्षेत्र में पब और बार के अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई शुरू की। उप अभियंता योगेंद्र सोनवणे ने कहा, 'हमने अब तक दो पबों के खिलाफ कार्रवाई की है और आगे की कार्रवाई चल रही है। पुणे में अलग-अलग जगहों पर कार्रवाई हो रही है। आज हम पांच अवैध बार और पब के खिलाफ कार्रवाई करेंगे।'

घटना को राजनीतिक रंग देने की बहुत ओछी कोशिश

वहीं घटना को राजनीतिक रंग देने पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने, 'ये इस घटना को राजनीतिक रंग देने की बहुत ओछी कोशिश है, क्योंकि पुणे की घटना में पुलिस ने तुरंत एक्शन ले लिया। हमने इस मामले में जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड द्वारा दिए गए फैसले पर भी आश्चर्य जताया है, लेकिन पुलिस ने इसके खिलाफ अपील दायर की। नाबालिग को शराब देने वालों को भी गिरफ्तार कर लिया गया है और कार देने वाले पिता को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। राहुल गांधी द्वारा हर चीज में वोट की राजनीति लाने का प्रयास बहुत गलत है। मैं इसकी निंदा करता हूं।'

हर चीज पर होगी कार्रवाई

पुणे कार दुर्घटना मामले के आरोपी के परिवार का अंडरवर्ल्ड से संबंध होने पर फडणवीस ने कहा, 'जो भी कनेक्शन है, पूरी जांच की जाएगी। हर चीज पर कार्रवाई की जाएगी।'

यह है मामला

हादसे के समय नाबालिग शराब के नशे में धुत था और 200 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से अपने पिता की पोर्श कार चला रहा था। इस हादसे में मध्य प्रदेश के रहने वाले दो इंजीनियर अनीश अवधिया (पुरुष) और अश्विनी कोस्टा (महिला) की मौके पर ही मौत हो गई। ये कार पुणे के एक अमीर बिल्डर का नाबालिग बेटा चला रहा था। हादसे के बाद उसने भागने की कोशिश की, लेकिन लोगों ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया था। बाद में उसे किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया गया, जहां कुछ घंटों बाद जमानत दे दी गई। पुलिस ने बताया कि शनिवार और रविवार की दरम्यानी रात को आरोपी किशोर अपने दोस्तों के साथ रात साढ़े नौ बजे से देर रात एक बजे के बीच दो बारों में गया था और वहां कथित तौर पर शराब पी थी।

चपरासी के पद पर कार्यरत थे पिता, गरीब न मानते हुए अनुकंपा नियुक्ति देने से इंकार, कोर्ट ने थमाया नोटिस

जबलपुर, 22 मई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने सेंट्रल बैंक को अनुकंपा नियुक्ति के मामले में नोटिस भेजा है। मामला चपरासी पद पर कार्यरत कर्मचारी की मौत के बाद उसके बेटे को अनुकंपा नियुक्ति नहीं दी गई। कारण बताया गया कि उनका परिवार गरीब नहीं है। अब कोर्ट ने जवाब तलब किया है। सिवनी निवासी याचिकाकर्ता रविकांत कौशल की तरफ से दायर की गई याचिका में कहा गया था कि उनके पिता मंगल राम कौशल सेंट्रल बैंक में चपरासी के पद पर कार्यरत थे। उनकी मृत्यु दिसम्बर 2022 में नौकरी में रहने के दौरान हुई थी। पिता की मृत्यु के बाद उसने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया था। बैंक अधिकारियों ने उनके आवेदन को इस आधार पर निरस्त कर दिया गया कि उनका परिवार गरीब नहीं है।

सारण में हुई गोलीबारी और हिंसा पर तेजस्वी यादव ने बीजेपी नेताओं को जमकर लताड़ा

पटना, 22 मई (एजेंसियां)। छपरा के भिखारी ठाकुर चौक पर मंगलवार को हुई हिंसा मामले में पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है। अब तक दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस घटना में आरजेडी के तीन कार्यकर्ताओं को गोली लगी थी जिसमें से एक की मौत हो गई थी। आरजेडी का एक प्रतिनिधि मंडल पीड़ित परिवार से मिला है हालांकि तेजस्वी यादव अभी मिलने नहीं जाएंगे। इसके पीछे उन्होंने कारण बताया है।

'लालू यादव ने की है पीड़ित परिवार की बात'

बुधवार (22 मई) को पत्रकारों ने तेजस्वी से सवाल किया कि आप पीड़ित परिवार से मिलेंगे। इस पर तेजस्वी यादव ने कहा कि वह छपरा गए तो कई तरह की बातें उठेंगी। लोग बोलेंगे कि भड़काने आ रहे हैं। कहा कि पीड़ित परिवार से पिता लालू यादव की बात हुई है। पार्टी का एक प्रतिनिधि मंडल छपरा पहुंच चुका है। आर्थिक मदद जो होगी वह की जाएगी।

राजीव प्रताप रूडी पर तेजस्वी ने कसा तंज

घटना पर उन्होंने कहा कि प्रशासन को हम लोग सपोर्ट कर रहे हैं। हम लोग चाहते हैं कि जो कुख्यात अपराधी है वह पकड़ा जाए। स्पीडी ट्रायल के तहत कड़ी से कड़ी सजा मिले। एसपी-डीएम सबसे बात हो रही है। उन्होंने सारण से बीजेपी प्रत्याशी राजीव प्रताप रूडी पर हमला करते हुए कहा कि लाखों वोट से हार रहे हैं। उनके एक बयान पर तंज कसा और कहा कि देखिए पढ़ा-लिखा आदमी किस तरीके की भाषा बोल रहा। रूडी भड़काऊ बातें कर रहे हैं। वहीं पीएम मोदी के 8वें बिहार दौरे पर तेजस्वी यादव ने कहा कि आते हैं पटना तो राजभवन में रुकते हैं। रात के अंधेरे में किस-किस से मिलते हैं, किसको क्या दिशा निर्देश देते हैं हमको सब जानकारी है। पीएम मोदी थक गए हैं। टेलिप्रॉम्प्टर पढ़ कर भी नहीं बोल पा रहे हैं।

देवास में खनिज विभाग ने 3 दिन में पकड़े 50 से ज्यादा डंपर

जिला कलेक्टर का कार्रवाई पर बड़ा खुलासा

देवास, 22 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के देवास जिले में खनिज विभाग ने 3 दिन में 50 से ज्यादा ओवरलोड डंपर को पकड़ा है। खनिज विभाग ने इन पर लाखों रुपये का दंड लगाया है। देवास कलेक्टर ऋषव गुप्ता के निर्देश पर यह अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर ने इस अभियान को चलाने के पीछे कई कारण बताएं है।

देवास कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने बताया कि पिछले काफी दिनों से इस संबंध में शिकायत मिल रही थी। इस शिकायत में बताया गया कि देवास जिले से अवैध रुप से ओवरलोड खनिज का परिवहन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इसी शिकायत पर खनिज विभाग के अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इसके बाद देवास जिले में ही ओवरलोड डंपर से दुर्घटना का एक मामला सामने आया था। जिसके बाद कार्रवाई में और तेजी लाने के आदेश दिए गए थे। इसी के चलते पिछले तीन दिनों में 50 डंपर पकड़े गए हैं। पकड़े गए डंपर में रेत का अवैध रुप से ओरवरलोड करके परिवहन किया जा रहा था।

इस कार्रवाई को लेकर देवास कलेक्टर ने बताया कि इन ओवरलोड डंपरों की वजह से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इसके अलावा सड़क भी खराब हो रही थीं। जिसके बाद इन अवैध डंपरों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

गर्भवती हुई तो होटल में छोड़कर भागा प्रेमी: चार साल से शादी का झांसा देकर कर रहा था रेप

इंदौर, 22 मई (एजेंसियां)। इंदौर की लसूड़िया पुलिस ने एक महिला की शिकायत पर उसके परिचित युवक के खिलाफ रेप कर धोखा देने के मामले में केस दर्ज किया है। आरोपी महिला को छह माह का गर्भ का पता चला तो होटल में छोड़कर भाग गया। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। लसूड़िया पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक इलाके में रहने वाली एक महिला ने प्रदीप खत्री के खिलाफ रेप का केस दर्ज किया है। प्रदीप टेंट व्यवसायी है। पीड़िता की मां से उसकी बातचीत है। इसलिये अक्सर घर आना जाना लगा रहा था। पीड़िता ने बताया कि वह प्रदीप को 2020 से पहचानती है। प्रदीप से उसकी बातचीत होती थी। फिर दोस्ती के बाद एक दूसरे को पसंद करने लगे। आरोपी 16 मार्च 2020 को घर आया तब घर पर कोई नहीं था। प्रदीप ने कहा कि वह उसे पंसद करता है और शादी करना चाहता है। इसके बाद संबंध बनाने के लिए दबाव बनाया। इनकार करने पर जबरदस्ती की। इसके बाद कहने लगा कि घबराओ मत अपने घर वालो को तुम्हारी मां से शादी की बात करने भेज दूंगा। बाद में प्रदीप मिलने लगा और कई बार संबंध बनाए।

घर पर पता लगा तो साथ ले गया

प्रदीप और पीड़िता के बीच सबकुछ ऐसे ही चलता रहा। दो साल पहले पीड़िता के परिवार को प्रदीप के बारे में जानकारी लगी। प्रदीप को पीड़िता ने कॉल किया तो वह उसे घर से लेकर मांगलिया इलाके में ले गया। यहां किराये का रूम लेकर रहने लगा। कुछ दिन बाद यहां रखने के बाद फिनिक्स टाउनशिप में रूम दिला दिया। शादी की बात करती तो टाल देता। इसे लेकर दोनों की बीच विवाद होने लगा। इसके चलते मकान मालिक ने 29 अप्रैल को मकान खाली करवा लिया। उसने निरंजन चौक के यहां होटल ड्रीम्स पैलेस में लाकर रुकवा दिया। इसके बाद 7 मई 2024 तक यहीं रूकी। शादी की बात को लेकर कहासुनी हुई। तो उसने मारपीट की ओर होटल से चला गया। इसके बाद उसने अपना मोबाइल भी बंद कर लिया। प्रदीप के वापस आने का इंतजार करती रही। लेकिन वह नहीं आया। पीड़िता ने पुलिस ने बताया कि उसे 6 माह का गर्भ है। पुलिस ने प्रदीप पर केस दर्ज किया है।

गौ-वध एवं परिवहन के प्रकरण में फरार मोहम्मद कासिम गिरफ्तार, कई थानों में दर्ज है एफआईआर

उज्जैन, 22 मई (एजेंसियां)। उज्जैन जिले में माकड़ौन थाना पुलिस ने इन दिनों एक ऐसे अपराधी को गिरफ्तार किया है, जिस पर अवैध रूप से शराब, मादक पदार्थ, गोवध के साथ ही कई प्रकरण दर्ज है। पुलिस को काफी समय से उसकी तलाश थी। थाना माकडौन के अपराध क्रमांक 127/2023 धारा 429,295-ए आईपीसी, 4, 6, 9 गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम, 25 आर्म्स एक्ट के प्रकरण में दो माह से फरार चल रहे आरोपी मोहम्मद कासिम पिता अब्दुर बशीर अब्बासी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पूछताछ के दौरान कासिम ने माकडौन के ग्राम झालरा में हुए गौवध में भी संलिप्त होना स्वीकार किया है। कासिम को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

'रास्ते में हूं, बस बारात पहुंचने वाली है'

प्यार के जाल में फंसा कर गर्लफ्रेंड को दिया धोखा

दतिया, 22 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के दातिया जिले से सामने आई लव स्टोरी किसी फिल्मी कहानी से कम नही हैं। पहले फेसबुक पर हुआ प्यार और बाद में धोखा। प्यार के जाल में फंसाकर फेसबुक फ्रेंड ने खुद को पूर्व विधायक का पुत्र बताया और गर्लफ्रेंड से शादी करने का वादा किया। खुद तय तारीख पर बारात लेकर नहीं पहुंचा। जानते हैं कि कैसे शुरु हुई ये लवस्टोरी भांडेर थाना के लिधोरा हबेली गांव की रहने वाली एक युवती को फेसबुक पर चैटिंग करते हुए एक युवक से प्यार हुआ। अंत में ये दोस्ती प्यार में बदली और फिर बात शादी तक पहुंची। युवक ने अपना नाम आदित्य उर्फ अर्जुन दोहरे बताया। अर्जुन ने खुद को राजस्थान के जयपुर शहर का निवासी बताया और यह भी बताया कि उसके पिता पूर्व में विधायक रहे हैं। फेसबुक वाले प्यार को शादी तक पहुंचाने का फैसला लिया। इतना ही नहीं कई बार शारीरिक संबंध भी बनाए। शादी के लिए 20 मई की डेट फिक्स की गई थी। लड़कीवालों के घर पर शादी की रस्में शुरु हो चुकी थी। भांडेर के हरिओम मैरिज गार्डन में शादी की तैयारियां थीं।

20 तारीख को अर्जुन ने कहा कि रात 12 बजे तक बारात लेकर आ रहे हैं और रात को अपना मोबाइल फोन बंद कर लिया। इसके बाद दुल्हन के जोड़े में इंतजार कर रही युवती ने भांडेर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज करने जांच में इस बात का पता लगाया कि आदित्य उर्फ अर्जुन दतिया के दुरसड़ा थाना के बिजनपुरा गांव का ही रहने वाला है। अब भांडेर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करके आरोपी की तलाश शुरू कर दी है

स्मोकी पान खाने से 12 साल की बच्ची के पेट में हुआ छेद, शादी के रिसेप्शन से सीधा अस्पताल पहुंची मासूम

बेंगलुरू, 22 मई (एजेंसियां)। बेंगलुरू से एक बेहद ही अजीब मामला सामने आया है। यहां एक 12 साल की बच्ची को शादी के रिसेप्शन से डायरेक्ट अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। दरअसल, बच्ची ने रिसेप्शन में स्मोकी पान खाया था। इसके सेवन के कुछ देर बाद ही मासूम के पेट में जोर का दर्द उठा। धीरे-धीरे ये दर्द इतना बढ़ गया कि आनन-फानन में बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया गया। बच्ची का जब इलाज किया गया तो डॉक्टर काफी हैरान हो गए। दरअसल, स्मोकी पान खाने से बच्ची के पेट में छेद हो गया जिसके बाद उसकी सर्जरी की गई। नारायण मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल ने लड़की की पहचान गुप्त रखी है। अस्पताल के अनुसार, लड़की के पेट में छेद (पेर्फोरशन पेरिटोनिटिस) होने का पता चला था, जिसके कारण उसकी इमेरजेंसी सर्जरी की गई।

भारत में कोरोना का कोहराम सामने आए 300 से ज्यादा नए मामले, कई राज्य में आए सबसे ज्यादा केस

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। सिंगापुर के बाद अब भारत में भी कोरोना धीरे-धीरे पैर पसार रहा है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अब तक देश भर में 324 नए मामले सामने आ चुके हैं। केपी-1 और केपी-2 नए वैरिएंट के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं।

कई राज्यों में यह संक्रमण फैल चुका है।

हालांकि, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के एक सूत्र ने बताया कि ये सभी जेएन1 के उप-वेरिएंट हैं और अस्पताल में भर्ती होने और गंभीर मामलों में कोई वृद्धि नहीं हुई है। सूत्र ने कहा, इसलिए चिंता या घबराहट का कोई कारण नहीं है। उत्परिवर्तन तीव्र गति से होता रहेगा और यह एसएआरएस-सीओवी2 जैसे वायरस का प्राकृतिक व्यवहार है। सूत्र ने आगे कहा कि आईएनएसएसीओजी निगरानी संवेदनशील है और किसी भी नए प्रकार के उद्भव को पकड़ने में सक्षम है और वायरस के कारण बीमारी की गंभीरता में किसी भी बदलाव का पता लगाने के लिए अस्पतालों से संरचित तरीके से नमूने भी लिए जाते हैं। भारतीय एसएआरएस-सीओवी2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम (आईएनएसएसीओजी) द्वारा संकलित आंकड़ों से पता चला है कि केपी 1 के 34 मामले सात राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पाए गए हैं, जिनमें से 23 मामले पश्चिम बंगाल से दर्ज किए गए हैं। अन्य राज्य हैं गोवा (1), गुजरात (2), हरियाणा (1), महाराष्ट्र (4) राजस्थान (2) और उत्तराखंड (1) आंकड़ों के मुताबिक, केपी 2 के 290 मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें सबसे ज्यादा 148 मामले महाराष्ट्र में दर्ज किए गए हैं। अन्य राज्य और केंद्र शासित प्रदेश हैं दिल्ली (1), गोवा (12), गुजरात (23), हरियाणा (3), कर्नाटक (4), मध्य प्रदेश (1), ओडिशा (17), राजस्थान (21), उत्तर प्रदेश (8), उत्तराखंड (16) और पश्चिम बंगाल (36)। सिंगापुर में एक नई सीओवीआईडी -19 लहर देखी जा रही है क्योंकि अधिकारियों ने 5 से 11 मई तक 25,900 से अधिक मामले दर्ज किए हैं, जिसमें केपी 1 और केपी 2 सिंगापुर में दो-तिहाई से अधिक मामले हैं।

विश्व स्तर पर, प्रमुख कोविड-19 वैरिएंट अभी भी जेएन 1 और इसके उप-वंश हैं, जिनमें केपी 1 और केपी 2 शामिल हैं। केपी1 और केपी 2 कोविड-19 वेरिएंट के एक समूह से संबंधित हैं, वैज्ञानिकों ने उनके उत्परिवर्तन के तकनीकी नामों के आधार पर, 'एफआईआरटी' उपनाम दिया है। एफआईआरटी में सभी उपभेद जेएन 1 वैरिएंट के वंशज हैं, जो ओमिक्रॉन वैरिएंट की एक शाखा है। केपी 2 को विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निगरानीाधीन संस्करण के रूप में वर्गीकृत किया गया था।

अब तो जीना-मरना साथ में

ननद-भाभी की लव स्टोरी से परिवार परेशान, पुलिस से मांगी मदद

आगरा, 22 मई (एजेंसियां)। आज के समय में लड़की का लड़की से और लड़के का लड़के से अफेयर होना आम बात हो गया है। समलैंगिक जोड़ों की शादी तक के भी कई मामले सामने आते रहते हैं। ऐसा ही एक मामला उत्तर प्रदेश के आगरा से सामने आया है। यहां एक शादीशुदा महिला को अपनी ही ननद से प्यार हो गया। ननद भी उसे चाहने लगी। दोनों का अफेयर चला तो इसकी भनक घर वालों को लग गई। आलम ये है कि परिवार वाले दोनों को समझा रहे हैं। लेकिन दोनों ही मानने को तैयार नहीं हैं। कहती हैं कि हमारा जीना मरना अब साथ ही है। हमें कोई अलग नहीं कर सकता। मामला पुलिस के संज्ञान में भी आ चुका है। पुलिस का कहना है कि दोनों युवतियों को समझाया जाएगा। उनके परिवार से भी इस बारे में बात की जाएगी। मामला आगरा के कस्बा फतेहपुरसीकरी का है। यहां एक शादीशुदा महिला का अफेयर रिश्ते में लगने वाली ननद से शुरू हो गया। दोनों आस-पड़ोस में ही रहती हैं। अफेयर शुरू हुआ तो दिन भर दोनों एक दूसरे के साथ समय बिताने लगीं। कभी भाभी अपनी ननद के पास जाती तो कभी ननद अपनी भाभी के पास।

दोनों रात-रात को भी फिर साथ में ही रहने लगीं। परिवार ने उनसे इस नजदीकी को लेकर शक भी जताया। इस वजह से उन्होंने चोरी छिपे मिलना शुरू कर दिया। इस दौरान दोनों के बीच फिजिकल रिलेशन भी बन गए। जब परिवार वालों ने दोनों को एक बार आपत्तिजनक हालत में पकड़ लिया तो जमकर बवाल मचा।

हिमाचल प्रदेश में छह पर्वतारोहियों ने तीन दिन में माउंट चाऊ चाऊ कॉंग नील्दा पर फहराया तिरंगा

शिमला, 22 मई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के छह पर्वतारोहियों की युवा टीम 'वाइट एक्सपीडिशन' ने जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति की स्पीति घाटी में बर्फ से ढकी 6300 मीटर ऊंची चोटी माउंट चाऊ चाऊ कॉंग नील्दा पर तिरंगा फहराया। काजा के अतिरिक्त उपायुक्त राहुल जैन ने छह पर्वतारोहियों की युवा टीम 'वाइट एक्सपीडिशन' को 18 मई को कॉमिक से हरी झडी दिखाकर रवाना किया था। भारतीय लोकतंत्र के प्रहरी बने सभी पर्वतारोहण की टीम इस मिशन के साथ आगे बढ़ी। मात्र तीन दिन में पर्वतारोहियों की टीम ने साहस व हौंसले की बदौलत स्पीति वैली की ऊंची चोटियों में से एक माउंट चाऊ चाऊ कॉंग नील्दा पर तिरंगा लहराया है। इस चोटी की बेहद कठिन चढ़ाई के कारण अभी तक मात्र चार बार ही चढ़ा जा सका है। वाइट एक्सपीडेशन टीम ने हार ना मानते हुए पांचवीं बार इस चोटी पर विजय हासिल की। चोटी तक दल को पहुँचने के लिये आइस वाल , क्रवास ओर 70° के क्लाइंब को पार करना पड़ा। टीम लीडर राहुल उर्फ़ रिकी माउंटेनियर, ईशानी, नीकिता ठाकुर, साहिल मलिक, शुभम बिष्ट और एरोन शेरपा के साथ 20 मई को वापस कामिक पहुँच गई। पर्वतारोहियों के दल के लीडर राहुल ने बताया कि उनकी निडर और अनुभवी टीम के कारण ही इस चोटी की जीत हासिल हुई। उन्होंने कहा कि किसी भी बड़े से बड़े माउंटेन को चढ़ने के लिए आप के पास अनुभवी टीम का होना बहुत जरूरी है। उनकी टीम के सभी मेंबर सर्टिफ़ाइड और एक्सपीरियंस माउंटेनियर है। राहुल ने कहा कि उनका और उनकी टीम का मक़सद है कि भारत में पर्वतारोहण को प्रोत्साहित करना है ताकि विश्व से पर्वतारोही भारत में आकर क्लाइंब करें। उन्होंने कहा कि हमारा हिमाचल प्रदेश, उतराखड़ और लद्दाख पहाड़ों से भरा पड़ा है। हमें और हमारे भारतीय पर्वतारोहियों को मिलकर काम करना चाहिए ताकि साहसिक पर्यटन से हमारे प्रदेश को आर्थिक लाभ हो। उन्होंने कहा कि अभी तक हमारे यहां पर्वतारोहण के लिए इक्यूपमेंट नहीं मिल पाते हैं, वहीं रेस्क्यू के लिए सरकार को नीति बनाने पर विचार करना चाहिए, जिससे हिमाचल प्रदेश में साहसिक एडवेंचर टूरिज्म में प्रगति की अपार सम्भावनाओं को साकार किया जा सके है।

भीषण सड़क हादसे में तीन भाई-बहनों की मौत, बाइक पर जा रहे थे, ट्रक ने मारी टक्कर

फिरोजपुर, 22 मई (एजेंसियां)। फिरोजपुर-फाजिल्का राजमार्ग स्थित गांव भूरे कलां में एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार दो सगी बहनों और भाई की मौत हो गई। आरोपी चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर अपनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक रितु, रेनुका व आरव वासी भूरे कलां, जिला फिरोजपुर बाइक से अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही अपने गांव भूरे कलां के पास पहुंचे कि तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में आरव की मौके पर मौत हो गई, जबकि रितु व रेनुका गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जख्मी हालत में दोनों को स्थानीय अस्पताल में दाखिल कराया, जहां दोनों की मौत हो गई।

एक कुत्ते ने गर्दन दबोचा और दूसरे ने कंधा तीन साल के बच्चे को नोंचकर मार डाला

मुंबई, 22 मई (एजेंसियां)। देश के विभिन्न राज्यों में इस वक्त आवारा कुत्तों का आतंक हद से ज्यादा बढ़ चुका है। हर रोज कहीं न कहीं से आवारा कुत्तों द्वारा किसी को काटे जाने या फिर जान से मारे जाने की खबरें सामने आती रहती हैं। ऐसा ही एक मामला आया है महाराष्ट्र के नागपुर से जहां एक 3 साल के बच्चे को आवारा कुत्तों ने बेरहमी से नोंचकर मार दिया है। आइए जानते हैं कि कैसे घटी है ये दर्दनाक घटना, हमारी इस खबर के माध्यम से। नागपुर के मौदा में कुत्ते के हमले में 3 वर्ष के बच्चे की मौत कै मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक, आवारा कुत्तों ने घर के बाहर ही तीन वर्ष के बच्चे को नोंचकर मार डाला। मौदा इलाके में पिछले 15 दिनों में कुत्तों के आतंक की यह दूसरी घटना है। कुछ दिन पूर्व भी स्कूल से आ रहे एक बच्चे पर अवारा कुत्ते ने हमला कर दिया था जिसमें वह बुरी तरीके से घायल हो गया था। कुत्तों द्वारा मारे गए मृतक बच्चे का नाम वंश अंकुश शहाणे है। वंश के पिता काम से बाहर गए थे। वहीं, मां घरेलू कार्यों में व्यस्त थी। इस बीच वंश खेलते-खेलते अचानक दरवाजे पर आ गया। उसी समय दो आवारा कुत्तों ने वंश पर हमला कर दिया। अचानक हुए इस हमले से वंश बुरी तरह से घायल हो गया। एक कुत्ते ने उसकी गर्दन मुंह में पकड़ ली तो दूसरे ने उसका दाया कंधा पकड़ लिया। वंश की रोने की आवाज सुनकर परिजन एवं पड़ोसी का ध्यान कुत्ते और छोटे से बच्चे वंश की तरफ गया। पड़ोसियों ने देखा कि वंश कुत्ते से बचने की भरपूर कोशिश कर रहा है। परिजन एवं लोगों के पहुंचने के बाद कुत्तों का झुंड वहां से भाग गया। पड़ोसियों ने वंश को कुत्ते की चुंगुल से छुड़ाया और उसे अस्पताल लेकर गए। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दरअसल, कुत्तों के दांतों से वंश की नसें फट गई थी और उसे गंभीर चोट भी लगी थीं।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 23 मई - 2024

भाषण पर सवाल

कलकत्ता हाई कोर्ट के तीसरे सबसे सीनियर जज रहे जस्टिस चितरंजन दास के विदाई भाषण को लेकर अनायास ही विवाद खड़ा हो गया है। हाई कोर्ट के रिटायर हो रहे जज ने अपने विदाई भाषण में कहा कि वह आरएसएस के सदस्य हैं और रहेंगे। जस्टिस दास के भाषण से न्यायिक बिरादरी को भी निराशा हाथ लगी है। जस्टिस चितरंजन दास ने सोमवार को अपने कार्यकाल के आखिरी दिन विदाई भाषण में जिस तरह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की अपनी सदस्यता का जिक्र किया, वह न्यायाधीश पद के साथ जुड़ी गरिमा और संवेदनशीलता से वाकिफ किसी भी शख्स को हैरान करने के लिए काफी है। उन्होंने बताया कि वह न केवल अतीत में इस संगठन के सदस्य रहे हैं बल्कि अब रिटायरमेंट के बाद अगर संगठन उन्हें कोई उपयुक्त काम सौंपता है तो उसे खुशी-खुशी करेंगे भी। उनके इस भाषण को लेकर तरह-तरह की दलील देकर मामले को शांत करने की कोशिश की जा रही है कि आरएसएस कोई प्रतिबंधित संगठन नहीं है। लोग तो यह कहने से भी नहीं चूक रहे हैं कि देश के हर नागरिक को वैचारिक स्वतंत्रता हासिल है तो न्यायाधीश को क्यों नहीं। आखिर वे भी एक व्यक्ति के रूप में किसी विचारधारा को पसंद या नापसंद कर सकते हैं। लेकिन यह बातें जस्टिस दास ने घर-परिवार या मित्रों-रिश्तेदारों के बीच व्यक्तिगत हैसियत से नहीं कही है, बल्कि कार्यकाल के आखिरी दिन बाकायदा कलकत्ता हाई कोर्ट की पूर्ण पीठ के सामने व्यक्त किया है। देश के एक हाईकोर्ट में बतौर जज 15 साल बिता चुके किसी शख्स से यह उम्मीद तो की ही जा सकती है कि वह न केवल अपने कार्य की गंभीरता को समझेगा बल्कि उसके लिए जिस वैचारिक गहराई और परिपक्वता की जरूरत होती है, उसका भी लोगों को एहसास कराता रहेगा। लेकिन अफसोस के साथ कहना पड रहा है कि जस्टिस दास के इस भाषण ने इन दोनों मोर्चों पर देश के नागरिकों को ही नहीं बल्कि दुनिया भर में फैली न्यायिक बिरादरी को निराश किया है। उनका यह भाषण कितना लचर और कमजोर था, इसका अहसास इसके कुछ अंशों पर एक नजर डालने से ही हो जाता है। मिसाल के तौर पर, इस भाषण में जस्टिस दास खुद अपनी तारीफ करते हुए कहते हैं कि उन्होंने कभी किसी के लिए किसी तरह का पूर्वाग्रह नहीं रखा। अब देश के एक प्रतिष्ठित हाईकोर्ट के इतने वरिष्ठ जज से यह जानने की अपेक्षा गलत नहीं कही जाएगी कि पूर्वाग्रह कोई ऐसी चीज नहीं है, जो जानबूझकर रखी या न रखी जाए। पूर्वाग्रहों से मुक्ति अपनी चेतना का स्तर ऊपर उठाने के हमारे निरंतर प्रयासों का परिणाम होता है, लेकिन किसी भी खास बिंदु पर कोई व्यक्ति अपने पूर्वाग्रहों को लेकर सौ फीसदी आश्वस्त कैसे हो सकता है? इसका पता तब चलता है जब दूसरे लोग इस ओर हमारा ध्यान खींचते हैं। यह जानकारी देना भी आवश्यक है कि जस्टिस दास के फैसले में निहित पूर्वाग्रह को लेकर अतीत में कई बार विवाद हो चुके हैं। उदाहरण के लिए, उनकी अगुआई वाली एक खंड पीठ के इसी साल दिए एक फैसले को गलत करार देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि 'जजों का काम कानून और तथ्यों के आधार पर फैसला देना है, न कि उपदेश देना।' बहरहाल, जस्टिस दास तो रिटायर हो गए हैं लेकिन अपने पीछे एक संदेश भी छोड गए हैं कि आने वाले दिनों में किसी भी फैसले पर लोग अंगुली उठाने से नहीं चूकेंगे।

चाँद या रोटी

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

भारत के दिल में कहीं बसा एक छोटा सा गाँव था, जहाँ भोला नाम का एक आदमी रहता था। भोला के पास कोई साधन नहीं था; वह गरीब था, उतना ही गरीब जितनी वह जमीन जिसे वह जोतता था, जो केवल निराशा ही देती थी। उसका घर, मिट्टी और पुआल से बना एक साधारण झोपड़ी, उसकी कठिन जिंदगी का एक प्रमाण था। फिर भी, लगातार भूख और गरीबी के बावजूद, भोला में एक अनोखा उत्साह था, अपनी स्थिति की मूर्खता को देखने का उपहार था।

हर रात, जब चाँद आकाश में ऊँचा होता, भोला अपनी झोपड़ी से बाहर निकलता, ऊपर देखता और चाँद से ऐसे बातें करता जैसे वह उसका पुराना दोस्त हो। चाँद, उसके दुखों का मूक साक्षी, शांत और उदासीन होकर चमकता रहता। भोला का रात का यह दैनिक अनुष्ठान उसकी भूख बढ़ने के साथ नया रूप लेने लगा।

एक रात, भोला ने चाँद को नई उत्सुकता के साथ देखा। वह पूरा, गोल और चमकदार था, बिल्कुल एक विशाल रोटी जैसा। उसका पेट उसकी कल्पना से सहमत होकर व्याकुल हो रहा था। ओ चाँद, उसने शुरू किया, उसकी आवाज में मजाक और वास्तविक लालसा दोनों की झलक थी, तू नीचे आकर रोटी क्यों नहीं बन जाता? बस एक रात के लिए, मेरा पेट भर दे और मुझे शांति दे।

चाँद, निश्चित रूप से, चुपचाप आकाश में लटका रहा। लेकिन भोला हतोत्साहित नहीं हुआ। उसने अपनी रात की प्रार्थना जारी रखी, और उसकी विनतियाँ अधिक विस्तृत होती गईं। चाँद, तू वहाँ लटका हुआ है। तू भूख की पीड़ा नहीं जानता, जो एक आदमी के अंदर को मरोड़ती है और काटती है। दयालु बन, चाँद, मेरे लिए रोटी बन जा। सिर्फ आज रात के लिए, मुझे कुछ और नहीं, निराशा का स्वाद चखने दे।

गाँव में भोला की अनोखी आदत के बारे में बात फैल गई। कुछ लोग हँसे, अन्य लोग दया में सिर हिलाते रहे, लेकिन भोला की प्रार्थनाएँ स्थानीय किंवदंती बन गईं। बच्चे उस आदमी के बारे में गाने गाने लगे जो चाँद को खाना चाहता था। बुजुर्गों ने भोला को उन खतरों के बारे में आगाह किया जो बड़े सपने देखने से हो सकते हैं।

जैसे-जैसे हफ्ते बीतते गए, भोला की हालत बिगड़ती गई। उसका दुर्बल शरीर और भी क्षीण हो गया। उसकी आँखें खोखली हो गयी थीं। फिर भी, हर रात, जुनूनी बनकर, वह बाहर निकलता और चाँद से बात करता। एक रात, विशेष रूप से कमजोर महसूस करते हुए, भोला अपने घुटनों पर गिर गया। चाँद, उसने फुसफुसाया, मैं तुझसे विनती कर रहा हूँ। मेरे पास अब कुछ नहीं बचा। रोटी बन जा और मुझे बचा ले।

उस रात, कुछ अजीब हुआ। जब भोला ने ऊपर देखा, आँसुओं और भूख से उसकी दृष्टि धुंधली थी, चाँद झिलमिलाता और बदलता हुआ प्रतीत हुआ। अपने उन्माद की अवस्था में, ऐसा लगा जैसे चाँद बड़ा हो रहा है, आकाश से उतर रहा है। भोला का दिल तेजी से धड़कने लगा। यह हो रहा है, उसने सोचा। चाँद मेरी रोटी बन रहा है।

बेशक, चाँद वहीं रहा जहाँ वह हमेशा से था, एक खगोलीय पिंड भोला की पहुँच से बहुत दूर। लेकिन उसके दिमाग में, भूखे आदमी की हताशा से भरे हुए, यह नीचे उतर रहा था, बड़ा और बड़ा होता जा रहा था जब तक कि यह उसकी पूरी दृष्टि में भर न गया। भोला कांपते हुए हाथों से रोटी रूपी चाँद को देखा, और फिर थकान से गिर पड़ा।अगली सुबह, ग्रामीणों ने भोला को मिट्टी में लेटे हुए पाया। उसके चेहरे पर एक शांत मुस्कान थी। उन्होंने उसे वापस उसकी झोपड़ी में पहुँचाया और उसकी खाट पर लिटा दिया।

निजी शैक्षिक गुणवत्ता पर मौन बहसें

डॉ. चक्रपाल सिंह

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में 18 वीं लोकसभा की चुनावी प्रक्रिया अपनी पराकाष्ठा पर है. चुनावी मैदान में सभी राजनैतिक दल अपनी-अपनी चुनावी रणनीति एवं अवसरवादी सुविधाजनक गठबन्धनों के द्वारा लोकतंत्र के विशाल मैदान में एक दूसरे को पछाड़ने की जी तोड़ कोशिश में जुटे हुए हैं. व्यक्तिगत राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप एवं लांछनों का आलम ये है कि सड़क पर खड़े लोगों द्वारा, झगड़े के दौरान गुस्से में प्रयुक्त घटिया संवाद भी अपने आप पर लज्जा महसूस करने लग जाएं. चुनावी गलगंजन के मध्य घटित जिस घटना पर मुख्यधारा के प्रिंट व इलेक्ट्रानिक मीडिया, सोशल मीडिया, बुद्धिजीवी, पत्रकार, चुनाव विश्लेषक इत्यादि इत्यादि का ध्यान जाना चाहिए था, नहीं गया. अपवाद स्वरूप यूट्यूब अथवा व्हाट्स एप पर कुछ संक्षिप्त क्लिपों को छोड़ दिया जाए, तो इस घटना को संज्ञान में लेने या फिर सचेत उपेक्षा के चलते न केवल नजरअंदाज कर दिया गया बल्कि उस पर कोई सार्थक चर्चा करने के लायक भी नहीं समझा गया।

घटना गलगोटिया विश्वविद्यालय, नोएडा के छात्र व छात्राओं द्वारा एक राजनैतिक पार्टी के न्याय पत्र/घोषणा पत्र के विरोध में उसके कार्यालय के सामने प्रदर्शन के दौरान घटित होती है. विरोध प्रदर्शन के दौरान अपने अपने हाथों में लिए नारानुमा अथवा न्याय पत्र के कुछ अंशों वाली पट्टिकाओं के ऊपर 'आजतक' के संवाददाता द्वारा पूछे गए प्रश्नों एवं छात्रों द्वारा दिए गए उत्तरों से शुरू होती है. जिसने हर उस संवेदनशील भारतीय को सकते में डाल दिया, जो अपने बच्चों का शैक्षिक भविष्य निजी शिक्षा उद्योगों ! में सुरक्षित समझते हैं. ऐसा इसलिए कि इनका मानना है कि आरक्षण ने सार्वजनिक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा केन्द्रों में अयोग्य लोगों के लिए दरवाजा खोल दिया है. जिसने सार्वजनिक संस्थाओं एवं उनका माहौल समाजिक, आर्थिक एवं शैक्षिक रूप से न केवल प्रदूषित किया है, बल्कि पूरे माहौल को ही विषाक्त बना दिया है. मनोवैज्ञानिक स्तर पर यह वर्ग योग्यता बनाम आरक्षण दर्शन की दरिद्रता की भ्रामक अवधारणा से ग्रषित रहा है और आज भी है. इस वर्ग का मानना है कि आरक्षण ने शिक्षा की गुणवत्ता पर नकारात्मक रूप से प्रभाव डाला है. यहाँ प्रशन यह नहीं है कि किसी विश्वविद्यालय के छात्रों को राजनैतिक दल विशेष के पक्ष अथवा विरोध में प्रदर्शन हेतु जाना चाहिए अथवा नहीं? या फिर, विश्वविद्यालय को किसी राजनैतिक दल का पक्षधर या विरोधी होना चाहिए अथवा नहीं? सबसे महत्वपूर्ण उच्च शैक्षणिक संस्थाओं में राजनैतिक दल अथवा धर्म या फिर विचार विशेष निरपेक्ष माहौल क्यों नहीं होना चाहिए?

छात्रों को अपनी मौलिकता में बढ़ने और पढ़ने का अवसर क्यों नहीं मिलना चाहिए? स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर छात्र इतने भी छोटे नहीं होते हैं कि वो अपना बुरा भला न समझ सकें. तो, फिर ऐसा क्यों किया गया ? परन्तु, छात्र -छात्राओं के जवाबों, उनके व्यवहार, उनकी मासूमियत तथा जानकारी के अभाव ने पूरी की पूरी निजी शिक्षा व्यवस्था (उद्योगों !) की गुणवत्ता एवं उनकी निरपेक्षता पर तमाम प्रश्न खड़े कर दिए हैं. यदि मंहगे , अति मंहगे वातानुकूलित भव्य निजी विश्वविधालय के छात्रों के सामान्य ज्ञान का स्तर वैसा ही है जैसा कि किल्पों में दिखाया गया है, तो यह राष्ट्र एवं समाज के लिए बहुत ही चिंता का विषय होना चाहिए. जिनका उत्तर स्वयंभू सभ्य समाज !, शिक्षक, बुद्धिजीवी, पत्रकार, राजनीतिक बिरादरी के साथ साथ स्वयं इन निजी शिक्षा उद्योगों ! के मालिकों को खोजना और देना चाहिए. लेकिन यहाँ एक रहस्यमयी चुप्पी की चादर ओड़ ली गयी. कहीं कोई चर्चा तो क्या किसी समाचार पत्र में इस मुद्दे पर एक आलेख भी नजर नहीं आया . यहाँ यह स्पष्ट करना अनिवार्य हो जाता है कि इस पूरे घटनाक्रम में छात्रों को दोष देना या फिर उनकी शैक्षिक प्रतिबद्धता, ईमानदारी, समर्पण अथवा ज्ञान पर संदेह करना उनके साथ न केवल बौद्धिक अन्याय होगा बल्कि उनकी बौद्धिक क्षमता पर ही संदेह करना होगा।

यहाँ छात्रों को दोषी नहीं ठहराया जा सकता है. छात्र तो छात्र हैं, और छात्र तो छात्र ही होते हैं. इनका धर्म शिक्षा ग्रहण करना तथा जाति सिर्फ और सिर्फ छात्र होती है. शिक्षा का परम उद्देश्य देश एवं समाज का संपूर्ण , संतुलित एवं स्थायी विकास करना है. इसीलिए हमारे संविधान निर्माताओं ने आजाद भारत की शिक्षा नीति का उद्देश्य सभी ज्ञान परंपराओं को समाहित करके छात्रों में तार्किक, वैज्ञानिक और नवोन्मेषी दृष्टि विकसित करना था. शिक्षा के द्वारा उन मूल्यों और अवधारणाओं का प्रचार-प्रसार करना संभव होता है, जिनके लिए देश समर्पित है।

शिक्षा के द्वारा सभी स्तरों पर तार्किक, वस्तुगत निर्णय लेने का व्यवहारिक ज्ञान विकसित होता है. ग्रामीण संदर्भ में संगठन की अवधारणा, भविष्य के बारे में चिंतन, परिवर्तनों के प्रति व्यापक दृष्टिकोण, वैज्ञानिक सोच विकसित करने तथा अंतिम आदमी की राष्ट्र निर्माण में भूमिका एवं सम्मानजनक हिस्सेदारी सुनिश्चित करने में सहायता मिलती है. सामाजिक न्याय की अवधारणा, समतामूल्य सिद्धांत का विचार और अधिक प्रभावी होता है. आज यक्ष प्रश्न तो यही है कि क्या आज सार्वजनिक अथवा निजी शिक्षा संस्थान ऐसा कर रहे हैं? यदि नहीं, तो क्यों?

इसमें नफ़ा-नुकसान किसका है? क्या समान व सार्वजनिक शिक्षा का प्रश्न पूरी चुनावी बहस में कहीं नजर आया ? आखिर! इसके नेपथ्य में क्या है? क्या समान शिक्षा एवं महंगी, अति महंगी निजी शिक्षा एवं उसकी गुणवत्ता का मुद्दा चुनावी बहसों के केंद्र में नहीं होना चाहिए ? यदि प्रत्येक सरकार अपनी मनमर्जी की निश्चित विचारधारा, चिंतन, दर्शन, राजनीति तथा धार्मिक उद्देश्यों से प्रेरित एवं निर्देशित होकर शिक्षा प्रणाली को बदलेगी, संचालित करेगी, तो निश्चित है कि इस तरह की नापाक कोशिशें शिक्षा को उग्रता, कट्टरता, अनुशासनहीनता एवं उच्छ्रंखलता के भयानक बियावान में धकेल सकती है. भारत में छात्रों को क्या पढ़ना चाहिए, क्या नहीं पढ़ना चाहिए, तय करना किसी एक व्यक्ति या दल का क्षेत्र अधिकार नहीं है. 21वीं सदी की मांग है कि समय रहते राष्ट्रीय शिक्षा नीति जैसे अति संवेदनशील मुद्दे पर राष्ट्रीय सहमति के बाद ही निर्णय किए जाने की स्वस्थ परंपरा विकसित हो. इसके लिए नीति नियंताओं की नीति एवं नीयत में पारदर्शिता का होना बहुत जरूरी है. सिर्फ नीति निर्धारण, उसके धुंआधार प्रचार, वायुवीय चिंतन, मंथन और बहसों से समस्याएं हल हो जातीं , तो निश्चित तौर पर भारत में आज कोई सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षिक समस्या विद्यमान ही नहीं होती. बिना प्रभावी क्रियान्वयन , मूल्यांकन , निरंतर अनुवर्ती कार्यवाही तथा उसके परिणामों के सतत परीक्षण के अभाव में कोई भी नीति फाइलों में ही दम तोड़ देती है।

वर्षों से यही होता आ रहा है . अतः निष्कर्ष के तौर पर कहा जा सकता है कि स्वयंभू सभ्य समाज तथा संबंधित पक्षों को अपनी रहस्यमयी चुप्पी तोड़ते हुए , भाववादी अमूर्त विचार की जगह भारतीय असमान शिक्षा तथा मंहगी, अति मंहगी निजी शिक्षा की गुणवत्ता एवं भारत (इंडिया ! नहीं) के सन्दर्भ में इसकी यथार्थता एवं प्रासंगिकता की ठोस जमीन पर, कठोर शैक्षिक हकीकतों के पहाड़ के नीचे आकर, कम से कम गलगोटिया विश्वविद्यालय के छात्रों के बहाने ही सही, इस मुद्दे पर चर्चा करनी चाहिए।

केजरीवाल ही नहीं, पूरी पार्टी की मुसीबत बढ़ी !

अशोक भाटिया

दिल्ली और पंजाब में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने खुलासा किया है कि आप ने विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम का उल्लंघन कर सात करोड़ रुपये से अधिक विदेशी फंड अवैध तरीके से हासिल किया। ईडी ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को पत्र लिखकर एफसीआरए जांच का आग्रह किया है। ईडी द्वारा पंजाब के पूर्व आप विधायक सुखपाल सिंह खैरा और अन्य के खिलाफ ड्रग्स से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के दौरान कुछ दस्तावेज व ईमेल बरामद करने के बाद यह पत्र भेजा गया। जांच 2021 में शुरू हुई थी। खैरा अब कांग्रेस में हैं। ईडी ने बीते साल अगस्त में गृह मंत्रालय को पत्र भेजा था। इसमें आप की ओर से उल्लंघनों का जिक्र था व इन मामलों को एफसीआरए व जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के उल्लंघन के रूप में वर्गीकृत किया था। ईडी ने हाल में गृह मंत्रालय से कुछ नई जानकारियां भी साझा की हैं। दूसरी ओर, आप की मंत्री आतिशी ने कहा, हमने पूरी पारदर्शिता के साथ चंदा लिया है। भाजपा ईडी के जरिये नई साजिश कर रही है। जानकारी के मुताबिक ईडी ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को बताया है कि आप पार्टी को 2014-2022 के दौरान 7.08 करोड़ रुपये का विदेशी फंड प्राप्त हुआ है। जांच एजेंसी ने पार्टी पर इस विदेशी फंड को हासिल करने में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), जन प्रतिनिधित्व अधिनियम (आरपीए), और विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। इस फंड को हासिल करने के लिए विदेशी दानदाताओं की पहचान और राष्ट्रीयता के साथ-साथ कई अन्य तथ्यों को छिपाने जैसे आरोप ईडी ने अपनी रिपोर्ट में लगाए हैं।

ईडी ने बताया कि आम आदमी पार्टी को संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, ओमान और अन्य देशों के कई दानदाताओं से धन प्राप्त हुआ। फंड ट्रांसफर करने के लिए विभिन्न दानदाताओं द्वारा एक ही पासपोर्ट नंबर, क्रेडिट कार्ड, ईमेल आईडी और मोबाइल नंबर का इस्तेमाल किया है। ईडी ने अपनी जांच में आप और उसके नेताओं द्वारा विदेशी फंड जुटाने में अनियमितताओं के कई मामलों का जिक्र किया है। इसमें पार्टी विधायक दुर्गेश पाठक सहित कई नेताओं पर 2016 में कनाडा में फंड रेजिंग प्रोग्राम से जुटाए गए पैसे का व्यक्तिगत लाभ के लिए दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है। साथ ही अनिकेत सक्सेना (आप ओवरसीज इंडिया के कॉर्डिनेटर), कुमार विश्वास (आप ओवरसीज इंडिया के तत्कालीन संयोजक, कपिल भारद्वाज (आप सदस्य) और पाठक सहित विभिन्न आप स्वयंसेवकों और पदाधिकारियों के बीच भेजे किए गए ई-मेल की सामग्री के जरिए आरोपों की पुष्टि की है।समाचारों के अनुसार संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा में फंड रेजिंग कैंपेन के जरिए न केवल पैसा एकत्र किया गया, बल्कि विदेशी फंड पर FCRA के तहत लगाए गए प्रतिबंधों से बचने के लिए आप पार्टी ने बुक ऑफ अकाउंट्स में वास्तविक दानदाताओं की पहचान भी छिपाई।बताया जाता है कि कई दानदाताओं ने दान के लिए एक ही पासपोर्ट नंबर का इस्तेमाल किया है, कई दानदाताओं ने दान के लिए एक ही ई-मेल आईडी का इस्तेमाल किया है, कई दाताओं ने एक ही मोबाइल नंबर का इस्तेमाल किया है; कई दानदाताओं ने दान के लिए एक ही क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल किया है।

ईडी ने अपनी जांच से संबंधित सभी जानकारी केंद्रीय गृह मंत्रालय को दानकर्ताओं के विवरण के साथ शेयर की है जैसे फंडिंग करने वाले के नाम, दानकर्ता का देश, पासपोर्ट नंबर, दान की गई राशि, दान का तरीका और प्राप्तकर्ता का बैंक खाता नंबर, बिलिंग नाम, बिलिंग पता, बिलिंग टेलीफोन नंबर, बिलिंग ई-मेल, दान का समय और तारीख और पेमेंट के लिए इस्तेमाल किए गए गेटवे आदि, जो कि पीएमएलए, 2002 के तहत जांच के दौरान एकत्र किए गए हैं। एजेंसी ने कनाडाई नागरिकों की ई-मेल आईडी और मोबाइल नंबरों के माध्यम से दान से संबंधित सबूत भी एकत्र किए हैं।

ईडी ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि आप पार्टी द्वारा विदेशी फंड हासिल करने में एफसीआरए उल्लंघन और अन्य अनियमितताएं पाकिस्तान से भारत में बॉर्डर के जरिए हेरोइन की तस्करी में शामिल एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स कार्टेल के खिलाफ पंजाब के फाजिल्का जिले में दर्ज एक मामले की जांच के दौरान सामने आई है। इस संबंध में फाजिल्का की एक विशेष अदालत ने पंजाब के भोलाथ से तत्कालीन आप विधायक सुखपाल सिंह खैरा को आरोपी के रूप में समन जारी किया था। पीएमएलए के तहत ईडी द्वारा जांच के दौरान, खैरा और उसके सहयोगियों के आवासीय परिसरों में तलाशी ली गई जिसके परिणामस्वरूप विदेशी फंड के विवरण वाले आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए। इसमें अमेरिका में दानदाताओं की सूची वाले कंप्यूटर से लिखे चार पेज और हाथ से लिखे आठ पेज की डायरी शामिल है। ईडी ने आरोप है कि जब्त किए गए दस्तावेजों की जांच से कुल 1,19,000 अमेरिकी डॉलर के विदेशी फंड मिलने की जानकारी मिली है। खैरा ने अपने बयान में खुलासा किया कि 1,19,000 डॉलर की विदेशी फंडिंग 2017 के विधानसभा चुनाव से पहले अप्रैल-मई, 2015 में आप पार्टी द्वारा अमेरिका में आयोजित फंड रेजिंग कैंपेन के दौरान जुटाई गई थी। ईडी ने कहा कि इस संदर्भ में आप पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पंकज गुप्ता को तलब किया गया था जिन्होंने स्वीकार किया कि पार्टी को चेक या ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से विदेशी चंदा मिलता रहा है। गुप्ता द्वारा प्रस्तुत विदेशी फंड के आंकड़ों के विश्लेषण से विदेशी फंड की प्राप्ति में निम्नलिखित विसंगतियों का पता चला है, जो एफसीआरए के प्रावधानों का उल्लंघन है उसके अनुसार बताया जाता है कि -कई दानदाताओं ने दान के लिए एक ही पासपोर्ट नंबर का उपयोग किया है।-विदेश में रहने वाले 155 व्यक्तियों ने 55 पासपोर्ट नंबरों का उपयोग करके 404 मौकों पर कुल मिलाकर 1.02 करोड़ रुपये का फंड दिया है।

विदेश में रहने वाले 71 दानदाताओं ने 21 मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल करके 256 मौकों पर कुल मिलकर 99,90,870/- रु का फंड दिया।-विदेश में रहने वाले 75 दानदाताओं ने 148 अवसरों पर कुल 19,92,123/- रुपये का दान देने के लिए 15 क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल किया है।ये तथ्य दान के लिए इस्तेमाल किए गए धन के वास्तविक स्रोत की पहचान और राष्ट्रीयता को छुपाने को साबित करते हैं। यह विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम, 2010 का उल्लंघन है।जांच से यह भी पता चला कि आप पार्टी ने एक संस्था का गठन किया है।

जलवा ए-गर्मी

सुनील कुमार महला

सूरज देवता आजकल जमकर तप रहे हैं। गर्मी इतनी है कि शरीर से इतना पसीना निकलता है कि सुबह आठ बजे के बाद शाम सात बजे तक किसी भी समय दस रूपए में मिलने वाली पानी की एक छोटी खाली बोतल भरी जा सकती है। मौसम के भी अपने आनंद और बुराइयां हैं। गर्मी के मौसम का आनंद यह है कि आपको गर्मी के मौसम में ठंड नहीं लगती, बशर्ते कि आपको बुखार न हो। और बुराई यह है कि पसीना सूखने का नाम तक नहीं लेता। वैसे, गर्मी आदमी को व्यस्त रखने का काम करती है। जैसे -कोई कूलर में पानी भरने में व्यस्त रहता है तो कोई खाली टंकी, बाल्टी या टब भरने में। भयंकर गर्मी के इस मौसम में सबसे ज्यादा व्यस्त बेचारे सब्जी वाले रहते हैं, जो सब्जियों पर बार-बार पानी के छींटें मारकर उन्हें जगाये(तरो-ताजा) रखते हैं। वे सब्जियों पर इतना पानी छिड़कते हैं कि जितना शायद नगर निगम वाले भी किसी शहर को पाल्यूशन मुक्त रखने के लिए सड़कों पर भी नहीं छिड़कते होंगे। पानी छिड़कने के मामले में सब्जियां बेचने वालों की हिम्मत की दाद देनी पड़ेगी। कुछ पल हुए नहीं कि एकाध बाल्टी सब्जियों पर छिड़क दी। सब्जी बिके या नहीं बिके, गर्मी के मौसम में सब्जी विक्रेताओं की सब्जियों पर पानी छिड़कने की आदत से उनके शरीर की जिम जैसी एक्सरसाइज जरूर हो जाती है। खैर, गर्मी का मौसम है ही ऐसा। किसी शायर ने गर्मी पर क्या खूब लिखा है -'गर्मी से मुज़्तरिब था ज़माना ज़मीन पर भुन जाता था जो गिरता था दाना ज़मीन पर ...!' मतलब यह है कि धरती इन दिनों जोरदार तप रही है और इतनी तप रही है कि अगर कोई व्यक्ति टायलेट में जाकर वाशबेसिन पर हाथ धोने लगे तो उसके हाथों पर फफोले पड़ सकते हैं। रामलुभाया जी हमारे खासमखास हैं, वे पक्षी प्रेमी हैं, इसलिए गर्मियों में वो अक्सर पक्षियों के लिए परिंडे लगाते हैं और उनमें रेगुलर पानी डालते हैं। बेचारे पक्षी रामलुभाया जी के इस कृत्य से खुश भी हैं और नाखुश भी। खुश इसलिए कि पक्षियों को पीने को पानी नसीब हो रहा है और नाखुश इसलिए कि रामलुभाया जी पानी में बरफ डालना तो भूल ही जाते हैं। खैर, सूरज देवता इन दिनों खूब अपनी भड़ास निकाल रहे हैं। राजनेताओं के जुमलों का असर सूरज देवता पर भी पड़ गया लगता है। कोई चार सौ पार का नारा लगा रहे हैं और इधर सूरज देवता -'अबकी बार पचास के पार।' के नारे पर आश्वस्त हैं और सूरज देवता के तेवर बदल गये हैं। सर्दियों में हम सूरज देवता को ढूढ़ते थे, आजकल सूरज देवता हमें ढूढ़ रहे हैं। कुएं, बावड़ियां एक गिलास पानी पिलाने की रिक्वेस्ट कर रहे हैं।

इधर, चांदी और सोना अपनी गर्मी निकाल रहे हैं। सोना 76 हजार पार और चांदी पिचानब्बे हजार पार हो गई बताते हैं। बाजार में अब फुल पेंट, ट्रैक शूट नहीं रंग-बिरंगे निक्कर बिकने लगे हैं, मौजे और दस्तानों वाले दुकानों में ऐसे बैठे हैं जैसे उन्हें सांप सूंघ गया हो। यह छातों का, गोगल्स और ठंडाई का मौसम है।

चुनाव परिणामों से जुड़ी अटकलें

ललित गर्ग

पांचवें चरण के तहत सोमवार को आठ राज्यों और केंद्रशासित क्षेत्रों की 49 लोकसभा सीटों पर वोट डाले गये, इसके बाद दो ही चरण की वोटिंग शेष रह जाएगी। शेष रहे दो चरणों के चुनाव पर पूरे देश की निगाहें लगी हुई हैं और जैसे-जैसे चुनाव सम्पन्नता की ओर बढ़ रहे हैं, राजनीतिक दलों की आक्रामकता अब चुनाव परिणामों को लेकर फिजूल की अटकलों के रूप में देखने को मिल रही है। वैसे तो तीन चरणों के बाद ही चुनाव परिणामों से जुड़ी अटकलों पर सारे चुनावी परिदृश्य बन रहे हैं। आम मतदाता की जरूरतों से जुड़े मुद्दों पर सार्थक बहस करने की बजाय चुनाव नतीजों की भविष्यवाणियों में चुनाव परिदृश्यों को भटकाने की कुचेष्ठाएं हो रही है, यह लोकतंत्र के इस महानुष्ठान को धुंधलाने का दूषित प्रयास है।

चुनाव परिणामों को लेकर हो रही इन चर्चाओं से जहां आम मतदाता भ्रमित हो रहा है, वही देश के शेयर बाजारों में गिरावट की स्थितियां आर्थिक असंतुलन का कारण बन रही है। राजनीतिक दलों की सोची-समझी रणनीति के तहत चुनाव परिणामों की संभावनाएं व्यक्त करना, अटकले एवं कयास लगाना चुनावी परिदृश्यों को भटकाने की कोशिशें हैं, इसमें राजनीतिक विश्लेषण और उनके निष्कर्ष भी कहीं-न-कहीं ऐसा वातावरण बना रहे हैं जिससे मतदाता को लुभाया जा सके, भटकाया जा सके या गुमराह किया जा सके।

कांग्रेस हो या भाजपा और अन्य दल सभी चुनाव परिणाम की अटकलों पर ध्यान लगाये हुए हैं. वे ऐसी अतिश्योक्तिपूर्ण घोषणाएं करते हुए जीत के दावे कर रहे हैं, जिससे मतदाता द्वंद्व की स्थिति में हैं। राजनीतिक दलों ने राष्ट्र के जरूरी एवं बुनियादी मुद्दों को तवज्जों न देकर राजनीतिक अपरिपक्वता का ही परिचय दिया है। दिक्कत यह है कि सभी पार्टियां अपने दल या गठबंधन की जीत को सुनिश्चित बताते हुए इस तरह के विश्लेषण और निष्कर्ष निकाल रहे हैं जो सत्यता से दूर हैं। ऐसे निष्कर्ष अतीत में कई बार गलत साबित हो चुके हैं। 2014 में नरेंद्र मोदी की अगुआई में भाजपा को ऐसी जीत मिली, जिससे देश में तीन दशक बाद किसी पार्टी ने अपने बहुमत वाली सरकार बनाई। 2019 में पार्टी ने उससे भी बड़ी जीत हासिल की लेकिन 2019 में भी चुनाव नतीजों से पहले शेयर बाजार लड़खड़ाते नजर आ रहे थे एवं विपक्षी दल भाजपा के हार की भविष्यवाणी कर रहे थे। 2014 में भी कई विश्लेषक उत्तरप्रदेश की कई सीटों पर मुस्लिम मतदाताओं के कथित ध्रुवीकरण का हवाला देते हुए खास तरह के चुनाव नतीजों की भविष्यवाणी कर रहे थे जो गलत साबित हुए। ऐसी ही भविष्यवाणियां इस बार भी बढ़-चढ़ कर हो रही है लेकिन इस बार के चुनाव परिणाम अप्रत्याशित होने वाले हैं, चौंकाने एवं चमत्कृत करने वाले होंगे।

निश्चित ही चुनाव परिणामों से जुड़ी अटकलों का शेष रहे दो चुनाव चरणों पर व्यापक प्रभाव पड़ता हैं। पहले तीन चरणों के कम मतदान को सत्तापक्ष के समर्थक मतदाताओं के उत्साह में कमी का संकेत बताया जा रहा है तो महाराष्ट्र और बिहार जैसे राज्यों में एनडीए के सहयोगी दलों की वोट ट्रांसफर करने की क्षमता पर सवाल उठाए जा रहे हैं। जहां तक वोटरों के उत्साह में कमी की बात है तो अव्वल तो चुनाव आयोग के अंतिम आंकड़ों के मुताबिक वोट प्रतिशत का अंतर काफी कम रह गया है, दूसरी बात यह कि वोट न देने वालों में किस पक्ष के समर्थक ज्यादा हैं, इसे लेकर परस्पर विरोधी दावे किए जा रहे हैं जिनकी सचाई 4 जून को ही सामने आएगी लेकिन चुनाव परिणामों को लेकर विरोधाभासी अटकलों का असर मतदाता पर पड़ता ही है। समूचे देश की बात करें तो इस पर लगभग आम राय है कि इन चुनावों में कोई लहर नहीं है। कई चुनाव विशेषज्ञों के अनुसार 2019 के चुनाव में पुलवामा में हुई घटनाओं और उसके बाद बालाकोट में जो हुआ, उसके बाद देश भर में राष्ट्रीय सुरक्षा की लहर दौड़ गई थी। इस बार सोचा गया था कि श्रीराम मन्दिर के उद्घाटन का व्यापक असर होगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। विकास का मुद्दा अवश्य मतदाता के दिमाग में रहा है। फिर भी अगर किसी एक नेता के पक्ष में मतदाताओं की पसंद मुखरता से सामने आ रही है तो वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही हैं। सवाल है कि क्या यह मुखरता वोट में भी परिणित होगी? जवाब के लिए 4 जून का इंतजार करना बेहतर होगा।

अनेक चुनाव विश्लेषण बताते हैं कि 1999 और 2004 में कम मतदान प्रतिशत से भाजपा को फायदा हुआ लेकिन 2014 में अधिक मतदान से लाभ हुआ लेकिन विश्लेषक मतदान प्रतिशत और अंतिम परिणामों के बीच स्पष्ट संबंध बताने में विफल हैं. बाज़ार के इस उतार चढ़ाव के बीच निवेशक लोकसभा चुनाव में कुछ चरणों के कम मतदान प्रतिशत को लेकर चिंतित हैं। वे चुनाव परिणाम के बारे में अनिश्चितता पाले हुए हैं। निवेशक ही नहीं, मतदाता एवं नेता भी भ्रम एवं भटकाव पाले हुए है। लोकसभा चुनाव के बाद केंद्र में भाजपा विरोधी 'इंडिया' गठबंधन के सत्ता में आने पर तृणमूल कांग्रेस नई सरकार के गठन में 'बाहर से समर्थन' देगी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की इस टिप्पणी के बाद से ही राजनीतिक हलकों में कयासों और अटकलों का दौर तेज़ हो गया था। सवाल उठ रहा था कि क्या उनकी इस टिप्पणी में कोई नया संकेत छिपा है? पांचवें चरण की सम्पन्नता के बाद यह साफ हो गया है कि राष्ट्रीय स्तर पर इस बार सत्तारूढ़ भाजपा की कांग्रेस समाहित विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के साथ कांटे की लड़ाई हैं और दोनों ही पक्ष अपनी-अपनी विजय का दावा कर रहे हैं।

25 मई से 3 जून तक रहेगा नवतपा

सूर्य करेगा रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश, जानिए नवतपा से जुड़ी मान्यताएं

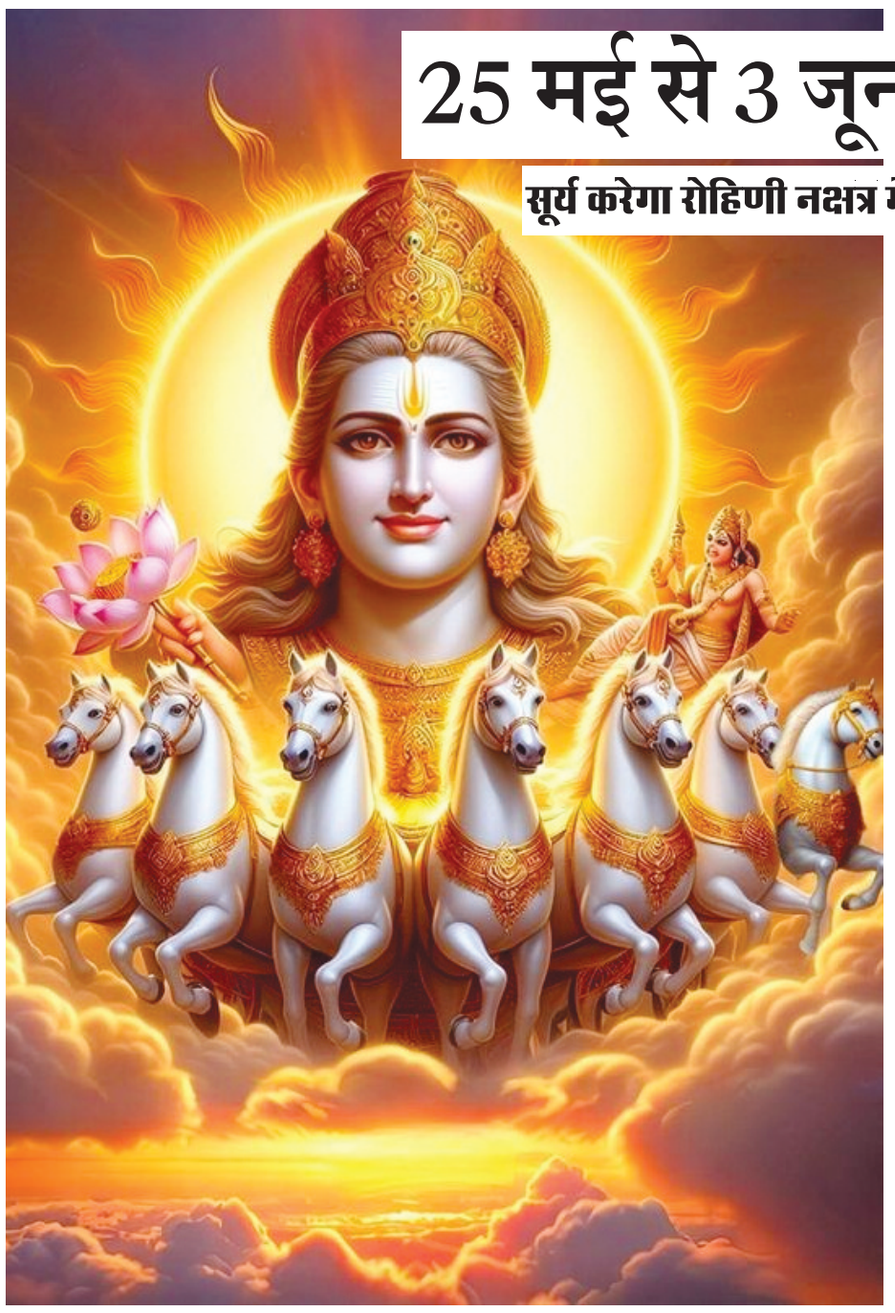

शनिवार, 25 मई से नवतपा शुरू हो रहा है, ये सोमवार 3 जून तक रहेगा। 25 मई को सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेगा। इसके साथ ही सूर्य अपने पूरे प्रभाव में आ जाएगा, जिससे गर्मी में बढ़ोतरी होगी। मान्यताओं में इस समय को नवतपा और रोहिणी का तपना भी कहा जाता है।

मुताबिक, सूर्य जब रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करता है तो नवतपा शुरू होता है। नवतपा यानी नौ दिनों तक सूर्य का तपना। ज्योतिष में नवतपा को लेकर कई मान्यताएं प्रचलित हैं। किसान इन नौ दिनों के मौसम देखकर को बारिश की भविष्यवाणियां करते हैं। नवतपा में दिन बड़े और रातें छोटी हो जाती हैं।

जानिए नवतपा से जुड़ी मान्यताएं

माना जाता है कि नवतपा के दिनों ज्यादा गर्मी पड़ती है तो बारिश अच्छी होती है। नवतपा के दिनों में थोड़ी बहुत बारिश हो जाती है तो इसे अच्छा नहीं माना जाता है। नवतपा को मानसून का गर्भकाल कहा जाता है। नवतपा से पहले अगस्त्य तारा अस्त हो गया है। इस वजह से कुछ ही दिनों में वर्षा ऋतु के लिए वातावरण तैयार हो जाएगा।

सूर्य के रोहिणी नक्षत्र में आने के बाद नौ दिनों तक गर्मी अधिक रहती है, इस कारण जल का वाष्पीकरण तेजी से होता है और नवतपा के बाद बारिश शुरू होती है।

नवतपा में क्या करें और क्या न करें

नवतपा में अधिकतर जगहों पर काफी अधिक गर्मी रहती है, लू चलती है। ऐसी स्थिति में गर्मी को लेकर सतर्क रहना चाहिए। दोपहर में धूप में घूमने से बचना चाहिए। अगर धूप में निकलना ज्यादा जरूरी हो तो पानी पीते रहें, ज्यादा देर धूप में खड़े न रहें। मौसमी फल, फलों का रस पीते रहें। ऐसे कपड़े पहनें, जिनमें ज्यादा गर्मी न लगती हो। ध्यान रखें शरीर में पानी की कमी न हो और भूखे भी न रहें।

नवतपा में करें ये शुभ काम

रोज सुबह जल्दी उठें और सूर्य को जल चढ़ाएं।

इन दिनों में बाल गोपाल को कपूर और चंदन का लेप लगाना चाहिए।

शिवलिंग पर ठंडा जल चढ़ाना चाहिए। इन दिनों में शिवलिंग के ऊपर मिट्टी का ऐसा कलश लगाया जाता है, जिससे कलश से पतली धारा शिवलिंग पर लगातार गिरती रहती है।

नवतपा में खाने-पीने की चीजों के साथ ही ठंडे पानी और शरबत का दान कर सकते हैं। ठंडे पानी का प्याऊ लगा सकते हैं। छाते का और जूते-चप्पल का दान करें। गौशाला में गायों की देखभाल के लिए धन दान करें।

बुद्ध पूर्णिमा पर बन रहे 3 शुभ योग

बुद्ध पूर्णिमा साल 2024 में 23 मई को है। ऐसा माना जाता है कि, वैशाख मास की पूर्णिमा तिथि को गौतम बुद्ध का जन्म हुआ था। साथ ही इसी दिन भगवान बुद्ध को ज्ञान की भी प्राप्ति हुई थी। बौद्ध और हिंदू धर्म में मान्यता रखने वाले लोगों के लिए यह दिन बेहद पुण्य फलदायी माना गया है। हिंदू धर्म के लोग गौतम बुद्ध को भगवान विष्णु का अवतार मानते हैं। साल 2024 में बुद्ध पूर्णिमा के दिन कई शुभ संयोग बन रहे हैं, इन शुभ संयोगों में आपको क्या कार्य करने से लाभ हो सकता है, आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं।

बुद्ध पूर्णिमा पर बने हैं ये शुभ संयोग

बुद्ध पूर्णिमा 23 मई को है और इस दिन दोपहर 12 बजकर 11 मिनट से अलगे दिन सुबह लगभग 11 बजकर 22 मिनट तक शिव योग रहेगा। इसके साथ ही गुरु, शुक्र और सूर्य इस दिन वृषभ राशि में होंगे जिसके चलते त्रिग्रही योग का निर्माण होगा। गुरु और सूर्य की युति से इस दिन गुरु आदित्य योग भी विद्यमान रहेगा। इन योगों के अलावा गजलक्ष्मी और शुक्रादित्य योग भी इस दिन होगा। इन शुभ योगों में क्या कार्य आपके लिए हितकारी साबित हो सकते हैं। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं।

बुद्ध पूर्णिमा के ये उपाय दिलाएंगे आपको बड़ी सफलता

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पूर्णिमा के दिन माता लक्ष्मी पीपल के वृक्ष में निवास करती हैं। ऐसे में अगर आप बुद्ध पूर्णिमा के दिन पीपल के पेड़ के नीचे कुछ मीठा रखते हैं, और साथ ही पीपल के पेड़ की जड़ में जल अर्पित करते हैं तो माता लक्ष्मी की कृपा आप पर बरसती है। इस आसान उपाय को करने से माता लक्ष्मी धन-धान्य से आपकी झोली भर सकती हैं।

पूर्णिमा के दिन चंद्र पूजा का भी बड़ा महत्व है। इसलिए बुद्ध पूर्णिमा के दिन आपको चंद्रमा को दूध में चीनी और चावल मिलाकर अर्घ्य देना चाहिए। अर्घ्य देते समय आपको 'ऊं एं क्लीं सोमाय नमः' मंत्र का जप करना चाहिए। यह उपाय आपकी आर्थिक समस्याओं को तो दूर करता ही है, साथ ही पारिवारिक जीवन में भी स्थिरता आती है। इस उपाय को करने से आप मानसिक रूप से भी प्रबल होते हैं।

धन से जुड़ी समस्याएं अगर आपको बार-बार परेशान करती हैं, धन इक्कठा नहीं हो पाता या आप कर्ज तले दबे हैं तो बुद्ध पूर्णिमा के दिन 11 कौड़ियों से जुड़ा उपाय करें। आपको करना बस इतना है कि माता लक्ष्मी की पूजा में इन 11 कौड़ियों को अर्पित करना है, माता लक्ष्मी को हल्दी का तिलक लगाना है और उसके बाद विधि-विधान से लक्ष्मी पूजा करनी है। लक्ष्मी जी की पूजा के बाद इन कौड़ियों को एक लाल कपड़े में आपको बांध लेना और अपनी तिजोरी में इस कपड़े को रख देना है। माना जाता है कि इस उपाय को करने से धन से जुड़ी हर समस्या का समाधान आपको मिलने लगता है, आपके संचित धन में भी वृद्धि होती है।

अगर आपकी कुंडली में चंद्रमा की स्थिति ठीक नहीं है, माता के साथ आपके संबंध अच्छे नहीं हैं, पारिवारिक जीवन में कलह है या फिर मानसिक समस्याओं का आप सामना कर रहे हैं तो बुद्ध पूर्णिमा के दिन कम-से-कम 15 मिनट चंद्रमा के प्रकाश में गुजारें, इस दौरान आप अपने इष्ट या भगवान शिव का ध्यान कर सकते हैं। ऐसा करने से आपकी सभी समस्याएं हल हो सकती हैं।

इस बार बुद्ध पूर्णिमा वाले दिन शिव योग रहेगा। शिव योग में ध्यान और योग करने से आपकी दबी हुई शक्ति जागती है। यूं तो हर पूर्णिमा के दिन ही योग-ध्यान करने से आपको विशेष लाभ प्राप्त होते हैं लेकिन बुद्ध पूर्णिमा के दिन शिव योग में अगर आप योग-ध्यान करते हैं तो आपके विचारों में तेज आ सकता है। साथ ही आपके ज्ञान चक्षु खुल सकते हैं और आप हर क्षेत्र में सफल हो सकते हैं।

ये 4 राशियां होती हैं पैसे बचाने में सबसे आगे

वृषभ राशि – शुक्र के स्वामित्व वाली वृषभ राशि के लोग यूं तो भौतिक सुखों के प्रति बहुत जल्दी आकर्षित होते हैं, लेकिन सुख-सुविधाओं पर धन खर्च करने से पहले ये कई बार सोच-विचार करते हैं। आपको इनके पास ऐसी कोई भी चीज नहीं मिलेगी जो इनके काम की न हो। जरूरत की चीजों पर ये आवश्यकता अनुसार धन खर्च करते हैं, लेकिन फिजूलखर्ची से कोसों दूर रहते हैं। इन्हें देखकर आपको भले ही लगे कि ये खुद पर खूब धन खर्च करते हैं, लेकिन जितना धन ये खर्च करते हैं उससे ज्यादा इनके अकाउंट में आपको मिल सकता है। पैसा कितना भी इनके पास जमा हो, लेकिन इनसे आप अगर आर्थिक मदद मांग लें तो कोई न कोई बहाना बनाकर ये इनकार कर सकते हैं।

कन्या राशि – इस राशि वालों में धन की बचत करने का गुण छोटी उम्र से ही आ जाता है। जब तक ये किसी पर डिपेंड रहते हैं तब तक भले ही थोड़ा खर्च कर भी दें, लेकिन जब ये खुद कमाने लगते हैं तो पाई-पाई का हिसाब रखते हैं। ये पैसों की बचत के मामले में इतने गंभीर होते हैं कि, कई बार जरूरी चीजों को भी नहीं खरीदते। इस राशि के लोगों का बैंक बैलेंस जितना बढ़ता रहता है, उतना ही ये कम खर्च करना शुरू कर देते हैं।

वृश्चिक राशि – इस राशि के लोग भी पैसों को खर्च करने से बहुत कतराते हैं। एक भी रुपया गलत जगह खर्च न हो ये इस बात का ख्याल रखते हैं। इनकी ये आदत कई बार इनके घर के लोगों को चुभ सकती है, यही आदत घर के लोगों को भविष्य में आर्थिक रूप से सशक्त बनाती है। अगर आपका कोई दोस्त पैसा होते हुए भी जेब से निकालने में कतराता है तो उसकी राशि वृश्चिक हो सकती है। पैसा ज्यादा खर्च न हो इसलिए वृश्चिक राशि के लोग दोस्ती-यारी से भी दूरी बना सकते हैं।

मकर राशि– शनि के स्वामित्व वाली मकर राशि के जातकों को भी कम खर्च करने वाला माना जाता है। इस राशि के लोग उन स्थितियों में भी आपको पैसा बचाकर दिखा सकते हैं, जहां बचने की बिल्कुल उम्मीद न हो। इन लोगों को आप कंजूस समझ सकते हैं, लेकिन पैसों को बचाने का इनका असली मकसद भविष्य को सुरक्षित करना होता है। हालांकि इस राशि वालों को मददगार भी माना जाता है, अगर इनको लगे कि किसी को पैसे की जरूरत है तो ये खुशी-खुशी दे सकते हैं।

क्या होता है मंगल दोष?

क्या होता है मंगल दोष

अगर आप ज्योतिष के जानकार नहीं हैं तो, सरल शब्दों में इतना समझ जाइए कि कुंडली के लग्न यानि 1 भाव, 4 थे भाव, 7 और 10वें भाव में मंगल का होना मंगल दोष का निर्माण करता है। इसके साथ ही जिस घर में चंद्रमा स्थित है वहां पर और चंद्रमा से चौथे, सातवें, दसवें भाव में भी अगर मंगल हो तो मंगल दोष बनता है। अगर लग्न और चंद्रमा से मंगल दोष बन रहा है तो जातक पूर्ण मांगलिक होता है वहीं इनमें से केवल एक हो तो आंशिक मंगल दोष माना जाता है। मंगल दोष का किसी भी व्यक्ति की कुंडली में होना अच्छा नहीं माना जाता, इसके होने से व्यक्ति के स्वभाव और वैवाहिक जीवन पर बुरा असर देखने को मिल सकता है।

वैवाहिक जीवन पर मंगल दोष का प्रभाव

अगर आपकी कुंडली में मंगल दोष है तो विवाह में देरी हो सकती है, ज्यादातर मांगलिक दोष वालों की कुंडली आसानी से मिलती भी नहीं है। अगर किसी जातक की कुंडली में मंगल दोष है तो उसको किसी मांगलिक दोष वाले स्त्री या पुरुष से ही शादी करनी चाहिए, ऐसा करने से मंगल दोष का बुरा असर खत्म हो जाता है। अगर एक मांगलिक दोष वाला व्यक्ति गैर मांगलिक से शादी कर ले तो वैवाहिक जीवन अस्त-व्यस्त हो सकता है। मंगल दोष के कारण वर-वधु एक दूसरे को समझने में नाकामयाब हो सकते हैं, छोटी-छोटी बातें भी बड़े झगड़े का कारण बन सकती हैं। इस दोष के कारण व्यक्ति का स्वभाव भी थोड़ा उग्र हो सकता है, आर्थिक स्थिति पर भी इसका बुरा असर देखने को मिलता है। धन की बचत करने में ऐसे लोग दिक्कतें महसूस कर सकते हैं। अहंकार के कारण इनके रिश्ते हर किसी से बिगड़ सकते हैं।

मंगल दोष को दूर करने के उपाय

अगर किसी व्यक्ति की कुंडली में मंगल दोष है तो उसे हनुमान जी की निरंतर पूजा करनी चाहिए। हनुमान चालीसा का पाठ करने से इनके जीवन में अच्छे बदलाव आते हैं।

मंगल दोष के प्रभाव को दूर करने के लिए मंगल ग्रह की शांति पूजा करवानी चाहिए।

ज्योतीषी की सलाह पर ऐसे लोग मूंगा रत्न या तीन मुखी रुद्राक्ष धारण कर सकते हैं।

ऐसे लोग जिनकी कुंडली में मंगल दोष है उन्हें, शहद, मसूर की दाल, लाल रंग वाली मिठाइयों का दान करना चाहिए। मंगलवार का व्रत रखने से भी मंगल दोष का प्रभाव कम होता है।

बच्चों के कमरे में कभी न रखें ये 5 चीजें

बच्चों को देखकर ही हमारे चेहरे पर खुशी आ जाती है और हर गम हम भूल जाते हैं। इसी तरह बच्चों के जीवन में भी हमेशा खुशियां बनी रहें, इसलिए हमको वास्तु के अनुसार बच्चों के कमरे से जुड़ी कुछ सावधानियां बरतनी चाहिए। आज हम आपको बताएंगे कि छोटे बच्चों के कमरे में आपको क्या चीजें नहीं रखनी चाहिए। वास्तु के अनुसार, अगर बच्चे के कमरे में ये चीजें हों तो उसके स्वास्थ्य और विकास पर बुरा असर पड़ सकता है।

बच्चों के कमरे में न रखें दर्पण

आपको कभी भी छोटे बच्चे के कमरे में दर्पण यानि आईना नहीं रखना चाहिए। वास्तु के अनुसार ऐसा करना बच्चे की नींद और मानसिक विकास के लिए अच्छा नहीं होता। अगर बच्चे के कमरे में दर्पण लगा हो तो बार-बार बच्चा अपना प्रतिबिंब देखता है और इससे वो भ्रमित भी हो सकता है। अगर दर्पण बच्चे वाले कमरे में रखना जरूरी ही हो जाए, आपके पास जगह की कमी हो तो ऐसी जगह पर रखें जहां बच्चे की नजर न पड़े।

कमरा न हो अव्यवस्थित

वास्तु के अनुसार बच्चों के कमरे को हमेशा व्यवस्थित रखना चाहिए। अगर बच्चे के कमरे में चीजें फैली हुई रहती हैं या ऐसा सामान रखा होता है जिसका कोई इस्तेमाल नहीं है, तो बच्चे का विकास ठीक से नहीं होता। वास्तु के अनुसार अव्यवस्थित कमरा बच्चे के भविष्य के लिए अच्छा नहीं माना जाता। बच्चे के कमरे में न हों टूटे-फेटे खिलौने

बच्चों के कमरे में खिलौने बहुत अच्छे लगते हैं, लेकिन टूटे हुए खिलौने बच्चे के कमरे में नहीं होने चाहिए। टूटे हुए खिलौने बच्चे के अंदर नकारात्मकता भर सकते हैं। इसका बुरा असर बच्चों की सेहत पर भी देखने को मिल सकता है।

न हों इस तरह की तस्वीरें

बच्चे के कमरे में कभी भी ऐसी तस्वीरें नहीं लगानी चाहिए जिनमें ज्यादा डार्कनेस हो, जिनसे किसी तरह का नकारात्मक विचार मन में आता हो। ऐसी तस्वीरें अगर बच्चे के कमरे में होंगी तो बच्चे का मन अशांत हो सकता है और साथ ही उसके विचारों पर भी इसका गलत असर देखने को मिल सकता है।

बच्चे के कमरे में न हों कांटेदार पौधे

कभी भी आपको बच्चे के कमरे में कांटेदार पौधे नहीं रखने चाहिए, साथ ही ऐसी तस्वीरें भी कमरे में नहीं लगानी चाहिए जिनमें कांटेदार पौधे बन हों। ये पौधे बच्चे को शारीरिक और मानसिक दोनों तरह की परेशानियां दे सकते हैं।

बच्चों के कमरे में ये चीजें रखना शुभ

अगर आप बच्चों के कमरे में किताबें, फूल, प्राकृतिक सुंदरता को दर्शाती तस्वीरें, संगीत से जुड़ी चीजें रखते हैं तो इससे बच्चे के विकास में सहायता होती है। ऐसे चीजें रखने से बच्चे के मन में सकारात्मक विचार आते हैं और उसके सोचने-समझने की क्षमता भी बेहतर होती है। इन चीजों को देखने से बच्चे की रचनात्मकता भी विकसित होती है और बच्चे की नींद के लिए भी इन्हें शुभ माना जाता है।

क्रोधी व्यक्ति का जीवन बदल देगी गौतम बुद्ध की ये कथा

एक दिन गौतम बुद्ध अपने शिष्यों के साथ एकदम शांत बैठे हुए थे। उन्हें इस प्रकार बैठे हुए देख शिष्य चिंतित हुए कि कहीं वह अस्वस्थ तो नहीं हैं। एक शिष्य ने उनसे पूछा कि आज वह मौन क्यों बैठे हैं, क्या शिष्यों से कोई गलती हो गई है ?

इसी बीच एक अन्य शिष्य ने पूछा कि क्या वह अस्वस्थ हैं, पर बुद्ध मौन रहे। तभी कुछ दूर खड़ा व्यक्ति जोर से चिल्लाया, ''आज मुझे सभा में बैठने की अनुमति क्यों नहीं दी गई है ?''

बुद्ध आंखें बंद करके ध्यान मग्न हो गए। वह व्यक्ति फिर से चिल्लाया, ''मुझे प्रवेश की अनुमति क्यों नहीं मिली ?''

इसी बीच एक उदार शिष्य ने उसका पक्ष लेते हुए कहा कि उसे सभा में आने की अनुमति प्रदान की जाए। बुद्ध ने आंखें खोलीं और बोले, ''नहीं वह अछूत है उसे अज्ञा नहीं दी जा सकती।''यह सुन कर शिष्यों को बड़ा आश्चर्य हुआ। बुद्ध उनके मन का भाव समझ गए और बोले, ''हां, वह अछूत है।''इस पर कई शिष्य बोले, ''हमारे आश्रम में जात-पात का कोई भेद ही नहीं, फिर वह अछूत कैसे हो गया ?'' तब बुद्ध ने समझाया, ''आज वह क्रोधित होकर आया है। क्रोध से जीवन की एकाग्रता भंग होती है। क्रोधी व्यक्ति प्रायः मानसिक हिंसा कर बैठता है, इसलिए जब तक वह क्रोध में रहता है तब तक अछूत होता है। इसलिए उसे कुछ समय एकांत में खड़े रहना चाहिए।''

क्रोधित शिष्य भी बुद्ध की बातें सुन रहा था, पश्चाताप की अग्नि में तप कर वह समझ चुका था कि अहिंसा ही मनुष्य का महान कर्तव्य व परम धर्म है।

वह बुद्ध के चरणों में गिर पड़ा और कभी क्रोध न करने का प्रण लिया।

शिक्षा : आशय यह है कि क्रोध के कारण व्यक्ति अनर्थ कर बैठता है और पश्चाताप उसे बाद में होता है, जिसका कोई लाभ नहीं मिलता इसलिए हमें क्रोध नहीं करना चाहिए। असल मायने में क्रोधित व्यक्ति अछूत हो जाता है और उसे अकेला छोड़ देना चाहिए। क्रोध करने से तन, मन और धन तीनों की हानि होती है। क्रोध से ज्यादा हानिकारक कोई और वस्तु नहीं है।

काला धागा शरीर पर बांधने से पहले जान लें ये बातें

काला धागा पहनने से पहले जान लें ये बातें

काला धागा शनि ग्रह से संबंधित माना जाता है। इसलिए शनि ग्रह की दशा, अंतर्दशा और ढैय्या में इसे पहनने से लाभ होते हैं। अगर आप भी काला धागा पहनना चाहते हैं तो सबसे पहने आपको किसी योग्य ज्योतिषाचार्य से अपनी कुंडली दिखानी चाहिए। कुंडली में शनि और अन्य ग्रहों की स्थिति को देखकर अगर आपको काला धागा पहनने की सलाह दी जाती है, तभी आपको धारण करना चाहिए।

अगर आप काला धागा पहनने वाले हों तो याद रखें, अन्य किसी रंग का धागा आपके हाथ या पैर में नहीं होना चाहिए। अगर आप काले धागे के साथ किसी अन्य रंग का धागा भी धारण करते हैं तो परेशानियां आपके जीवन में पैदा हो सकती हैं।

काला धागा पहनने के लिए सबसे सही जगह भैरव मंदिर होती है, यानि आपको किसी भैरव मंदिर में जाकर ही काला धागा पहनना चाहिए। इसके साथ ही शनि मंदिर में भी आप काला धागा पहन सकते हैं। अगर आप भैरव मंदिर के किसी पूजारी से काला धागा लें और इसे धारण करें तो बहुत अधिक फायदेमंद आपके लिए साबित हो सकता है।

काला धागा धारण करने से पहले इसे अभिमंत्रित अवश्य कर लें, बिना अभिमंत्रित किए काला धागा पहनने से आपको कोई खास लाभ प्राप्त नहीं होगा।

काले धागे को अभिमंत्रित करने के बाद शनिवार के दिन ही इसे आपको पहनना चाहिए।

काला धागा पुरुषों को अपने दाहिने पैर में धारण करना चाहिए जबकि स्त्रियों को बाएं पैर पर। वहीं स्त्री-पुरुष दोनों दाहिने हाथ पर काला धागा पहन सकते हैं।

काला धागा बांधने के बाद ऐसा कार्य न करें जिससे किसी का दिल दुखे। अगर आप ऐसा करते हैं तो शनि फायदे की जगह आपको नुकसान पहुंचा सकते हैं।

काला धागा पहनने के लाभ

काला धागा पहनने से शनि और राहु-केतु के बुरे प्रभाव कम होते हैं। नजर दोष से बच्चों को बचाने के लिए भी काला धागा पहनाया जाता है।

अगर आप काला धागा पहनते हैं तो नकारात्मक शक्तियां आप पर हावी नहीं हो पाती।

इसके साथ ही कई स्वास्थ्य समस्याएं भी काला धागा पहनने से दूर हो सकती हैं।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार काला धागा पहनने से आर्थिक पक्ष में भी सुधार देखने को मिलता है। ये आपकी मानसिकता में सकारकात्मक बदलाव लेकर आता है और आप हमेशा ऊर्जा से भरे रहते हैं। इन फायदों के साथ कई अन्य फायदे भी काला धागा पहनने से मिलते हैं।

सलमान-अरबाज-सोहेल की किस बात से तंग आए सलीम खान? क्यों कहा था- जेनेटिक है

भारत के जाने-माने स्क्रीन राइटर्स की जब-जब बात होती हैं, तो सलीम खान का नाम जरूर आता है. उन्होंने हिंदी सिनेमा में एक से बढ़कर एक ब्लॉकबस्टर फिल्मों की कहानियों को गढ़ा है. ऐसी कहानियां, जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया. सलीम खान अपने घर-परिवार के बारे में अक्सर खुलकर बात करते हैं, फिर वो उनकी दोनों पत्नियां हो या बच्चे. सलमान खान, अरबाज खान, सोहेल खान, के बारे में बात करने की बात आती है, तो वे कभी भी अपने शब्दों को टालते नहीं हैं. एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने अपने बच्चों की सबसे खराब आदत के बारे में बात की थी.

सलीम खान, अपने सभी बच्चों से प्यार करते हैं. लेकिन सलमान खान के लिए उनकी प्यार बेहद खास है. उनके सुख-दुख में सलीम खान हर दम उनके साथ ढाल की तरह खड़े नजर आए, लेकिन क्या आप जानते हैं कि 'शोले' के राइटर सलमान की किस आदत से परेशान हैं और अपने बच्चों में क्या बदलना चाहते हैं.

जूम को दिए एक पुराने इंटरव्यू में उन्होंने खुलासा किया कि वह चाहते हैं कि उनके बच्चे उनके धैर्य और गुस्से को नियंत्रित करने की क्षमता को आत्मसात करें. इस इंटरव्यू में पूजा बेदी ने उनसे पूछा कि क्या कोई ऐसा गुण है, जिसे वह चाहते हैं कि उनके बच्चे अपनाएं. इसके जवाब में उन्होंने कहा था- पेशेंस और गुस्से पर नियंत्रण.

सलीम जावेद ने कहा था कि मुझे लगता है कि गुस्सा एक अच्छी भावना है अगर इसे सही तरीके से प्रसारित किया जाए. गुस्सा जेनेटिक समस्या है जो बच्चों को भी होती है और वे भी इस पर नियंत्रण करना सीख जाएंगे क्योंकि यह एक नुकसानदायक चीज़ है, खासकर शराब पीने के बाद. अगर वे शराब पीने पर नियंत्रण नहीं कर सकते, तो उन्हें इसे अपने जीवन से हटा देना चाहिए.

आपको बता दें कि सलमान खान ने 2012 में लाइव मिंट के साथ एक इंटरव्यू में अपने गुस्से के मुद्दों और इसे नियंत्रित करने के संघर्ष को लेकर बात की थी. उन्होंने कहा था कि मुझमें बहुत गुस्सा है. मेरा एन्यूरिज्म भी मेरे गुस्से की वजह से ही है. बस मुझे गुस्सा आता है तो डर लगता है. गुस्से का मतलब यह नहीं है कि बोतल उठाकर किसी के सिर पर दे मारा जाए. उस गुस्से को उग्र स्वभाव या बीपी की समस्या या ऐसी किसी भी चीज़ के बराबर माना जाता है, जो इंसान के सेहत के लिए ठीक नहीं है.

जॉर्जिया एंड्रियानी को देख बोले फैंस, 'किसी कोने में बैठी रो रही होंगी नोरा...'

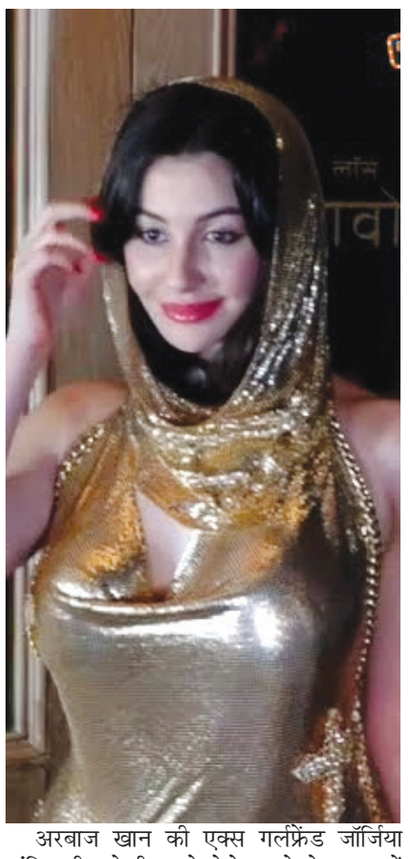

अरबाज खान की एक्स गर्लफ्रेंड जॉर्जिया एंड्रियानी भले ही अपने प्रोजेक्ट को लेकर खबरों में नहीं रहती हैं लेकिन वह बराबर अपने अंदाज की वजह से सुर्खियां में छाई रहती हैं. हालांकि इस बार उन्होंने अपना जो लुक फैंस को दिखाया है उसे देख फैंस की बोलती बंद हो गई है. किसी को जॉर्जिया का लुक देख उर्फी जावेद याद गईं तो किसी को नोरा फतेही.

दरअसल, सोशल मीडिया पर जॉर्जिया का एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है. जिसमें उनका गोल्डन लुक सामने आया है. जिसमें वह बलां की खूबसूरत लग रही हैं. ये तब का जब वह अपना 35वां जन्मदिन मनाने के लिए घर से बाहर निकलीं. इस दौरान उन्हें पैपराजी ने अपने कैमरों में कैद कर लिया. इस दौरान उनका लुक देख सबके होश उड़ गए.

नोरा-उर्फी से हुई तुलना

बता दें कि जॉर्जिया ने अपने जन्मदिन की पार्टी के लिए गोल्डन कलर की ड्रेस शॉर्ट ड्रेस को चुना.जिसमें वह मिनी स्कर्ट और सिर पर स्कार्फ डाले नजर आ रही है. इस लुक को पूरा करने के लिए उन्होंने मैचिंग हाई हील कैरी किया है. इसके साथ ही हाथों में रेड कलर का लेदर बैग भी ले रखा है. वह इस लुक में बेहद परफेक्ट लग रही हैं. अब क्या उनका परफेक्ट फिगर देख हर किसी को वो नोरा फतेही जैसी दिखने लगी हैं. पीछे से उनका लुक एकदम नोरा जैसा ही लग रहा है. ऐसे में कुछ यूजर्स का मानना है कि जॉर्जिया के आगे नोरा फतेही और उर्फी जावेद भी फीकी लग रही हैं. बतादें कि उर्फी अजीबो-गरीब आउटफिट की वजह से खबरों में छाई रहती हैं. कुछ यूजर को जॉर्जिया लुक भी कुछ ऐसा ही लगा.

जानिए क्या बोले फैंस

वीरल भयानी द्वारा शेयर किये गए जॉर्जिया के इस वीडियो को देखने के बाद एक यूजर्स ने पोस्ट के कमेंट सेक्शन में लिखा- संस्कार देखो..सर कैसे ढका है, एक दूसरे ने लिखा- ये तो उर्फी की बहन लग रही है, ये उर्फी नहीं बर्फी है. तीसरे ने लिखा-रिहाना की कॉपी. एक और यूजर ने लिखा- नोरा फतेहा कोने में रो रही हैं.

24वां जन्मदिन मना रही हैं शाहरुख की लाडली सुहाना, बचपन की दोस्तों ने दी शुभकामनाएं

शाहरुख खान और गौरी की बेटी सुहाना खान आज अपना 24वां जन्मदिन मना रही हैं। सुहाना ने साल 2023 में जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चिज' के जरिए बॉलीवुड में अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। अब सुहाना जल्द ही अपने पिता और बॉलीवुड बादशाह के साथ फिल्म 'किंग' में नजर आने वाली हैं। हालांकि इस फिल्म की अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। आज सुहाना खान का जन्मदिन है। ऐसे में उन्हें सोशल मीडिया पर लगातार शुभकामनाएं मिल रही हैं। उनकी बचपन की दोस्त शनाया कपूर और नव्या नंदा के अलावा अनन्या पांडे ने भी सुहाना को जन्मदिन की बधाई देते हुए एक स्पेशल नोट लिखा है।

अनन्या पांडे ने लिखा खास नोट

अनन्या पांडे ने अपनी और सुहाना की एक फोटो साझा की है साथ ही लिखा, ''मेरी सबसे पसंदीदा लड़की को जन्मदिन की शुभकामनाएं, तुम्हारे जैसी इस पूरी दुनिया में और कोई नहीं है आई लव यू सूजी।''

शनाया कपूर ने लिखा

शनाया कपूर ने भी सुहाना को जन्मदिन की बधाई दी है। बॉलीवुड अभिनेता संजय कपूर और महीप कपूर की बेटी शनाया कपूर ने अपनी और सुहाना की एक तस्वीर साझा की है साथ ही लिखा, ''हैप्पी बर्थ डे बहन, तुमसे बहुत ज्यादा प्यार करती हूं''

नव्या नवेली नंदा

सुहाना के जन्मदिन के मौके पर नव्या ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक फोटो साझा की है साथ ही लिखा, ''हैप्पी बर्थ डे सुहाना'' सुहाना के फैंस भी उन्हें जन्मदिन की बधाई दे रहें हैं। सुहाना खान अक्सर अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा के साथ अपने अफेयर की खबरों को लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं। दोनों की पहली मुलाकात निर्देशक जोया अख्तक की नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई फिल्म 'द आर्चीज' के सेट पर हुई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इसी दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ी। दोनों को अक्सर सार्वजनिक जगहों पर एक साथ कई बार देखा जा चुका है।

'हीरामंडी' को मिल रही प्रतिक्रियाओं पर भंसाली ने तोड़ी चुप्पी

मशहूर निर्देशक संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज 'हीरामंडीः द डायमंड बाजार' को दर्शकों की तरफ से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही हैं। भंसाली की ओटीटी डेब्यू सीरीज को दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं। 'हीरामंडी' 1 मई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई। सीरीज को दर्शकों की तरफ से मिल रही प्रतिक्रियाओं पर भंसाली ने पहली बार बात की है। उन्होंने कहा कि 'हीरामंडी' को मिल रही प्रतिक्रिया से वह बेहद खुश हैं।

संजय लीला भंसाली ने कहा कि नेटफ्लिक्स सीरीज को दर्शकों को कई बार देखते हुए उन्हें खुशी हुई। 'हीरामंडीः द डायमंड बाजार' के आठ एपिसोड हैं। वहीं, दर्शक इसके सीक्वल की भी मांग कर रहे हैं। मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, ऋचा चड्ढा, संजीदा शेख, अदिति राव हैदरी और शर्मिन सहगल जैसे सितारों से सजी को मिल रहे प्यार पर भंसाली से चुप्पी तोड़ी है।

उन्होंने कहा, 'प्रतिक्रियाएं जबर्दस्त और दिल को छू लेने वाली थीं। मेरे लिए सबसे खास बात यह थी कि दर्शकों ने 'हीरामंडी' को खूब देखा और यहां तक कि इसे लगातार दो या तीन बार देखा। सोशल मीडिया पर हमें जिस तरह की प्रतिक्रिया मिली है और दुनिया के विभिन्न हिस्सों से लोग शो के बारे में जिस तरह का कंटेट

बना रहे हैं, उसे देखकर अच्छा लगा।'

वेब सीरीज के सभी गाने भी खूब पसंद किए गए हैं। इस पर बात करते हुए भंसाली ने कहा, 'सीरीज के गानों ने दर्शकों के साथ एक जुड़ाव बना लिया है, जो एक ओटीटी शो के लिए बड़ी बात है। इसके अलावा यह देखना काफी सुखद है कि लोग अपनी सांस्कृतिक बैकग्राउंड की परवाह किए बिना कहानी में नजर आईं वेश्याओं की भावनात्मक यात्रा से जुड़े।'

गौरतलब है कि सीरीज में नजर आईं संजय लीला भंसाली की भतीजी शर्मिन सहगल की एक्टिंग लोगों को पसंद नहीं आई है। सीरीज के रिलीज होने के बाद से वह लगातार ट्रोलिंग का शिकार हो रही हैं।

अभिनेत्री के को-एक्टर्स ने इस पर उनका बचाव भी किया। मगर, भंसाली इसे लेकर अब तक अपनी चुप्पी साधे हुए हैं।

फराह खान ने सबसे मक्खीचूस अभिनेता की खोली पोल, बोलीं- मुझे 500 रुपये दो

अपने बिंदास और बेबाक अंदाज के लिए प्रसिद्ध बॉलीवुड कोरियोग्राफर फराह खान ने कई बॉलीवुड फिल्मों में अपना हुनर दिखाया है। वह एक अच्छी निर्देशक, निर्माता, कोरियोग्राफर और डांसर भी हैं। फराह ने अभीतक 100 से भी ज्यादा गानों को कोरियोग्राफ किया है। गाने की बेहतरीन कोरियोग्राफी के लिए फराह को फिल्मफेयर की ओर राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी मिल चुका है। हाल ही में फराह, कपिल शर्मा के कॉमेडी शो पर गईं। इस दौरान फराह ने एक ऐसे अभिनेता के चेहरे से पर्दा उठाया, जिसे वह बॉलीवुड का सबसे कंजूस अभिनेता मानती हैं।

कपिल ने फराह से पूछा मजेदार सवाल

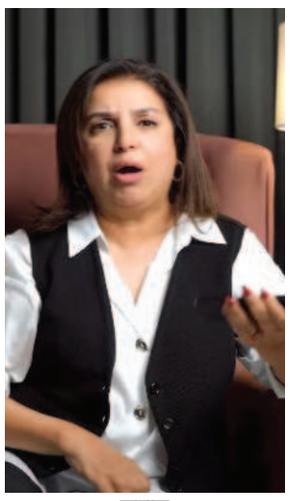

दरअसल, जब कपिल ने शो के दौरान पूछा कि अनिल कपूर और फराह खान में से सबसे ज्यादा कंजूस कौन हैं? तो इस पर बिना किसी देरी के फराह से झट से जवाब देते हुए कहा, "हम दोनों तो काफी उदार दिल वाले हैं।" इसके बाद फराह ने कहा कि उन्हें पता है कि बॉलीवुड का सबसे मक्खीचूस अभिनेता कौन है, और वह इस बात को साबित भी कर सकती हैं। इसके बाद फराह ने अपना फोन मंगवाया और बॉलीवुड अभिनेता चंकी पांडे को फोन लगाया और फोन कॉल को लाउडस्पीकर पर रख दिया। फराह ने कहा, "मैं चंकी से फोन करके 500 रुपए मांगूंगी।"

फराह ने चंकी से क्या बात की

फराह ने उनसे कॉल पर बात करते हुए कहा, "चंकी, सुनो मुझे 500 रुपये की जरूरत है।" चंकी ने जवाब दिया, "तो आप एटीएम पर जाएं"। फराह ने आगे कहा, "चंकी, कम से कम मुझे 50 रुपये तो दे दो" चंकी ने जवाब दिया, "हैलो? कौन चाहिए?" दोनों की मजेदार बातों पर वहां बैठे लोगों ने जमकर ठहाके लगाए।

फराह और अनिल पूर के साथ कपिल शर्मा का यह शो नेटफ्लिक्स पर इस शनिवार को जारी किया जाएगा। चंकी पांडे ने कई फिल्मों में अपनी भूमिकाओं में गुदगुदाने से लेकर खूंखार खलनायक तक के किरदार निभाए हैं। चंकी ने आंखें, खतरों के खिलाड़ी और बेगम जान जैसी कई फिल्मों में अपनी बहुमुखी प्रतिभा साबित की है।

कभी चंकी पांडे ने दी थी अक्षय कुमार को ट्रेनिंग : बोले- पता था कि वो स्टार बनेगा, खुशी है कि अनन्या उनके साथ फिल्म करेगी

चंकी पांडे और अक्षय कुमार साथ में कई कॉमेडी फिल्मों में काम कर चुके हैं। चंकी ने हाल ही में अपनी और अक्षय की दोस्ती के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि वो और अक्षय कुमार साल 1986 से एक-दूसरे के दोस्त हैं। दोनों मधुमती एकेडमी ऑफ फिल्म डांसिंग में मिले थे। चंकी पांडे ने बताया कि जब वो मधुमती में पढ़ा करते थे तो सीनियर स्टूडेंट्स अपने जूनियरों को ट्रेनिंग दिया करते थे।

एक मजेदार बात यह है कि अक्षय कुमार ने अपने एक पुराने इंटरव्यू में चंकी पांडे से सीखी हुई चीजों पर बात की थी। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा था कि

मैंने अपने करियर के शुरू में जो भी सीखा था, चंकी पांडे से सीखा था। अक्षय ने आगे कहा कि चंकी का सिखाया हुआ इतना गलत था कि उनकी कुछ फिल्में चल ही नहीं पाईं।

हालिया इंटरव्यू में चंकी पांडे ने अक्षय कुमार की तारीफ करते हुए कहा- जब मैंने अक्षय कुमार को पहली बार देखा था तो वह बच्चे के रुप में भी एक स्टार ही थे। इसके अलावा उन्होंने कहा- हम ज्यादातर समय साथ में बीताते थे और अब तो अनन्या भी उनके साथ एक फिल्म कर रही हैं और उनका सेट पर होना वाकई खुशी की बात है। क्योंकि वह सीन अच्छा बनाने के लिए हर किसी की मदद करते हैं।

अक्षय और चंकी ने 'हाउसफुल' फ्रेंचाइजी की फिल्मों के अलावा 'दे दना दन' में भी साथ काम किया है। वर्कफ्रंट के बारे में बात करें तो, अक्षय कुमार के पास पाइपलाइन में 'सरफिरा', 'सिंघम अगेन', 'स्काई फोर्स', 'वेलकम टू द जंगल', 'कन्नप्पा' और 'जॉली एलएलबी 3' हैं।

फिल्मों से लेकर ओटीटी की क्वीन हैं शेफाली 'डार्लिंग्स' और 'दिल्ली क्राइम' ने दिलाई अलग पहचान

बॉलीवुड की खूबसूरत अदाकारा शेफाली शाह आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। बॉलीवुड में उन्होंने अपने एक्टिंग के दम पर अपनी एक अलग पहचान बनाई है। 22 मई 1973 को महाराष्ट्र के मुंबई में जन्मी शेफाली आज अपना जन्मदिन मना रही हैं। आइए आज आपको उनके जन्मदिन पर उनकी जिंदगी से जुड़े कुछ दिलचस्प पहलुओं के बारे में बताते हैं।

शेफाली शाह अपनी माता-पिता की लाडली संतान हैं। दोनों ने उन्हें बेहद लाड़-प्यार से पाला। शेफाली बचपन से ही अभिनय करना चाहती थीं और फिर उन्होंने इसी फील्ड को अपना कार्यक्षेत्र भी बना लिया। अभिनेत्री ने फिल्म 'रंगीला' से बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया था। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी और इस फिल्म में वे उर्मिला मातोंडकर और आमिर खान के साथ नजर आई थीं।

शेफाली शाह ने कई फिल्मों में काम किया, लेकिन उन्हें वह सफलता नहीं मिली जो उन्हें ओटीटी पर मिली। वे फिल्मों में अक्षय कुमार की मां की भूमिका में भी नजर आ चुकी हैं। उन्हें फिल्मों में अपने किरदार के लिए कई पुरस्कार भी मिले, लेकिन एक्टिंग की भूख ओटीटी तक उन्हें खींच लाया।

शेफाली शाह ओटीटी की क्वीन मानी जाती हैं। उन्होंने एक से बढ़कर एक हिट शो में काम किया है। अभिनेत्री के शो 'दिल्ली क्राइम' ने तो ओटीटी के सभी रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया। इस शो के दूसरे सीजन को अंतर्राष्ट्रीय एमी नामांकन मिला। शेफाली 'दिल्ली क्राइम' में पुलिस अधिकारी वर्तिका चतुर्वेदी की भूमिका में नजर आई थीं।

वहीं शेफाली शाह की निजी जिंदगी की बात करें तो शेफाली शाह अपने पति फिल्म निर्देशक विपुल शाह के साथ एक खुशहाल जिंदगी जी रही हैं। विपुल ने उन्हें काफी सपोर्ट किया है। ये अभिनेत्री की दूसरी शादी है। शेफाली की पहली शादी हर्ष छाया से हुई थी।

'तुम जीत के हकदार हो, तुम्हें जीतते हुए देखना चाहती हूं', सामंथा के क्रिप्टिक पोस्ट से मची हलचल

सामंथा रुथ प्रभु अक्सर अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए प्रशंसकों के बीच छाई रहती हैं। वह कभी अपनी फिल्मों और करियर पर लिखती हैं। कई बार जिंदगी पर लिखती हैं। मगर, आज उन्होंने एक ऐसा पोस्ट साझा किया है कि फैंस के बीच हलचल मच गई है। दरअसल, अभिनेत्री ने एक क्रिप्टिक पोस्ट लिखा है। इसके बाद यूजर्स तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं।

आईपीएल मैच को लेकर किया संकेत?

सामंथा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है। इसमें लिखा है, 'मैं आपको जीतते हुए देखना चाहती हूं'। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा है, 'जो भी आपका दिल चाहे, आपकी जो भी आकांक्षाएं हों, मैं आपका समर्थन कर रही हूं। आप जीत के हकदार हैं'। हार और जीत को लेकर लिखे गए सामंथा के इस पोस्ट पर यूजर्स हैरान हैं। कोई इसे आईपील मैच से जोड़कर देख रहा है तो कोई उनकी निजी जिंदगी से।

विराट कोहली की प्रशंसक हैं सामंथा

सामंथा के कुछ फैंस अनुमान लगा रहे हैं कि उनका यह मैसेज विराट कोहली की आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए लिए है। सामंथा इस मैसेज के जरिए विराट और उनकी टीम को सपोर्ट कर रही हैं। आरसीबी का मैच 22 मई को राजस्थान रॉयल्स के साथ है। सामंथा पहले भी कई बार विराट कोहली को अपना समर्थन दे चुकी हैं। पिछले साल स्टार स्पोर्ट्स इंडिया के एक चैट शो में सामंथा ने कहा था, 'विराट कोहली बहुत प्रेरित करते हैं। खेल के प्रति उनका समर्पण, धैर्य और प्रतिबद्धता दूसरों के लिए प्रेरणा है। उन्होंने अपने धैर्य से कई जिंदगियों में बदलाव किया है'। सामंथा ने कहा था, 'विराट ने जब वापसी की और उसके बाद शतक जड़ा तो मैं रो पड़ी थी'।

'सिटाडेल' सीरीज में आएंगी नजर

सामंथा के कुछ फैंस इस पोस्ट को उनकी निजी जिंदगी से जोड़कर देख रहे हैं। यूजर्स का का कहना है, 'सैम ने लाइफ को लेकर कुछ लिखा है और आईपीएल के फैंस ने अपने अनुमान लगाने शुरू कर दिए'। सामंथा रुथ प्रभु जल्द ही राज एंड डीके की वेब सीरीज 'सिटाडेल' में नजर आएंगी। इसमें वे वरुण धवन के साथ स्क्रीन साझा करती दिखेंगी। यह इसी नाम से बनी अंग्रेजी सीरीज का रुपांतरण है। सामंथा ने इस एक्शन पैक सीरीज के लिए विशेष ट्रेनिंग ली।

रोजाना की ये गड़बड़ आदतें आपको बना सकती हैं ब्लड प्रेशर का मरीज

हाई ब्लड प्रेशर यानी उच्च रक्तचाप को हृदय रोगों का प्रमुख जोखिम कारक माना जाता है। जिन लोगों का ब्लड प्रेशर अक्सर बढ़ा हुआ रहता है उन्हें हार्ट अटैक जैसी गंभीर और जानलेवा समस्याओं का जोखिम भी अधिक होता है। यही कारण है कि सभी लोगों को रक्तचाप को नियंत्रित रखने वाले उपाय करने की सलाह दी जाती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हमारी रोजाना की आदतें और गड़बड़ जीवनशैली के कारण भी ब्लड प्रेशर बढ़ने का खतरा हो सकता है। जिन लोगों की लाइफस्टाइल खराब होती है उन्हें अक्सर ब्लड प्रेशर बढ़े रहने या कम होने की समस्या हो सकती है। आइए ऐसी ही कुछ सामान्य आदतों पर नजर डालते हैं जो उच्च रक्तचाप का कारण बन सकती हैं। सभी लोगों को इन आदतों को लेकर सावधानी बरतते रहना जरूरी है ताकि आप सेहत को ठीक रख सकें।

आहार में गड़बड़ी पर दें ध्यान

अस्वास्थ्यकर आहार जैसे सोडियम, संतृप्त वसा और कोलेस्ट्रॉल से भरपूर आहार का सेवन उच्च रक्तचाप के जोखिमों को बढ़ाने वाला माना जाता है। विशेषतौर पर जो लोग अधिक मात्रा में नमक वाली चीजें खाते हैं उन्हें इसका खतरा अधिक होता है। प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ, फास्ट फूड और शर्करा युक्त पेय पदार्थों का अत्यधिक सेवन भी रक्तचाप बढ़ा सकता है। यही कारण है कि आहार को लेकर सावधानी बरतना रक्तचाप को कंट्रोल रखने के लिए जरूरी हो जाता है।

ज्यादा देर तक बैठना नुकसानदायक

शारीरिक गतिविधि में कमी, ज्यादा देर तक बैठने की आदत भी संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकती है। इससे न सिर्फ ब्लड प्रेशर बढ़ने का खतरा रहता है साथ ही गतिहीन जीवनशैली मोटापा को भी बढ़ा देती है। ये स्थितियां हृदय रोगों का प्रमुख कारण मानी जाती हैं। नियमित व्यायाम करने, पैदल चलने और स्वस्थ वजन बनाए रखने के उपाय करना आपकी सेहत को ठीक रखने के लिए जरूरी है। रोजाना कम से कम 30 मिनट व्यायाम से आप ब्लड प्रेशर को आसानी से कंट्रोल रख सकते हैं।

तनाव की समस्या पर दें ध्यान

दीर्घकालिक तनाव रक्तचाप के स्तर को बढ़ा सकती है। अध्ययनकर्ता बताते हैं तनावग्रस्त होने पर, शरीर कोर्टिसोल और एड्रेनालाईन जैसे हार्मोन रिलीज करता है, जो अस्थायी रूप से रक्तचाप को बढ़ा देती हैं। जो लोग अधिक तनाव लेते हैं उनमें क्रोनिक ब्लड प्रेशर के साथ हृदय रोगों का भी खतरा अधिक हो सकता है। तनाव को नियंत्रित करके रक्तचाप को भी कंट्रोल किया जा सकता है, इसके लिए योग, ध्यान जैसे अभ्यास सहायक हैं।

नींद न पूरा करना है समस्याकारक

नींद की खराब आदतें जैसे बहुत कम सोना या स्लीप एपनिया जैसी नींद संबंधी विकारों को सीधे तौर पर उच्च रक्तचाप से जोड़कर देखा जाता है। नींद के दौरान, शरीर स्ट्रेस हार्मोन और रक्तचाप को नियंत्रित करता है इसलिए अपर्याप्त नींद इस प्रक्रिया को बाधित करती है। अच्छी नींद लेना शरीर को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी है। रात में कम से कम 7-9 घंटे की नींद लेना जरूर सुनिश्चित करें।

अच्छे-खासे लोगों को 'पागल' बना देती है न्यूरॉन की कमी, दिमागी ताकत करनी है दोगुनी तो करें ये काम

दिमागी ताकत बढ़ाने के उपाय

न्यूरॉन नर्वस सिस्टम के बिल्डिंग ब्लॉक हैं, जो पूरे शरीर में सूचना पहुंचाने का काम करते हैं। ये स्पेशल सेल्स आपस में इलेक्ट्रिक और केमिकल सिग्नल के जरिए संचार करती हैं, जिससे आपको सोचने-समझने और काम करने में मदद मिलती है। दिमागी कामकाज को बेहतर बनाए रखने के लिए न्यूरॉन्स बनाए रखना जरूरी है।

एक्सरसाइज है जरूरी

फिजिकल एक्टिविटी न केवल शरीर के लिए बल्कि मस्तिष्क के लिए भी फायदेमंद होती है। व्यायाम से कुछ ऐसे तत्व निकलते हैं जो न्यूरॉन के विकास और उन्हें सुरक्षित रखने में मदद करते हैं।

हेल्दी डाइट

पोषक तत्वों से भरपूर संतुलित आहार का सेवन न्यूरॉन के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। एंटीऑक्सीडेंट, ओमेगा -3 फैटी एसिड, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर आहार लें। इसमें फल, सब्जियां, मेवे, बीज, फैटी मछली (जैसे स सामन और मैकेरल) और साबुत अनाज शामिल हैं।

पर्याप्त नींद है जरूरी

अच्छी और पर्याप्त नींद लेना मस्तिष्क के स्वास्थ्य और न्यूरॉन के कार्य के लिए महत्वपूर्ण है। नींद के दौरान, मस्तिष्क याददाश्त को मजबूत करता है और दिन भर में जमा हुए विषाक्त पदार्थों को साफ करता है।

तनाव से बचें

दिमाग पर लगातार तनाव का बुरा असर पड़ सकता है और याददाश्त कमजोर होने लग सकती है। तनाव कम करने वाली गतिविधियाँ अपनाएं, जैसे माइंडफुलनेस मेडिटेशन, गहरी सांस लेना, योग या प्रकृति में समय बिताना।

लोगों से मिलें, बात करें

मजबूत सामाजिक संबंध बनाए रखना और सार्थक सामाजिक संपर्क मस्तिष्क के स्वास्थ्य और न्यूरॉन के कार्य को सपोर्ट करते हैं। इससे डोपामाइन और सेरोटोनिन जैसे न्यूरोट्रांसमीटर रिलीज़ होते हैं, जो मूड को ठीक करते हैं।

धूम्रपान और शराब से बचें

दिमाग की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाने वाले पदार्थों से दूर रहें। धूम्रपान, शराब का अधिक सेवन और जहरी धातुओं तथा कीटनाशकों के संपर्क में आने बचें।

विटामिन डी की कमी से रातभर ठीक से नहीं आती नींद

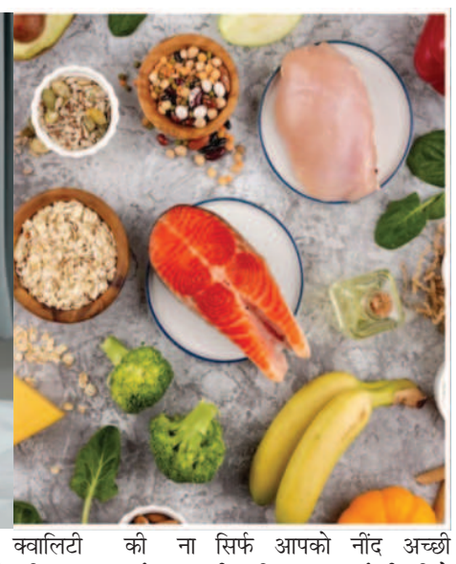

अच्छी सेहत के लिए नींद बहुत जरूरी होती है। अपनी हेल्थ को अच्छा रखने के लिए रोज कम से कम 7-8 घंटे सोना चाहिए। लेकिन कुछ लोगों को रातभर ठीक से नींद नहीं आती है। वह बार-बार करवटें बदलते रहते हैं। नींद ना आने की बीमारी को इनसोमनिया कहते हैं। ऐसा कई कारणों से होता है। जैसे कमरे का तापमान, ब्लू लाइट रिस्क, कैफीन इत्यादि। हालांकि आपके शरीर में पोशाक तत्वों की कमी भी नींद ना आने की वजह बन सकती है।

विटामिन डी से प्रभावित होती है नींद

हेल्थ एक्सपर्ट्स की माने तो विटामिन डी की कमी से आपकी नींद सबसे अधिक प्रभावित होती है। जिन लोगों को शरीर में विटामिन डी की कमी हो जाती है, वह अक्सर रात को ठीक से सो नहीं पाते हैं। कहा जाता है कि विटामिन डी रिसेप्टर्स मस्तिष्क के कई हिस्सों में रहते हैं। ये आपकी नींद को कंट्रोल करने का काम करते हैं।

आपक नींद कितनी अच्छी क्वालिटी की होगी इसमें ये विटामिन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विटामिन डी मेलाटोनिन का उत्पादन करने वाले मार्गों और नींद की क्वालिटी पर गहरा असर डालता है। इसलिए इस विटामिन डी की कमी आपकी नींद को अच्छे खासे तरीके से प्रभावित कर सकती है।

अकेला सूरज नहीं करता विटामिन डी की पूर्ति

विटामिन डी को "सनशाइन विटामिन" भी कहा जाता है। ऐसा इसलिए कि इसे सूर्य से भी प्राप्त किया जा सकता है। लेकिन अकेले सूरज से पर्याप्त विटामिन डी संभव नहीं है। ज्यादा सूरज की रोशनी जोखिम भरी भी हो सकती है। फिर आप सिर्फ सुबह-सुबह की रोशनी से ही एक निश्चित मात्रा में ही विटामिन डी ले सकते हैं। ऐसे में आपको अपने शरीर में पर्याप्त विटामिन डी लाने के लिए विटामिन डी से भरपूर फूड्स भी खाने होंगे।

यदि आप रोज पर्याप्त मात्रा में विटामिन डी का सेवन करते हैं तो ना सिर्फ आपको नींद अच्छी आएगी, बल्कि आप कई बीमारियों से निजात भी पा लेंगे। कुछ समय पहले एक रिसर्च में पाया गया कि पर्याप्त विटामिन डी लेवल और हाई क्वालिटी स्लिप के बीच एक खास लिंक होता है। इस शोध में पता चला कि जिन लोगों ने अपनी डाइट में विटामिन डी सप्लीमेंट ली उन्हें पिट्सबर्ग स्लीप क्वालिटी इंडेक्स (नींद की गुणवत्ता का एक मजबूत, मान्य एक महीने का आकलन) अच्छे स्कोर मिले। इससे यह साबित होता है कि विटामिन डी आपकी अच्छी नींद के लिए कितना फायदेमंद है।

इन चीजों को खाने से मिलता है विटामिन डी

सुबह-सुबह सूरज की रोशनी लेने के अलावा आप कुछ खास फूड आइटसम को खाकर भी विटामिन डी प्राप्त कर सकते हैं। ये फूड सोर्स हैं – कॉड लिवर ऑयल, सैल्म, स्वोर्डफिश, ट्यूना फिश, संतरे का रस, डेयरी और प्लांट मिल्क सार्डिन, अंडे की जर्दी इत्यादि।

इस जूस के फायदे ही फायदे हैं, थुलथुल पेट होगा अंदर, दिल की बीमारियों के साथ दूर रहेंगी ये दिक्कतें

कई लोग महीनों कोशिश में लगे रहते हैं, लेकिन अपना वजन कम नहीं कर पाते हैं। तो ऐसे में अपनी डाइट में लौकी का जूस शामिल करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है। रोज एक गिलास लौकी का जूस पीने से न केवल वजन कम हो सकता है, बल्कि कई बीमारियों से भी बचा सकता है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के अनुसार लौकी के जूस में उच्च मात्रा में फाइबर होता है और साथ ही कई पॉवरफुल यौगिक भी होते हैं, जो कई बीमारियों को होने के रोकते हैं। यह जूस आपके दिल के स्वास्थ्य के लिए भी बहुत अच्छा है। लौकी का जूस शरीर को हाइड्रेट रखता है, और शरीर में पानी की कमी भी नहीं होती है।

वजन घटाने में मदद करता है

सुबह खाली पेट एक ग्लिस कच्ची लौकी का जूस आपके मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करती है, जिससे आपके तेजी से कैलोरी बर्न कर पाते हैं। लौकी के जूस में लो कैलोरी के साथ हाई फाइबर होता है, जिससे आपका पेट लंबे तक भर भरा हुआ महसूस होता है और आप ओवर ओवर ईटिंग से बच पाते हैं।

हृदय स्वास्थ्य के लिए अच्छा है

लौकी का जूस दिल की सेहत के लिए अच्छा होता है। इस जूस में कई पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मददगार हैं। खाली पेट इस जूस को पीने से दिल की बीमारी और अटैक का खतरा कम होता है।

ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता है

लौकी में पोटेशियम की उच्च मात्रा होती है और यह गुण रक्तचाप को नियंत्रित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पोटेशियम एक नेचुरल वैसोडाइलेटर के रूप में कार्य करता है, रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचने से भी बचाता है।

पाचन तंत्र के लिए है फायदेमंद

जैसा कि लौके के जूस में फाइबर की मात्रा हाई होती है, तो यह पाचन में भी सुधार करता है, और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत देता है। यह पेट को ठंडक भी प्रदान करने के साथ पेट की जलन और गैसट्रिक प्रॉब्लम को भी दूर करने में मदद करता है।

ब्लड शुगर नियंत्रण में रखता है

डायबिटीज के मरीजों के लिए भी लौकी के जूस का सेवन लाभकारी है। इसमें मौजूद क्लोरोजेनिक एसिड इंसुलिन सेंसिटिविटी को बढ़ाता है। यह जूस रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में फायदेमंद हो सकता है। इसमें विटामिन सी, विटामिन के, कैल्शियम और फाइबर भरपूर मात्रा में होती है, जो डायबिटीज मरीजों के लिए लाभकारी है।

इन लक्षणों से समझें गंदगी से सिकुड़ रही खून की नसें, आ सकता है हार्ट अटैक

भागदौड़ से भरी और अक्सर तनावपूर्ण रहने वाली आज की जिन्दगी में एथेरोस्क्लेरोटिक कार्डियोवैस्कुलर डिजीज (एएससीवीडी) का जोखिम बढ़ा हुआ है। एएससीवीडी की शुरूआत में थोड़े या ना के बराबर लक्षण होते हैं और इसलिए इसे अक्सर 'साइलेंट किलर' कहा जाता है। यह बीमारी गुजरते वर्षों के साथ धीरे-धीरे बढ़ती है और इससे दुनिया में लाखों लोगों को बड़ा खतरा है।

आईसीएमआर के हाल के अध्ययनों ने भारत की शहरी आबादी में हाई कोलेस्ट्रॉल के 25-30% और ग्रामीण आबादी में 15-20% मामले होने की बात कही है। ज्यादा आमदनी वाले देशों की तुलना में, भारत के 83% लोगों में बड़ी कार्डियोवैस्कुलर बीमारियों और मौत की दर काफी ज्यादा है। लेकिन इन अनिश्चितताओं के बीच कुछ अच्छी खबर भी है: कोलेस्ट्रॉल, और खासकर बुरे कोलेस्ट्रॉल को मैनेज करने से बड़ा परिवर्तन आ सकता है।

कोलेस्ट्रॉल के प्रकार, प्रभाव और दिल की सेहत पर असर

कोलेस्ट्रॉल के विभिन्न प्रकार होते हैं, जिनमें से एलडीएल (लो-डेंसिटी लिपोप्रोटीन) कोलेस्ट्रॉल को अक्सर 'बुरा कोलेस्ट्रॉल' कहा जाता है। क्योंकि आर्टरी की दीवारों में प्लाक के जमा होने में उसकी भूमिका होती है। जबकि एचडीएल (हाई-डेंसिटी लिपोप्रोटीन) कोलेस्ट्रॉल को 'अच्छा' कोलेस्ट्रॉल कहा जाता है, क्योंकि वह खून में से कोलेस्ट्रॉल की ज्यादा मात्रा को हटाने में मदद करता है। इस प्रकार वह एएससीवीडी से सुरक्षा देता है। एलडीएल और एचडीएल के बीच असंतुलन होने से एएससीवीडी होने का जोखिम बहुत प्रभावित हो सकता है। एलडीएल कोलेस्ट्रॉल के हाई लेवल से एथेरोस्क्लेरोसिस को बढ़ावा मिलता है, जबकि एचडीएल कोलेस्ट्रॉल के लो लेवल होने से शरीर ज्यादा कोलेस्ट्रॉल को निकाल नहीं पाता है और ऐसे में प्लाक जमा होने में तेजी आती है।

दिल की सेहत के लिए कोलेस्ट्रॉल की जांच क्यों जरूरी

एलडीएल लेवल को मैनेज करने के लिये कोलेस्ट्रॉल की जाँच करवाना महत्वपूर्ण है। 2019 में दुनिया में कार्डियोवैस्कुलर डिजीज (सीवीडी) के कारण 32% मौतें हुई थीं और आकलन है कि 2030 तक हर साल ऐसी 23.6 मिलियन मौतें हो सकती हैं। ऐसे में कम उम्र से ही कोलेस्ट्रॉल की जांच करवाना महत्वपूर्ण है। इसकी शुरुआत 20 की उम्र से सही रहेगी। इस तरह से लोग अपनी सेहत को लेकर ज्यादा समझदार होंगे और बीमारियों की रोकथाम के उपाय भी करेंगे।

अपना टारगेट एलडीएल-सी जानना क्यों जरूरी

अलग-अलग लोगों के लिये जोखिम के कारकों और स्वास्थ्य-लक्ष्यों के आधार पर एलडीएल-सी के आदर्श स्तर में अंतर होता है। लेकिन आमतौर पर यह 100 mg/dL होना चाहिए, जबकि ज्यादा जोखिम वालों के लिये इससे भी कम। एलडीएल-सी पर नजर रखने के लिये खून की नियमित रूप से जाँच हो सकती है। यह मरीज के जोखिम और उपचार के आधार पर हर 3 से 12 महीने में होती है।

अपने लिपिड पर नजर रखना एएससीवीडी को मैनेज करने का आधार होता है। कोलेस्ट्रॉल लेवल्स को मैनेज करने के लिये दिल की सेहत को अच्छा रखने वाला आहार, नियमित व्यायाम और तनाव का प्रबंधन महत्वपूर्ण है। लेकिन यह समझना भी मायने रखता है कि एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को कम करने में दवाएं ज्यादा असरदार और तेज होती हैं। यह दवाएं ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में मदद करती हैं और थक्का बनने से रोकती हैं। एएससीवीडी के जोखिम को कम करने और इलाज के नतीजे बेहतर बनाने में ऐसी दवाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

देखभाल के बाद भी सूख रहा ऐरेका पाम, मिट्टी में डालें ये एक चीज... हरा-भरा रहेगा प्लांट

वर्तमान में लोग अपने अपने टेरेस पर प्लांट्स को लगाने के साथ-साथ घर को सुंदर बनाने के लिए इंडोर प्लांट्स को लगाना पसंद करते हैं। इंडोर प्लांट घर की हवा को शुद्ध रखने के साथ-साथ आकर्षक लुक भी प्रदान करते हैं। अगर बात इंडोर प्लांट्स की करें तो लोग अधिकतर ऐरेका पाम जैसे बड़े प्लांट्स को लगाना पसंद करते हैं। हालांकि गर्मियों में पौधों को खास देखभाल की जरूरत होती है। अधिक उमस के कारण ऐरेका पाम सूखने लगता है। ऐसे में लोगों को अक्सर यह शिकायत रहती हैं कि यहीं पौधा जब नर्सरी में होता है तो काफी घना और हरा-भरा रहता है। लेकिन घर लाते ही सूखने लगता है। अगर आपके घर पर लगे ऐरेका पाम देखभाल के बाद भी सूखने लगा है, तो आप इस मिट्टी में इस एक चीज को डालकर उसे फिर से हरा-भरा और घना बना सकती हैं। चलिए जानते हैं क्या है तरीका।

ऐरेका पाम प्लांट को ऐसे रखे हरा-भरा

इंडोर प्लांट ऐरेका पाम को हरा-भरा रखने के लिए सबसे पहले पौधे पर लगे उन पत्तियों को हटा दें, जो पीली या सूखने लगी है। ऐसा करने से पौधों को मिलने वाला न्यूट्रीशियन अच्छे से काम करेगा। गमले की मिट्टी की गुड़ाई कर खराब पत्ती व छोटे पौधों को निकाल कर साफ कर दें। इसके बाद इसके किनारे पर मिट्टी की मदद से क्यारी बनाएं। ऐसा इसलिए ताकि आप जब खाद या लिक्विड खाद डालें तो वह पौधों में अच्छी तरह से मिक्स हो जाए।

नींबू के पाउडर का करें मिट्टी में इस्तेमाल

पौधे को हरा-भरा रखने के लिए आप न्यूट्रिशन रहित खाद का इस्तेमाल करें। इसके लिए आपको एक्स्ट्रा पैसा खर्च करने की जरूरत नहीं है। इसके लिए नींबू के छिलके को सुखाकर उसे पीसकर पाउडर बनाकर डिब्बे में स्टोर कर लें। अब आप इसे हफ्ते में एक से दो बार मिट्टी में डालकर अच्छे से मिलाएं। इसके अलावा आप इस पाउडर को पानी में मिक्स करके भी प्लांट में डाल सकते हैं।

कीड़ों को दूर करने के लिए करें छिलके का स्प्रे

ऐरेका पाम पौधा हमेशा हरा-भरा रहे इसके लिए आप छिलके से तैयार स्प्रे का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप चाहे तो छिलके को पानी में उबाल कर पौधे पर स्प्रे करें। इसके अलावा बने हुए पाउडर को पानी में घोलकर पत्तियों के ऊपर और अंदर के हिस्से पर महीने में दो से तीन बार स्प्रे करें।

दिल्ली से 300 किमी के अंदर हैं ये हिल स्टेशन, कुछ घंटों में घूमकर आ सकते हैं वापस

लोगों को घूमने का शौक तो होता है लेकिन कामकाज और व्यस्तता के कारण घूमने के लिए वक्त नहीं मिल पाता है। अगर आपके पास भी वक्त की कमी है तो ऐसी जगहों का चयन करें, जो आपके शहर से करीब में हो ताकि सफर में समय कम लगे और घूमने के लिए भी बहुत अधिक छुट्टियों की जरूरत न पड़े। अगर आप दिल्ली एनसीआर या आसपास के रहने वाले हैं तो महज 300 किलोमीटर के अंदर आने वाले खूबसूरत और सस्ते हिल स्टेशनों की सैर करने जा सकते हैं, जिसका सफर लगभग 5 घंटे में तय किया जा सकता है। इस लेख के जरिए जानिए दिल्ली के बेहद नजदीक स्थित हिल स्टेशनों के बारे में।

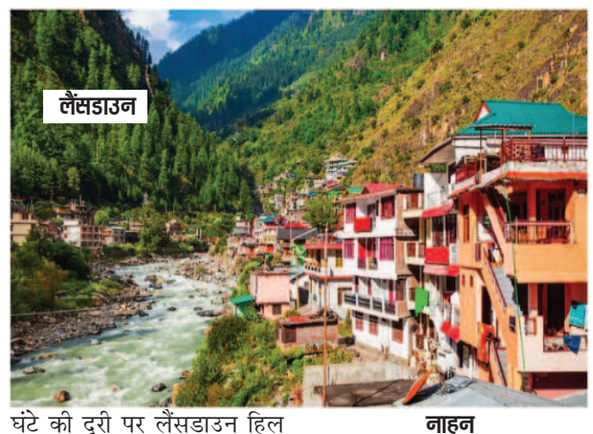

लैंसडाउन

गर्मियों में करीब के हिल स्टेशनों की तलाश में हैं तो मौसम का भी ध्यान रखें। दिल्ली से चार घंटे की दूरी पर लैंसडाउन हिल स्टेशन है। 250 किमी दूर इस हिल स्टेशन के लिए सुबह तड़के या देर रात सफर पर निकल सकते हैं। यहां टिप एंड टॉप, भुल्ला झील, दरवान सिंह रेजिमेंटल म्यूजियम घूमने के अलावा प्रकृति की सुंदरता का करीब से लुत्फ उठाने के लिए बोटिंग और सफारी का अनुभव ले सकते हैं।

नाहन

हिमाचल प्रदेश का खूबसूरत हिल स्टेशन नाहन दिल्ली से 254 किमी दूर स्थित है। यहां गर्मियों में मौसम ठंडा रहता है और अधिक भीड़ भाड़ न होने के कारण सुकून भरी छुट्टियां बिताने के लिए बेहतर विकल्प हो सकता है। नाहन हिल स्टेशन में रेणुका झील, सुकेती फॉसिल पार्क, जैतक किला, चूड़धार चोटी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं। ट्रैकिंग और बोटिंग के लिए इस हिल स्टेशन पर आ सकते हैं।

पारवाणू

हिमाचल प्रदेश में छोटा सा खूबसूरत शहर है, जिसका नाम पारवाणू है। यह हिल स्टेशन दिल्ली से 260 किमी दूर है। परवाणू हिमालय की ऊंची-नीची चोटियों से घिरा है। यहां मां काली का मंदिर, मोरनी हिल्स, गोरखा फोर्ट घूमने जा सकते हैं, साथ ही ट्रैकिंग के लिए टिंबर ट्रेल परफेक्ट जगह है।

देहरादून

दिल्ली से 255 किमी दूर देहरादून चारों तरफ से शिवालिक की पहाड़ियों से घिरा है। देहरादून की खूबसूरत जगहों में टपकेश्वर महादेव मंदिर, फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट (एफआरआई), इंडियन मिलिट्री एकेडमी, रॉबर्स केव, सहस्त्रधारा आदि स्थित है।

सेंसेक्स में 267 अंक की तेजी रही-ये 74,221 पर बंद हुआ

मुंबई, 22 मई (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी बुधवार (22 मई) को बढ़त देखने को मिली है। सेंसेक्स 267 अंक की बढ़त के साथ 74,221 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 68 अंक की तेजी रही। ये 22,597 के स्तर पर बंद हुआ। कमजोर तिमाही नतीजों के बाद भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड यानी बीएचईएल के शेयर में आज 116.80 रुपए (5.26%) की गिरावट देखने को मिली है। इसका शेयर 302.40 रुपए पर बंद हुआ।

पेटीएम का चौथी-तिमाही में घाटा 228% बढ़ा

यह 550 करोड़ रुपए रहा, आय भी 3% गिरकर 2,267 करोड़ रुपए रही

मुंबई, 22 मई (एजेंसियां)। पेटीएम की पेरेंट कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस को वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में सालाना आधार पर 550 करोड़ रुपए का लॉस हुआ है। पिछले वित्त वर्ष यानी 2022-23 की समान तिमाही में घाटा 167.5 करोड़ रुपए था। यानी, कंपनी का घाटा 228% बढ़ गया है।

कंपनी के रेवेन्यू यानी आय में भी गिरावट आई है। जनवरी-मार्च तिमाही में पेटीएम का ऑपरेशन से रेवेन्यू 2,267 करोड़ रुपए रहा। पिछले साल की समान तिमाही में रेवेन्यू 2,334 करोड़ रुपए था। यानी, चौथी तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू सालाना आधार पर 3% गिर गया।

वित्त वर्ष 2023-24 में 19% कम हुआ कंपनी का घाटा

हालांकि, पूरे वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी का घाटा 2022-2023 की तुलना में कम हुआ है। 2023-24 में पेटीएम ने 1,422.4 करोड़ रुपए का घाटा दर्ज किया। 2022-2023 में ये 1,776.5 करोड़ रुपए था। यानी, घाटे में 19% की कमी आई है। वहीं पूरे वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी का रेवेन्यू बढ़ा है। 2023-24 में पेटीएम ने ऑपरेशन से 9,977.8 करोड़ रुपए का रेवेन्यू दर्ज किया। 2022-2023 में ये 7,990.3 करोड़ रुपए था। यानी, रेवेन्यू में 24.9% की बढ़ोतरी हुई है।

आज पेटीएम के शेयर में गिरावट

पेटीएम के शेयर में गिरावट आज गिरावट देखने को मिल रही है। कंपनी का शेयर सुबह 10:31 बजे 5.25 रुपए (1.49%) की गिरावट के साथ 346.45 रुपए पर कारोबार कर रहा था। वहीं बीते एक साल में शेयर में 360.30 रुपए (50.99%) की गिरावट रही है। एक साल पहले यानी 22 मई 2023 को शेयर 706.65 रुपए पर था जो अब 346.55 रुपए पर आ गया है।

पेटीएम के फाउंडर और एमडी विजय शेखर शर्मा ने कहा- 'हमें लगता है कि चौथी तिमाही में हमारे कारोबार में आई रुकावटों के कारण हमारे रेवेन्यू और प्रॉफिटेबिलिटी पर असर पड़ेगा। पेटीएम वॉलेट के बंद होने के साथ कुछ अन्य पेमेंट और लोन प्रोडक्ट हमने रोक दिए थे।

चुनाव शुरू होने के बाद हर दिन 18000 करोड़ की बिकवाली

विदेशी निवेशकों के डर का 2004 से क्या है कनेक्शन?

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। देश में 19 अप्रैल 2024 को आम चुनाव की शुरुआत होने के बाद से विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) अब तक 37,700 करोड़ रूपये की बिकवाली कर चुके हैं। पिछले 21 कारोबारी सत्रों के दौरान विदेशी निवेशकों ने हर दिन औसतन 1800 करोड़ रुपये की बिकवाली की है।

दलाल स्ट्रीट में लोकसभा चुनाव परिणामों पर अनिश्चितता के कारण उतार-चढ़ाव को मापने वाला इंडेक्स इंडिया वीआईएक्स 67% की उछाल के साथ 52 हफ्तों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) पूंजी बाजार में मंगलवार को भी बिकवाली करते दिखे और शुद्ध रूप से 1,874.54 करोड़ रुपये की कीमत के शेयर बेचे।

हालांकि, विदेशी निवेशकों की बिकवाली और बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ने के बावजूद घरेलू निवेशकों (डीआईआई) की दिलचस्पी बाजार में लगातार बनी हुई है। वे ना केवल अपनी पूर्व की खरीदारी को बनाए रखे हुए हैं, बल्कि लगातार नई खरीदारी भी कर रहे हैं। पिछले 21 कारोबारी सत्रों के दौरान घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 60,000 करोड़ रुपये की खरीदारी की है। अप्रैल महीने के अंत तक म्यूचुअल फंड्स के पास करीब 1.36 लाख करोड़ रुपये की बड़ी नकदी मौजूद थी, जिस कारण वे विदेशी निवेशकों की ओर से की जा रही बिकवाली के कारण पैदा हुए दबाव को काफी हद तक कम करने में सफल रहे हैं।

मोजोपीएमएस के चीफ इन्वेस्टमेंट ऑफिसर सुनील दमानिया के अनुसार भारतीय इक्विटी बाजार लगातार महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कर रहा है। 5 ट्रिलियन डॉलर के करीब बाजार पूंजीकरण तक पहुंचने से भारत संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन जैसे देशों के एक विशिष्ट समूह में शामिल हो गया है। इस उपलब्धि का श्रेय खुदरा निवेशकों को दिया जा सकता है, जिन्होंने हाल के वर्षों में बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद दृढ़ता से खरीदारी की है। साथ ही, सरकार के त्वरित सुधारों और भारतीय निगमों की सकारात्मक प्रतिक्रिया ने निरंतर निवेशकों की आय वृद्धि में योगदान दिया है। जिससे निवेशकों की रुचि भी बढ़ी है और बाजार के प्रति उनका आकर्षण भी बढ़ा है। मौजूदा रैली आय वृद्धि और तरलता के संयोजन से प्रेरित है, जो अगले पांच वर्षों के भीतर भारत के बाजार पूंजीकरण को 10 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचा सकती है। हालांकि, 5 ट्रिलियन डॉलर से 10 ट्रिलियन डॉलर के बीच की यात्रा में चुनौतियों का भी सामना करना पड़ सकता है और यह बहुत आसान यात्रा नहीं होगी।

लेकिन, यहां बड़ा सवाल यह है कि आखिर विदेशी संस्थागत निवेशक लगातार बिकवाली क्यों कर रहे हैं? शेयर बाजार के जानकारों के अनुसार विदेशी निवेशक देश में जारी चुनावों को देखते हुए कोई जोखिम नहीं लेना चाहते, ऐसे में जबकि बाजार सर्वकालिक उच्च स्तर के करीब हो। निफ्टी किसी भी दिन नए सर्वकालिक उच्च स्तर की ओर बढ़ रहा है। वहीं, दूसरी ओर बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन पहले ही पांच लाख करोड़ रुपये को पार कर चुका है।

बाजार के जानकारों के मुताबिक विदेशी निवेशक 2004 के लोकसभा चुनावों की तरह का रिस्क नहीं लेना चाहते। उस समय अनुमानों के विपरीत कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए गठबंधन ने जीत दर्ज की थी। अचानक आए इस बदलाव के कारण शेयर बाजार में एक ही दिन में 15% की गिरावट देखने को मिली थी।

ऑल टाइम हाई पर पहुंची चांदी 93,094 प्रति किलो बिक रही

10 ग्राम सोना 100 सस्ता होकर 74,114 का हुआ

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। सोने में आज यानी 22 मई को मामूली गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) की वेबसाइट के मुताबिक, कारोबार के दौरान 10 ग्राम सोना 100 रुपए सस्ता होकर 74,114 रुपए पर आ गया है। हालांकि चांदी आज ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई है। ये 221 रुपए महंगी होकर 93,094 रुपए प्रति किलो ग्राम पर पहुंच गई है। इससे पहले मंगलवार 21 मई को चांदी 92,873 रुपए पर थी।

इस साल सोने में अब तक 10 हजार रुपए से ज्यादा की तेजी

आईबीजेए के अनुसार इस साल अब तक सोने के दाम 10,870 रुपए बढ़ चुके हैं। 1 जनवरी को सोना 63,352 रुपए पर था, जो अब 74,222 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है। वहीं एक किलो चांदी के दाम 73,395 रुपए से बढ़कर 92,444 रुपए पर पहुंच गए हैं।

अगले एक साल में 85 हजार तक जा सकता है सोना

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के कमोडिटी और करेंसी हेड अनुज गुप्ता के अनुसार आने वाले दिनों में भी सोने और चांदी में बढ़त देखने को मिल सकती है। अगले एक साल में सोने के दाम 80 हजार से 85 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं चांदी भी 1 लाख रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती है।

बीएचईएल का चौथी-तिमाही में मुनाफा 26% घटकर 489 करोड़

आय सालाना आधार पर 0.40% बढ़ी, 25 पैसे प्रति शेयर का लाभांश देगी कंपनी

मुंबई, 22 मई (एजेंसियां)। भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड यानी बीएचईएल लिमिटेड का वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में मुनाफा सालाना आधार (वाईओवाई) पर 26% घटकर 489.62 करोड़ रहा। एक साल पहले की समान तिमाही में कंपनी का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट 658.02 करोड़ रहा था।

कंपनी ने वित्त वर्ष 2024 के लिए 25 पैसे प्रति शेयर के फाइनल डिविडेंड यानी लाभांश देने का ऐलान किया है। कंपनियां अपने शेयरधारकों को मुनाफे का कुछ हिस्सा देती हैं, उसे डिविडेंड कहते हैं। बीएचईएल ने आज यानी 21 मई को चौथी तिमाही और सालाना नतीजे जारी किए हैं। बीएचईएल के ऑपरेशन से कंसॉलिडेटेड रेवेन्यू यानी आय में सालाना आधार पर 0.40% की तेजी आई। एफवाई24 की चौथी तिमाही में ऑपरेशन से रेवेन्यू 8260.25 करोड़ रहा। एक साल पहले की समान तिमाही यानी एफवाई23 की चौथी तिमाही में रेवेन्यू 8226.99 करोड़ रहा था।

वित्त वर्ष 2024 में कंपनी का मुनाफा 56% घटा

बीएचईएल का पूरे वित्त वर्ष 2024 में कंसॉलिडेटेड मुनाफा 56.85% घटकर 282.22 करोड़ हो गया। वित्त वर्ष 2023 में मुनाफा 654.12 करोड़ रहा था।

वित्त वर्ष 2024 में रेवेन्यू में 2.25% की तेजी

बीएचईएल का वित्त वर्ष 2024 में कंसॉलिडेटेड रेवेन्यू बढ़कर 23,892.78 करोड़ हो गया। वित्त वर्ष 2023 में रेवेन्यू 23,364.94 करोड़ रहा था। यानी रेवेन्यू में 2.25% की तेजी आई है। रिजल्ट आने से पहले आज बीएचईएल का शेयर 2.72% बढ़कर 318.80 पर बंद हुआ।

तीन अरब डॉलर कैश लेकर बैठे है गौतम अडानी

अब भारत से बाहर निकलने की है तैयारी

हाइलाइट्स

- गौतम अडानी की नजर विदेशों में तीन बंदरगाहों पर
- इंडिया-यूरोप कॉरिडोर पर है अडानी ग्रुप की नजर
- ग्रुप ने इसके लिए 3 अरब डॉलर का कैश चेस्ट बनाया है

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। भारत और एशिया के दूसरे सबसे बड़े रईस गौतम अडानी का जोर अब विदेशों में अपना कारोबार बढ़ाने पर है। बिजनस अखबार मिंट की एक रिपोर्ट के मुताबिक अडानी ग्रुप की नजर तीन विदेशी पोर्ट्स पर है और इसके लिए उसने तीन अरब डॉलर यानी करीब 2,49,77,49,00,000 रुपये का कैश चेस्ट बनाया है। ग्रुप इंडिया-यूरोप कॉरिडोर पर अपनी मजबूत उपस्थिति चाहता है। सूत्रों के मुताबिक देश में लौह अयस्क और कोयले के आयात की मांग बढ़ रही है जबकि फिनिश्ड गुड्स का एक्सपोर्ट बढ़ रहा है। अडानी ग्रुप इस मौके के हाथोंहाथ लेना चाहता है। उसकी नजर यूरोप, अफ्रीका और साउथ ईस्ट एशिया में तीन बड़े पोर्ट्स पर है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक गौतम अडानी 104

सूत्रों के मुताबिक अडानी ग्रुप अपनी पोर्ट कैपेसिटी को बढ़ाना चाहता है। अभी उसकी कंटेनर हैंडलिंग कैपेसिटी सालाना करीब 600 मिलियन मीट्रिक टन है। इसमें करीब 420 मिलियन मीट्रिक टन डोमेस्टिक कैपेसिटी है। ग्रुप की योजना अगले दो साल में अपनी कैपेसिटी को बढ़ाकर 800 मिलियन मीट्रिक टन करने की लिए उसकी योजना अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अपनी बिजनस बढ़ाने की है जिस पर अभी चीन का दबदबा है। अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन के रेवेन्यू में इंटरनेशनल पोर्ट्स की हिस्सेदारी अभी 10 फीसदी है जिसे अगले तीन साल में 20 से 25 फीसदी पहुंचाने का लक्ष्य है।

कंपनी का कारोबार

एपीएसईजेड की योजना तीन बड़े पोर्ट्स को खरीदने की है। इसके लिए उसने तीन अरब डॉलर का कैश चेस्ट बनाया है। अभी कंपनी के पास इजरायल, श्रीलंका, इंडोनेशिया, तंजानिया और ऑस्ट्रेलिया में पोर्ट्स हैं। साथ ही उसने वियतनाम, मलेशिया और फिलीपींस में भी पोर्ट से जुड़ी गतिविधियों में मदद के लिए एग्रीमेंट्स किए हैं। फाइनेंशियल ईयर 2025 में अडानी पोर्ट्स का रेवेन्यू 30,000 से 31,000 करोड़ रुपये पहुंचने का अनुमान है। साल 2023-24 में कंपनी का कंसोलिडेटेड रेवेन्यू 28 फीसदी तेजी के साथ 26,111 करोड़ रुपये रहा था जबकि नेट प्रॉफिट 50 फीसदी बढ़कर 8,104 करोड़ रुपये पहुंच गया। एपीएसईजेड देश की सबसे बड़ी प्राइवेट पोर्ट ऑपरेटर है। उसके पास 15 पोर्ट्स और टर्मिनल हैं।

हवाई जहाज में भी होने लगा ट्रेन जैसा, कन्फर्म सीट पर वेटिंग टिकट वाले पैसेंजर को चढ़ा दिया

नयी दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। आपने कभी ट्रेन की यात्रा की है, वह भी संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस, गोरखधाम एक्सप्रेस, शिवगंगा एक्सप्रेस जैसी लोकप्रिय ट्रेनों में। तो आप इसे आसानी से समझ पाएंगे। इन ट्रेनों में कन्फर्म बर्थ पर यात्रा करने वाले यात्रियो के अलावा कुछ आरएसी और वेटिंग टिकट वाले यात्रियों को भी चढ़ा लिया जाता है। इस आशा में कि यदि कोई कन्फर्म बर्थ वाला पैसेंजर ट्रेन मिस करेगा तो वह बर्थ किसी आरएसी या वेटलिस्टेड पैसेंजर को दे जी जाए। इस तरह का चलन तो अभी तक ट्रेन में देखते आए हैं। अब इस तरह का काम हवाई जहाज में भी होने लगा है। जी हां, देश में विमानों की संख्या के लिहाज से नंबर वन एयरलाइन इंडिगो ने ऐसा किया है।

क्या है वाकया

यह वाकया मुंबई हवाई अड्डे का है। कल यानी मंगलवार को मुंबई से वाराणसी जाने वाली फ्लाइट संख्या 6E 6543 एयरपोर्ट से टेक ऑफ करने को तैयार थी। तभी क्रू मेम्बर्स को पता चला कि विमान में जितनी सीटें हैं, उससे एक ज्यादा पैसेंजर विमान में सवार है।

इसके बाद तो क्रू के होश उड़ गए। आखिर ऐसा कैसे हो गया? जब जांच की गई तो पता चला कि एक स्टैंडबाय पैसेंजर को बोर्डिंग पास जारी कर दिया था। उन्हें वही सीट नंबर अलॉट किया गया था जो सीट नंबर एक कन्फर्म पैसेंजर को दिया गया था।

भारतीयों ने विदेशों में खर्च किए 31.7 अरब डॉलर

चीज पर किया सबसे ज्यादा खर्चा

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। भारतीयों ने फाइनेंशियल ईयर 2024 में लिबरलाइज्ड रेमिटेंस स्कीम (एलआरएस) के तहत विदेशों में रेकॉर्ड 31.7 अरब डॉलर खर्च किए जो पिछले साल की तुलना में 17 फीसदी अधिक है। पिछले फाइनेंशियल ईयर में यह रकम 27.1 बिलियन डॉलर थी।

टैक्स कलेक्शन ऑन सोर्स (टीसीएस) लागू होने के बावजूद विदेशों में खर्च में यह बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, डेटा विश्लेषण से पता चलता है कि अक्टूबर 2023 में टीसीएस लागू होने के बाद मासिक औसत खर्च में गिरावट आई है। रेमिटेंस के सालाना डेटा से पता चलता है कि भारतीयों ने वित्त वर्ष 24 में विदेश घूमने पर 17 अरब डॉलर खर्च किए। यह पिछले वर्ष के 13.6 अरब डॉलर से 24.5% अधिक है। महामारी की शुरुआत से पहले वित्त वर्ष 2020 में एलआरएस के तहत खर्च में अंतरराष्ट्रीय यात्रा का हिस्सा 37% से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 53.6% हो गया है। कोरोना काल में पाबंदियों के कारण वित्त वर्ष 2021 में अंतरराष्ट्रीय यात्रा पर खर्च घटकर 3.2 अरब डॉलर रह गया था।

दूसरी ओर, विदेश में शिक्षा के लिए जाने वाले रेमिटेंस का हिस्सा लगातार कम हो रहा है। वित्त वर्ष 2021 में, शिक्षा के लिए रेमिटेंस 30% था।

वित्त वर्ष 2022 में यात्रा प्रतिबंध हटाए जाने के बाद यह हिस्सा गिरकर 26% रह गया। वित्त वर्ष 2023 में शिक्षा पर खर्च पिछले वर्ष के 5.2 अरब डॉलर से घटकर 3.4 अरब डॉलर रह गया। इस कारण कुल खर्च का हिस्सा गिरकर 12% रह गया। वित्त वर्ष 2024 में, विदेश में पढ़ाई पर खर्च लगभग 3.5 अरब डॉलर पर स्थिर रहा, जबकि यात्रा पर खर्च बढ़ गया। फीस पर कम खर्च के कारण विदेश में पढ़ाई अब विदेशी मुद्रा खर्च में दूसरी सबसे बड़ी श्रेणी नहीं रह गई है। भारतीयों ने फीस की तुलना में विदेश में रिश्तेदारों के रख-रखाव पर ज्यादा खर्च किया। इस मद में 4.6 अरब डॉलर खर्च हुए।

यह दुनिया में सबसे अधिक है। इसी के साथ भारत 100 अरब डॉलर के आंकड़े तक पहुंचने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। भारत के 1.8 करोड़ लोग विदेशों में काम करते हैं। इनमें से यूएई, अमेरिका और सऊदी अरब में भारतीय प्रवासियों की बड़ी संख्या है। इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन फॉर माइग्रेशन ने मंगलवार को जारी अपनी वर्ल्ड माइग्रेशन रिपोर्ट, 2024 में कहा कि 2022 में रेमिटेंस प्राप्त करने वाले शीर्ष पांच देशों में भारत, मेक्सिको, चीन, फिलीपीन और फ्रांस शामिल हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु -ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 05-45
भोग्य कलि वर्ष-426875 सूर्यास्त. - 18-40
कलियुग संवत -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- पूर्णिमा 19-22 तक उपरान्त प्रतिपदा
मास - वैशाख शुक्ल , गुरुवार 23 May
नक्षत्र - विशाखा 09-14 तक उपरान्त अनुराधा
योग - परिघ 12- 11 तक उप शिव
करण- विष्टि 07-09 तक उप बव
विशेष:- पीपल पूर्णिमा व्रत
व्रत -त्योहार - श्री बुध ज.श्री कूर्म ज.

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृष	में	वृष--	05-14 बजे
चंद्र-	वृश्चिक	में	मिथुन..	07-14 बजे
मंगल	मीन	में	कर्क...	09-27 बजे
बुध-	मेष	पें	सिंह...	11-40 बजे
गुरु-	वृष	में	कन्या..	13-45 बजे
शुक्र-	वृष	में	तुला.....	15-52 बजे
शनि-	कुंभ	में	वृश्चिक..	18-01 बजे
राहु-	मीन	में	धनु.....	20-15 बजे
केतु-	कन्या	में	मकर...	22-21 बजे
			कुंभ....	00-11 बजे
			मीन...	01-49 बजे
			मेष....	03-25 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:50 से 15:28 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05:45 - 07:21 शुभ	अमृत	18:40 - 20:05 शुभ
रोग	07:21 - 08:58 अशुभ	चंचल	20:05 - 21:28 शुभ
उत्पात	08:58 - 10:36 अशुभ	रोग	21:28 - 22:50 अशुभ
चंचल.	10:36 - 12:13 शुभ	काल	22:50 - 24:13 अशुभ
लाभ.	12:13 - 13:50 शुभ	लाभ	24:13 - 01:35 शुभ
अमृत	13:50 - 15:28 शुभ	उत्पात	01:35 - 02:58 अशुभ
काल	15:28 - 17:05 अशुभ	शुभ	02:58 - 04:21 शुभ
शुभ	17:05 - 18:40 शुभ	अमृत	04:21 - 05:45 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज आप अपनी नौकरी से संबंधित अच्छी खबर प्राप्त कर सकते है । यह एक पदोन्नति , वेतन वृद्धि , एक नई जिम्मेदारी , एक नया इच्छित स्थान , एक अलग कंपनी से नौकरी या प्रस्ताव का परिवर्तन हो सकता है। आप कम समय में अपने आप को तैयार रखे। । यह टेलीफोन पर या सन्देश के माध्यम से भी किया जा सकता है । अपनी सक्रिय रुख के बारे में अपने नए नियोक्ता या सहकर्मी को अवगत कराइए । नई भूमिका की मांग के अनुरूप मानसिक रूप से तैयार रहें।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आज आपका वित्त और धन अस्थिर रह सकते हैं और आप अपने आप को नुकसान की स्थिति में पा सकते हैं , पर आप ज्यादा चिंता न करे , क्योकि यह एक छोटा नुकसान हो सकता है। सतर्क रहे । आपका परिवार हमेशा आपके साथ है और आपके बचाव में खड़ा है । आप बहुत जल्दी इस घाटे को पूर्ण करने में सक्षम है। यदि आप एक व्यवसाय में हैं।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
नए और अलग अलग कार्य करने के अवसर आज आपके रास्ते में आएंगे । आज नए ग्राहक और विभिन परियोजनाए आपके पास आ सकती है और कुछ में तो इतनी संभावना होगी की वो आपकी सपनो की या महत्वपूर्ण परियोजना बन सकती है । इस अवसर का फायदा उठाने के लिए, आपको आज अतिरिक्त मेहनत करनी होगी, और आप इसे करते हुए आनंद को महसूस करेंगे ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आपके कार्य क्षेत्र या करियर में परिवर्तन आने के संकेत हैं। अगर आप अपनी नौकरी बदलने के बारे में सोच रहे है, तो आज आपके अंतिम कदम उठाने की संभावना है। हो सकता है की आप अपना प्रशिक्षण संस्थान भी खोले जो की आप लंबे समय से करना चाहते थे । इस प्रक्रिया में, आपको कुछ जोखिम भी लेने पड़ सकते है , पर ये भविष्य में आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
प्रमुख परिवर्तन आज आपके कार्यस्थल पर होने की उम्मीद हैं। वास्तव में आपके आय अर्जित करने के साधन में परिवर्तन आ सकता है , और आप ऐसे कार्य में लिप्त हो सकते है जिसको आप करना चाह रहे थे परन्तु आपने सपने में भी नहीं सोचा था , की ऐसा अवसर आपको मिल सकता है । आप अपने कार्यस्थल पर नवीन विचारो एवं नए दृष्टिकोण के साथ आ सकते है ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)
बेहतर संचार आप के लिए लाभ का मार्ग प्रशस्त करेगा और आपको इस मोड़ पर बुद्धिमानी से इस कौशल का उपयोग करना होगा । आपका व्यवसायिक विवेक आज शीर्ष स्तर पर रहेगा । आपको भविष्य में बिक्री और सहभागिता के आंकलन के लिए कहा जा सकता है। आपकी मजबूत ज्ञान युक्त व विवेकपूर्ण क्षमता इसमें आपकी मदद करेगी ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आप अपने रास्ते में एक महान अवसर की बाट देख रहे थे और इस तरह के अवसर के लिए ये सबसे अच्छा समय है। अगर आपने साक्षात्कार दिया है, तो उस मोर्चे पर आज अच्छी खबर मिल सकती है । अप्रत्याशित जगहों से नौकरी के अवसर आपको मिल सकते है या कुछ पुराने संपर्कों से भी आप आगे की और बढ़ सकते है । आपने कठिन समय के दौरान उत्कृष्ट भावना का परिचय दिया है और अब उसका अंत नजर आ रहा है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज आपको कुछ छुपे हुए शत्रु से सावधान रहने की जरुरत है । यह व्यक्ति आपके साथ मित्रतापूर्ण भाव से आपके साथ काम कर रहा है पर जैसे की इतिहास अपने आप को दोहराता है यह व्यक्ति प्रतिकार कर सकता है या इसके विचार आपसे भिन्न हो सकते है ।आज आपके लिए ये अछा होगा की आप अपने सारे कार्यो का निष्पादन सही समय पर कर ले ताकि काम का कोई बोझ न रहे और आपको अपने मालिक की डाट न सुननी पड़े ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आपको इस बात का आभास नहीं है की आपके सहकर्मियों को कितनी चिन्ताओ और तनाव से गुजरना पड़ रहा है । अपने समय को बचाने की बजाय उनकी चिंता को समझना आपके लिए आज ज्यादा जरुरी होगा । अगर आप फिर भी बिना सोचे समझे आगे बढ़ते जायेंगे तो आपको कड़ाई से सबक मिल सकता है । आपको एक नए घर का स्वामित्व मिल सकता है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज जहा तक पैसे की बात है तो आप के लिए एक भाग्यशाली दिन है। अगर अतीत में आपने किसी को धन उधार दिया है तो आपको अपने पैसे वापस मिल सकते हैं।आपकी किस्मत चिट फंड या जुए के किसी अन्य रूप में आपको वितीय लाभ पंहुचा सकती है । छात्रों का करियर सही दिशा में आगे बढेगा या किसी भी परीक्षा में अगर वे बैठेंगे तो उन्हें अच्छा परिणाम मिलेगा ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज का दिन सट्टा उद्यम के लिए उपयुक्त है पर बिना सोचे समझे कोई निर्णय न ले । अगर आप गणना करके जोखिम लेंगे तो लाभ में रहेंगे परन्तु याद रखे अज्ञानता में लिए गया फैसला नुकसान दिला सकता है इसलिए फिलहाल लाटरी के मकड़जाल में न फसे । बिना सोचे समझे सट्टा खेलना या निवेश करना हानिकारक है जिसमे भाग्य भी आपकी सहायता नहीं कर सकता।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज आपको अप्रत्याशित रूप से खोया धन मिल सकता है , जिससे आसानी से आप अपनी सभी वित्तीय प्रतिबद्धताओं को पूरा कर पायेंगे । यह आपकी वर्तमान वित्तीय स्थिति को काफी राहत प्रदान करने वाला होगा , हालांकि इस धन को बहुत बुद्धिमानी से खर्च करना होगा क्योंकि हो सकता है की आपका ये धन ख़त्म या कम हो जाये लेकिन आपके दायित्वों का निर्वाह पूरा न हो पाये ।

पं। महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

बेरोजगारी और महंगाई पर कुछ नहीं बोलते पीएम मोदी

प्रियंका गांधी ने केंद्र पर बोला हमला, कहा- जीएसटी से सभी परेशान

रांची, 22 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी आज झारखंड दौरे पर है। रांची के हाई टेंशन मैदान, लोवाडीह नामकुम में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि संविधान ही आपको सारे अधिकार देता है। शिक्षा और आरक्षण का अधिकार देता है। आज जनता के सामने महंगाई और बेरोजगारी सबसे बड़ी समस्याएं है।

देश में बेरोजगारी चरम पर है। आज शिक्षित युवक बेरोजगार है। अगर इन सबको रोजगार मिल जाए तो हम चीन से मुकाबला कर सकते है। हर चीज महंगी हो गई है। जीएसटी से सभी परेशान है। चंद्रयान मिशन का क्रेडिट मोदी जी लेते है, लेकिन उस मिशन को पूरा करने वाले इंजीनियर और अन्य लोगों के योगदान का जिक्र नहीं किया जाता है। प्रधानमंत्री मोदी जी आज आपके सामने आते है तो बेरोजगारी और महंगाई पर कुछ नहीं बोलते है।

प्रियंका गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि देश खरबपतियों के लिए चल रहा है। मोदी सरकार की नीतियां सिर्फ चुनिंदा खरबपतियों के लिए बनाए गए हैं। नए संसद भवन बनाने के लिए करोड़ों का फंड है, लेकिन किसानों और आम आदमी के लिए फंड नहीं है। इलेक्टॉरल बॉन्ड की स्कीम निकालकर मोदी सरकार ने बीजेपी के लिए भारी मात्रा में चंदा इक्ट्ठा किया। वैक्सीन बनाने वाली कंपनी से चंदा लिया। आज हम घबरा रहे है कि हमने कौन सी वैक्सीन लगावाई है, हमारे जिंदगी का अब क्या होगा। मोदी जी ने कौन सी वैक्सीन लगवाई हैं, ये हमें नहीं पता।

इससे पहले गोड्डा में उन्होंने जनसभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, कांग्रेस की नीतियां हमेशा आपको मजबूती देने के लिए रही हैं। भाजपा सरकार आपको नहीं जानती और उचित नीतियां नहीं बना पा रही है। अपने संबोधन में उन्होंने आगे कहा, आपके मुख्यमंत्री को फर्जी बयानों और मुकदमों के आधार पर चुनाव से पहले जेल भेजा गया है। उनके खिलाफ दायर मामला कभी भी सच नहीं हो सकता। आप उनके

बिना चुनाव लड़ने के लिए मजबूर हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सोचा होगा कि वे हेमंत सोरेन को जेल में डालकर आसानी से चुनाव जीत लेंगे, लेकिन आज कल्पना सोरेन हेमंत जी की लड़ाई लड़ रही हैं। वो शेरनी की तरह सभी समस्याओं का सामना कर रही हैं। मैं उन्हें अपनी छोटी बहन और 'नारी शक्ति' का प्रतीक मानती हूं। प्रियंका गांधी ने गोड्डा के मेला मैदान में जनसभा को संबोधित किया। इन दौरान उन्होंने गोड्डा के कांग्रेस प्रत्याशी प्रदीप यादव के पक्ष में वोट मांगा। गोड्डा में सभा को संबोधित करने के बाद वो रांची आएंगी। यहां वो रांची लोकसभा सीट से कांग्रेस की प्रत्याशी यशस्विनी सहाय के पक्ष में मतदान के लिए लोगों से अपील करेंगी। उनका कार्यक्रम रांची के हाई टेंशन मैदान, लोवाडीह नामकुम में निर्धारित है।

प्रियंका गांधी के कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन, कल्पना सोरेन, झारखंड कांग्रेस प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर और झामुमो के कई नेता मंच पर मौजूद रहें। झारखंड में तीसरे और चौथे चरण के चुनाव को देखते हुए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी झारखंड दौरा कर रही हैं। बता दें कि तीसरे चरण का मतदान 25 मई को होने वाला है। ऐसे में प्रियंका रांची लोकसभा में मतदाताओं को साधने की कोशिश में जुटी है। रांची लोकसभा से पूर्व सांसद सुबोधकांत सहाय की बेटी यशस्विनी सहाय चुनाव लड़ रही हैं। यशस्विनी सहाय पहली बार चुनाव लड़ रही हैं। उनके सामने भाजपा से संजय सेठ हैं। रांची लोकसभा क्षेत्र में कुल छह विधानसभा है। ये ईचागढ़, सिल्ली, खिजरी, रांची, हटिया और कांके है। इनमें से ईचागढ़ में झामुमो, सिल्ली में आजसू, खिजरी में कांग्रेस के अलावा रांची, हटिया और कांके सीट पर भाजपा का कब्जा है। रांची लोकसभा सीट पर भाजपा और कांग्रेस के बीच टक्कर होती रही है।

झारखंड के 19 जिलों में बारिश-वज्रपात का ऑरेंज अलर्ट

रांची, 22 मई (एजेंसियां)। मौसम विभाग ने झारखंड के कई जिलों में आज बारिश-वज्रपात का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस दौरान तेज हवाएं चलने की भी संभावना है। जिन इलाकों में बारिश का अलर्ट है उनमें उत्तर पूर्वी और निकटवर्ती मध्य भाग का इलाका शामिल है। इसके अलावा प्रदेश के कई हिस्सों में बादल भी छाए रहेंगे। मौसम विभाग ने जिन जगहों पर आज बारिश की संभावना जाहिर की है उनमें पाकुड़, साहिबगंज, जामताड़ा, देवघर, दुमका, गोड्डा, धनबाद के कुछ इलाके शामिल हैं।

विपक्ष का नक्सल उन्मूलन की राह में रोड़ा बनना दुर्भाग्यजनक

सीएम का 2 सालों में नक्सल समस्या खत्म करने का लक्ष्य

रायपुर, 22 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रदेश की पहचान नक्सली राज्य के रूप में होना मन को बेहद टीस देने वाला है। इस छवि को बदलना होगा। इसमें सरकार के अलावा राजनैतिक दल, मीडिया जगत और पूरे समाज यहां तक कि हर आम नागरिक को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार छत्तीसगढ़ की तस्वीर और तकदीर दोनों बेहतर करने की दिशा में काम कर रही है। सीएम साय ने कहा कि हमने ही बनाया है, हम ही संवारेंगे के सूत्र वाक्य को धारण कर मोदी जी की गारंटी पर काम करते हुए हम प्रदेश को 'विकसित छत्तीसगढ़' बनाने तैयार हैं।

सीएम ने कहा कि मां कौशल्या की यह पावन धरती रत्नगर्भा है। यह धान का कटोरा, कोयला, लौह अयस्क, डोलोमाइट, बॉक्साइट, चूना पत्थर और टिन के भंडार से भरा है। देश के खनिज उत्पादन में छत्तीसगढ़ महतारी का योगदान

21.09 प्रतिशत, लौह अयस्क में 17.61 प्रतिशत, चूना पत्थर में 11.70 प्रतिशत, बॉक्साइट में 3.57% जबकि टिन अयस्क में शत-प्रतिशत है। यहां उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण है। 2030 तक हम 300 मिलियन मतलब लगभग 30 करोड़ टन प्रतिवर्ष स्टील उत्पादन का लक्ष्य हासिल कर लेंगे। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि कुछ सालों में हम देश के दूसरे सबसे बड़े स्टील उत्पादक राज्य होंगे। इसके बावजूद देश-विदेश में छत्तीसगढ़ को केवल नक्सली प्रभावित राज्य के रूप में पहचान मिलना ठीक नहीं है। यह पहचान हमें बदलना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ के छोटे हिस्से में सिमटी नक्सल समस्या से हमारी डबल इंजन की सरकार मजबूती से लड़ रही है। हम इस के खिलाफ लड़ाई में कामयाब होंगे। आने वाले 2 वर्षों में छत्तीसगढ़ को नक्सल समस्या से पूरी तरह मुक्त करना हमारा लक्ष्य है, जो अवश्य पूरा होगा। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि यह दुर्भाग्यजनक है कि विपक्ष नक्सल उन्मूलन की राह में रोड़ा बनकर खड़ा हो गया है। कई बार वही कहता है जो नक्सली चाहते हैं। मीडिया हेडलाइंस में आने के लिए विपक्ष कुछ भी बोलने को तैयार खड़ा है, चाहे उससे प्रदेश का कितना भी नुकसान क्यों ना हो। यह ठीक नहीं है। सीएम साय ने कांग्रेस को भ्रष्टाचार की जननी बताया है। उन्होंने आरोप लगाए हुए कहा कि खुद स्व. राजीव गांधी यह स्वीकार कर चुके थे कि उनकी सरकार से जनता के लिए भेजे गए एक रुपये में से पचासी पैसा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है।

हेमंत सोरेन ने जमानत याचिका वापस ली

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- चार्जशीट पर कार्रवाई की बात छिपाई गई, केजरीवाल की तरह जमानत चाहते थे

रांची, 22 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की जमानत याचिका खारिज कर दी है। हेमंत सोरेन ने चुनाव प्रचार के लिए कोर्ट से इजाजत मांगी थी। इसके लिए उन्होंने कोर्ट में याचिका दायर की थी। अपनी याचिका में उन्होंने दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल को मिली जमानत का हवाला दिया था। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता ने यह बात छिपाई कि ट्रायल कोर्ट ने मामले में आरोप पत्र पर कार्रवाई शुरू कर दी है। इस पर हेमंत सोरेन का पक्ष रख रहे वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि वे जमानत की मांग वाली याचिका वापस लेते हैं।

इससे पहले मंगलवार को हुई सुनवाई के दौरान हेमंत के वकील कपिल सिब्बल ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की तरह ही बेल देने का अनुरोध किया। ईडी ने इसका विरोध करते हुए कहा कि

सोरेन को जमानत देने पर जांच प्रभावित हो सकती है। हेमंत सोरेन राज्य मशीनरी का दुरुपयोग करके उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच को प्रभावित करने का प्रयास कर रहे हैं। राजनेता आम नागरिक से अधिक विशेष दर्जे का दावा नहीं कर सकता। अगर सोरेन को चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत दी जाती है तो जेल में बंद सभी राजनेता ऐसी मांग कर सकते हैं। रिकॉर्ड में मौजूद सबूतों से यह साबित होता है कि हेमंत सोरेन अवैध तरीके से संपत्तियां हासिल करने और उन पर कब्जा रखने में शामिल हैं। यह अपराध से अर्जित आय है। यह 8.86 एकड़ जमीन का मामला है जो आदिवासी भूमि है। छोटानागपुर टेनेंसी एक्ट के तहत इसे ट्रांसफर नहीं किया जा सकता है। 12 प्लॉट हैं, 1976 से 1986 के बीच गैर आदिवासियों के नाम की रजिस्टर में एंट्री हुई है। तब हेमंत सोरेन 4 साल के थे। इससे उनका कुछ लेना देना नहीं है। सोरेन पर आरोप है कि 2009-10 में उन्होंने जमीन पर जबरन कब्जा किया। उनके खिलाफ 20 अप्रैल 2023 को केस चलाया गया। इस जमीन पर बिजली का कनेक्शन आरोपी नंबर चार के नाम पर है। सिब्बल ने शिकायतकर्ता बैजनाथ मुंडा और श्यामलाल पाहन का नाम लेते हुए कहा कि ये जमीन के मालिक होने का दावा करते हैं। उन्होंने कहा कि यह भुइंहरी जमीन है। इसलिए मुंडा और पाहन का दावा विवादित है। मामला बेनामी लगता है। उन्होंने कहा कि यह सिविल मामला है और इसलिए ईडी जांच नहीं कर सकती है। रांची जिले के बड़गाई अंचल में लगभग साढ़े आठ एकड़ जमीन की अवैध तरीके से खरीद-बिक्री मामले में ईडी ने झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन पर कार्रवाई की है। इस मामले में पूछताछ के लिए ईडी ने सीएम को 11 समन भेजे थे। इसमें से केवल दो समन में उन्होंने ईडी के सवालों के जवाब दिए। 11वें समन पर जवाब-तलब के लिए ईडी के अधिकारी 31 जनवरी को उनके आवास पहुंचे।

5 दिन की ईडी रिमांड पर मंत्री आलमगीर आलम

पूछताछ में पीएस बोला- 92 करोड़ का टेंडर मंत्री को 1.23 करोड़ कमीशन जाता था

रांची, 22 मई (एजेंसियां)। टेंडर घोटाला मामले में मंत्री आलमगीर आलम को कोर्ट ने एक बार फिर पांच दिनों की ईडी रिमांड पर भेज दिया है। मामले की अगली सुनवाई पर 28 मई को होगी। दरअसल, मंत्री आलमगीर आलम की आज रिमांड खत्म हो रही है। इसे लेकर उन्हें ईडी की स्पेशल कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट में पेशी के दौरान ईडी ने पूछताछ के लिए फिर से रिमांड देने की मांग की थी। जिसके बाद कोर्ट ने पूछताछ के लिए 27 मई तक समय दिया।

ग्रामीण विकास विभाग में हुए टेंडर कमीशन घोटाले में चीफ इंजीनियर से लेकर मंत्री आलमगीर आलम तक का 1.23 करोड़ रुपए का कमीशन फिक्स था। टेंडर से मिले कमीशन के रुपए बांटने के लिए सिंडिकेट के लोग कोडवर्ड का इस्तेमाल करते थे।

मंत्री आलमगीर के लिए एच यानी ऑनरेबल मीनिस्टर, संजीव

लाल के लिए एस, टेंडर कमेटी के लिए टीसी और चीफ इंजीनियर के लिए सीई जैसे कोड इजाद किए गए थे। इस बात का खुलासा ईडी की ओर से कोर्ट में दिए गए ब्योरा से हुआ है। टेंडर कमीशन घोटाला मामले में गिरफ्तार संजीव लाल और उसके सहायक जहांगीर की 14 दिनों की रिमांड पूरी होने के बाद दोनों को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। इसी दौरान कोर्ट में ईडी ने एक्सेल शीट में कमीशन का पूरा ब्योरा पेश किया है।

जांच एजेंसी ने कोर्ट को कुछ सबूत भी सौंपे हैं। इसमें बताया गया है कि जनवरी में कुल 92 करोड़ के 25 टेंडर हुए थे। इसमें आलमगीर को कमीशन के रूप में 1.23 करोड़ रुपए दिए गए थे।

बता दें कि जहांगीर के फ्लैट से 32.20 करोड़ कैश बरामद होने के बाद जांच एजेंसी ने मंत्री से पूछताछ की थी। फिर 15 मई को उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। रिमांड पर लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है। आज उनकी रिमांड अवधि पूरी हो जाएगी।

कोर्ट में दिए गए सबूत में इस बात का जिक्र है कि जांच एजेंसी को कुछ हस्तलिखित पर्ची भी मिली है। इसमें लिखा है कि ग्रामीण कार्य विभाग, स्पेशल डिवीजन ओर जेएसआरडी से कितने रुपए लेने हैं। यह हिसाब सितंबर 2023 से नवंबर 2023 के बीच का है। ईडी ने कोर्ट में दावा किया कि इस घोटाले में पूरा ग्रामीण विकास विभाग शामिल है। यह संथाल परगना में हुए 1250 करोड़ रुपए के खनन घोटाले से भी बड़ा हो सकता है, क्योंकि विभाग का पिछले चार साल का कुल बजट 40 हजार करोड़ से भी ज्यादा का था।

अगर इनमें सैलरी मद की राशि हटा दी जाए तो सिर्फ टेंडर मद में 28 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि शामिल है। सभी टेंडर में कमीशन की राशि ली गई है। ईडी को मिले दस्तावेज के अनुसार चीफ इंजीनियर से लेकर डिप्टी सेक्रेटरी और अंडर सेक्रेटरी तक को कमीशन की राशि जाती थी। यह भी जानकारी मिली है कि किसी उमेश नाम के व्यक्ति को भी 1.75 करोड़ रुपए दिए गए हैं। वहीं ऑफिस के लिए 3.46 करोड़ रुपए थे।

कांग्रेस के डीएनए में है काम को अटकाना, भटकाना और लटकाना

रायपुर, 22 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के चिटफंड कंपनियों पर कार्रवाई अटकाने वाली बयान पर भाजपा प्रदेश प्रवक्ता केदार गुप्ता ने पलटवार किया है। उन्होंने भूपेश बघेल पर हमला बोला है। प्रवक्ता गुप्ता ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल थोड़ा इंतजार कर लें, चिटफंड कंपनियों के नाम पर घोटाले की जांच भी होगी। उन्होंने कहा कि भाजपा की प्रदेश सरकार पर मिथ्या आरोप लगाकर प्रलाप करते भूपेश बघेल की बेसब्री दरअसल उनके डर को सामने ला रही है।

भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगते हुए कहा कि किसी काम को अटकाना, भटकाना और लटकाना कांग्रेस के डीएनए में है। भाजपा तो जो कहती है, वह करती है और जो कहा है, वह करके दिखाया भी है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा की इसी दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति से बघेल खौफजदा हैं और अनर्गल प्रलाप करके अपने बचाव की पतली गली तलाश रहे हैं। केदार गुप्ता ने आरोप लगाया कि कांग्रेसियों को हर जगह चंदाखोरी, कमीशनखोरी ही नजर आती है। पर बघेल की ये तमाम कोशिशें नाकामयाब होगी।

गुप्ता ने कहा कि छत्तीसगढ़ में 'मोदी की गारंटी' है और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार का सुशासन है। उन्होंने आरोप लगते हुए कहा कि अभी तो बघेल सरकार के कार्यकाल का कोयला फंड घोटाला, चावल घोटाला, शराब घोटाला, पीएससी भर्ती घोटाला समेत तमाम घोटालों की जांच हो रही है और अपराधी सींखचों के पीछे जा रहे हैं। बघेल यह बात गाँठ बांध लें कि नंबर तो सबका आएगा ही आएगा।

प्रवक्ता केदार ने कहा कि अब चिटफंड कंपनियों का भी नंबर आने वाला है। भाजपा के सुशासन और कानून के राज में कोई भी अपराधी बचेगा नहीं। भाजपा की सरकार पर लुटेरों की पार्टनर होने की झूठी तोहमत लगाकर बघेल अपने शासनकाल में हुई खुली लूट के कलंक को लाख जतन करके भी धो नहीं पाएंगे। जिन-जिन लोगों ने जनता की गाढ़ी कमाई और प्रदेश के सरकारी खजाने की लूट में अपने-अपने हाथ साफ करने का शर्मनाक कृत्य किया है, उन सबसे वसूली भी होगी और उन्हें अपने कृत्यों की सजा भी भोगनी होगी, फिर चाहे वह कोई भी हो।

कवर्धा हादसे के पीड़ित 24 बच्चों को मिली 'विधायक मां'

भावना बोहरा ने गोद लिया, शिक्षा-शादी तक की जिम्मेदारी, हादसे पर 24 मई को एचसी में सुनवाई

कवर्धा, 22 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कवर्धा में हुए सड़क हादसे में मारे गए लोगों के बच्चों को भाजपा विधायक भावना बोहरा ने गोद लेंगी। वह इन बच्चों की शिक्षा, रोजगार से लेकर विवाह तक की जिम्मेदारी निभाएंगी। पंडरिया विधायक मंगलवार को मृतकों के परिजनों से मिलने सेमरहा गांव पहुंची थी।

इस दौरान विधायक बोहरा ने हादसे में मारे गए 19 लोगों के 24 बेटा और बेटियों को गोद लेने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि, मन बहुत व्यथित है। उनके दुख में उनके साथ रहना मेरी जिम्मेदारी भी है और कर्तव्य भी। मैं उनके परिजनों की कमी तो पूरी नही कर सकती लेकिन उनके सुरक्षित भविष्य के लिए प्रयास जरूर कर सकती हूं। वहीं, छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कवर्धा सड़क हादसे को जनहित याचिका माना है। इसकी सुनवाई 24 मई को होगी। मामले में पीडब्ल्यूडी, परिवहन विभाग, स्टेट हाईवे और नेशनल

हाईवे के साथ ही कलेक्टर समेत 10 लोगों को पक्षकार बनाया गया है। इससे पहले सभी मृतकों का अंतिम संस्कार किया गया। इसमें एक ही परिवार के 11 लोगों के शव थे। वहीं, दो महिलाओं के शवों का अंतिम संस्कार उनकी ससुराल में किया गया। हादसे में मृतकों के परिजन को प्रदेश सरकार 5-5 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार का मुआवजा देगी। मरने वालों में एक ही परिवार के 11 लोग थे, एक साथ जलाई गई 17 लोगों की चिता में 11 लोग एक ही परिवार के थे। परिवार के एक सदस्य रतन सिंह ने बताया कि तेंदूपत्ता तोड़ने के लिए रोज जाते थे, कभी बाइक से तो कभी फोर व्हीलर से जाते थे। जो गाड़ी चलाता था, उसे ज्यादा अनुभव नहीं था।

दरअसल, 20 मई को तेज रफ्तार पिकअप पलटकर 20 फीट गहरे गड्ढे में गिर गया था। हादसे में 19 लोगों की मौत हो गई, 7 से ज्यादा लोग घायल हुए। हादसा कुकदूर थाना क्षेत्र के बाहपानी गांव के पास हुआ है। एसपी अभिषेक पल्लव के मुताबिक मरने वालों में 18 महिलाएं शामिल हैं। इनमें मां-बेटी सहित 3 बच्चियां भी हैं। घायलों को एम्बुलेंस से अस्पताल भेजा गया। हादसे के दौरान पिकअप में 25 लोग सवार थे। सभी लोग तेंदूपत्ता तोड़कर गांव लौट रहे थे। हादसा इतना जबरदस्त था कि 13 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने आरोपी पिकअप वाहन चालक दिनेश यादव और मालिक रामकृष्ण साहू को गिरफ्तार कर लिया है। इन पर बिना फिटनेस के ओवरलोड वाहन चलाने का आरोप है।

साथी से मारपीट, नाराज सफाईकर्मी हड़ताल पर

डोर-टु-डोर कचरा कलेक्शन ठप, कार्रवाई की मांग कमिश्नर बोले- स्ट्राइक चली तो कंपनी पर एक्शन लेंगे

रायपुर, 22 मई (एजेंसियां)। रायपुर में सफाई व्यवस्था ठप पड़ गई है। शहर में डोर टू डोर कचरा कलेक्शन करने वाले कर्मचारी हड़ताल पर चले गए हैं। दरअसल, मंगलवार को गुढ़ियारी क्षेत्र में कचरा कलेक्शन नहीं करने की बात कहते हुए सफाई कर्मचारी से मारपीट की गई थी। थाने में शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं होने से नाराज कर्मचारी कचरा कलेक्शन का काम नही कर रहे हैं। दरअसल, ये लोग राजधानी में कचरा कलेक्शन का काम कर रही रामकी कंपनी के कर्मचारी हैं। सभी लोग दलदल सिवनी स्थित कंस्ट्रक्शन एंड डिमोलिशन वेस्ट प्रोसेसिंग यूनिट के सामने धरना दे रहे हैं। आज सुबह 250 से ज्यादा डोर-टु-डोर कचरा कलेक्शन करने वाली गाड़ी लोगों के घरों तक नहीं पहुंची है। सफाई कर्मचारियों का कहना है कि काम के दौरान आम लोग बदसलूकी, गाली गलौज और मारपीट पर उतर आए हैं। इसके साथ ही हमारे काम के अनुसार हमें सैलरी नहीं मिलती है। हमारी मांग है कि जिन लोगों ने हमारे साथी से मारपीट की, पुलिस उन पर कार्रवाई करें।

कर्मचारी कंपनी में नई भर्ती पर रोक और सैलरी बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो हड़ताल जारी रहेगी। रायपुर नगर निगम कमिश्नर अविनाश मिश्रा ने कहा कि शहर में डोर टू डोर कचरा कलेक्शन का ठेका रामकी कंपनी के पास है। ये कर्मचारी उनके हैं। हमने कंपनी से कहा है कि अपने कर्मचारियों से जल्द हड़ताल खत्म कराएं। अगल हड़ताल खत्म नही होगी तो रायपुर नगर निगम कंपनी पर एक्शन लेगा।

भाजपा और कांग्रेस, दोनों तरफ अपने ही नाराज

भितरघात बन सकती है बड़ी चुनौती

धनबाद, 22 मई (एजेंसियां)। नाराजगी, दोनों तरफ। रूठने और मनाने का सिलसिला, दोनों तरफ। भितरघात की आशंका, दोनों तरफ। धनबाद लोकसभा सीट में एक बार फिर मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच है। भाजपा में प्रत्याशी बदले जाने से पार्टी के अंदर कई चेहरे नाराज हैं, तो कांग्रेस में बड़े राजनीतिक घराने की बहू को टिकट देने से अन्य दावेदार भी खुश नहीं हैं। भितरघात से निपटना ही दोनों दलों की सबसे बड़ी चुनौती है। वैसे, यह चुनाव धनबाद सीट के लिए कई मायने में अलग है। इस बार भाजपा और कांग्रेस के प्रत्याशी धनबाद लोकसभा क्षेत्र के बाहर के हैं। दोनों प्रत्याशियों का यह पहला लोकसभा चुनाव है। दोनों की उम्र 50 साल से कम है। धनबाद सीट 2009 से भाजपा के कब्जे में है। 2019 में यहां से भाजपा ने झारखंड में सर्वाधिक वोटों से जीत पाई थी। तभी से धनबाद को भाजपा के लिए झारखंड की सबसे सुरक्षित सीट माना जाने लगा। भाजपा ने यहां राजपूत जाति के पीएन सिंह की जगह ओबीसी पर दांव खेलकर बाघमारा के विधायक ढुलू महतो को प्रत्याशी बनाया है। ढुलू के नाम पर पार्टी में अंतर्कलह देखी जा रही है। अब भी पार्टी के कई नेता चुनावी जनसंपर्क से दूर हैं। इधर, कांग्रेस ने भाजपा के ओबीसी पत्ते के खिलाफ अगड़ी जाति पर दांव खेला है। राजपूत जाति के पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह की बहू और बेरमो विधायक अनूप सिंह की पत्नी अनुपमा सिंह को चुनाव मैदान में उतारा है। अनुपमा के प्रत्याशी बनने से कांग्रेस के अंदर भी नाराजगी देखी गई। भाजपा प्रत्याशी से ज्यादा मोदी के चेहरे पर अधिक बात कर रही है। उसे मोदी की गारंटी वाली मैजिक पर भरोसा है। वहीं, कांग्रेस को महागठबंधन की ताकत पर यकीन है।

पहले जंगल ले गए फिर कुल्हाड़ी से बहन को काट डाला

रांची, 22 मई (एजेंसियां)। झारखंड में रिश्तों को शर्मसार करने वाला एक मामला आया है। यहां एक भाई ने ही अपनी बहन को कुल्हाड़ी से मार-मारकर उसकी हत्या कर दी। यह हत्या बहन के प्रेम संबंध के कारण हुई है। घटना चतरा जिले की है।

सदर पुलिस थाना प्रभारी बिपिन कुमार ने मंगलवार को बताया कि जिले की एक दलित युवती का एक आदिवासी युवक के साथ प्रेम संबंध था। यह बात लड़की के भाइयों को रास नहीं आई। हत्या के ठीक पहले युवती अपने प्रेमी के साथ थी। भाइयों ने उन्हें पकड़ किया। भाई दोनों को पकड़कर सेहदा गांव के पास एक जंगल में ले आए और कुल्हाड़ी से मार-मारकर युवती की हत्या कर दी।

पीड़ित प्रेमी का कहना है कि आरोपी उसे भी मारने ही वाले थे लेकिन वह समय रहते वहां से भाग गया। थोड़ी बाद प्रेमी जब युवती की हालत देखने जंगल पहुंचा तो वहां उसका शव पड़ा था। युवती मर चुकी थी। इसके बाद लड़का भाग कर पास के ही एक गांव में गया और सभी को घटना की जानकारी दी। पुलिस का कहना है कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। युवक से पूछताछ जारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

मां-बाप ने करंट लगाकर बेटे को मार डाला

कवर्धा, 22 मई (एजेंसियां)। कवर्धा में माता-पिता ने बेटे को करंट लगाकर मार डाला। बताया जा रहा है कि दोनों अपने बेटे के जुआ-सट्टा खेलने की लत और मारपीट से बेहद परेशान थे। इसीलिए दोनों ने करंट लगाया फिर वायर से गला घोंट दिया। वारदात सिटी कोतवाली क्षेत्र के घुघरीकला गांव की है।

जानकारी के मुताबिक राजू राजपूत (35 वर्ष) जुआ-सट्टा खेलने का आदी था। वह घर की संपत्ति को बेचकर रकम जुए-सट्टे में हार कर बरबाद कर रहा था। माता-पिता ने उसे समझाने की बहुत कोशिश की, लेकिन वह सुधरने का नाम नहीं ले रहा था।

ग्रामीणों के मुताबिक मंगलवार सुबह खेत में बनी झोपड़ी में खून से सनी लाश पड़ी मिली थी। इसकी जानकारी फौरन पुलिस को दी। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। लाश की पहचान गांव के ही राजू राजपूत (35 वर्ष) के रूप में की गई। वायर से गला घोंटने की वजह से गले पर गोल निशान बन गया था। चारों ओर से खून बहने के निशान थे। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के बाद परिजन को सौंप दिया। राजू शादीशुदा था, उसकी 2 बेटियां भी हैं, लेकिन वह कोई काम, धंधा नहीं करता था। उलटा जुआ-सट्टे की लत के चलते परिवार वालों को मारपीट कर परेशान करता था। इससे तंग आकर माता-पिता ने उसकी हत्या करने का इरादा बना लिया। सोमवार रात को उन्होंने घर से बेटे को ट्यूबवेल बनाने के बहाने खेत में बुलाया। बेटा जैसे ही खेत पहुंचा, दोनों करंट प्रवाहित तार उसके गले में लपेट दिया, जिससे वह झुलस गया। उसके गिरने के बाद दोनों ने मिलकर गला भी घोंट दिया। कोतवाली थाना प्रभारी लालजी सिन्हा ने बताया कि गांव में आस पड़ोस के लोगों से पूछताछ की गई। इस दौरान ऐसे सुराग मिले कि परिजन पर शक गहराने लगा था। इसके बाद पुलिस ने मृतक के पिता को बुलाकर पूछताछ की।

रूस ने यूक्रेनी इलाके में न्यूक्लियर हथियार टेस्टिंग शुरू की

पुतिन ने दिया था आदेश, इस्कंदर और किंझल मिसाइलें इसमें शामिल

मास्को, 22 मई (एजेंसियां)। यूक्रेन जंग के बीच रूसी सेना ने इस्कंदर और किंझल मिसाइलों के साथ टैक्टिकल न्यूक्लियर टेस्ट शुरू कर दिए हैं। रूसी रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार (21 मई) को बताया कि ये टेस्ट यूक्रेन के दक्षिणी सैन्य इलाके में हो रहे हैं। यह इलाका काफी बड़ा है। इसमें ठीक किस जगह टेस्ट किए जा रहे हैं यह रूस ने नहीं बताया है।

अलजजीरा के मुताबिक, रूस ने जंग के शुरुआती दिनों में इस इलाके पर कब्जा कर लिया था। इस टेस्टिंग में बेलारूस के भी शामिल होने की उम्मीद है। पिछले साल रूस ने ऐलान किया था कि वे बेलारूस में टैक्टिकल न्यूक्लियर वेपन तैनात करेगा।

रूस इस टेस्ट से पश्चिमी देशों की धमकियों का जवाब देने की कोशिश कर रहा है। पिछले महीने ही रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने अपनी सेना को परमाणु हथियारों की ड्रिल करने का आदेश दिया था। इसमें उन्होंने नेवी और यूक्रेनी सीमा के पास तैनात सैनिकों को भी शामिल होने को कहा था।

पश्चिमी देशों ने यूक्रेन को सैन्य मदद देने को कहा था

रूस ये टेस्ट ऐसे समय में कर रहा है जब कुछ दिन पहले नाटो और पश्चिमी देशों ने यूक्रेन की मदद के लिए सेना भेजने की बात कही थी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने पिछले महीने कहा था कि अगर यूक्रेन ने मदद मांगी तो वे अपने सैनिकों को वहां भेज सकते हैं। ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड कैमरून ने भी कहा था कि यूक्रेन अगर चाहे तो वह रूस पर हमला करने के लिए ब्रिटिश हथियारों का इस्तेमाल कर सकता है। अमेरिका ने यूक्रेन को अप्रैल में एटीएसीएमएस की 12 मिसाइलें दी थीं। इसकी रेंज 300 किलोमीटर है, यानी अगर जंग में इसका इस्तेमाल होता है तो यह रूस में 300 किलोमीटर अंदर तक अटैक कर सकती हैं।

इसके बाद पिछले हफ्ते ही अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने यूक्रेन का दौरा किया था। ब्लिंकन ने कहा था कि आज दुनिया का अधिकांश हिस्सा स्वतंत्र दुनिया के लिए लड़ रहा है।

तीसरे साल में रूस-यूक्रेन युद्ध

रूस और यूक्रेन का युद्ध फरवरी में तीसरे साल में पहुंच गया। यूक्रेन के हथियार और सैनिक दिन पर दिन कम होते जा रहे हैं। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन-रूस जंग में अब तक 50 हजार से ज्यादा रूसी सैनिकों की मौत हुई है। वहीं यूक्रेन ने जंग के दूसरे साल में 27 हजार 300 रूसी सैनिकों को गंवाया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि मरने वालों का आंकड़ा अनुमान से ज्यादा हो सकता है।

इससे पहले फरवरी में राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की भी यूक्रेनी सैनिकों की मौत का आंकड़ा बता चुके हैं।

जेलेंस्की के मुताबिक युद्ध में अब तक सिर्फ 31 हजार यूक्रेनी सैनिकों ने जान गंवाई है। हालांकि अमेरिकी खुफिया जानकारी के मुताबिक यूक्रेन के 70 हजार से ज्यादा सैनिकों की मौत हुई है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ईरान रवाना

रईसी के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे, आज किया जाएगा सुपुर्द-ए-खाक

तेहरान, 22 मई (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बुधवार (22 मई) को ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के अंतिम संस्कार में शामिल होने तेहरान जा रहे हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पोस्ट में बताया कि भारत की ओर से शोक समारोह में भाग लेने के लिए उपराष्ट्रपति ईरान गए हैं।

19 मई को रईसी का हेलिकॉप्टर ईरान-अजरबैजान बॉर्डर के पास क्रैश हो गया था। इसमें विदेश मंत्री हुसैन अमीराब्दुल्लाहियान समेत कुल 9 लोग सवार थे। तबरिज शहर में अंतिम यात्रा के बाद राष्ट्रपति के शव को तेहरान लाया गया।

ईरानी उपराष्ट्रपति मोहसिन मंसूरी ने बताया कि 23 मई को उन्हें ईरान के मशहद शहर में दफनाया जाएगा। इसी शहर में रईसी का जन्म हुआ था। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ईरान के लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। इससे पहले 21 मई को विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी दिल्ली में ईरान के दूतावास का

दौरा किया था। ईरान में 23 मई को सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की गई है। रईसी के अंतिम संस्कार से पहले देश के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला प्रार्थना करेंगे।

ईरान के अलावा भारत, पाकिस्तान, लेबनान जैसे कई देशों में रईसी की मौत पर शोक मनाया गया। भारत ने राष्ट्रपति रईसी की मौत पर सोमवार, 21 मई को एक दिन के शोक की घोषणा की थी। इसके तहत बुधवार को संसद भवन समेत सभी सरकारी इमारतों पर तिरंगा आधा झुका नजर आया।

राष्ट्रपति की मौत की जांच के नतीजे अभी आने हैं, लेकिन बड़ा सवाल क्रैश साइट अजरबैजान को लेकर है। ईरान के पड़ोसी देश अजरबैजान से तनाव पूर्ण संबंध रहे हैं। अजरबैजान मध्य एशिया का इकलौता मुस्लिम देश है, जिसके इजराइल के साथ दोस्ताना रिश्ते हैं। रईसी का हेलिकॉप्टर अजरबैजान के पास जहां क्रैश हुआ वो पहाड़ी वाला दुर्गम इलाका इजराइली खुफिया एजेंसी मोसाद का गढ़ रहा है। यहां पर मोसाद के कई खुफिया एजेंट सक्रिय हैं। पिछले साल ईरान ने अजरबैजान में रहकर इजराइल के लिए जासूसी करने के आरोप में एक महिला समेत चार लोगों को फांसी दी थी। फिलहाल ईरान ने खराब मौसम को क्रैश का कारण बताया है। दूसरी तरफ, ईरान में रईसी के हेलिकॉप्टर क्रैश की जांच शुरू हो गई है। न्यूज एजेंसी आईआरएनए के मुताबिक, ईरानी आर्म्ड फोर्सेज के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल मोहम्मद बघेरी ने एक हाई-रैंकिंग डेलिगेशन को जांच का जिम्मा सौंपा है। इसका नेतृत्व ईरान के ब्रिगेडियर अली अब्दुल्लाही कर रहे हैं। इसके लिए वे हेलिकॉप्टर क्रैश की लोकेशन पर भी पहुंच चुके हैं। भारत ने 13 मई को ईरान से चाबहार में शाहिद बेहेशती पोर्ट को 10 साल के लिए लीज पर लिया था। अब पोर्ट का पूरा मैनेजमेंट भारत के पास होगा। भारत को इसके जरिए अफगानिस्तान और सेंट्रल एशिया से व्यापार करने के लिए नया रूट मिल जाएगा।

इजराइल-हमास के बीच युद्धविराम समझौते की शर्तों को मिस्र ने बदला

काहिरा, 22 मई (एजेंसियां)। इजराइल ने इस महीने की शुरुआत में एक युद्धविराम प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किया था। मिस्र ने चुपचाप इस प्रस्ताव की शर्तों को बदल दिया। इस प्रस्ताव में इजराइली बंधकों और फलस्तीनी कैदियों की रिहाई के साथ अस्थाई रूप से युद्ध को समाप्त करने की बात कही गई थी। सूत्रों के अनुसार, अमेरिका और कतर का मानना है कि इजराइल के बाद हमास ने छह मई को जिस युद्धविराम समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, वह प्रस्ताव इजराइल के सामने पेश हुए प्रस्ताव से बिलकुल अलग था। मिस्र के अधिकारियों द्वारा प्रस्ताव में किए गए बदलाव को पहले नहीं बताया गया था, इससे अमेरिका, कतर और इजराइल में गुस्से की लहर फैल गई। एक सूत्र ने कहा, हम सब ठगे गए। अमेरिका की केंद्रीय खुफिया एजेंसी (सीआईए) के निदेशक बिल बर्न्स ने युद्धविराम समझौते के लिए अमेरिका के प्रयासों का नेतृत्व किया था। मिस्र ने जब समझौते की शर्तों को बदल दिया, तब वह उसी क्षेत्र में उपस्थित थे। उन्होंने बताया कि उन्हें ऐसा लग रहा था कि उन्हें इसके बारे में कोई सूचना नहीं दी गई और उन्होंने इजराइलियों को भी इसके बारे में नहीं बताया।

सूत्रों ने बताया कि मिस्र के वरिष्ठ खुफिया अधिकारी अहमद अब्देल खालेक इन परिवर्तनों के लिए जिम्मेदार हैं। बता दें कि अहमद अब्देल खालेक मिस्र के खुफिया प्रमुख अब्बास कामेल के डिप्टी हैं। अब्देल खालेक ने इस समझौते को लेकर इजराइलियों को अलग बात बताई और हमास से कुछ और कहा। सूत्रों के अनुसार, हमास की अधिकांश मांगों को समझौते में शामिल किया गया था, जिसके बारे में इजराइलियों को नहीं बताया गया।

'इस्लामिक देश' जहां दाढ़ी और हिजाब पर है बैन

96 फीसदी मुस्लिमों के बावजूद क्यों इतने सख्त हैं नियम

दुशानबे, 22 मई (एजेंसियां)। मुस्लिम देश शब्द सुनकर आपके दिमाग में एक ऐसी तस्वीर आती होगी, जिसमें महिलाएं हिजाब पहने हैं और पुरुष दाढ़ी और कुर्ते में घूम रहे हैं। लेकिन एक ऐसा मुस्लिम देश भी है, जहां पर हिजाब पहनना या दाढ़ी रखना पूरी तरह से मना है। इस देश का नाम ताजिकिस्तान है, जो संवैधानिक रूप से धर्मनिरपेक्ष है। लेकिन यहां की 95 फीसदी से ज्यादा आबादी मुस्लिम है। धर्म की स्वतंत्रता यहां के संविधान में है। लेकिन यहां अपने धर्म की प्रैक्टिस करना सरकार की ओर से सख्ती से नियंत्रित होता है। इसके अलावा हज पर जाने वालों की संख्या को भी नियंत्रित किया जाता है। ताजिकिस्तान का इतिहास समृद्ध है। यहां लगभग तीन दशकों से राष्ट्रपति इमोमाली रहमोन का शासन है।

साल 2015 में द डिप्लोमैट में छपी रिपोर्ट कहती है कि 18 साल से कम उम्र की महिला छात्राओं

को हिजाब पहनने से रोकने वाले भी नियम हैं। 18 साल से कम उम्र के बच्चे अंत्येष्टि को छोड़कर सार्वजनिक धार्मिक गतिविधियों में भाग नहीं ले सकते। कानून प्राइवेट समारोहों जैसे अंतिम संस्कार और शादियों को भी कंट्रोल करता है। ऐसा नहीं है कि यहां ये सभी चीजें बैन हैं। लेकिन इसे सरकार कंट्रोल करती है, यानी इजाजत लेना और कितने लोग शामिल होंगे ये सरकार की ओर से तय होगा। लेकिन ऐसा नहीं है कि 2024 में स्थितियां बदल गई हैं। आज भी ऐसा ही हाल है।

अमेरिका की इंटरनेशनल धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट (यूएससीआईआरएफ) 2024 कहती है, 'धार्मिक स्वतंत्रता पर ताजिकिस्तान सरकार पहले से ही निराशाजनक रिकॉर्ड लगातार खराब होता जा रहा है। राष्ट्रपति इमोमाली रहमोन का शासन अपनी दमनकारी नीतियों को बनाए रखता है। यह सभी धर्मों के लोगों की ओर से सार्वजनिक धार्मिकता के प्रदर्शन को दबाता है और अल्पसंख्यक समुदायों पर अत्याचार करता है। शादी और अंत्येष्टि भोज पर प्रतिबंध है, साथ ही दाढ़ी रखने और हिजाब पर भी प्रतिबंध है।' यानी पुरुषों को शेव करना जरूरी है।

इस्लामी किताबों पर भी रोक

अमेरिकी रिपोर्ट के मुताबिक 2022 में दुशानबे में इस्लामिक किताबों की दुकानों को जबरन बंद कर दिया गया था। सरकार की मंजूरी के बिना धार्मिक सामग्री का आयात भी नहीं किया जा सकता था। हालांकि 2023 में इसे फिर खोल दिया गया। कथित तौर पर फिर खोली गई दुकानों को अब इस्लामी किताबें बेचने की इजाजत नहीं है। ताजिकिस्तान सरकार कट्टरपंथ को रोकने के लिए अपनी नीतियों को आवश्यक बताती है। ताजिकिस्तान की सीमा क्योंकि अफगानिस्तान लगती है, इस कारण वह तालिबान और आईएसआईएस से जुड़े खतरों के निशाने पर रहता है।

चरवाहों और किसानों की झड़प, 40 की मौत

पानी-जमीन को लेकर विवाद, इलाके में पुलिस और सुरक्षाबल तैनात

पठारी , 22 मई (एजेंसियां)। अफ्रीकी देश के नाइजीरिया के पठारी में सोमवार (20 मई) की देर रात 40 लोगों की हत्या कर दी गई। पठारी नॉर्थ सेंट्रल नाइजीरिया का एक गांव है, जहां चरवाहों और किसानों के बीच पानी-जमीन को लेकर झड़प हो गई। न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक, पुलिस अधिकारी अल्फ्रेड अलाबो ने बताया कि घटना शाम 5 (भारतीय समयानुसार रात 9) बजे हुई, जब पठारी बंगलाला के जंगलों के पास चरवाहे और किसान आपस में भिड़ गए। उन्होंने पूरे गांव पर हमला कर दिया। मौके पर सुरक्षाबलों को भेजा गया और उन्होंने सात हमलावरों को ढेर कर दिया। इसी दौरान 9 गांव वालों की जान चली गई। इसके बाद चरवाहों और किसानों ने चारों तरफ से अंधाधुंध गोलीबारी चलाना शुरू कर दिया। फिर एक-दूसरे के लोगों को किडनैप कर लिया और कई घरों में आग लगा दी।

'चरवाहों ने गांव में घुसते ही गोलीबारी की'

पठारी के रहने वाले बबांगीदा अलीयू ने बताया कि चरवाहों ने गांव में घुसते ही गोलीबारी शुरू कर दी थी। इसके बाद किसानों ने पलटवार किया और इसमें कई लोग घायल हो गए।

नाइजीरिया के न्यूज चैनल टेलीविजन के मुताबिक, हाल के वर्षों में उत्तरी नाइजीरिया के ग्रामीण इलाकों में इसी तरह घटनाएं बढ़ी हैं। इसमें ज्यादातर स्कूलों और यात्रियों को निशाना बनाया गया है। दिसंबर 2023 में ही यहां 150 लोगों की हत्या कर दी गई थी और कई लोगों को किडनैप किया गया था, जिनका आज तक कोई पता नहीं है।

अमेरिका ने बांग्लादेश के पूर्व सेना प्रमुख पर क्यों लगाया प्रतिबंध

पीएम हसीना के करीबी हैं अजीज अहमद

वाशिंगटन/ढाका, 22 मई (एजेंसियां)। अमेरिका ने बांग्लादेश सेना के पूर्व प्रमुख अजीज अहमद पर भ्रष्टाचार में कथित संलिप्तता के कारण उन पर प्रतिबंध लगाते हुए कहा है कि उनके कदमों ने बांग्लादेशी लोकतांत्रिक संस्थाओं और सरकारी प्रक्रियाओं में लोगों के भरोसे को कमजोर किया। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने सोमवार को कहा, "अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश सेना के पूर्व प्रमुख अजीज अहमद पर व्यापक भ्रष्टाचार में संलिप्तता के कारण प्रतिबंध लगाने की आज सार्वजनिक रूप से घोषणा की।" अहमद बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के सहयोगी हैं।

मिलर ने कहा, "उनके (अहमद के) कदमों से बांग्लादेश के लोकतांत्रिक एवं सार्वजनिक संस्थानों और प्रक्रियाओं में जनता का विश्वास कम हुआ है।" उन्होंने कहा कि अजीज अहमद ने बांग्लादेश में आपराधिक

गतिविधियों के लिए जवाबदेही से बचने में अपने भाई की मदद की खातिर सार्वजनिक प्रक्रियाओं में हस्तक्षेप कर बड़ा भ्रष्टाचार किया। मिलर ने कहा कि अजीज ने अपने भाई के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करने के लिए भी काम किया कि सैन्य अनुबंध अनुचित तरीके से दिए जाएं और वे अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए सरकारी नियुक्तियों के बदले में रिश्वत ले सकें। उन्होंने कहा, "यह प्रतिबंध बांग्लादेश में लोकतांत्रिक संस्थानों एवं कानून के शासन को मजबूत करने की अमेरिकी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। अमेरिका सरकारी सेवाओं को अधिक पारदर्शी एवं किफायती बनाने, व्यापार एवं नियामक संबंधी माहौल में सुधार करने और धनशोधन एवं अन्य वित्तीय अपराधों की जांच करने एवं उनके खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए क्षमता निर्माण में सहायता करके बांग्लादेश में भ्रष्टाचार विरोधी प्रयासों का समर्थन करता है।" अमेरिकी घोषणा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए अहमद ने स्थानीय मीडिया से कहा कि जिन आरोपों को लेकर उन पर प्रतिबंध लगाए गए, वे "सच्चे नहीं" हैं।उन्होंने कहा कि हालांकि उन पर व्यक्तिगत रूप से प्रतिबंध लगाया गया है, लेकिन इस कदम से सत्तारूढ़ अवामी लीग सरकार की छवि को धक्का लगा है क्योंकि वह अपने कार्यकाल के दौरान एक महत्वपूर्ण पद पर थे। पूर्व सेना प्रमुख ने अपने ऊपर लगे प्रतिबंधों को "दुर्भाग्यपूर्ण" बताया। उन्होंने कहा, "मेरे खिलाफ लगाए गए आरोपों में सच्चाई नहीं है।"

खैबर पख्तूनख्वा में तीन साल के बच्चे पर बिजली चोरी का लगा आरोप, दर्ज हुआ केस

इस्लामाबाद, 22 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में एक अजीबोगरीब घटना सामने आई है। क्षेत्र में एक तीन वर्षीय बच्चे के खिलाफ बिजली चोरी का मामला दर्ज किया गया है। पेशावर इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी और जल एवं विद्युत विकास प्राधिकरण की तरफ से शिकायत के बाद बच्चे के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया गया। नाबालिग को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की अदालत के समक्ष पेश किया गया, जहां न्यायाधीन ने हलफनामा देखने के बाद मामले को खारिज कर दिया। हालांकि, पीईएससीओ और डब्ल्यूएपीडीए के अधिकारी बच्चे के आरोप को लेकर निश्चित नहीं हैं। बता दें कि पिछले महीने एक बड़े खुलासे के बाद यह घटना सामने आई है, जिसमें बिजली वितरण कंपनियों के भीतर बिजली चोरी के कारण राष्ट्रीय खजाने को 438 अरब रुपये का चौंकाने वाला नुकसान हुआ था। सात अप्रैल को पंजाब ऊर्जा विभाग ने बिजली वितरण कंपनियों द्वारा सरकारी संस्थानों से अधिक शुल्क वसूले पर चिंता जताई। बिजली विभाग ने इस मुद्दे पर कहा कि लाहौर इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी, मुल्तान इलेक्ट्रिक पावर कंपनी, गुजरांवाला इलेक्ट्रिक पावर कंपनी, और इस्लामाबाद इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी सरकारी विभागों से अधिक शुल्क वसूलने के लिए दोषी थीं। प्रांतीय विभागों में 1,02,000 से अधिक बिजली कनेक्शन के साथ, वास्तविक खपत और बिल की गई राशि के बीच अंतर स्पष्ट था। विभाग ने खुलासा किया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में प्रांतीय विभागों ने 1.91 अरब से अधिक की बिजली की खपत की, लेकिन उन्हें इसके लिए 76 अरब का भुगतान sकरना पड़ा। इस मामले से निपटने के लिए संघीय सरकार ने बिजली चोरी पर अंकुश लगाने और राजस्व वसूली को बढ़ाने के लिए बिजली वितरण कंपनियों में संघीय जांच अधिकारियों की तैनाती को मंजूरी दे दी।

आइओवा में चक्रवात का कहर, कई लोगों की गई जान

घर-इमारतें ध्वस्त, गवर्नर ने घोषित किया आपातकाल

न्यूयॉर्क, 22 मई (एजेंसियां)। मंगलवार को पश्चिमी आइओवा में बवंडर के कारण कई लोगों की मौत हुई। डेस मोइनेस से लगभग 50 मील दक्षिण पश्चिम में स्थित आयोवा के छोटे शहर ग्रीनफील्ड में यह बवंडर आया। कई घर, इमारत ढेर हो चुके हैं, पेड़ उखड़े पड़े हैं। गवर्नर ने आपातकाल घोषित कर दिया। राहत कार्य के लिए टीम बनाई गई हैं।

मंगलवार को आइओवा में आया तूफान मुख्य रूप से आइओवा, उत्तर पश्चिम इलिनोइस, दक्षिण-पश्चिम विस्कॉन्सिन और उत्तरी मिसौरी ज्यादा प्रभावित रहे। आइओवा स्टट पेट्रोल के प्रवक्ता सार्जेंट एलेक्स डिंकल ने बताया कि शाम 5 बजे से पहले एक तूफान से बवंडर शुरू हुआ। जिससे कई सारे लोगों की मौत हुई। कई समाचार पत्रों ने भी प्रकाशित किया कि बवंडर से कई मौतें हुई हैं। ग्रीनफील्ड के कई निवासी घायल हो गए। यहां तक

कि एक अस्पताल भी इस बवंडर की चपेट में आ गया। कई चैनल नष्ट हो चुके घर, ध्वस्त हो चुकी इमारतें, मलबों के ढेर, क्षतिग्रस्त वाहन, उखड़े पड़े पेड़ आदि का नजारा दिखा रहे हैं। ग्रीनफील्ड से आधे मील की दूरी पर रहने वाले आइओवा के पूर्व प्रतिनिधि क्लेल बॉडलर ने कहा कि अब कुछ नहीं बचा। वहीं काउंटी मेडिकल परीक्षण लिसा ब्राउन ने पुष्टि की कि डेस मोइनेस से लगभग 90 मील दक्षिण-पश्चिम में एडम्स काउंटी में एक और तूफान आया था। जिससे कई मौतें हुईं। वहीं तूफान पूर्वानुमान केंद्र के अनुसार मंगलवार को क्षेत्र में आए शक्तिशाली तूफानों में आइओवा, मिनेसोटा, विस्कॉन्सिन और इलिनोइस के कुछ हिस्सों के लिए बवंडर घड़ी का संकेत दिया था। बवंडर घड़ी तभी जारी की जाती है, जब लंबे समय तक रहने वाले अधिक शक्तिशाली बवंडर की संभावना का ज्यादा होती है। तूफान के प्रकोप पर आयोव के गवर्नर किम रेनॉल्ड्स ने कहा कि आपातकाल की घोषणा की गई है।

आईटीबीपी हेडक्वार्टर में फायरिंग, एक जवान घायल

गंभीर हालत में हेलीकॉप्टर से रायपुर भेजा गया, नारायणपुर एसपी ने कहा- ये एक्सीडेंटल फायर

जगदलपुर, 22 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में आईटीबीपी हेडक्वार्टर में हुई फयरिंग में एक जवान घायल हो गया है। घायल जवान को इलाज के लिए चॉपर के जरिए रायपुर भेजा गया है। एसपी प्रभात कुमार ने कहा कि यह एक्सीडेंटल फायर है, फिलहाल जांच की जा रही है। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, बुधवार सुबह गोली चली है, जिसमें आईटीबीपी की 53 बटालियन का जवान मनीष एम घायल हो गया। जवान केरल के कोल्लम जिले का रहने वाला है। फायरिंग के फौरन बाद गंभीर हालत में उसे रायपुर भेजा गया है।

फिलिस्तीन को मान्यता देंगे आयरलैंड, नॉर्वे और स्पेन

नाराज इजराइल ने वापस बुलाए राजदूत, कहा- ये आतंकवाद को पुरस्कार देने जैसा

यरुशलम, 22 मई (एजेंसियां)। इजराइल-हमास जंग के बीच नॉर्वे, आयरलैंड और स्पेन ने औपचारिक रूप से फिलिस्तीन को मान्यता देने की घोषणा की है। ये देश अगले सप्ताह फिलिस्तीन को एक देश के रूप में मान्यता दे सकते हैं। इससे नाराज होकर इजराइल ने इन यूरोपीय देशों से अपने राजदूतों को वापस बुलाने का ऐलान किया है। विदेश मंत्री इजराइल काट्ज ने इस फैसले पर नाराजगी जताते हुए कहा कि नॉर्वे, आयरलैंड जैसे देशों का फिलिस्तीन को मान्यता देना आतंकवाद को पुरस्कार देने जैसा है। उन्होंने कहा कि इजराइल अपनी संप्रभुता को कमजोर करने वालों के खिलाफ चुप नहीं बैठेगा।

उन्होंने कहा कि स्पेन ने अगर फिलिस्तीन को मान्यता दी तो वे उचित कदम उठाएंगे। काट्ज ने ये भी कहा कि फिलिस्तीन को मान्यता देने का फैसला गाजा से बंधकों की वापसी और युद्धविराम की कोशिशों को नुकसान पहुंचा सकता है। उन्होंने कहा कि हम अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। हमारे नागरिकों के लिए सुरक्षा बहाल करना, हमास को खत्म करना और बंधकों को घर वापस लाना हमारी प्राथमिकताओं में शामिल है। उधर, नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गार स्टोर ने कहा कि फिलिस्तीन को एक देश के रूप में पहचान देने के अलावा मिडिल ईस्ट में शांति का कोई और रास्ता नहीं है। उन्होंने कहा कि वे अगले सप्ताह 28 मई को फिलिस्तीन को मान्यता देंगे। इससे पहले कुछ यूरोपीय देशों ने इजराइल को मान्यता देने की बात कही थी। 17 मई को स्पेन के पीएम पेड्रो सांचेज ने कहा था कि वे फिलिस्तीन को मान्यता देने पर विचार कर रहे हैं। इसके लिए वे अन्य देशों के साथ सहमति बनाने का प्रयास कर रहे हैं। पीएम सांचेज ने इसी साल मार्च में भी कहा था कि स्पेन, आयरलैंड, स्लोवेनिया और माल्टा के साथ मिलकर जल्द ही फिलिस्तीन को मान्यता देगा। वही आयरलैंड के विदेश मंत्री माइकल मार्टिन ने पिछले सप्ताह कहा था कि डबलिन इस महीने किसी भी कीमत पर फिलिस्तीन को मान्यता दे देगा। उन्होंने इसकी कोई निश्चित तारीख नहीं बताई थी। फिलिस्तीन को दुनिया के 140 से अधिक देशों ने मान्यता दे रखी है, लेकिन कई यूरोपीय देशों और अमेरिका ने ऐसा नहीं किया है।

रील बनाने के चक्कर में नदी में कूदा युवक, मौत

साहिबगंज, 22 मई (एजेंसियां)। साहिबगंज में रील बनाने के चक्कर में एक युवक ने 100 फीट की ऊंचाई से गहरे पानी में छलांग दी। छलांग लगाते ही 10 सेकेंड में उसकी जान चली गई। जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के करम पहाड़ के पास एक पत्थर खदान है। जो कई दिनों से बंद पड़ी है। वहीं नदी का पानी जमा है। युवक ने इसी में छलांग लगाई।

बताया जा रहा है कि 18 साल का तौसीफ अपने दोस्तों के साथ नहाने गया था, इसी दौरान तौसीफ ने वीडियो बनाने के लिए एक दोस्त को अपना मोबाइल दे दिया और धार्मिक नारों के साथ खदान के पानी में छलांग लगा दी। पानी में छलांग लगाने के दौरान पहले उसने खुद को बचाने की कोशिश की, हाथ-पैर भी मारना चाहा, लेकिन 10 सेकेंड के अंदर ही वह गहरे पानी में डूब गया। उसके दोस्त उसे बचाने के लिए कूदे, लेकिन उसे नहीं बचा पाए। काफी मशक्कत के बाद SDRF की टीम ने युवक के शव को पानी से बाहर निकाला। युवक के पानी में कूदने में वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

नदी में युवक के डूबने के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने इसकी सूचना थाना प्रभारी अनिश पांडे को दी। थाना प्रभारी मौके पर पहुंच मामले कि छानबीन की, स्थानीय कुछ गोताखोरों से छानबीन करवाई। काफी मशक्कत के बाद युवक का शव बरामद किया गया।

गर्मी में बिजली-पानी की निर्बाध आपूर्ति के सीएम ने दिए निर्देश

जयपुर, 22 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भीषण गर्मी की स्थिति को ध्यान में रखते हुए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) और विद्युत वितरण निगमों (डिस्कॉम) को बिजली और पानी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीक लोड की स्थिति में भी आमजन को बिजली कटौती और पानी की किल्लत का सामना न करना पड़े, इसके लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएं।

मुख्यमंत्री ने पीएचईडी मंत्री और ऊर्जा मंत्री को निर्देश दिया कि वे बढ़ी हुई मांग के अनुसार पानी और बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करते हुए प्रभावी प्रबंधन करें।

उन्होंने मुख्य सचिव को भी निर्देश दिए कि वे गर्मी के मौसम में बिजली की समस्याओं के निराकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सतत निगरानी करें और विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री शर्मा ने विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत कटौती और जल की कमी की समस्याओं को लेकर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने निर्देश दिए कि संबंधित विभागों के अधिकारी मुख्यालय पर ही रहें और बिना पूर्व अनुमति के मुख्यालय न छोड़ें।

जनता को राहत पहुंचाने के लिए हेल्पलाइन नंबरों का व्यापक प्रसार करने के साथ ही इन पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का त्वरित और समयबद्ध निस्तारण भी सुनिश्चित किया जाए। राज्य स्तर एवं जिलों में स्थापित कंट्रोल रूम की नियमित मॉनिटरिंग की जाए ताकि वे सक्रियता से कार्य कर सकें।

पीएचईडी ने गर्मी के दौरान पेयजल संबंधी सभी समस्याओं के समाधान के लिए राज्य स्तर पर एक कंट्रोल रूम स्थापित किया है, जहां 0141-2222585 पर संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। इसी प्रकार, बिजली आपूर्ति संबंधी समस्याओं की शिकायत विभिन्न डिस्कॉम्स द्वारा संचालित हेल्पलाइन नंबरों या बिजली मित्र एप के माध्यम से की जा सकती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गर्मी के मौसम में बिजली और पानी की मांग में वृद्धि स्वाभाविक है, लेकिन हमारी प्राथमिकता ये है कि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके लिए सभी संबंधित विभाग पूरी तत्परता से कार्य करें और समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें।

राज्य सरकार ने ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में निर्बाध जल एवं विद्युत आपूर्ति के लिए विशेष योजना बनाई है।

इसमें आपूर्ति नेटवर्क की समीक्षा, आवश्यक सुधार कार्य और आपातकालीन सेवाओं की तत्परता शामिल है। इसके साथ ही, आम जनता को जागरूक करने और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी संचार प्रणाली का भी प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों का पालन करते हुए, संबंधित विभागों ने तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी है।

जनता को किसी भी प्रकार की परेशानी से बचाने के लिए सभी आवश्यक संसाधनों का उपयोग किया जा रहा है। गर्मी के इस चुनौतीपूर्ण समय में राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ आमजन की सेवा में लगी हुई है।

यूनिवर्सिटी की कुलपति को लेनी पड़ गई 'पुलिस प्रोटेक्शन', क्यों गरमा रहा माहौल?

जयपुर, 22 मई (एजेंसियां)। राजस्थान यूनिवर्सिटी की कुलपति अल्पना कटेजा को इन दिनों छात्रों के एक समूह का ज़बरदस्त विरोध झेलना पड़ रहा है। मामला उस वक्त गरमा गया जब कुछ छात्र नेताओं की अगुवाई में छात्रों का एक समूह जबरन कुलपति सचिवालय में दाखिल हो गया।

छात्रों का ये समूह यूनिवर्सिटी के पीएचडी एंट्रेंस प्रक्रिया में कथित धांधली का विरोध जता रहे थे। छात्र नेताओं का कहना है कि इस प्रक्रिया में यूनिवर्सिटी प्रशासन और उसके अधिकारी नियमों के विपरीत जाकर अपने चहेतों को फ़ायदा पहुंचा रहे हैं।

विरोध-प्रदर्शन के दौरान उस वक्त ज़्यादा हंगामा हो गया जब कुलपति अल्पना कटेजा अपने कक्ष से बाहर निकलीं। छात्रों ने उन्हें घेर लिया। इससे मौके पर अचानक हड़कंप की स्थिति बन गई। नौबत यहां तक आ गई कि कुलपति को पुलिस प्रोटेक्शन के बीच सुरक्षित बाहर निकालना पड़ गया।

छात्रों ने आरोप लगाते हुए कहा कि यूजीसी ने विश्वविद्यालयों को साक्षात्कार के 30 प्रतिशत अंकों को शामिल करने के लिए निर्देशित किया है। लेकिन विश्वविधायालय प्रशासन इन निर्देशों को नहीं मानकर मनमानी तरीके से भाई-भतीजावाद व गफलत करके निजी लोगों को फ़ायदा पहुंचाने की मंशा से काम कर रहा है।

छात्रों ने सवाल उठाते हुए पूछा है कि क्या नेट परीक्षा के अंकों के आधार पर प्रवेश नहीं दिया जा सकता? क्या ये साक्षात्कार के 30% अंकों को हटाया नहीं जा सकता?

झुंझुनू और करौली की घटनाओं पर बरसे नेता प्रतिपक्ष जूली

जयपुर, 22 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के झुंझुनू के सूरजगढ़ थाना इलाके में शराब माफियाओं द्वारा गांव के युवक रामेश्वर वाल्मीकि को बर्बरतापूर्वक पीटने और करौली के हिंडौन सिटी के नई मंडी थाना क्षेत्र में एक मूकबधिर आदिवासी नाबालिग बेटी को जलाए जाने के संबंध में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भजनलाल सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया है। जिसमें नेता प्रतिपक्ष जूली ने भजनलाल सरकार पर हमला बोला है।

पर्ची सरकार पूरी तरह फेल- जूली

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने पोस्ट कर लिखा कि 'भाजपा सरकार में राजस्थान में क़ानून व्यवस्था चौपट हो चुकी है। दलितों को सेरेआम पीटपीट कर जान से मारा जा रहा है। नाबालिक बेटियों के साथ जिस प्रकार की दरिंदगी आये दिन सामने आ रही है। राजस्थान में जंगल राज जैसे हालात उत्पन्न हो चुके है।' उन्होंने आगे कहा कि 'डबल इंजन की सरकार का दंभ भरने वाली भाजपा की यह पर्ची सरकार पूरी तरह फेल हो चुकी है। भजनलाल जी केवल भ्रमण मुख्यमंत्री बनकर रह गए है।'

आरोपी गिरफ्तार

हालांकि शराब माफियाओं द्वारा बर्बरतापूर्वक पीटने के मामले में सूरजगढ़ थाने के हिस्ट्रीशीटर दीपेंद्र उर्फ चिंटू राजपूत निवासी बलौदा, प्रवीण उर्फ पीके मेघवाल निवासी बलौदा, प्रवीण उर्फ बाबा मेघवाल निवासी उरीका, सुभाष उर्फ चिंटू मेघवाल निवासी बलौदा तथा सतीश उर्फ सुखा मेघवाल निवासी बलौदा को गिरफ्तार कर लिया है।

इधर, करौली में मूकबधिर आदिवासी नाबालिग बेटी को जलाए जाने के मामले में बच्ची के बयान के आधार पर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस द्वारा आगे की कार्रवाई जारी है।

अशोक गहलोत ने हमारे जख्मों पर छिड़का नमक

विश्वेंद्र सिंह के बेटे ने लगाए गंभीर आरोप

भरतपुर, 22 मई (एजेंसियां)। पूर्व राजपरिवार के विवाद के लिए पूर्व मंत्री विश्वेंद्र सिंह की पत्नी दिव्या सिंह और बेटे अनिरुद्ध सिंह ने पूर्व सीएम अशोक गहलोत को जिम्मेदार बताया है। पूर्व सांसद दिव्या सिंह और अनिरुद्ध सिंह ने अशोक गहलोत पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि गहलोत साहब ने आग में हमारे पारिवारिक झगड़े में घी डालने का काम किया। साथ ही पूछा कि अशोक गहलोत ने मोती महल की सुरक्षा क्यों हटाई थी?

पूर्व राजघराने के विवाद को लेकर हुई पंचायत के बाद बुधवार को पूर्व सांसद दिव्या सिंह और अनिरुद्ध सिंह ने प्रेस वार्ता की। इस दौरान दिव्या सिंह और अनिरुद्ध सिंह ने कहा कि पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने भरतपुर राज परिवार के आपसी झगड़े के बीच आग में घी डालने और हमारे जख्मों पर नमक डालने का काम किया। गहलोत के इशारे पर हमारे कॉल रिकार्ड किए गए। मोती महल पर लगे सुरक्षा गार्ड को भी हटाया गया था।

उन्होंने कहा कि गहलोत के शासन काल में हमारे पास थ्रेट कॉल आते हैं। हमने ढाई साल पहले भरतपुर एसपी को भी इस बारे में पत्र लिखकर शिकायत की थी। गहलोत ने ही मोती महल के बाहर सौंदर्यकरण के कामों को रोका। मोती महल से जब सुरक्षा गार्ड को हटाया तो हमने गहलोत से मिलने के लिए कई बार समय मांगा। लेकिन, मुलाकात का समय नहीं मिला। आखिर समझ नहीं आ रहा कि गहलोत साहब हमारे पर्सनल झगड़े में क्यों पड़े? पैंघोर में हुई महापंचायत को लेकर दिव्या सिंह ने कहा कि पंचायत ज्यादा वजूद नहीं रखती है।

इन प्रॉपर्टी को बेचने का दावा

अनिरुद्ध सिंह ने विश्वेंद्र सिंह पर आरोप लगाते हुए कहा कि पूर्व राजपरिवार की बेशकीमती प्रॉपर्टी को बेच दिया गया। उन्हें इसकी जानकारी प्रॉपर्टी का बेचान होने के बाद हुई थी। इसमें बांध बारैठा का किशन महल, शिमला की कोठी, माउंट आबू में भरतपुर हाउस, आगरा में हरी पर्वत कोठी, पुष्कर में घाट, गोवर्धन मुकुट मुखारबिंद मंदिर, महारानी श्रीजया गिरिराज मंदिर गोवर्धन, गोवर्धन में पूर्व राजपरिवार की छतरी व मोक्षधाम, गोवर्धन की कोठी, किला परिसर स्थित महल खास को बेच दिया गया।

पूर्व राजपरिवार के विवाद को लेकर हुई पंचायत

इधर, कुम्हेर के गांव पैंघोर स्थित चामड़ माता मंदिर पर बैठक पूर्व प्रधान यदुवीर सिंह कौरेर की अध्यक्षता में बैठक हुई। जिसमें पूर्व राजपरिवार के सदस्य एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री विश्वेंद्र सिंह, उनकी पत्नी पूर्व सांसद दिव्या सिंह व उनके पुत्र अनिरुद्ध सिंह के बीच चल रहे विवाद को सुलझाने के लिए बात की गई। साथ ही मंत्री पुत्र अनिरुद्ध सिंह के सोशल मीडिया पर जाट समाज को लेकर की गई टिप्पणी की निंदा की गई। बैठक के बाद विश्वेंद्र सिंह के समर्थक प्रताप सिंह महरावर के नेतृत्व में उनसे मिले। इसमें बैठक में हुए निर्णय के बारे में अवगत कराया गया। माना जा रहा है कि अब जल्द ही महापंचायत आयोजित होगी। जिसमें पूर्व राजपरिवार के विवाद को सुलझाने पर चर्चा की जाएगी।

सेंट्रल जेल में कैदी की जेल प्रशासन के खिलाफ भूख हड़ताल

अधीक्षक बोले- उत्पात की सजा पा रहा कैदी

जयपुर, 22 मई (एजेंसियां)। जेल में बंद आरोपी तौफिक खान के भाई जाकिर हुसैन ने मीडिया से बात करते हुए जेल प्रशासन पर आरोप लगाया है कि उसका सगा भाई जो पिछले 3 साल से जयपुर सेंट्रल जेल में बंद है, उसके मानवीय अधिकारों का हनन किया जा रहा है। जिसके चलते कैदी तौफिक खान पिछले 5 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठा हुआ है। कैदी के भाई ने आरोप लगाया है कि कैदी के साथ जेल में अमानवीय व्यवहार किया जा रहा है और उसको डबल सेल में प्रताड़ित करने के लिए रखा गया है। इसकी सूचना परिवार द्वारा वकील के माध्यम से NDPS कोर्ट को भी दी गई थी। जिसपर संज्ञान लेते हुए कोर्ट ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जेलर हेमराज वैष्णव से वास्तु स्तिथि की जानकारी लेते हुए जेलर और उप जेलर को कैदी तौफिक खान के साथ किसी भी प्रकार का क्रूर व्यवहार ना करने के लिए पाबंद कर दिया है।

इन आरोपों का जवाब देते हुए जेल अधीक्षक राकेश मोहन शर्मा ने बताया कि तौफिक खान आदतन अपराधी है। पिछले 3 सालों से जेल में है, उसका आना जाना जारी रहता है। NDPS में आता जाता रहा है। इसके व्यवहार में क्रूरता दिखाई देती है, जिसने जेल में जेलर से कई बार दुर्व्यवहार किया है और इसकी ही उसे सजा दी गई है। अब वो आराम से अपने बैरिक में रह रहा है। तौफिक खान और उसके परिवार जनों के द्वारा जो आरोप लगाए जा रहे है वो जेल प्रशासन पर प्रेशर बनाने और उसकी अनुशासनहीनता को छुपाने के लिए लगाए जा रहे है। जिनका कोई आधार नहीं है, यह आरोप बेबुनियाद और झूठे है।

पूर्व सभापति शेखावत से जिला प्रशासन मांगे माफी, नहीं तो करेंगे आंदोलन

अजमेर, 22 मई (एजेंसियां)। महासंघ के अध्यक्ष महेंद्र बंसल और महासचिव रमेश लालवानी ने कहा कि एनजीटी में नगर निगम की ओर से दिए हलफनामे में पूर्व सभापति सुरेंद्र सिंह शेखावत के खिलाफ टिप्पणी किए जाने से व्यापारियों में रोष है। उन्होंने कहा कि अजमेर के आनासागर झील को पिछले वर्षों अजमेर के ही नागरिको के द्वारा श्रमदान करके मिट्टी निकालकर पानी की क्षमता बढ़ाने का कार्य किया गया और यह अजमेर के लोगों के लिए ही नहीं, परन्तु आने जाने वाले जायरीन और पर्यटकों के लिए भी दर्शनीय रमणीक स्थल हैं।

पिछले अनेक माह से आनासागर की दुर्दशा पर शहर के प्रत्येक नागरिक को पीड़ा है और उनमें रोष व्याप्त है। इस स्मार्ट सिटी कहलाने वाले अजमेर शहर के अति प्रतिष्ठित नागरिक सुरेन्द्र सिंह शेखावत (लाला बन्ना) पूर्व सभापति नगर निगम, जोकि होटल व्यवसाय से जुड़े और राजा साइकिल नगर रोड क्षेत्र व्यापारिक संगठन के अध्यक्ष हैं। उनके विरुद्ध जिला प्रशासन स्मार्ट सिटी के चेयरमेन के माध्यम से नेशनल ग्रीनी ट्रिब्यूनल एनजीटी भोपाल के कोर्ट में अनर्गल टिप्पणी करके उनके पास कोई कार्य नहीं होने प्रशासनिक अधिकारियों को अनावश्यक परेशान करने और नगर निगम की आय को रोकने जैसे अनेक आरोप लगाए हैं।

अजमेर व्यापारिक महासंघ इस संबंध में जिला प्रशासन को चेतावनी देता है कि अजमेर व्यापारिक महासंघ से जुड़े सुरेंद्र सिंह शेखावत जोकि एक अत्यन्त प्रतिष्ठित नागरिक के भावनाओं को और उनकी प्रतिष्ठा को पहुंचाई गई, उस ठेस के लिए माफी नहीं मांगेगा तो अजमेर व्यापारिक महासंघ अपने अपने प्रतिष्ठानों व बाजारों को बन्द करके जिला प्रशासन के विरुद्ध अजमेर को बन्द करके विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

बीकानेर में 47 डिग्री पार पहुंचा पारा

तपती रेत पर बीएसएफ जवान ने सेंका पापड़; तस्वीर वायरल

बीकानेर, 22 मई (एजेंसियां)। देश में इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है। कई जगहों पर तापमान 44 डिग्री के पार पहुंच चुका है। आलम ये है कि गर्मी के कारण लोगों का हाल बेहाल है। ऐसे में राजस्थान से एक ऐसी फोटो सामने आई है, जिसे देखकर आप चौंक जाएंगे।

बीकानेर में किस तरह की गर्मी पड़ रही है, इसका अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि बीएसएफ के जवानों ने रेत पर पापड़ सेंके हैं। फोटो में देखा जा सकता है कि हमारे जवान किस तरह विपरीत परिस्थितियों में हमारे देश की सीमाओं की सुरक्षा में लगे हैं। एक ओर लोग गर्मी से निजात पाने के लिए एसी और कूलर का सहारा ले रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर देश की सीमाओं में तैनात हमारे जवान इस आग उगलने वाली गर्मी में दिन-रात चौकस है, ताकि हम सुरक्षित रह सके।

वायरल फोटो बीकानेर के खाजूवाला से लगती पाक सीमा का बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि राज्य का सबसे गर्म शहर बीकानेर है। भीषण गर्मी में भी देश की रक्षा के लिए जवान रेतीले रेगिस्तान में डटे हैं। इसी दौरान जवानों ने रेत पर पापड़ सेंके।

5.45 ग्राम स्मैक के साथ पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

बाइक को भी किया जब्त

सिरोही, 22 मई (एजेंसियां)। गुजरात सीमा से सटे सिरोही जिले में अब स्मैक तस्करी एवं सप्लाई का अवैध कारोबार तेजी से फलफूल रहा है। सिरोही शहर की ही बात करें तो महज 24 घंटे में दूसरा मामला पकड़ा गया है। इसमें सिरोही सदर पुलिस एवं डीएसटी टीम द्वारा आरोपी के पास से 5.45 ग्राम स्मैक जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। वहीं एक मोटर साइकिल भी जब्त की गई है।

पुलिस थाना सिरोही सदर थानाधिकारी हंसाराम चौधरी की अगुवाई में पुलिस एवं डीएसटी टीम द्वारा डाबा हनुमानजी रोड से आरोपी सरफराज खान पुत्र निसार मोहम्मद को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के पास से 5.45 ग्राम स्मैक एवं मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है।

सरकारी अस्पताल के बाहर से युवक का अपहरण

पुलिस ने नाकाबंदी कर छुड़वाया, आठ आरोपी गिरफ्तार

बूंदी, 22 मई (एजेंसियां)। सरकारी अस्पताल के बाहर से युवक के अपहरण मामले में पुलिस ने आठ लोगों को इस मामले में गिरफ्तार किया है और अपहरण के काम में ली गई बोलेरो कार को भी जब्त किया गया है। पुलिस की जांच पड़ताल में सामने आया है कि जिस युवक का अपहरण किया गया था, वह युवक अपहरणकर्ताओं के परिवार में से एक युवती को भगाकर ले गया था और उसने युवती से शादी कर ली। जिसका बदला लेने के लिए उन्होंने इस वारदात को अंजाम दिया दिया है। कार्रवाई को अंजाम देने में सदर थाना, कोतवाली, तालेड़ा, केशवरायपाटन थाना पुलिस की अहम भूमिका रही। पीड़ित युवक राधेश्याम बागरी ने बताया कि बूंदी जिला अस्पताल में तबीयत खराब होने के चलते अपनी बहन को भर्ती करवाने के लिए आया था। दवाई के सिलसिले में मेडिकल स्टोर पर जाने के दौरान जयपुर नंबर की एक बोलेरो कार आई और उसमें से आधा दर्जन से अधिक युवक उतरे और मेरे साथ सारेआम मारपीट करते हुए मुझे बोलेरो में दखेल दिया और किडनैप करते हुए ले गए। अपहरण के दौरान कार में मारपीट करते हुए मुझे ले जा रहे थे। उधर इस मामले में कोतवाली थाने के सहायक निरीक्षक खेमराज मीणा ने बताया कि अपहरण की सूचना युवक की मां ने तत्परता दिखाते हुए कोतवाली थाना पुलिस को पुलिस ने पूरे जिले पर में नाकेबंदी करवाई।

आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाल तो कलेक्ट्रेट और डिस्ट्रिक क्लब तिराहे पर युवक को बोलेरो कार में ले जाते हुए युवक नजर आए। इस पर पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज जिले के सभी थानों पर भेजे, जहां केशोरायपाटन थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान बोलेरो कार को पकड़ लिया और अपहरणकर्ताओं के चंगुल से युवक को छुड़ा लिया।

सूचना पर कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और बदमाशों को गिरफ्तार कर कोतवाली थाना लाया गया।

पुराने कपड़ों की आड़ में शराब से भरा कैंटर पकड़ा, दो जने गिरफ़्तार

श्रीगंगानगर, 22 मई (एजेंसियां)। पड़ौसी राज्यों पंजाब-हरियाणा में होने वाले लोकसभा चुनाव के मतदान से पहले जिला पुलिस प्रशासन ने नशे के खिलाफ मुहिम में शराब से भरे कैंटर को काबू कर दो आरोपियों को गिरफ़तार किया है। डीएसटी के प्रभारी एसआई रामविलास बिश्नोई की अगुवाई में पुलिस की स्पेशल टीम ने करीब 25 लाख रुपए का कैंटर भी जब्त किया है। पुराने कपड़ों की गांठों की आड़में इस कैंटर में 20 लाख रुपए की कुल 221 पेटियों में भरी हुई थी। इन पेटियों में पंजाब-हरियाणा निर्मित अंग्रेजी शराब की 2652 बोतलों को जब्त किया गया है। इस बीच, पुलिस अधीक्षक गौरव यादव ने बताया कि राजियासर सीआई सतीश कुमार और एएसआई हनुमानप्रसाद की टीम ने नाकाबंदी की। इस दौरान कैंटर की तलाशी ली। इस कैंटर की बॉडी का पार्टीशन करके पीछे के पार्टीशन में प्लास्टिक कट्टों में पुराने कपडों की गांठे और आगे के पार्टीशन जिसकी खिडकी को कैंटर के केबिन के पीछे अदृश्य रखा जाकर कैंटर के अन्दर रॉयल चैलेजिंग गत्ते की 51 पेटियों में कुल 612 शिल्ड बोतल शराब, मैकडॉल नम्बर वन गत्ते की 106 पेटियों में कुल 1272 शिल्ड बोतल शराब, ऑल सीजेन्स गते की 14 पेटियों में कुल 168 शिल्ड बोतल शराब, इम्यूल ब्ल्यू गते की 50 पेटियों में कुल 600 शिल्ड बोतल शराब कुल मिलाकर करीब 25 लाख कीमत के कैंटर में करीब 20 लाख रूपये कीमत की अवैध शराब की कुल 221 पेटियों में 2652 बोतल अवैध शराब बरामद की।

युवक के साथ तालिबानी बर्बरता

शराब माफियाओं ने दलित युवक को बुरी तरह पीटा; हुई मौत

झुंझुनू, 22 मई (एजेंसियां)। झुंझुनू के सूरजगढ़ थाना इलाके में 14 मई को बलोदा गांव में शराब माफियाओं द्वारा गांव के युवक रामेश्वर वाल्मीकि का अपहरण कर बेहरमी से मारपीट कर हत्या कर देने के मामले में अब शराब माफियाओं द्वारा युवक के साथ बर्बरतापूर्वक की गई मारपीट के दो वीडियो सामने आये हैं। वीडियो में शराब माफिया युवक के पैर बांध कर लाठियों से जमकर मारपीट कर रहे हैं। युवक के हाथ पैर दो युवक पकड़े हुए हैं, जबकि एक युवक लाठी से जमकर मारपीट कर रहा है। मुताबिक युवक रामेश्वर का शराब माफिया अपहरण कर ले गए थे, जिसके बाद एक हवेली में बेरहमी से मारपीट की, जिसके कारण युवक की मौत हो गई।

मगरमच्छ के मुंह से बाहर निकला किसान

सिंघाड़े की बेल देखने के लिए पानी में उतरा था; एक पैर भी चबाया

अलवर, 22 मई (एजेंसियां)। सदर थाना क्षेत्र सिलीसेढ़ झील के पास खेत में काम कर रहे किसान पर मगरमच्छ ने हमला किया और उसे जबड़े में दबाकर गहरे पानी में खींचने का प्रयास किया, लेकिन किसान ने हार नहीं मानी और मगरमच्छ के मुंह से सकुशल बाहर निकल आया।

किसान छोटेलाल ने बताया की सिलीसेढ़ झील के समीप उसने सिंघाडे की खेती कर रखी है। घटना के वक्त वो बेल सही करने के लिए पानी में उतरा था, तभी पानी में मौजूद मगरमच्छ ने उस पर हमला बोल दिया। मगरमच्छ ने छोटेलाल के पैर को जबड़ों से पकड़कर खेत में मौजूद पानी के अंदर खींचने का प्रयास किया।

इस दौरान छोटेलाल ने मगरमच्छ से संघर्ष करते हुए उसपर वार करना शुरु कर दिया। वार से मगरमच्छ ने किसान छोटेलाल को छोड़कर पानी में उतर गया। मगरमच्छ के वार से छोटेलाल के पैर में गंभीर घाव हो गए। घायल अवस्था में उन्हें अलवर के राजकीय सामान्य चिकित्सालय में इलाज के लिए भर्ती कराया, जहां उनका उपचार जारी है।

मासिक अपराध समीक्षा बैठक संपन्न : एसपी

दर्ज किए गए प्रत्येक मामले में साक्ष्य एकत्र कर पारदर्शिता से जांच की जाए

आसिफाबाद , 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला एसपी सुरेश कुमार ने पुलिस अधिकारियों को नकली बीज बेचने पर भी मालिकों के खिलाफ मामला दर्ज करने और सख्त कार्रवाई करने और संबंधित पुलिस स्टेशनों में दर्ज प्रत्येक मामले में साक्ष्य इकट्ठा करने का निर्देश दिया। आज जिला पुलिस अधीक्षक ने सभाकक्ष में जिले के पुलिस पदाधिकारियों के साथ मासिक अपराध समीक्षा बैठक की। इसमें अधिकारियों को संबंधित थाने में दर्ज कांडों में लंबित गिरफ्तारी के कारणों का पता लगाने और गिरफ्तारी के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया गया। कुछ पंजीकृत मामले अभी भी यूआई में क्यों हैं, इसके कारणों की जांच की जा रही है। यह सुझाव दिया गया है कि यूआई मामलों के लिए आवश्यक डीएनए, एफएसएल और मेडिकल रिपोर्ट को लंबित न रखते हुए तुरंत तैयार किया जाना चाहिए और अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया जाना चाहिए।

मामलों की जांच में जरूरी हर सबूत और सुराग जुटाने का आदेश

दिया गया। गुमशुदगी, संपत्ति और सड़क दुर्घटना के मामलों की फाइलों और की जाने वाली कार्रवाई पर कई आदेश जारी किए गए हैं। पुलिस स्टेशनों के अनुसार आवश्यक सुराग एकत्र करने, लंबित रिपोर्टों को प्राप्त करने, थाना रिकॉर्ड को अपडेट करने के बारे में उचित सुझाव दिए गए। उन्होंने कहा कि तिलजेसी गांवों और शहरी कॉलोनियों में लोगों के साथ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि लोगों को जागरूक करने के लिए बाल विवाह, साइबर अपराध, ड्रग्स और भागने के मामलों पर सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए। यह सुझाव दिया गया है कि साइबर अपराध से संबंधित फ्रीज किए गए खातों में नकदी को रोककर अदालत की अनुमति से आरोपी को सौंप दिया जाना चाहिए।

यह सुझाव दिया गया है कि पुलिस स्टेशन में प्राप्त प्रत्येक शिकायत को ऑनलाइन दर्ज किया जाना चाहिए और कर्मचारियों के दैनिक कर्तव्यों को दर्ज करने वाली सामान्य डायरी को अद्यतन किया जाना चाहिए।

जब किसान बरसात के मौसम में खेती करने की तैयारी कर रहे हैं तो नकली बीज बेचने के कुछ प्रयास किए जा रहे हैं। नकली बीज बेचने वालों की जानकारी जुटाकर अधिकारियों को उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए उनके बारे में जानकारी जुटाकर उनके खिलाफ कानून के मुताबिक सख्त कार्रवाई करने को कहा। इसी प्रकार नकली बीजों को अन्य क्षेत्रों से जिले में परिवहन करने के स्थान पर सीमावर्ती क्षेत्रों में चेक पोस्ट स्थापित की जाए, अवैध परिवहन के क्षेत्रों एवं मार्गों की पहचान कर आकस्मिक निरीक्षण किया जाए तथा मोबाइल चेक पोस्ट स्थापित किए जाएं।

जिले के एसपी ने बताया कि चुनाव के मद्देनजर चलाए गए विशेष मादक द्रव्य अभियान और चेक पोस्ट ड्यूटी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वालों को प्रशंसा प्रमाण पत्र दिए गए।

इस बैठक में आसिफाबाद डीएसपी सदैया, कागजनगर डीएसपी करुणाकर, जिले के सभी पुलिस स्टेशनों के सीआई, एसएसआई, आरआई, डीसीआरबी, आईटी, डिवीजनल एसएसआई, डीपीओ स्टाफ और अन्य पुलिस कर्मियों ने भाग लिया।

दो टैंकों में पाली गई मछलियों को दिया गया जहर!

2 क्विंटल मछलियांमर गईं, लाखों का नुकसान

कुमराम भीम आसिफाबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दो अलग-अलग घटनाओं में, बुधवार को अज्ञात व्यक्तियों ने दो सिंचाई टैंकों में पाली जा रही मछलियों को जहर दे दिया। पहली घटना में अज्ञात व्यक्तियों ने अंदुगुलागुडा गांव में थलंडी बलराम नामक व्यक्ति द्वारा मछली पालने वाले टैंक में एक जहरीला रसायन मिला दिया, जिससे लगभग दो क्विंटल मछलियां मर गईं। नुकसान की कीमत 1 लाख रुपये आंकी गई है। हालांकि, बलराम ने पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई।

दूसरी घटना में, बदमाशों ने मंगलवार को मोगाद धागड़ गांव में एक टैंक में कुछ जहर गिरा दिया, जिसमें स्थानीय मछुआरे मछली पाल रहे थे। घटना का खुलासा बुधवार को हुआ। नुकसान की कीमत एक लाख रुपये आंकी गयी। एक मछुआरे इरमा सुधाकर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच चल रही है।

नकली बीज की बिक्री पर सख्ती

टास्क फोर्स के अधिकारियों ने 70 किलोग्राम नकली कपास के बीज जब्त किए

आसिफाबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एसपी के. सुरेश कुमार, के आदेश अनुसार, टास्क फोर्स के अधिकारियों ने जिले के विभिन्न मंडलों में नकली कपास के बीज बेचे जाने की सूचना के आधार पर चिन्थलामनपल्ली मंडल के गुडेम गांव में महाराष्ट्र ले जाए जा रहे 70 किलोग्राम नकली कपास के बीज जब्त किए। टास्क फोर्स सीआई राणा प्रताप के अनुसार गुडेम गांव के रास्ते कपास के बीज महाराष्ट्र ले जाए जाते थे। गुडेम गांव में वाहनों की जांच की गई और गांव से बाइक पर आ रहे दो लोगों ने पुलिस अधिकारियों को देखा तो दो बैग गिराकर भागने की कोशिश की। पुलिस ने उन्हें बाइक सहित पकड़ कर जामातलाशी ली तो नकली कपास के बीज पाए गए। पकड़े गए आरोपी का नाम चपिले विनोद पुत्र मधुन्या, ग्राम गंगापुर है। तीन लोग फरार होने में सफल रहे।

टास्क फोर्स सीआई ने कहा कि चार लोगों के खिलाफ चिंतालामनापल्ली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। उनके पास से लगभग एक लाख पचास हजार रुपये मूल्य के 70 किलोग्राम नकली कपास के बीज जब्त किए गए और चिंतालामनापल्ली पुलिस स्टेशन को सौंप दिए गए।

सीआई ने चेतावनी दी कि जिले में निर्दोष किसानों को धोखा देने वालों और नकली कपास बीज बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की एआई और कंटेंट क्रिएशन की कक्षायें आरंभ

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलेंगाना द्वारा पार्क लेन सिकंदराबाद में युवाओं और बालक , बालिकाओं के लिए एनीमेशन , गेमिंग , आर्टिफीसियल इंटेलीजेंस एवं कंटेंट क्रिएशन की कक्षायें आरम्भ की गई । यह कक्षायें 28 मई तक चलेगी । यह कक्षायें केवल अग्रवाल बंधुओं के लिए होगी और इन कक्षाओं के लिए कोई शुल्क नहीं रखा गया है ।

आज अग्रवाल समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल एवं श्रीमती ललिता देवी हिसारिया द्वारा इस कक्षा का शुभारंभ किया गया । इस अवसर पर अग्रवाल समाज से , सह मंत्री श्रीमती कंचन अग्रवाल ,उमेश अग्रवाल , प्रेम अग्रवाल जोन को आर्डिनेटर सत् प्रकाश अग्रवाल , ओमेश अग्रवाल, विकास हिसारिया , विशाल हिसारिया, विकास केसान एवं कक्षा में भाग लेना वाले छात्रों के अभिभावक उपस्थित थे।

विश्व जैव-विविधता दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व जैव-विविधता दिवस 2024 के अवसर पर आज 22 मई, 2024 को भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद एवं नेहरु प्राणी उद्यान, हैदराबाद के संयुक्त प्रयासों से भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के द्वारा नेहरु प्राणी उद्यान के परिसर में श्री अन्न विविधता के प्रदर्शन हेतु स्टाल लगाया गया। जिसमें श्री अन्न की खेती एवं प्रसंस्करण हेतु विकसित प्रौद्योगिकियों एवं प्रकाशनों के साथ-साथ श्री अन्न फसलों की बालियों एवं मूल्यवर्धित उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर आगंतुकों को श्री अन्न के स्वास्थ्य लाभ एवं पर्यावरिक लाभ के संबंध में जागरुक किया गया।

उक्त प्रदर्शनी का समन्वय एवं संचालन भाश्रीअनुसं की ओर से डॉ. श्रीमती सी तारा सत्यवती, निदेशक एवं डॉ. बी दयाकर राव, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, न्यूट्रीहब के दिशा-निर्देश में डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा) तथा नेहरु प्राणी उद्यान की ओर से श्रीमती ए नागमणी, एसएफएस, उप संग्रहाध्यक्ष, नेहरु प्राणी उद्यान के दिशा-निर्देश में श्री दीपक तरुण, शिक्षा अधिकारी के द्वारा किया गया।

2.55 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की जाएगी

खम्मम, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वीपी गौतम ने बताया कि खम्मम जिले में लगभग 1.20 लाख मीट्रिक टन धान खरीदने की योजना बनाई गई थी। अब तक 20 हजार मीट्रिक टन धान खरीदा जा चुका है। जिले भर में 157 धान क्रय केंद्र बनाए गए हैं और 90 केंद्रों पर धान खरीद शुरू हो गई है। उन्होंने कहा कि सभी केन्द्रों पर किसानों के लिए तराजू, नमी जांचने की मशीन, तिरपाल शीट एवं बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करायी गयी हैं। मिलर्स और व्यापारी किसानों के कह्लों पर अनाज खरीद रहे थे, जिससे क्रय केंद्रों पर धान की आवक कम हो गई।

कोठागुडेम जिला कलेक्टर डॉ. प्रियंका आला ने बताया कि जिले में 136 खरीद केंद्रों के माध्यम से धान की खरीद की जा रही है। 1.33 लाख मीट्रिक टन धान खरीदने की उम्मीद थी और अब तक 2,081 किसानों से 1.24 लाख क्विंटल धान खरीदा जा चुका है। किसानों के बैंक खातों में 24 करोड़ रुपए की राशि जमा करायी गयी है। शेष धान खरीद की प्रक्रिया मई के अंत तक पूरी होने की उम्मीद थी। उन्होंने कहा कि विपणन अधिकारियों को तिरपाल उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया ताकि असामयिक बारिश के कारण धान भीग न जाए।

देश का आर्थिक विकास भाजपा से ही संभव है : नागेश

आसिफाबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला केंद्र में भाजपा नेता अरिगेला नागेश्वर राव के आवास पर आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में भाजपा नेता गोडेम नागेश ने कहा कि देश की आर्थिक सुधार केवल प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के साथ ही संभव होगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने भले ही मतदाताओं को प्रलोभन दिया, लेकिन मतदाता उनके सामने नहीं आये।

उन्होंने कहा कि देश की रक्षा प्रधानमंत्री मोदी के हाथों में होगी। उन्होंने याद दिलाया कि मंचिरयाला से कुमरामभीम जिले के माध्यम से महाराष्ट्र सीमा तक राजमार्ग सड़क का निर्माण 2.5 हजार करोड़ रुपये की लागत से किया गया है।

इसके अलावा ग्राम्य विकास विभाग द्वारा गांवों में सीसी रोड, साइड नालियां व अन्य विकास कार्य कराए गए हैं।

बताया गया कि आसिफाबाद जिला केंद्र में रूर्बन फंड के माध्यम से कई कार्यक्रम चलाए गए हैं। इस बैठक में निर्वाचन क्षेत्र प्रभारी कोटनका विजय कुमार, वरिष्ठ नेता अरिगेला नागेश्वरराव, जिला उपाध्यक्ष कंड्रे विशाल, एमपीपी मल्लिकार्जुन यादव, नेता प्रसाद गौड़, विलास, सत्यनारायण, पेंटैया, प्राहा लाड अन्य ने भाग लिया।

बैकअप बिजली प्रणालियों की करें जांच

सरकारी अस्पतालों को लेकर स्वास्थ्य मंत्री का अधिकारियों को निर्देश

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी अस्पतालों में बिजली कटौती पर चिंता व्यक्त करते हुए स्वास्थ्य मंत्री सी दामोदर राजनरसिम्हा ने बुधवार को स्वास्थ्य अधिकारियों को राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों में बैकअप बिजली प्रणालियों की जांच के लिए इंजीनियरों को तैनात करने का निर्देश दिया। राजनरसिम्हा ने एमजीएम अस्पताल, वारंगल में बिजली की स्थिति की समीक्षा की और तेलंगाना चिकित्सा सेवा एवं अवसंरचना विकास निगम के प्रबंध निदेशक को राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों की बैकअप बिजली प्रणालियों की कार्यक्षमता की जांच करने और यदि आवश्यक हो तो खराब जनरेटर प्रणालियों की मरम्मत करने या उन्हें बदलने का निर्देश दिया।

एमजीएम अस्पताल के अधिकारियों के अनुसार मंगलवार शाम 6.15 बजे मुख्य एचटी लाइनों और एमजीएम बिजली लाइनों के बीच वीसीबी (वैक्यूम सर्किट ब्रेकर) के कारण एमजीएम अस्पताल में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। हालांकि, एमजीएम अस्पताल में बैक-अप जनरेटर ने आपातकालीन, आईसीयू, ऑपरेशन थिएटर, स्पेशलिटी और सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक, रोगी वार्ड, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य वार्ड सहित रोगी देखभाल क्षेत्रों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की।

अधिकारियों ने बताया कि डायलिसिस विंग के मरीजों ने बैटरी बैक-अप के माध्यम से अपना डायलिसिस उपचार जारी रखा और रात 9 बजे तक एनपीडीसीएल इंजीनियरिंग विंग द्वारा एमजीएम अस्पताल में पूरी आपूर्ति फिर से शुरू कर दी गई। मंत्री ने अधिकारियों से एक रिपोर्ट सौंपने और यदि कोई चूक हुई हो तो उसके लिए जिम्मेदारी तय करने को कहा। उन्होंने अधिकारियों को भविष्य में ऐसी स्थितियों से बचने के लिए उपाय करने का भी निर्देश दिया।

एसीपी के हत्थे चढ़ा नगर निगम कमिश्नर

निर्मल, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। निर्मल जिले के भैंसा शहर नगर निगम कमिश्नर सहित अन्य अधिकारी को एसीपी की टीम ने बुधवार को दिलारपुर टोल नाके पर पकड़ लिया। एसीपी के डीएसपी वि.वि रमना मूर्ति, इंस्पेक्टर कृष्ण कुमार ने बताया कि भैंसा के लाला सराफी राधेश्याम की शिकायत पर अधिकारियों ने कार्रवाई की है। उन्होंने बताया कि राधेश्याम को आए दिन गृह टैक्स नहीं भरने के कारण बताकर नोटिस दी गई उसे घर के अवेध निर्माण बता कर तोड़ने की बात बता कर धमकाया गया। जब की राधेश्याम ने 2022 में घर निर्माण टैक्स भरा जो 2025 तक चुकाया गया, पर अधिकारी लालच में आकर उससे अधिक पैसे वसूलने की कोशिश की। जब राधेश्याम ने एसीपी अधिकारियों को सूचना दी तब अधिकारियों ने भैंसा के नगर निगम कमिश्नर वेंकटेश्वर सहित वसूली अधिकारी विद्या सागर का पीछा किया और निर्मल भैंसा टोल नाके से पीछा कर उनके पास से 30 हजार की रकम के सात पकड़ लिया गया। उन्हें भैंसा के नगर निगम में मीडिया समक्ष पेश किया और केस दर्ज कर रिमांड पर भेजा गया।

हरीश ने किसानों को प्रति एकड़ 7500 रुपये की आर्थिक सहायता की मांग की

सिद्दीपेट, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस पार्टी के विधायक हरीश राव ने आज सिद्दीपेट जिले के चिन्नाकोडुरु में धान खरीद केंद्र का दौरा किया। इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मौसम विभाग ने चक्रवात के प्रभाव के कारण अगले तीन दिनों तक बारिश की चेतावनी दी है, लेकिन राज्य सरकार ने कई दिनों तक धान की खरीद नहीं की है और कहा कि बारिश के कारण धान के भीगने की संभावना है। उन्होंने कहा कि छह महीने तक कड़ी मेहनत करने वाले किसान खेतों में जाने को मजबूर हैं। सरकार का कहना है कि वह भीगे हुए धान सहित सारा धान खरीद रही है, लेकिन जमीनी हालात कुछ और हैं। किसान चिन्नाकोडुरु मंडल खरीद केंद्रों पर 20 दिनों से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में हुई बारिश के कारण अनाज भीग गया और दो बार अंकुरित हो गया। जब अनाज चावल मिल में जाता है, तो नमी की मात्रा अधिक होने और अंकुरित होने का हवाला देकर इसे नहीं खरीदा जा रहा है। कुछ टुकड़े निकालने से बोरी तीन किलो कम हो जाएगी। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार बिना किसी टूट-फूट के धान तुरंत खरीदे। 40 फीसदी अनाज अभी भी खरीद केंद्रों में है। हम सरकार से लॉरियों की संख्या बढ़ाने और अनाज खरीदने का आग्रह करते हैं। चिन्नाकोडुरु के किसानों से जब हमने बात की तो उन्होंने कहा कि वे केवल घर की जरूरत के लिए ही धान उगाते हैं और बाकी सभी धान मोटे धान हैं। विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस ने सभी फसलों पर 500 रुपये बोनस देने का वादा किया था, लेकिन अब यह कहकर किसानों को धोखा दे रही है कि यह केवल बारीक किस्म के चावल पर दिया जाएगा। किसान आमतौर पर बारीक किस्म की खेती नहीं करते हैं, जहां निवेश अधिक होता है और उपज कम होती है।

डेयरी फार्म रोड पर शराब से भरा ट्रक पलट गया

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को बोवेनपल्ली में 3 लाख रुपये की शराब की बोतलों से लदा एक डीसीएम वाहन पलट गया। बोवेनपल्ली में डेयरी फार्म रोड पर टायर फटने से भारी वाहन सड़क के डिवाइडर से टकराकर पलट गया। पुलिस ने बताया कि इस घटना में ड्राइवर और क्लीनर घायल हो गए। लॉरी पलटते ही शराब की बोतलों से भरे कार्टन सड़क पर गिर गये। स्थानीय लोगों ने जब इस घटना को देखा तो वे मौके पर पहुंचे और कुछ बोतलें अपने साथ ले जाने में भी कामयाब रहे। हालांकि, पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को शराब की बोतलें ले जाने से रोका, जबकि ट्रैफिक पुलिस समय पर मौके पर पहुचकर यातायात को सुव्यवस्थित करने में सफल रही।

विश्व-शांति कवि सम्मेलन आज

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गीत चाँदनी के तत्वावधान में मासिक कवि सम्मेलन का आयोजन 23 मई को सायं 5 बजे से संजीव आंजन्य स्वामी मंदिर के प्रांगण में विश्व-शांति कवि सम्मेलन होगा। गीत चाँदनी के कार्यदर्शी गोविंद अक्षय ने बताया कि गीतकार चंपालाल बैद कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे, जबकि गोविंद अक्षय संचालन करेंगे।

अग्रणी महिला मंच की अध्यक्ष सुमन भुवानिया, रितु गर्ग , टीना खंडेलवाल , श्वेता खंडेलवाल , रूपा गुप्ता , रितु गोयल , प्रीति गोयल , सपना जैन , कोमल अग्रवाल , संगीता जाजोदिया , संतोष अग्रवाल , एवम पवन भुवानिया आदि ने रामकोट स्थित नरसिंह भगवान मंदिर में दर्शन कर कर देश की शांति के लिए प्रार्थना की।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

गिरफ्तार आईएस आतंकियों ...

पुलिस के अनुसार, ये लोग प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) के आदेश पर आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए भारत आए थे।

गिरफ्तार किए गए चारों आरोपी आईएस के सदस्य हैं, जो पाकिस्तान में रहने वाले श्रीलंका के एक नेता के लिए काम करते हैं। पुलिस प्रवक्ता और वरिष्ठ अधीक्षक निहाल थल्दुवा ने बताया, मामले की जांच के लिए पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) देशबंधु तेनाकून द्वारा एक वरिष्ठ उप महानिरीक्षक के नेतृत्व वाली पुलिस टीम नियुक्त की गई है। निहाल थल्दुवा ने कहा कि नियुक्त किए गए डीआईजी के पास अपराध जांच प्रभाग और आतंकवाद जांच प्रभाग है।

वे इस जांच में खुफिया एजेंसियों के साथ समन्वय करेंगे। मंगलवार को सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री तिरान एलेस और आईजीपी देशबंधु तेनाकून ने कहा कि वे इस मामले को गंभीरता से देख रहे हैं और घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। उन्होंने बताया कि वे भारतीय अधिकारियों से भी चर्चा कर रहे हैं।

अमीर के लिए ...

उनका जबाव आता है कि क्या मैं सबको गरीब बना दूं, सवाल यह नहीं है। सवाल न्याय का है, गरीबों और अमीरों सबको न्याय मिलना चाहिए। इसलिए हम लड़ रहे हैं, हम अन्याय के खिलाफ लड़ रहे हैं।

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री (डिप्टी सीएम) देवेंद्र फडणवीस ने भी जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के फैसले पर हैरानी जताई है। उन्होंने कहा कि दो लोगों की मौत के बाद भी बोर्ड ने नरम रुख अपनाया। पुणे पुलिस ने बोर्ड को दिए अपने आवेदन में कहा था कि आरोपी की उम्र 17 साल 8 महीने है।

प्रज्वल का राजनयिक ...

प्रज्वल पर कई महिलाओं का शारीरिक शोषण करने और उनकी अश्लील वीडियो बनाने के आरोप हैं। मामले का खुलासा होते ही प्रज्वल रेवन्ना 27 अप्रैल को जर्मनी के लिए रवाना हो गए थे। माना जा रहा है कि प्रज्वल अभी भी जर्मनी में ही हैं। एसआईटी की अपील पर इंटरपोल की तरफ से प्रज्वल के खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी हो चुका है।

कर्नाटक के गृहमंत्री जी. परमेश्वर ने कहा है कि हसन से सांसद प्रज्वल रेवन्ना द्वारा महिलाओं के कथित यौन शोषण से संबंधित मामलों से निपटने में राज्य सरकार की ओर से कोई लापरवाही नहीं हुई है और विशेष जांच दल सभी पहलुओं की जांच कर रहा है।

परमेश्वर ने कर्नाटक में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब होने के विपक्षी दलों के आरोपों को भी खारिज कर दिया और राज्य पुलिस का बचाव करते हुए कहा कि उन्होंने (पुलिस ने) अच्छा काम किया है।

स्वाति मालीवाल मामले ...

हम 140 करोड़ भारतीयों के भविष्य के बारे में सोच रहे हैं। कानून को अपना काम करने दीजिए।'

केंद्रीय मंत्री पुरी ने कांग्रेस सांसद शशि थरूर पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा, 'शशि थरूर से पूछिए कि उन्होंने कई विभागों में काम किया है और फिर भी वह इस मामले के महत्व को कम कर रहे हैं। महिला सशक्तिकरण और नारी शक्ति ये चीजें अब महत्वपूर्ण नहीं हैं।

हम यहा क्या कर रहे हैं? आप कह रहे हैं कि यह महत्वपूर्ण मुद्दा नहीं है। उन्हें शर्म आनी चाहिए जो कहते हैं कि यह महत्वपूर्ण मुद्दा नहीं है। आज मुद्दा यह है कि आप अपनी 50 फीसदी आबादी के साथ कैसा व्यवहार करते हैं।' पुरी ने आगे कहा, 'केजरीवाल ने शराब घोटाले में 170 मोबाइल फोन नष्ट किए। ईडी की रिपोर्ट में कहा गया है कि उनके पास अरविंद केजरीवाल और एक हवाला ऑपरेटर के बीच सीधी बातचीत है।'

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

गौतम गंभीर ने सीना ठोक कर किया था दावा

अब वह हो गया सच

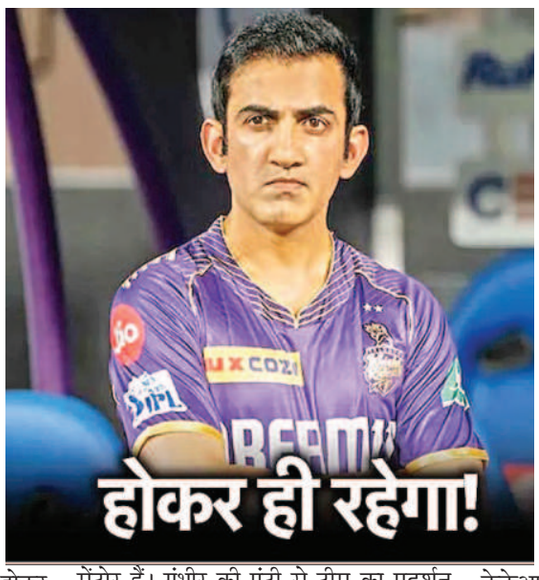

मुंबई, 22 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। क्वालिफायर 1 में केकेआर ने सनराइजर्स हैदराबाद को 8 विकेट से हराया। केकेआर की जीत के बाद सोशल मीडिया पर टीम के मेंटोर और पूर्व कप्तान गौतम गंभीर का एक वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है। जिसमें उन्होंने फाइनल को लेकर बड़ा दावा किया था और टीम के सभी खिलाड़ियों में जोश भरा था।

गौतम गंभीर की बात हुई सच

दरअसल सोशल मीडिया पर केकेआर के मेंटोर गौतम गंभीर का एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है। जिसमें गंभीर टीम के सभी खिलाड़ियों को स्पीच देते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान गंभीर खिलाड़ियों से कहते है कोई सीनियर/जूनियर नहीं, हम सब एक टीम है। हमारा फोकस आईपीएल पर होना चाहिए। हम सभी को एक जुट होकर अपना योगदान देना है। गंभीर ने कहा था कि 26 मई को केकेआर फाइनल में होगी।

गंभीर की ये बात अब साबित हो चुकी है। दरअसल इस सीजन गौतम गंभीर केकेआर के मेंटोर हैं। गंभीर की एंट्री से टीम का प्रदर्शन काफी बदल गया है। पूरे सीजन अभी तक केकेआर की टीम बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग में अव्वल दिखाई दी है। टीम के खिलाड़ी भी गौतम को लेकर कह चुके हैं कि वो उनके साथ मिलकर काफी काम कर रहे हैं कैसे टीम को एकजुट होकर प्रदर्शन करके मैच जीतना है इन सबकी रणनीति गंभीर बनाते रहते हैं।

चौथी बार फाइनल में पहुंची केकेआर

कोलकाता नाइट राइडर्स आईपीएल इतिहास में चौथी बार फाइनल में पहुंची है। इससे पहले दो बार गौतम गंभीर की कप्तानी में केकेआर फाइनल में पहुंचने के साथ-साथ चैंपियन भी बनी थी। इसके बाद साल 2021 में केकेआर फाइनल में पहुंची थी लेकिन टीम खिताब नहीं जीत पाई थी। अब केकेआर के पास खिताब की हैट्रिक लगाने का सुनहरा मौका है।

8 विकेट से जीता मैच

क्वालिफायर 1 मुकाबले में केकेआर ने सनराइजर्स हैदराबाद को 8 विकेट से हरा दिया था। इस मैच में केकेआर की तरफ से गेंदबाजी में मिचेल स्टार्क ने कमाल का प्रदर्शन किया। स्टार्क ने 4 ओवर में 34 रन देकर 3 विकेट हासिल किए थे। इस शानदार प्रदर्शन की बदौलत स्टार्क को प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया।

टी-20 वर्ल्डकप से पहले अमेरिका ने बांग्लादेश को हराया

कोरी एंडरसन और हरमीत सिंह के बीच नाबाद 62 रन की साझेदारी

ह्यूस्टन, 22 मई (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप शुरू होने से 10 दिन पहले ही अमेरिका ने बांग्लादेश को 5 विकेट से हराकर उलटफेर करने के संकेत दे दिए हैं। अमेरिका पहली बार वर्ल्ड कप में भाग ले रहा है। वर्ल्ड कप 2 जून से अमेरिका और वेस्टइंडीज में होना है।

बांग्लादेश वर्ल्ड कप से पहले यूएसए के साथ तीन टी-20 मैचों की सीरीज खेल रही है। ह्यूस्टन में खेले गए पहले टी-20 मुकाबले में यूएसए ने बांग्लादेश को 5 विकेट से हराया। यूएसए के जीत के हीरो रहे मुंबई में जन्मे हरमीत सिंह। उन्होंने 13 बॉल पर नाबाद 33 रन की पारी खेली। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी घोषित किया गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश ने 6 विकेट के नुकसान पर 153 रन बनाया। जवाब में यूएसए ने 3 ओवर शेष रहते हुए 5 विकेट के नुकसान पर 156 रन बना कर यह मुकाबला 5 विकेट से अपने पक्ष में कर लिया।

बांग्लादेश की ओर से तौहीद हृदॉय टॉप स्कोरर रहे। उन्होंने 47 गेंदों पर 58 रन बनाए। महमुदुल्लाह ने 22 गेंद पर 31 रन बनाए। सौम्य सरकार ने 20 और लिटन दास ने 14 रन का योगदान दिया। कप्तान नजमुल हुसैन शांतो (3) और शाकिब अल हसन (6) जल्दी-जल्दी आउट हो गए।

स्टीवन टेलर ने लिए 3 विकेट

यूएसए की ओर से स्टीवन टेलर ने 3 ओवर में 9 रन देकर 2 विकेट लिए। वहीं जेसी सिंह और अली खान ने 1-1 विकेट लिए।

टेलर और पटेल ने यूएसए को दी अच्छी शुरुआत

153 रन का पीछा करने उतरी यूएसए को कप्तान मोनांक पटेल और स्टीवन टेलर ने अच्छी शुरुआत दी। टेलर ने 28 और पटेल ने 12 रन बनाए। टेलर ने कप्तान मोनांक पटेल के आउट होने के बाद एंड्रीज गौस के साथ यूएसए की पारी को संभाला और 38 रन की साझेदारी कर अपनी टीम के स्कोर को आगे बढ़ाया।

कोरी एंडरसन और हरमीत सिंह ने 62 रन की साझेदारी कर टीम को दिलाई जीत

न्यूजीलैंड से खेल चुके कोरी एंडरसन और मुंबई में जन्मे हरमीत सिंह ने 28 गेंदों पर नाबाद 62 रन की साझेदारी कर टीम को जीत दिलाई। एक समय यूएसए ने 94 रन पर 5 विकेट खो दिए थे। ऐसे में लग रहा था कि यूएसए इस मैच को गंवा बैठेगा। लेकिन, एंडरसन और हरमीत ने पारी को संभाला। एंडरसन ने 25 गेंदों पर नाबाद 34 रन और हरमीत सिंह ने 13 गेंदों पर नाबाद 33 रन की पारी खेल कर टीम को जीत दिलाई।

बांग्लादेश की ओर से मुस्तफुजुर रहमान ने 4 ओवर में 41 रन देकर 2 विकेट ओर शुरीफुल इस्लाम ने 4 ओवर में 31 रन देकर 1 विकेट लिए। वहीं राशिद हुसैन को भी एक विकेट मिला।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए ऑस्ट्रेलिया का फाइनल स्क्वॉड जारी

मैकगर्क-शॉर्ट बतौर रिजर्व प्लेयर टीम से जुड़े, 1 जून से खेला जाएगा टूर्नामेंट

मेलबोर्न, 22 मई (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेले जाने वाले टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के फाइनल स्क्वॉड का ऐलान हो गया है। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट बोर्ड ने 15 मेंबर्स के अलावा ट्रैवलिंग रिजर्व प्लेयर्स का ऐलान किया।

युवा बैटर जैक फ्रेजर-मैकगर्क और मैथ्यू शॉर्ट को रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर टीम के साथ जोड़ा गया है। सीए ने 15 मेंबर्स स्क्वॉड का ऐलान 4 मई को ही कर दिया था, लेकिन उस वक्त रिजर्व प्लेयर्स के नाम का ऐलान नहीं हुआ था।

वर्ल्ड कप के लिए सभी टीमों के फाइनल स्क्वॉड के ऐलान की आखिरी तारीख 25 मई है। इससे पहले टीमें अपने स्क्वॉड में बदलाव कर सकती हैं।

मिचेल मार्श करेंगे टीम की कप्तानी

टीम की कप्तानी मिचेल मार्श करेंगे। मार्श पिछले 12 महीनों में बतौर कप्तान तीन टी-20 इंटरनेशनल सीरीज में ऑस्ट्रेलिया का नेतृत्व कर चुके हैं। वहीं स्टार बैटर स्टीव स्मिथ को स्क्वॉड में जगह नहीं मिली है।

टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए ऑस्ट्रेलिया टीम

मिचेल मार्श (कप्तान), एश्टन एगर, पैट कमिंस, टिम डेविड, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), ग्लेन मैक्सवेल, मिचेल स्टार्क, मार्कस स्टोयनिस, मैथ्यू वेड (विकेटकीपर), डेविड वॉर्नर, एडम जम्पा।

मैकगर्क ने 9 आईपीएल मैचों में 330 रन बनाए

अभी तक मैकगर्क ने टी-20 इंटरनेशनल में ऑस्ट्रेलिया के लिए डेब्यू नहीं किया है। हालांकि, वो दो वनडे खेल चुके हैं। इसी सीजन आईपीएल डेब्यू करने मैकगर्क दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेलते हुए 9 मैच में 330 रन बनाए।

गुरुवार को वेस्टइंडीज रवाना होगी ऑस्ट्रेलिया टीम

ऑस्ट्रेलिया टीम गुरुवार को वेस्टइंडीज रवाना होगी। उसे त्रिनिदाद में 28 और 30 मई को नामीबिया और वेस्टइंडीज के खिलाफ दो अभ्यास मैच खेलने हैं। ट्रैविस हेड, कैमरन ग्रीन, पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और ग्लेन मैक्सवेल आईपीएल 2024 के प्लेऑफ के बाद टीम से जुड़ेंगे।

ऑस्ट्रेलिया एक बार टी-20 वर्ल्ड कप जीता

ऑस्ट्रेलिया टीम एक बार 2021 में टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीती थी। टीम इंडिया ने 2007 में पहली बार हुए टूर्नामेंट का ही खिताब अपने नाम किया था। भारत और ऑस्ट्रेलिया के अलावा पाकिस्तान, श्रीलंका ने भी 1-1 बार खिताब जीता है। वेस्टइंडीज (2012 & 2016) और इंग्लैंड (2010 & 2022) ने 2-2 बार टी-20 वर्ल्ड कप की ट्रॉफी पर कब्जा किया है। टूर्नामेंट अब तक 8 बार खेला गया है, अमेरिका और वेस्टइंडीज में टूर्नामेंट का 9वां एडिशन खेला जाएगा।

2 जून से शुरू होगा वर्ल्ड कप

इस साल का टी-20 वर्ल्ड कप 2 जून से अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेला जाएगा। टूर्नामेंट 29 जून तक चलेगा, ऑस्ट्रेलिया 6 जून को ओमान के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगी। 8 जून को टीम इंग्लैंड से भिड़ेगी, वहीं 12 और 16 जून को टीम नामीबिया और स्कॉटलैंड से भिड़ेगी।

मलयेशिया मास्टर्स बैडमिंटन

त्रिशा-गायत्री दूसरे दौर में, ताईवान की जोड़ी को 21-14, 21-10 से हराया

क्वालालंपुर, 22 मई (एजेंसियां)। सातवीं वरीय भारतीय जोड़ी त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने मलयेशियाई मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बना ली है।

राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता भारतीय जोड़ी ने ताईवान की हुआंग यू सुन और लियांग टिंग यू को सीधे गेमों में 21-14, 21-10 से परास्त किया।

क्वालिफाइंग दौर में चार भारतीय शटलरों को हार का सामना करना पड़ा। कोई भी मुख्य दौर में जगह नहीं बना सका। ओडिशा ओपन सुपर 100 का खिताब जीतने वाले सतीश कुमार ने मलयेशिया के चियाम जुन वेई को 21-15, 21-19 से हराया, लेकिन वह इंडोनेशिया के शेसार हिरेन रुस्तावितो से 21-13, 20-22, 13-21 से नजदीकी मुकाबले में हार गए।

विश्व जूनियर चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता आयुष शेट्टी ने गुलशन कुमार को हराया, लेकिन अगले दौर में वह थाईलैंड के पानित्वफोन से 21-23, 21-16, 17-21 से हार गए। शंकर सुब्रमण्यन और तान्या हेमंत को भी हार मिली। युगल में पलक अरोड़ा-उन्नति हुड्डा भी शुरुआती दौर में हारीं।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप

भाला फेंक में फिर विश्व चैंपियन बने सुमित अंतिल, हमवतन संदीप को मिला कांस्य

कोबे, 22 मई (एजेंसियां)। गत पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल ने जापान के कोबे में जारी विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में एफ 64 भाला फेंक स्पर्धा में अपना खिताब बरकरार रखा, जबकि थंगावेलु मरियप्पन और एकता भयान ने भी क्रमशः ऊंची कूद और क्लब थ्रो में स्वर्ण पदक जीते जिससे भारत के लिए दिन अच्छा रहा।

टोक्यो पैरालंपिक और 2023 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले सुमित ने भाले को 69.50 मीटर की दूरी तक फेंककर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। सुमित के हमवतन संदीप ने इसी स्पर्धा में 60.41 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता।

टोक्यो पैरालंपिक के रजत पदक विजेता मरियप्पन ने इसके बाद 1.88 मीटर के चैंपियनशिप रिकॉर्ड के साथ टी63 ऊंची कूद में स्वर्ण पदक हासिल किया। इससे पहले एकता ने महिला एफ 51 क्लब थ्रो में 20.12 के सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक जीता। इसी स्पर्धा में भारत की कशिश लाकड़ा ने 14.56 मीटर के थ्रो से रजत पदक अपने नाम किया। भारत के सचिन सरजेराव खिलारी ने बुधवार को विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में एशियाई रिकॉर्ड के साथ पुरुषों के शॉट पुट एफ46 वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने इस प्रतियोगिता में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

मुक्केबाज परवीन के निलंबन के बाद एशियाई खेलों का पदक गंवाएगा भारत

जैस्मिन की चमकी किस्मत

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज परवीन हुड्डा को रहने के स्थान संबंधी नियम के उल्लंघन के कारण 22 महीने के लिए निलंबित किए जाने के बाद भारत का हांगझोऊ एशियाई खेलों का पदक गंवाना तय है।परवीन ने पिछले साल एशियाई खेलों में महिलाओं के 57 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीता था जिससे उन्हें पेरिस ओलंपिक का कोटा भी मिला था।

हालांकि, परिणाम प्रबंधन के लिए जिम्मेदार एजेंसी अंतरराष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (आईटीए) ने उन्हें इस महीने की शुरुआत में निलंबित कर दिया गया था क्योंकि वह 12 महीने की अवधि के भीतर तीन बार अपने रहने के स्थान संबंधी जानकारी देने में विफल रही।

आईटीए ने बयान में कहा- आईटीए पुष्टि करता है कि मुक्केबाज परवीन हुड्डा को 12 महीने की अवधि के भीतर तीन बार रहने का स्थान संबंधी जानकारी मुहैया कराने में विफल रहने के बाद 22 महीने की अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया है जैसा कि अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ के डोपिंग रोधी नियमों के नियम 2.4 में परिभाषित किया गया है (आईबीए एडीआर)1। यह निलंबन 16 जुलाई 2025 तक प्रभावी है।

बयान में कहा गया है- अयोग्यता की अवधि के अलावा 11 दिसंबर 2022 से 17 मई 2024 के बीच खिलाड़ी के परिणाम अयोग्य घोषित किए जाते हैं।' कोविड-19 के कारण चीन में 2022 एशियाई खेलों के आयोजन में एक साल की देरी हुई और 23 सितंबर से आठ अक्टूबर 2023 के बीच इसका आयोजन किया गया जो आईटीए द्वारा निर्धारित समय अवधि के भीतर आता है और इस प्रकार परवीन से उनका कांस्य पदक छीन लिया जाएगा।

इसका मतलब है कि 2023 एशियाई खेलों में भारत की कुल पदक संख्या 107 से घटकर 106 हो जाएगी। हालांकि, इससे समग्र पदक रैंकिंग में देश के चौथे स्थान पर कोई असर नहीं पड़ेगा। भारतीय मुक्केबाजी को शर्मिंदगी का सामना करना पड़ेगा क्योंकि देश को महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग का ओलंपिक कोटा छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा है। राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जैस्मिन लैंबोरिया शुक्रवार से बैंकॉक में शुरू होने वाले अंतिम ओलंपिक क्वालीफायर में 57 किग्रा कोटा के लिए चुनौती पेश करेंगी। मुक्केबाजी में कोटा खिलाड़ी को नहीं, बल्कि देश को दिया जाता है।

अरविंद चिदंबरम की लय गड़बड़ाई

शारजाह मास्टर्स में बढ़त गंवाई

तीसरे स्थान पर खिसके

शारजाह, 22 मई (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर अरविंद चिदंबरम अपनी लय बरकरार नहीं रख सके और उन्हें सातवें दौर में ईरान के बार्दिया दानेश्वर के खिलाफ बड़ी गलती का खामियाजा भुगतना पड़ा। इस गलती के कारण अरविंद ने बाजी के अलावा शारजाह मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में बढ़त भी गंवा दी।

दानेश्वर के खिलाफ हार के साथ अरविंद शीर्ष स्थान से संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं।

सैम शैंकलैंड ने अमेरिका के अपने हमवतन हेंस मोके नीमैन को हराया जिससे उनके ईरान के खिलाड़ी के बराबर अंक हो गए हैं। दानेश्वर और शैंकलैंड दोनों के 5.5 अंक हैं।

दानेश्वर के खिलाफ अरविंद अच्छी स्थिति में थे लेकिन इसके बाद उन्होंने बड़ी गलती करते हुए बाजी गंवा दी।

भारत के अर्जुन एरिगेसी ने ईरान के परहम माघसूदलू से ड्रॉ खेला। इस ड्रॉ से एरिगेसी दानेश्वर और शैंकलैंड से आधा अंक पीछे चल रहे हैं। अरविंद के भी पांच अंक हैं।

सात्विक-चिराग की जोड़ी को हुआ बड़ा फायदा, फिर हासिल किया शीर्ष स्थान

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी को बैडमिंटन की नवीनतम रैंकिंग में बड़ा फायदा पहुंचा। सात्विक-चिराग की जोड़ी ने थाईलैंड ओपन में जीत के बाद पुरुष डबल्स वर्ग में विश्व रैंकिंग में नंबर एक स्थान हासिल कर लिया। ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के दूसरे दौर में हार के बाद भारतीय जोड़ी तीसरे नंबर पर खिसक गई थी। इसके बाद सात्विक की चोट के कारण इस जोड़ी ने चीन में एशिया चैंपियनशिप में वॉकओवर दे दिया था।

भारतीय जोड़ी ने थाईलैंड ओपन में जोरदार वापसी करते हुए चीन के चेन बो यांग और लियू यी पर सीधे गेम में जीत के साथ सत्र का अपना दूसरा खिताब जीता था। यह जोड़ी बीडब्ल्यू की नवीनतम रैंकिंग में 99670 अंकों के साथ दो पायदान चढ़कर पांच सप्ताह के बाद फिर से शीर्ष स्थान पर पहुंच गई।

सिंधू 15वें स्थान पर खिसकीं

ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता पीवी सिंधू महिला सिंगल्स रैंकिंग में एक स्थान फिसलकर 15वें नंबर पर आ गई। एचएस प्रणय ने अपनी नौवीं रैंकिंग बरकरार रखी और वह पुरुष सिंगल्स के शीर्ष 10 में शामिल एकमात्र भारतीय हैं। लक्ष्य सेन तीन स्थान गिरकर 14वें नंबर पर खिसक गए। किदांबी श्रीकांत (26वें), प्रियांशु राजावत (33वें) एक-एक स्थान नीचे आ गये जबकि किरण जॉर्ज 36वें नंबर पर खिसक गए।

महिला डबल्स वर्ग में तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा 19वीं रैंकिंग के साथ सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाली भारतीय जोड़ी है। इस जोड़ी ने दो स्थान का सुधार किया है। राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी एक स्थान गिरकर विश्व में 29वें स्थान पर खिसक गई हैं।

यूरो कप के बाद रिटायर होगा जर्मनी का दिग्गज फुटबॉलर

मैड्रिड, 22 मई (एजेंसियां)। जर्मनी के दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी टोनी क्रूज 2024 यूरोपीय चैंपियनशिप यानी यूरो कप 2024 के बाद इस खेल से संन्यास ले लेंगे। यह जानकारी उनके स्पैनिश क्लब रियल मैड्रिड ने दी। रियल मैड्रिड ने बताया कि 34 साल के क्रूज ने यूरो 2024 के बाद पेशेवर फुटबॉलर को समाप्त करने का फैसला लिया है। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब टोनी क्रूज संन्यास का एलान कर रहे हैं। इससे पहले 2021 में भी उन्होंने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को अलविदा कहा था। हालांकि, कुछ महीनों बाद ही अपने फैसले से यू-टर्न ले लिया था और अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में वापसी की थी। रियल मैड्रिड क्लब ने कहा, 'क्लब टोनी क्रूज के प्रति अपना आभार और स्नेह व्यक्त करना चाहता है। वह हमारे क्लब के महानतम खिलाड़ियों में से एक के रूप में जाने जाएंगे।' क्रूज 2014 से रियल मैड्रिड से जुड़े हुए हैं। इस दौरान उनकी टीम ने 22 खिताब जीते हैं। इनमें चार यूरोपीय कप और चार स्पेनिश लीग शामिल हैं। उन्होंने क्लब के साथ 463 मैच खेले हैं। क्रूज 2014 में जर्मनी टीम के साथ विश्व कप खिताब जीत चुके हैं। संन्यास से पहले उनके पास रियल मैड्रिड के साथ पांचवीं बार चैंपियंस लीग खिताब जीतने का भी मौका है। यूएफा चैंपियंस लीग के फाइनल में रियल मैड्रिड का सामना बोरूसिया डॉर्टमंड से होना है।

तेलंगाना सभी मुद्दों को हल करने के लिए आंध्र प्रदेश के साथ अच्छे संबंध चाहता है : रेवंत

सीएम ने भगवान वेंकटेश्वर स्वामी का दर्शन पूजन किया

तिरुमला, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना सरकार दोनों तेलुगु राज्यों के बीच सभी मुद्दों को हल करने के लिए आंध्र प्रदेश के साथ अच्छे संबंध बनाए रखना चाहती है। मुख्यमंत्री ने बुधवार सुबह अपने परिवार के साथ आंध्र प्रदेश के तिरुमाला में भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के प्रसिद्ध पहाड़ी मंदिर का दौरा किया और पीठासीन देवता से प्रार्थना की।

दिसंबर, 2023 में तेलंगाना के मुख्यमंत्री के रूप में पदभार संभालने के बाद रेवंत रेड्डी की तिरुमाला मंदिर की यह पहली यात्रा है। इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने मंदिर में पूजा की और आंध्र प्रदेश में बनने वाली नई सरकार के सहयोग से दोनों तेलुगु राज्यों के विकास की कामना की।

उन्होंने आगे बताया कि तेलंगाना सरकार तेलंगाना राज्य की ओर से तिरुमला में कल्याण मंडपम और गेस्ट हाउस बनाने की योजना बना रही है और वह आंध्र प्रदेश में बनने वाली नई सरकार का सहयोग मांगेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने तेलंगाना राज्य पर भरपूर बारिश और किसानों की समृद्धि के लिए भगवान से आशीर्वाद की भी प्रार्थना की है।

फर्जी फोन कॉल को लेकर एडवाइजरी जारी

तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो ने सतर्क रहने को कहा

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो (टीजीसीएसबी) ने जनता को सतर्क रहने और धोखेबाजों से सावधानी बरतने की सलाह दी है जो भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के अधिकारियों के रूप में लोगों को धोखा देते हैं। टीजीसीएसबी के प्रभारी निदेशक महेश मुरलीधर भागवत ने कहा कि पिछले दो महीनों से लोगों को फर्जी अधिकारियों के फोन आ रहे हैं जो दावा करते हैं कि उनके आधार कार्ड से छेड़छाड़ की गई है और इसका इस्तेमाल किसी आपराधिक गतिविधि में किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कभी-कभी धोखेबाजों द्वारा पीड़ितों से यह वचन ले लिया जाता है कि उन्होंने अपराध किया है, जिससे उन्हें गिरफ्तारी का डर रहता है।

टीजीएससीबी ने लोगों से कहा है कि वे अज्ञात नंबरों से प्राप्त कॉल का जवाब न दें, आधार कार्ड या चोरी हुए मोबाइल नंबर के संबंध में धोखेबाजों पर भरोसा न करें और किसी भी मौद्रिक या अन्य मांग के आगे न झुकें और धोखेबाजों की कॉल रिकॉर्ड करें और स्क्रीनशॉट भी रखें।

केटीआर ने फिर किया कमाल घायल की मदद की

पूर्व मंत्री ने चुनाव अभियान में भाग लिया

वारंगल, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के. तारकरामा राव ने एक बार फिर अपनी मानवता का परिचय देते हुए सड़क दुर्घटना के शिकार व्यक्ति को अपनी एस्कॉर्ट कार में अस्पताल पहुंचाया। 55 वर्षीय गंभीर रूप से घायल व्यक्ति अंजैया वारंगल के लेबर कॉलोनी में दुर्घटना का शिकार हो गए और सड़क पर गिरकर बेहोश हो गए। एमएलसी उपचुनाव प्रचार के सिलसिले में नरसंपेट की ओर जा रहे केटीआर ने व्यक्ति को संघर्ष करते देखा और अपनी कार से उतरकर घायल व्यक्ति को अपनी एस्कॉर्ट कार में वारंगल एमजीएम अस्पताल पहुंचाया।

घटना को देखने वाले लोगों ने सड़क पर असहाय व्यक्ति के प्रति दिखाई गई इस दरियादिली के लिए बीआरएस नेता को सलाम किया।

इसी क्रम में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने वारंगल पूर्व निर्वाचन क्षेत्र में आयोजित वारंगल - नाल्गोंडा - खम्मम एमएलसी चुनाव अभियान बैठक में भाग लिया और पार्टी उम्मीदवार राकेश रेड्डी के समर्थन में बात की। केटीआर ने पूछा कि इस स्नातक एमएलसी चुनाव में आपके वोट से सरकार पर सवाल उठाने वाले गलाम राकेश रेड्डी को परिषद में भेजा जाना चाहिए।

कोत्तागुडेम में संदिग्ध स्थिति में महिला की मौत

कोत्तागुडेम, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को एक बुजुर्ग महिला की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई।

मृतक कोत्तागुडेम शहर के चपरासी बस्ती की देवराजू प्रमीला (68) अपने आवास में मृत पाई गईं। बताया जाता है कि उसके कान की बालियां और शरीर के अन्य आभूषण गायब थे। पति प्रभाकर की मौत के बाद वह अकेली रह रही थी। पुलिस को संदेह है कि मृतक को दौरे पड़ने का इतिहास था और यही मौत का कारण हो सकता है। वन-टाउन सीआई करुणाकर ने घटनास्थल का दौरा किया और घटना की जांच की।

सूर्यप्रभा वाहनम पर गोविंदराजस्वामी ने भक्तों को दर्शन दिए

तिरूपति, 22 मई(स्वतंत्र वार्ता)। तिरूपति श्री गोविंदराजस्वामी ब्रह्मोत्सवम के सातवें दिन बुधवार सुबह 7 बजे भगवान गोविंदराजस्वामी ने सूर्यप्रभा वाहनम पर भक्तों को दर्शन दिए। भक्त समूहों के छक्कभजन, कोलाट और मंगल वाद्ययंत्रों के बीच वाहन सेवा संचालित की गई। भक्तों ने कदम-कदम पर कपूर चढ़ाकर भगवान के दर्शन किए। सूर्य तेजोनिधि, सभी रोगों के उपचारक, प्रकृति की चेतना, वर्षा, उसके कारण उगने वाले पौधे, चंद्रमा, उसके कारण उगने वाली औषधियाँ आदि सभी सूर्य के प्रकाश के कारण ही प्रकट होते हैं। ऐसी सूर्य किरणों को धारण करती हुई स्वामी की शोभा यात्रा रमणीय है। बाद में, सुबह 9.30 बजे से 10.30 बजे तक, श्रीभु समेथा गोविंदराजस्वामी को स्नैपनथिरुमजनम के रूप में मनाया गया। दूध, दही, शहद, नारियल पानी और चंदन से अभिषेक किया गया। स्वामी शाम % बजे चंद्रप्रभा वाहनम पर भक्तों को दर्शन देंगे। तिरुमाला श्री श्री पेद्दाजेयार स्वामी, श्री श्री चिन्नाजेयार स्वामी, मंदिर की उप ईओ श्रीमती शांति, अधीक्षक श्री मोहन राव, अन्य अधिकारी और बड़ी संख्या में भक्तों ने वाहन सेवा में भाग लिया।

श्री गोविंदराजस्वामी के ब्रह्मोत्सवम के आठवें दिन गुरुवार 23 मई को रथोत्सव मनाया जाएगा। सुबह 6.35 बजे से श्रद्धालु रथ पर सवार होकर मंदिर के चारों माडा मार्गों का भ्रमण करेंगे। रात 7 बजे स्वामी घोड़ा बग्गी पर सवार होकर भक्तों को दर्शन देंगे।

आरपीएफ ने 8 साल के बच्चे को बचाया

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) सिकंदराबाद ने बुधवार को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन परिसर में एक आठ वर्षीय लड़के को बचाया। बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के निर्देशों के बाद नाबालिग को सुरक्षित हिरासत के लिए काचेगुडा के एक बचाव गृह में स्थानांतरित कर दिया गया। इस साल मई तक आरपीएफ सिकंदराबाद डिवीजन ने ऑपरेशन 'नन्हे फरिश्ते' पहल के तहत रेलवे स्टेशन परिसर से कुल 59 बच्चों को बचाया है। बचाए गए सभी बच्चों को या तो आश्रय गृहों में भर्ती कराया गया या बाल कल्याण अधिकारियों की मदद से उनके परिवारों को सौंप दिया गया।

इंटर पूरक परीक्षा में बैठने वाले छात्रों के लिए 5 मिनट की छूट

प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्र 24 मई से 3 जून तक परिक्षा दे सकेंगे

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार से शुरू होने वाली इंटरमीडिएट पब्लिक एडवांस्ड सप्लीमेंट्री परीक्षा (आईपीएएसई) के लिए एक मिनट की देरी के नियम में ढील दी गई है। छात्रों को केंद्रों में प्रवेश के लिए 5 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा।

प्रथम वर्ष की परीक्षा में बैठने वाले छात्रों को सुबह 9.05 बजे तक केंद्रों में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी, जबकि परीक्षा सुबह 9 बजे शुरू होगी। इसी तरह, दोपहर 2.30 बजे से आयोजित होने वाली द्वितीय वर्ष की परीक्षाओं के लिए उम्मीदवारों को दोपहर 2.35 बजे तक की अनुमति दी जाएगी। टीएस बीआईई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि टीएसबीआईई ने आईपीई मार्च के लिए एक मिनट की देरी के नियम में ढील दी है और इसे पूरक परीक्षाओं के लिए भी बढ़ाया जाएगा। छात्रों को केवल पांच मिनट की छूट दी जाएगी।

परीक्षाओं के लिए पंजीकृत कुल 4.6 लाख प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्र 24 मई से 3 जून तक आयोजित होने वाले हैं, प्रथम वर्ष की परीक्षाएं सुबह के सत्र में सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरे वर्ष की परीक्षाएं दोपहर 2.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक होंगी। परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए राज्य भर में लगभग 900 केंद्रों की व्यवस्था की गई है। छात्रों को परीक्षा शुरू होने से कम से कम एक घंटा पहले पहुंचने की सलाह दी गई है। हॉल टिकट पहले ही वेबसाइट tsbie.cgg.gov.in पर अपलोड कर दिए गए हैं और छात्र इसे डाउनलोड कर सकते हैं।

इस बीच, शहर की पुलिस ने धारा 144 लागू कर दी है, जिसके तहत शहर के सभी आईपीएएसई केंद्रों के आसपास लोगों के एकत्र होने पर रोक लगा दी गई है। जारी आदेश के अनुसार 24 मई को सुबह 6 बजे से 4 जून को सुबह 6 बजे तक धारा 144 लागू रहेगी। आदेश का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति पर सीआरपीसी की धारा 144 के तहत मुकदमा चलाया जाएगा।

छात्रों को राष्ट्र के विकास के लिए आवश्यक कौशल से लैस करें: अब्दुल नजीर

नेल्लोर में विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भाग लिया

नेल्लोर, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)।आंध्र प्रदेश के राज्यपाल और विक्रम सिंहपुरी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एस. अब्दुल नजीर ने आज बुधवार को नेल्लोर में विश्वविद्यालय परिसर में विश्वविद्यालय के 8वें और 9वें वार्षिक दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता की। दीक्षांत भाषण देते हुए राज्यपाल अब्दुल नजीर ने कहा, विकसित भारत का हमारा दृष्टिकोण हमारे समुदाय और समाज की उभरती जरूरतों के साथ उच्च शिक्षा पाठ्यक्रमों के रणनीतिक संरेखण की मांग करता है और यह जरूरी है कि हमारे शैक्षणिक कार्यक्रम छात्रों को हमारे राष्ट्र की प्रगति और विकास में योगदान देने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और मूल्यों से लैस करें।

राज्यपाल ने कहा, "इस डिजिटल युग में प्रतिस्पर्धी और प्रासंगिक बने रहने के लिए, उच्च शिक्षा संस्थानों को प्रौद्योगिकियों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के डिजिटल परिवर्तन को अपनाना चाहिए।" राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय आसपास के प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता का लाभ उठाकर दबावपूर्ण सामाजिक चुनौतियों का समाधान करने के उद्देश्य से अंतःविषय अनुसंधान करने में सक्षम रहा है और यह अपने शोध पहलों के परिणामों को पड़ोसी गांवों तक बढ़ाने में सक्षम रहा है, जिससे उनके समग्र विकास और कल्याण में योगदान मिला है। उन्होंने स्नातकों, स्नातकोत्तरों, शोधार्थियों और स्वर्ण पदक विजेताओं को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए बधाई दी और उनसे पारंपरिक मूल्यों को अपनाने का आग्रह किया, जो करुणा, अखंडता और सम्मान पर जोर देते हैं।

उन्होंने सामुदायिक विकास और कॉलेज-टू-विलेज, लैब टू लैंड, हर साल आयोजित सामाजिक जागरूकता पहलों सहित अपने आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के कल्याण के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता की सराहना की। इससे पहले, कुलपति प्रो. जी.एम. सुंदरवल्ली ने विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. जी. सतीश रेड्डी मुख्य अतिथि थे और उन्होंने मुख्य भाषण दिया। अपोलो अस्पताल के ईएनटी विभाग के वरिष्ठ सलाहकार और समन्वयक डॉ ई.सी. विनय कुमार को मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। बाद में, राज्यपाल और कुलाधिपति एस अब्दुल नजीर को विश्वविद्यालय की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट कर कुलपति ने सम्मानित किया।

भारतीय रिज़र्व बैंक / Reserve Bank of India
पर्यवेक्षण विभाग / Department of Supervision
आंध्रप्रदेश / Andhra Pradesh

डीओआर.एमओएन/ DOR.MON/ D-14/12.22.789/2024-25 दिनांक 15 मई 2024

बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 56 के साथ पठित धारा 35 ए के तहत निदेश – उरवाकोंडा को-ऑपरेटिव टौन बैंक लिमिटेड, उरवाकोंडा (अनंतपुर जिला) - अवधि का विस्तार

भारतीय रिज़र्व बैंक ने उरवाकोंडा को-ऑपरेटिव टौन बैंक लिमिटेड, उरवाकोंडा (अनंतपुर जिला) को बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 56 के साथ पठित धारा 35ए के अंतर्गत दिनांक 23 फ़रवरी 2023 के निदेश संख्या AP.DOS.INSP1.No.S89/03-02-097/2022-23, जिसे समय-समय पर संशोधित किया गया, के अनुसार इसे 24 अगस्त 2023 को कारोबार की समाप्ति तक छह महीने की अवधि के लिए निदेश जारी किए थे, इसे अंतिम बार 15 फ़रवरी 2024 के निदेश संख्या DOR.MON/D-126/12.22.789/2023-24 के माध्यम से 24 मई 2024 को कारोबार की समाप्ति तक की अवधि के लिए बढ़ाया गया था। । भारतीय रिज़र्व बैंक इस बात से संतुष्ट है कि जनहित में, निदेश के संचालन की अवधि को 24 मई 2024 की कारोबार की समाप्ति से आगे बढ़ाया जाना आवश्यक है।

2. तदनुसार, भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 56 के साथ पठित धारा 35ए की उप-धारा (1) के तहत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्द्वारा निदेश को 24 मई 2024 को कारोबार की समाप्ति से 24 अगस्त 2024 को कारोबार की समाप्ति तक तीन महीने की अतिरिक्त अवधि के लिए बढ़ाया जाता है, जो समीक्षाधीन होगा।

3. संदर्भाधीन निदेश के अन्य सभी नियम और शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी।

ए. ओ. बशीर
क्षेत्रीय निदेशक

23 मई 2024

सीएमओ सोशल मीडिया हैंडल पर एमसीसी के उल्लंघन का आरोप

हैदराबाद, 22 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री कार्यालय के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल ने आदर्श आचार संहिता का खुलेआम उल्लंघन किया है और मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) विकास राज और मुख्य सचिव शांति कुमारी से हस्तक्षेप करने और यह सुनिश्चित करने की अपील की गई है कि सीएमओ सोशल मीडिया हैंडल से सभी अपडेट हटा दिए जाएं।

तेलंगाना डिजिटल मीडिया के पूर्व निदेशक दिलीप कोनाथम ने सीईओ को उल्लंघनों की ओर इशारा करते हुए एक्स पर कहा कि आदर्श आचार संहिता लागू होने पर मुख्यमंत्री के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल को कोई भी अपडेट या फोटो/वीडियो पोस्ट नहीं करना चाहिए। हालांकि, तेलंगाना के मुख्यमंत्री कार्यालय के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल एमसीसी का खुलेआम उल्लंघन कर रहे हैं और नियमित अपडेट और फोटो/वीडियो पोस्ट कर रहे हैं।

पूर्व डिजिटल मीडिया निदेशक ने कहा कि हालांकि, मैंने देखा है कि तेलगाना सीएमओ सोशल मीडिया हैंडल वर्तमान में मॉडल कोड का उल्लंघन कर रहे हैं। मैं आपके ध्यान में लाना चाहूंगा कि प्रधानमंत्री कार्यालय भी एमसीसी का पालन कर रहा है और अपने सोशल मीडिया हैंडल पर कोई अपडेट पोस्ट नहीं कर रहा है। मैं इस बात से स्तब्ध हूं कि तेलंगाना में मौजूदा सरकार इतने गंभीर उल्लंघन से बच रही है। उन्होंने सीईओ से मुख्यमंत्री कार्यालय और तेलंगाना के मुख्य सचिव को एमसीसी लागू होने के बाद सीएमओ सोशल मीडिया हैंडल पर किए गए सभी अपडेट को तुरंत हटाने के लिए आवश्यक निर्देश जारी करने का आग्रह किया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.